महानगर नई दिल्ली रविवार 14 जुलाई, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

पूर्वी दिल्ली में कारखाने में आग, तीन की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

जीटीबी एन्क्लेव थाना क्षेत्र के झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक के नल बनाने वाले एक कारखाने में शनिवार सुबह भीषण आग लग जाने दो महिलाओं सहित तीन मजदूरों दम घुटने से मौत हो गई। हादसे के समय कारखाने में तकरीबन 150-200 मजदूर काम कर रहे थे। काम करने वालों में महिला मजदूरों की संख्या ज्यादा थी। आग लगने के बाद कई मजदूर समय रहते बाहर निकलने में कामयाब रहे। वहीं, कुछ मजदूरों ने छत पर जाकर दूसरी इमारत पर कूद कर अपनी जान बचाई। लेकिन इस दौरान दम घुटने से संगीता (40), मंजू (50) और शुएब (19) की मौत हो गई। इनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल में रखा गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख की सहायता राशि की घोषणा की।

जीटीबी एन्क्लेव थाना क्षेत्र के झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र की घटना

खत्म हो चुका था फैक्टरी का लाइसेंस -खबर पेज 4 पर

आग पर काबू पाने के प्रयास में दमकलकर्मी। मौके पर मौजूद दमकलकर्मी व स्थानीय लोग।

दिल्ली अग्निशमन विभाग की 30 दमकलों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर में आग पर काबू पाया। पर देर शाम तक कूलिंग का काम चलता रहा। पुलिस ने बताया कि देर शाम तक मलबे में तलाशी अभियान चल रहा था। फिलहाल जीटीबी थाना पुलिस ने कारखाना के मालिकों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। शाहदरा जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसा झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र के फ्रेंड्स कालोनी स्थित एक कारखाने में हुआ। यहां कॉरसा बॉथ के नाम से प्लास्टिक के नल (टोटी) बनाने का काम किया जाता था। कारखाने में भूमिगत तल के अलावा ऊपर तीन मंजिल थी। एक मंजिल पर तार बनाने का भी काम होता है। बाकी अन्य मंजिलों पर नल बाकी पेज 8 पर

संकट में कर्नाटक सरकार

पांच और बागी विधायक पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/बंगलुरु, 13 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक के सत्तारूढ़ कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन के पांच और बागी विधायकों ने उनके इस्तीफे स्वीकार करने से विधानसभा अध्यक्ष के इनकार के खिलाफ शनिवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। ये पांच विधायक आनंद सिंह, के सुधाकर, एन नागराज, मुनिरत्न और रोशन बेग हैं। उन्होंने कहा है कि पहले से ही लंबित दस अन्य बागी विधायकों की याचिका में उन्हें भी शामिल कर लिया जाए। इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होनी है।

कांग्रेस-जद (सेकु) ने शुरू की बागी विधायकों को मनाने की कोशिश, मंत्री एमटीबी नागराज ने दिए कांग्रेस में लौटने के संकेत

इस बीच, कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस लेने वाले दो निर्दलीय विधायकों एच नागेश और आर शंकर ने विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को लिखे अलग-अलग पत्रों में कहा है कि उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया है। साथ ही, बाकी पेज 8 पर

सहवाग की पत्नी ने जालसाजी का मामला दर्ज कराया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

आरती सहवाग का अपने व्यापार सहयोगी पर जाली दस्तखत से 4.5 करोड़ का कर्ज लेने और नहीं चुकाने का आरोप

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग की पत्नी आरती सहवाग ने अपने व्यापार सहयोगी के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने कहा है कि उनके सहयोगी ने उनके फर्जी दस्तखत के जरिए बाकी पेज 8 पर

डेमचोक घटना घुसपैठ नहीं : सेना प्रमुख

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने शनिवार को कहा कि लद्दाख के डेमचोक सेक्टर की घटना घुसपैठ नहीं है। उन्होंने कहा कि वहां तैनात भारतीय सेना के अधिकारियों ने चीन के अधिकारियों के साथ फ्लैग बैठक में इस मुद्दे को उठाया। मामला सुलझा लिया गया है। कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, 'वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिक जिस इलाके को अपना मानते हैं, वहां आते हैं और गश्त करते हैं... हम उन्हें रोकते हैं। कई बार स्थानीय स्तर पर जश्न समारोह होते हैं। डेमचोक सेक्टर में हमारी ओर तिब्बती जश्न मना रहे थे। इसके आधार पर कुछ चीनी यह देखने आए कि क्या हो रहा है, लेकिन यह घुसपैठ नहीं है। सब सामान्य है।'

नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में इन खबरों के बारे में पूछे जाने पर सेना प्रमुख ने कहा, 'निश्चित रूप से जब कुछ नागरिक आते हैं तो उसके साथ चीनी सेना के लोग भी आते हैं, क्योंकि वे हालात बाकी पेज 8 पर

जनरल बिपिन रावत ने कहा, चीनी अधिकारियों के साथ फ्लैग बैठक में सुलझा विवाद

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिक जिस इलाके को अपना मानते हैं, वहां आते हैं और गश्त करते हैं, हम उन्हें रोकते हैं।

सरकार चीन से सभी स्तरों पर यह मामला उठाए : कांग्रेस

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

कांग्रेस ने लद्दाख में चीनी सैनिकों के भारतीय सीमा में घुसने की खबरों को लेकर शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया और कहा कि इस मुद्दे को चीन के साथ सभी स्तरों पर उठाया जाना चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा, 'लद्दाख बाकी पेज 8 पर

कल ही विश्वास मत कराने के लिए दबाव डालेगी भाजपा

बंगलुरु, 13 जुलाई (भाषा)।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बीएस येदियुरप्पा ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी पर विधानसभा में सोमवार को विश्वास मत हासिल करने के लिए दबाव डालेगी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस-जनता दल (सेकु) गठबंधन सरकार बहुमत खो चुकी है और उसका पतन बाकी पेज 8 पर

खालिस्तान समर्थक वार्ताकारों को हटाया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

करतारपुर गलियारा

करतारपुर गलियारे पर रविवार को भारत-पाक के बीच होने वाली अहम वार्ता से पहले भारत के दबाव में झुकते हुए पाकिस्तान सरकार ने खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला और अमीर सिंह को पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और पाकिस्तान की करतारपुर कॉरिडोर कमेटी से हटा दिया है। इस कमेटी में गोपाल सिंह चावला को शामिल करने पर भारत ने सख्त नाराजगी जताई थी। इसी मुद्दे पर भारत ने पिछली बार इस बैठक को रद्द कर दिया था। विदेश मंत्रालय को पाकिस्तान ने जानकारी भेजी है कि अब रविवार को अटारी-वाघा सीमा पर बैठक के दूसरे दौर से पहले पाकिस्तान सरकार ने गोपाल सिंह चावला और अमीर सिंह को इस कमेटी से बाहर बाकी पेज 8 पर

गोपाल सिंह चावला और अमीर सिंह को पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और पाकिस्तान की करतारपुर कॉरिडोर कमेटी से हटाया

भारत-पाकिस्तान बैठक आज

भारत और पाकिस्तान के बीच वाघा सीमा पर पाकिस्तान की तरफ रविवार सुबह नौ बजे बैठक शुरू होगी, जो दोपहर को एक बजे खत्म होगी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा) एससीएल दास और विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान) दीपक मित्तल करेंगे। वहीं पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व दक्षिण एशिया और सार्क महानिदेशक डॉ. मोहम्मद फैसल करेंगे।

- पाक की हर हिमाकत का मुंह तोड़ जवाब देंगे : सेना प्रमुख
- पाकिस्तान में गुरुनानक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास

-खबरे पेज 8 पर

भाजपा महासचिव रामलाल वापस संघ में भेजे गए

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में एक बड़ा बदलाव हुआ है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) राम लाल को इस पद से हटाकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में वापस ले लिया गया है। आरएसएस में राम लाल को अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख की नई जिम्मेदारी दी गई है। संपर्क प्रमुख अनिरूद्ध देशपांडे हैं। आरएसएस सूत्रों ने इस आशय की जानकारी दी है। राम लाल भाजपा में संगठन मंत्री का दायित्व संभाल रहे थे। उन्होंने खुद इस जिम्मेदारी से हटाने का आग्रह किया था। चर्चा है कि वी सतीश को भाजपा में संगठन मंत्री बनाया जा सकता है। वी सतीश अभी भाजपा में राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव हैं। भाजपा में एक प्रमुख रणनीतिकार के रूप में राम लाल संघ एवं पार्टी के बीच की कड़ी थे। उन्हें भाजपा की हर बाकी पेज 8 पर

दो बार पत्र लिखकर किया था खुद को पदमुक्त करने का अनुरोध

इलाहाबाद बैंक ने भी दी 1,775 करोड़ की धोखाधड़ी की सूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के बाद एक अन्य सरकारी बैंक- इलाहाबाद बैंक ने शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक को भूषण पावर एंड स्टील द्वारा करीब 1,774 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने की सूचना दी है।

संगीन आरोपों के घेरे में भूषण पावर एंड स्टील

इलाहाबाद बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ फोरेंसिक ऑडिट जांच के निष्कर्षों बाकी पेज 8 पर

विधायक की बेटी के दलित से विवाह का मामला

एससी/एसटी आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर मांगी रिपोर्ट

नोएडा, 13 जुलाई (भाषा)।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के अध्यक्ष बृजलाल ने शनिवार को कहा कि बरेली से भाजपा विधायक राजेश मिश्रा की बेटी साक्षी मिश्रा द्वारा दलित युवक से विवाह को लेकर चल रहे प्रकरण में आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर जनपद के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब की है।

साक्षी मिश्रा

जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब की गई।

बृजलाल ने कहा कि पीड़ित लड़की को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करा दी गई है और लड़की के पिता से भी बात की गई है। उन्होंने बताया कि लड़की और उसके पति को किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं है।

गौरतलब है कि विधायक की बेटी साक्षी ने दलित युवक अजितेश कुमार के साथ वैदिक हिंदू रीति रिवाज से शादी करने का वीडियो बुधवार को वायरल किया था। उसके बाद बाकी पेज 8 पर

अमरनाथ यात्रा इस महीने दूसरी बार हुई स्थगित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

कश्मीर घाटी में शनिवार को 'शहीद दिवस' पर अलगाववादी संगठनों की ओर से आहूत हड़ताल के मद्देनजर सरकार ने एहतियातन अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी। इस महीने यह दूसरी बार है, जब यात्रा स्थगित की गई है। इससे पहले आठ जुलाई को हिज्बुल मुजाहिदीन के कमांडर बुरहान वानी की तीसरी बरसी के मद्देनजर अमरनाथ यात्रा एहतियातन स्थगित की गई थी। कश्मीर में 13 जुलाई शहीद दिवस के रूप मनाया जाता है। 1931 में इसी दिन डोगरा नरेश महाराजा हरि सिंह की सेना की गोलीबारी में 22 लोग मारे गए थे। अलगावादियों ने मारे गए लोगों की याद में हड़ताल का आह्वान किया था। इसके मद्देनजर सेना को खास तौर पर सतर्क किया गया था।

यात्रा 30 जून को शुरू हुई थी।

अमरनाथ यात्रा स्थगित करने के बाद श्रद्धालुओं को शनिवार के लिए जम्मू में ही बने रहने को कहा गया। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, 'शनिवार को कश्मीर घाटी में अलगावादियों द्वारा बुलाई गई हड़ताल के मद्देनजर एहतियात के तौर पर यहां से अमरनाथ यात्रा निलंबित कर दी गई।'

गोवा : कांग्रेस से भाजपा में गए तीन विधायक बने मंत्री

पणजी, 13 जुलाई (भाषा)।

गोवा में कांग्रेस के 10 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के कुछ दिन बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया। मंत्रिमंडल में बदलाव के लिए सहयोगी दल गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के तीन सदस्यों और एक निर्दलीय सदस्य को मंत्री पद से हटाया गया।

गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले माइकल लोबो और इस सप्ताह भाजपा में शामिल होने वाले 10 में से तीन विधायक चंद्रकांत कावलेकर, जेनिफर मोन्सेराते, फिलिप रोड्रिगेज ने नए मंत्रियों के तौर पर शपथ ली। गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने दोपहर में राजभवन में आयोजित एक समारोह में नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले माइकल लोबो और इस सप्ताह भाजपा में शामिल होने वाले 10 में से तीन विधायकों ने नए मंत्रियों के तौर पर शपथ ली

शपथ ग्रहण से पहले मुख्यमंत्री ने एक अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार चार मंत्रियों- उप मुख्यमंत्री विजय सरदेसाई, जल संसाधन बाकी पेज 8 पर

दरअसल

2021 तक पूर्वोत्तर के पांच राज्य जुड़ेंगे | बड़ी पहल | त्रिपुरा में दो प्रमुख लाइनों का कार्य पूरा

पूर्वोत्तर की पहाड़ियों का आनंद अब रेलवे के साथ

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

पूर्वोत्तर के पहाड़ व वन क्षेत्रों तक पर्यटकों और यात्रियों की पहुंच अब आसान होने वाली है। रेल मंत्रालय पूर्वोत्तर के पांच राज्यों में 2021 तक रेल का जाल बिछाने जा रहा है। इन राज्यों में नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय और सिक्किम शामिल हैं। सबसे पहला ट्रैक जून 2021 तक सिक्किम तक पहुंचाने की तैयारी है। यह सेवोक से रंगपो के बीच करीब 40 किलोमीटर लंबा होगा। इससे पयर्टन व कारोबार को भी बढ़ावा देगा।

सिक्किम की इस परियोजना के लिए मसौदे को पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया है। पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी के बाद परियोजना पर काम शुरू होगा। मंत्रालय जिन परियोजनाओं को 2021 में पूरा करने के लिए काम कर रहा है, उनमें मिजोरम की भैरबी-सैरांग लाइन भी शामिल है। यह पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का एक हिस्सा है। इस हिस्से में करीब 18 किलोमीटर का लंबा ट्रैक तैयार होगा, जो मिजोरम के ऐजल शहर को जोड़ देगा। मंत्रालय ने नगालैंड के कोहिमा से भी नेटवर्क का विस्तार करने की योजना तैयार की है। यह ट्रैक 17 किलोमीटर लंबा होगा, जो दीमापुर और जुब्जा को जोड़ेगा।

मणिपुर में जिरिबाम से सीधे इंफल को जोड़ने की भी योजना तैयार की गई है। इस योजना को 2020-21 के वित्त वर्ष के अंदर पूरा किया जाएगा। जिरिबाम शहर मणिपुर के पश्चिमी द्वार के बाकी पेज 8 पर

40 किलोमीटर लंबा होगा सेवोक से रंगपो के बीच ट्रैक

18 किलोमीटर का लंबा ट्रैक बनेगा भैरबी- सैरांग लाइन पर

10 किमी की लाइन चालू हो चुका है हर्मुती से नाहरलगुन के बीच

नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय और सिक्किम में होगा काम

रविवारी
14 जुलाई, 2019

दाखिले का दंगल विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए अंक प्रतिशत अधिक रखे जाने की वजह से इस साल बहुत सारे बच्चे प्रवेश पाने से वंचित रह जाएंगे। प्रवेश प्रक्रिया का विश्लेषण कर रहे हैं सुशील राघव।

- **कहानी**/ जहीर कुरेशी • **भाषा प्रसंग**/ ओम निश्चल • **योग दर्शन**/ डॉ. वरुण वीर • **शख्सियत**/ अरुणा आसफ अली • **दाना-पानी**/ मानस मनोहर • **सेहत**/ रविवारी डेस्क

बरसात में गाड़ी का रखें खयाल • रवि डे

- **कविता**/ कुमार गौरव अजीतेंदु • **कहानी**/ सिराज अहमद

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It is for general information that I,Rajesh W/o Balraj R/o-5/3 St.No.3,Karawal Nagar Delhi-110094,inform that name of mine has been wrongly written as Rajwati in LIC Policy No.122103786/ 122104564.The actual name of mine is Rajesh which may be amended accordingly. 0040503183-6

I,Manisha Singh w/o Hemendra Singh R/o-A8/202, 2nd.floor, Tower-A-8,Nirala Aspire,GH-3, sector-16,Greater Noida West,Distt. Gautam Buddha Nagar.Have changed my Name to Manisha Rajput. 0040503159-5

I, Vijay Kumar Arora@Vijay Kumar S/o Janak Raj R/o-16/7A, Moti-Nagar Ramesh Nagar, Delhi-15, have changed my name to Vijay Arora. 0040503131-1

I, Vanshika Batheja D/o Sh.Surinder Kumar Bhateja R/o D-63, 3rd Floor, East Uttam Nagar, Ram Dutt Enclave, New Delhi-110059, have changed my name to Vanshika Bhateja for all purposes. 0040503121-1

I, Surinder Kumar Goel S/o Chandgi Ram Goel R/o A-38 Third Floor Vikaspuri Tilak Nagar, Delhi, have changed my name to Surender Kumar Goel permanently. 0040503132-1

I, Suneel Kumar Ray, S/O Sh. Rambalak Ray, R/o Purvi Tola Ward No 12, Narayanpur, EastChamparan, Bihar-845427, presently residing at B-54/4, Krishna Vihar, Sahibabad, Ghaziabad, UP-201005 have changed my name to Sunil Kumar Ray S/O Sh. Harendra Ray for all future purposes. 0040503067-1

I, Shyam Sunder S/o Sh. Ram Paltan R/o-407 Sanand-Tower ONGC-Colony Makkarpura-Road Vadodara Gujrat-390009, Presently Residing at Pocket-1 Sector-C House No.1246 Vasant-Kunj, New Delhi-110070.have changed the name of my minor Son aged about 14-yrs from Abhishek to Abhishek Rakshit for all purposes. 0040503131-7

I, Shubham Kumar S/O Sharwan Kumar R/O I-14, Sector-12, Noida, Up Have Changed My Name To Shubham Kumar Chaursiya 0040503159-6

I, Sharda Malik D/o Roopak Parkash Malik W/o Manish Bhola R/o JG-3, 18 -C, Vikas Puri, Delhi- 18 have Changed to Sharda Bhola for all Purposes 0040503195-2

I, Sasi N.P/N.P Sasi/Sasi Kumar N.P/Nalonnumuriyil Ponnamma Sasi, S/o Bhanu, R/o-251, DDA, LIG-FLATS, Pkt-3C, Sector-16B, Dwarka, Delhi-110078,have changed my name to N P Sasi Kumar,for all purposes. 0040503131-3

I, Sandeep Kumar R/o Unit ACG, IHQ MOD Camp, Shankar-Vihar, Delhi Cantt-110010 inform my minor daughter name is wrongly mentioned in my Army service-records as Salaja Kumari but her correct name is Sailja Kumari. 0040503130-9

I, Saher Mahvish W/o Mohammad Ayaz Khan R/o 168, First Floor, Vaishali Enclave, Pitam Pura, Delhi, have changed my name to Mahvish Khan for all purposes. 0040503121-3

I, Safal Prasad Sharma S/o Late Shri Kishore Prasad R/o RZ/A-62, Gali No.1/2, 10th to 12th lane, Nala Patri, Main Sagarpur, Delhi-110046, have changed my name to Safal Prasad Nodiyal, for all future purposes. 0040502948-1

I, Ravi@ Ravi Tushir S/o Late.Ramphal R/o-Village and Post-Office Janti-Kalan, District-Sonipat, Haryana-131028,have changed my name to Ravi Tushir for all purposes. 0040503183-9

I, Subhash Chand S/o Laxmi Narayan R/o-A3/58-59 Sector-11 Rohini Delhi-110085. have changed my name to Subhash Jain. 0040503131-5

I, Rakesh Solanki S/o Ram Kishan Solanki R/o-F-3/48, Sector-11, Rohini, Delhi-110085,have changed my minor son's name from Nikhil to Nikhil Solanki. 0040503130-2

I, Praveersinh Bhartendu Parmar S/o Bhartendu Shirishchandra Parmar R/o-C-7/163, First-Floor, Sector-8, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Praveersinh Parmar. 0040503130-3

I Bhagwan Shai S/o Lal Chand R/o RZ 108/284 Gali No 2 Geetanjali Park, West Sagarpur N.D 110046, have change my name to Bhagwan Sahay 0040503155-1

I , BRIJPAL SINGH S/o Ami Chand R/o Type-II/33, Tapti Apartment, Schedule-B, President Estate, Rashtrapati Bhawan, New Delhi-110004 informs that my name is mistakenly mentioned in Service Record as BRAJPAL SINGH. BRIJPAL SINGH and BRAJPAL SINGH are same person. 0040503141-1

I, Prachi Singhal W/O Ajay Singhal R/O 505 Nanda Tower Kaushambi Ghaziabad Up Have Changed My Name To Sonia Singhal 0040503159-7

I, Poonam Rani D/o Sh. Narsingh Kushwaha R/o H.no-D/15, Gali no-15, Molarband Extn, Badarpur, New Delhi-110044, have changed my name to Poonam Kushwaha for all purposes. 0040503157-1

I, Parvinder Kumar, S/o Shri Ved Prakash, R/o-2/23, Ram Mohalla, JohriPur, Delhi-110094.have changed my name to Parvinder Yadav for all future purposes. 0040503131-2

I, No.6937773Y HAV SK Salim of OD Shakurbasti, New Delhi correction in D.O.B. of wife in Service documents. D.O.B. of her 20/02/1982 (incorrect)& her correct D.O.B. is 01/01/1983. 0040503183-4

I, Niharika Uppal D/o Sh.Vikesh Uppal W/o Sh.Keshav Chawla R/o C-112, Preet Vihar, Delhi-110092, have changed my name after marriage to Niharika Chawla for all purposes. 0040503121-4

I, Nafees Tasneem Abit D/o Shaik Mahaboob Subhani (SM-Subhani) R/o.H.No.246, Deerwood Chase, Nirvana-Country, Gurugram-122018, have changed my name,from Nafeesa Tasneem Abid to Nafeesa Tasneem vide-affidavit dated-25-4-2019 at New Delhi. 0040503199-10

I, Mukesh Mohan Shivdasani S/o Mohan Das Bulchand Shivdasani R/o E-033, Richmond Park, DLF Phase-4, Gurgaon, Haryana have changed my name to Mukesh Shivdasani 0040503158-1

I, Mohd Naeem S/o Late Mohd Enuddin R/o-142G Gangi Kasaba-Gangi Town/Village Anchal-Bahadurganj Kishsn-Ganj Bihar have changed my name to Mohd Aslam for all future purposes. 0040503183-8

I, Kumari Meenakshi W/o Aniket Chakraborty R/o:WZ-61A/3A, Gali No-13, Vashist-Park, Pankha-Road, New Delhi-46 Have Changed My Name to Meenakshi Verma. 0040503130-10

I, Karuna Bhaggal D/o Sh.Shankar Dass W/o Sh.Gulshan Kumar R/o E-71, First Floor, Tagore Garden Extn., New Delhi-110027, have changed my name to Karuna Aashta for all purposes. 0040503121-2

I, Jaswinder Kaur W/O Raghubir Singh R/O S-640-A, School Block Shakarpur Delhi-110092 Have Changed My Name To Jasvinder Kaur. 0040503130-1

I, Jass Karan Singh S/o Gurcharan Singh R/o MU-14B, LIG Flats, Pitampura, Delhi-110034, have changed name to Jaskaran Singh. 0040503130-4

I, Janinder Malik S/o Shri Jagat Prakash Malik R/o Flat No-1403, Tower-09 Lotus Boulevard, Plot No. GH-09 Sector-100 Noida Distt. Gautam Budha Nagar 201301 (U.P.) have changed my Minor Son's name from Nischay Malik to Yagna Malik. 0040503124-1

I, hitherto known as Akshita wife of shri Nilabh Singh R/o H.No.640, (West) Bhai Parmanand colony Delhi-110009, have changed my name and shall hereafter be known as Akshita Dutta Singh. 0040503159-2

I, Jaishree Khattar D/o Late Sh.Krishan Chand Khattar W/o Sh.Tarun Mehta R/o-C-782,Second Floor,Vikaspuri, New Delhi have changed my name to Shalini Mehta after marriage (Date of Marriage 21.04.1995) for all future purposes. 0040503154-1

I, Gopal Bhandari S/o Diwan Singh Bhandari R/o B-227, Brijvihar, Ghaziabad, U.P.-201011 have changed my name to Gopal Singh Bhandari. 0040503183-1

I, Geetanjali Saxena D/o Mukesh Shivdasani R/o E-033, Richmond Park, DLF Phase-4, Gurgaon, Haryana have changed my name to Geetanjali Shivdasani. 0040503158-2

I, Diwan Singh S/o Keshav Singh Bhandari R/o B-227, Brijvihar, Ghaziabad, U.P.-201011 have changed my name to Diwan Singh Bhandari. 0040503183-2

I, Beenu khanna D/O Jagmohan Khanna W/O Mahindar Singh R/O A-40, Gali no 10, New Govindpura, Krishna nagar Delhi-51 have changed to Gurpreet Kaur for all purpose 0040503159-10

I, Amit S/o Chandram R/o Village Nandgarh, Distt. Jind, Haryana-126101 have changed my name to Amit Kumar for all purposes. 0040503125-1

I Naveen Mehra S/o Inder Narain Mehra R/o-A-41 GF, Ashoka-Enclave Part-2, Sec-37 Amarnagar Faridabad Haryana-121003.changed my name to Navin Mehra. 0040503183-7

I Kumari Nishu Sahni W/O Sunil Chadha Resident 1901, Outram-Line Phulwari-Block, Kingsway-Camp Delhi-110009. have changed my name to Nisha Chadha. 0040503130-6

I Kartar Singh Malhotra S/o Sardar Prem Singh R/o-13 Ground-Floor Mausam-Vihar Krishna Nagar Delhi-51.have changed my name to Kartar Singh 0040503131-8

I, Amarjit Singh S/o Tara Singh R/o Qtr.No-1, Gurudwara SisGanj Sahib, Chandni-chowk, Delhi-110006, have changed my name to Amarjeet Singh. 0040503183-5

I, Abhay Jain S/o Bimal Kumar Singhi R/o-C-1/74 Rajasthali-Apartment Pitampura Delhi-110034, changed my daughter's name Saanchi Jain to Cherry Jain. 0040503131-6

I, 6947962W, HAV.Sandip of-OD Shakur-Basti, New Delhi, added Name and Surname Sandeep Choudhary, hence-forth know as Sandeep Choudhary,for all purposes. 0040503130-5

I hitherto known as Ravijeet Kaur alias Kiran Arneja W/O Ramandeep Singh R/O-31/10, First Floor, Old Rajinder-Nagar, Delhi-110060.have changed my name and shall hereafter be known as Ravijeet Kaur. 0040503130-8

I Shrawan Pandita Alias Shrawan Kumar Alias Shrawan Kumar Pandita S/o Ravinder Pandita R/o 136-G, Pocket-4, Mayur Vihar Phase-1, Delhi-110091 Have Finally Changed My Name To Shrawan Kumar Pandita. 0070664822-1

I Sariful Mondal S/o Khokan Mondal R/o VPO- Mohammad pur, Teh-Berhampore, Distt-Murshidabad, (W.B)-742121. In my birth certificate my name Serful Mondal & DOB 10/08/1991 is wrongly mentioned But my correct name is Sariful Mondal &DOB is 30/01/1994. 0040503122-1

I Ratnesh Dabra Alias Ratnesh Kumar Dabra S/o Jagdish Chander Dabra R/o KG-1/ 589, Vikaspuri, Delhi- 110018 have changed my name to Navratnesh Dabra. 0070664805-1

I Rajinder Kumar S/O Sukhdev Resident I-207, Upper Ground-Floor, Ashok Vihar Phase-I Delhi-110052 have changed my name to Rajender Chugh. 0040503130-7

I Priyanka D/o Amarjit Singh R/o 2A-SF UC Block Usha Park Hari Nagar N.D-110064, have change my name to Priyanka Singh 0040503155-3

I Pradip Kumar Shrivastav S/o Santosh Kumar Shrivastav R/o-H.No.2007, Gali No.39, Sanjay-Colony, Sector-23, Faridabad Haryana.have changed my name to Pradeep Kumar Shrivastav,for all future purposes. 0040503131-4

I Poonam Dabas W/O Sh.Pradeep Dabas R/O-78a, A-Block, Roshan Garden Uttam-Nagar Road-East Najafgarh, N.Delhi-110043.Have Changed My Name To Poonam Rani. 0040503204-1

I, Hema W/o Diwan Singh Bhandari R/o B-227, Brijvihar, Ghaziabad, U.P.-201011 have changed my name to Hema Bhandari. 0040503183-3

I Pappu Sinha Alias Pappu Singha S/o Pratap Singha R/o C-107, Vijay Vihar Phase-2, Rohini Sector-4, Delhi- 110085 Have Finally Changed My Name To Pappu Singha. 0070664800-1

I Kanwar Pal S/O Puran Chand Vashisth R/O-F-73 Inder-Enclave Phase-II Kirari Suleman-Nagar Delhi-110086.Have Change My Name Kanwar Pal To Kanwar Pal Vashisth.For All Purpose. 0040503131-9

I Indu Bala Aneja Alias Indu Bala Alias Ashu Narang D/o Hans Raj Aneja W/o Lalit Kumar R/o F-30, Sudershan Park, Delhi-110015 have finally changed my name to Indu Bala. 0070664821-1

I Dharmendra kumar S/o Shankatha Singh R/o D-23 Rajiv Park East Sagarpur N.D 110046, have change my name to Dharmendra Singh and my father correct name is Sankatha Singh 0040503155-2

I,Geeta Dang D/o Late Vijay Kumar Dang R/o E-1206A,13thFloor tower-E, Amrapali Princely EstateSector-76 Noida Has Changed my Son`s name from Chaitanya Sharma to Chaitanya G. Dang Permanantly. 0040503070-1

I, Monika W/o Manoj Kumar Sachdeva R/o H.No.7/2 7A, Church Road,Jwala Nagar,Shahdara East Delhi-110032,have changed my name to Meenu Sachdeva. 0040503159-1

वर्गीकृत

SITUATION VACANT

Wanted a full time servant. Free food and lodging salary negotiable. Consult mob : 9470794749 **50151524**

शिक्षा संबंधित

OIL WELL DRILLING TECHNOLOGY
तेल के कुओं की वेधन प्रौद्योगिकी
Industry Aligned Cert. Training Course (also includes Supervisor/Driller Levels Cert. Content for Land/Offshore Oil Drilling Rigs)
XII / X+ITI / Degree / Diploma – with PCM & ED (first come-first serve)
Aug-Nov-2019, P/T, New Delhi
Application Last Date 31-July-2019
www.chadha.ind.in
praveenkchadha@gmail.com
9810224400
Chadha Consulting, New Delhi

खोया+पाया

It is notified for the information that my Original Qualifying Examination Certificate andMarksheet of Class-10th,year2013, Roll-No.8659765 &class12th, year2015, Roll No. 9652665 issued by CBSE has been lost.Rishabh Tiwari, R/o.C-89, Gali.No.7, Mukund Vihar, Karawal Nagar,Delhi-110094. Founder Pls Contact: 7677064745. 0040503200-3

I, Naresh Kumar Mahajan S/o Sh.Desraj Mahajan R/o 99, SF, Tarun Enclave, Pitampura, Delhi-110034, have lost my original Lease Deed dated 08-09-54 bearing Shed No.45, Ground Floor, Azad Market, Delhi-110006. Finders may contact at above address. 0040503121-5

I, Pralab Barua S/o Late Shri Prabhakar Barua R/o A-14 Second Floor Nizamuddin East New Delhi-110013 inform that my Second Floor along with its terrace right of Property No.A-14 Nizamuddin East New Delhi-110013 Sale Deed Regd No.12644 in Addl. Book No.1 Vol. No.4350 on pages 1 to 11 on dt.28-09-2004 in the office of Sub Registrar-V Mehrauli New Delhi has been Lost if found contact me. 0040503127-1

I, Rani Tiwari W/o Late Avadhesh Kumar R/o 92, G.F., Gujranwala Town, Part-II, Delhi, have lost all my original documents i.e. Perpetual Lease Deed, Form-D, Map, Demand Letter, Allottment Letter, Senction Plan etc. of abovesaid property. Finders may contact at above address. 0040503121-7

It is notified for the information that my ORIGINAL Xth CBSE Certificate and Marksheet Roll No-8197279 Year 2017, has been actually lost.Please contact Satinderpal Singh S/o Bikram Singh R/o K-76 Vijay Vihar Phase-2, Sector-4 Rohini Delhi. 0040503129-1

I, Ajay Saluja S/o Sh.A.D. Saluja R/o 246-D, MIG Flat, Rajouri Garden, Delhi, have lost my previous all original documents of abovesaid property. Finders may contact at above address. 0040503121-6

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Shri Om Prakash Sharma S/o Late L.R. Sharma aged 72 years R/o 40, Saket Kunj, Sector-9, Rohini, Delhi-110085 has disowned his son Shri Rajeev Sharma due to whereabouts not Known for the last 20 years and severed all the connections with the family members. Any dealing shall be at one's own risk and consequences.

Prem Nath Mittal, Advocate, Ch.no.433, Distt. Courts, Rohini, Delhi-110085

PUBLIC NOTICE

My clients Surinder Kumar Chopra S/o Late Sh. Roshan Lal chopra and Smt. Nalini Chopra W/o Sh. Surinder Chopra both R/o 146, Laxmi Apartment, Plot no. 24/3, Sector-9, Rohini, Delhi has disowned/debarred their son Punit Chopra and his wife Parul Chopra from their movable, immovable property and have severed all connections due to their misbehavior and out of control. Anybody dealing with them, my client and other family members shall not be responsible for their act and conduct.

Sd/-
(SANJAY RANA)
ADVOCATE
CH. NO. 804, Rohini Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

My Client MANGERAM S/o NAINSINGH R/o H.NO. A-17, PUL PEHLAD PUR, SURAJ KUND ROAD, BADARPUR, Delhi-110044, has disowned/debarred his son "Rahul" from his moveable, immovable property and has severed all connections due to his misbehavior/out of control. Anybody dealing with him my client will not be responsible for their act and conduct.

Sd/-
VIJAY KUMAR
ADVOCATE
CH. NO. 1316, ROHINI COURTS, DELHI-110085

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT SH RAVINDER JAIN S/O LATE SH SHYAM LAL JAIN R/O H.NO. 141, POCKET-B2, SECTOR-6, ROHINI, DELHI, HAS SEVERED ALL HIS RELATIONS & DEBARRED HIS SON AMAN JAIN S/O RAVINDER JAIN FROM ALL HIS MOVABLE & IMMOVABLE PROPERTY DUE TO HIS HOSTILE BEHAVIOUR. MY CLIENT SON IS IN POSSESSION OF THE VEHICLE NO. DL-8SEC-5424, WHICH IS REGISTERED ON MY NAME AND IF ANY MIS-HAPPENING OCCURS BY THE SAID VEHICLE, MY CLIENT SON NAMELY AMAN JAIN IS SOLELY RESPONSIBLE FOR THE SAME. MY CLIENT WAS, IS AND WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR HIS ANY ACT/DEED /LIABILITY.

Sd/-
TARUN GAHLOT
(Advocate)
Ch. No. 201, Rohini Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

To, be known to all that my client Sh. Vinod Kumar Chawla S/o Sh. Baldev Raj Chawla R/o A-1/55, safdarjung Enclave, New Delhi-110029, is the allottee of Plot No. 55, Block A-1, Area 667 Sq. Yrds., Safdarjung Enclave, New Delhi-29, has applied for conversion of the aforesaid property from leasehold to freehold in DDA. The original documents i.e. Perpetual Lease Deed, C&D Forms Occupancy Certificate, Allotment Letter, Possession Letter and Site Possession Slip, of the above, said property have been lost or misplaced by my client and are not traceable in spite of his/her/their best efforts. An F.I.R/NCR to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch Delhi (LR NO 1248842/ 2019 dated 10.07.2019). Any person(s) claiming any rights, interest, having any objection of found in possession of original documents, may write/contact with an above named person at above Address/ Phone No. 9811040513 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director LAB (Residential) or Director (Residential), Vikas Sadan, New Delhi. Naveen Aggarwal

PUBLIC NOTICE

My clients, Smt. Shanti Devi wife of late Sh. Ramanand Gupta, Sh. Prem Prakash Gupta son late Sh. Ramanand Gupta, Smt. Rameshwari Devi Gupta wife of Sh. Prem Prakash Gupta, Sh. Deepak Bansal son of Sh. Prem Prakash Gupta and Sh. Pankaj Gupta son of Sh. Prem Prakash Gupta all r/o 1178, Vikas Kunj, Vikas Puri, New Delhi-110018 have severed their respective relationship with Sh. Manish Gupta son of Sh. Prem Prakash Gupta and his wife Smt. Vandana Gupta and their children since long and due to their disrespectful behavior my clients Smt. Shanti Devi, Sh. Prem Prakash Gupta and Smt. Rameshwari Devi Gupta have also disowned and disinherited them as their legal heirs/successors and have also disowned/ debarred them from their entire movable and immovable properties. Any body dealing with him, will do at his/her/ their own cost and risk. My above named clients shall not be responsible for any acts/deeds done by Sh. Manish Gupta and his wife Smt. Vandana Gupta either in past or in future.

Sd/-
SUNIL GUPTA (Advocate)
Ch. No. 311-312, Civil Wing, Tis Hazari Court Delhi-54

PUBLIC NOTICE

On behalf of my client Sh. Kanwar Singh S/o Late Mauji Ram R/o RZ-69, MS Block, Old Kakrola Road, Roshan Garden, Najafgarh, Delhi- 110043, Caused this notice to the General Public that my above named client have debarred and disowned his wife Smt. Rajbala, both sons namely Narender Singh & Bijender Singh and daughter Smt. Renu Dagar from all his movable and immovable properties because of their acts, conduct and un-bearable behavior towards my client. Now my above named client would have no concern with his above said wife, both sons and daughter in any manner whatsoever. In future, if anybody deals with above said my wife, sons and daughter in any way or any manner, he/she would be doing so at their own risk and consequences.

Anup Singh (Advocate)
Ch. 508, Lawyers Chamber Block, District Courts, Saket, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Be it known to general public at large that my client Ravi Kumar S/o. Sh. Fateh Singh, R/o. B-101C, DDA Flats, Shivaji Enclave, Raghubir Nagar, Rajouri Garden, Delhi-27 has severed his relations with his son Lokesh Chaudhary and his wife Nibha @ Neha and their daughter Priyanshi and disinherited them from all his movable and immovable properties, due to their ill treatment/ misbehavior towards my client and his family members. Any body dealing with them may do so at his/her own risk and responsibility. My client shall not be responsible in any manner whatsoever.

Sd/-
Navin Gupta
Advocate
Ch. 374, W. Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my client Shri Sh. Mahesh Chand S/o Shri Duli Chand and his wife Smt Lata both R/o K-601 (5th floor) Ecociti, Sector-137, Noida (U.P) 201301 have severed all their relations with their son Kushneet Kumar and his wife Shreya Thagela from their moveable and immoveable properties as he has become disobedient, disloyal and disrespectful to my clients and has been acting against their interest. Anybody dealing with Kushneet Kumar and Shreya Thagela shall be doing so at his/her own risk, cost and responsibly and my clients shall not held responsible in any manner whatsoever for any of his acts.

Sd/-
(RAJIV K. TEWARI)
ADVOCATE
Ch No. 394-395 CIVIL WING
TIS HAZARI COURTS DELHI-110054

PUBLIC NOTICE

My client RADHA GUPTA W/O SH. SURAJ GUPTA R/O H.NO. 83, KH. NO. 85/19, 3RD FLOOR, BLOCK-1, VIJAY VIHAR, ROHINI, PHASE-II, DELHI-110085 has disowned/ debarred her son GAUTAM GUPTA @ MOHIT from all moveable/ immoveable properties and served all relations from him due to misconduct, hostile behavior. My client will not be responsible for any act in future.

Sd/-
ROHIT KUMAR (ADVOCATE)
CH.NO. 1127,
ROHINI COURTS, DELHI-85

PUBLIC NOTICE

To whomsoever it may/ concern that my client namely Smt. Ramwati W/o Sh. Puranchand R/o D-82, J.J. Colony, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110059, have severed her all relations with her son Vikas Kumar @ Vicky and daughter Ms. Meenakshi with immediate effect and also debarred and disowned them from her all movable and immovable property.
My client also don't want to keep them in her house and from now onwards if anybody deals with them, shall do so at his/her own risks and cost, my client will not responsible for the same.

Sd/-
VINAY KUMAR SHARMA
&
PAWAN YADAV
Advocate
Chamber No. 650, Dwarka Court Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075
Mob. No. 9810248717

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I HEMANT KUMAR S/O PREETAM KUMAR Residing at H. NO. 5855, Gali Hanuman Mandir, Nabi Karim, Swami Ram Tirth Nagar, Central Delhi-110055, declare that name of my father has been wrongly writteen as PREETAM IN Eductional Documents. The actual name of my father is PREETAM KUMAR, which may be amended accordingly.

Public Notice

My clients **Shri Ram Saini S/o Sh. Khushi Ram Saini, his wife Imarti Devi and Sh. Pawan Saini S/o Shri Ram Saini all are R/o C-225,Block-C,Laxmi Park, Nangloi, Delhi-41** hereby remove their relationship and expel their son **Rohtash Saini S/o Shri Ram Saini** from all their moveable and immoveable property because he is out of their control.if anybody deals with him ,then he/she will do so on his/her own risk. Vijay Laxmi, Advocate(Delhi High Court),113,CLJ Lawyer Chambers,Tis-Hazari,Delhi-54.

PUBLIC NOTICE

My client Sh. Ashok Kumar Gupta S/o. Late Sh. S.K. Gupta and his wife Smt. Kiran Gupta, both R/o. C-5/99, Sector-11, Rohini, Delhi -110085 severed all their social relations with their son Prabhav Aggarwal and his wife Smt. Chitvan Aggarwal, both residing at H.No. C-5/99, Sector-11, Rohini, Delhi -110085 due to their cruel and disobedient behaviour towards my clients. My clients disowned them from their all movable and immovable properties. My clients shall not be responsible for any act and conduct done by their son and daughter-in-law in future.

GEETANKSHA DHINGRA-ADVOCATE
Ch. No. B-136, B.G.S. Block, Tis Hazari Court, Delhi -110054

PUBLIC NOTICE

My Clients Sarita Gupta W/o Uma Shankar Gupta and Uma Shankar S/o Shri Ram Gupta R/o 282 Bank Enclave, Delhi 92, have severed all their relations & debarred son Rohit Gapta & his wife Kiti Mahajan from all their movable & immovable properties due to disobedient attitude. My clients shall not be responsible for any of their acts & deeds done by them and anybody dealing with them shall be at their own entire risks and consequences.

Sandeep Sharma (Advocate)
Ch. No. 372 Patiala House Courts, New Delhi 92

PUBLIC NOTICE

I, GURMIT SINGH S/O DARSHAN SINGH, residing at HOUSE NO- 8760/4, MULTANI DHANDA, PAHAR GANJ, NEW DELHI-110055. I shall be known as GURMIT SINGH not (Gurnmeet Singh). It's my humble request to change my name from Gurmeet Singh to my correct name Gurmit Singh from my daughter's school admission form which has been written wrong previously in school time.

अदालती सूचना

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT (ORDER 5, rule 20 of the Code of Civil Procedure)
In the court of Ms. Tyagita Singh
Senior Civil Judge-cum-Rent Controller (South)
Room No. 01, Saket Courts, New Delhi
Case No. 3/16
Kanhaiya Lal
Vs.
Khairati Lal

To
(C) Ladhu Ram S/o Kanhaiya Lal House No. 1532/7, Wazir Nagar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003 (Last known Address)
(H) Smt. Shakuntala D/o Kanhaiya Lal House No. 1532/7, Wazir Nagar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003 (Last known Address)
The Defendant above named.

WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 07-09-2019 at 10.00 A.M. the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte. GIVEN under my hand and the seal of the court, this 06-07-2019.

Sd/
Senior Civil Judge-cum-Rent Controller (South)
(Seal) Saket Courts, New Delhi

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री किशन लाल पुत्र श्री मुरली राम निवासी 153-सी, सावित्री नगर, मालवीया नगर, नई दिल्ली ने अपने पुत्र अविनाश @ आनु को उसके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उससे सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं। इसके किसी कार्य, लेन-देन व व्यवहार के लिए मेरे मुवक्किल या उसके परिवार जिम्मेदार नहीं होंगे अगर कोई व्यक्ति इससे किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

विनोद कुमार (अधिवक्ता)
चै.नं. 508, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली-17

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि श्री [illegible] निवासी 150ए, विपिन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली-59 वर्तमान पता फ्लैट 451, [illegible] अपार्टमेन्ट सेक्टर-11, द्वारका, दिल्ली-75 ने 30.06.19 को पुलिस के सामने दी गए घोषणा के तहत, अपने पुत्र [illegible] को उनके दुर्व्यवहार के कारण उनके साथ सभी प्रकार के रिश्ते-नाते खारिज कर दिए हैं और उनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि आज के बाद कोई भी व्यक्ति [illegible] से किसी भी प्रकार का लेन देन रखता है तो वो उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।

शेखर गहलोत (अधिवक्ता)
बी-5/81-82, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-85

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सुरेन्द्र सिंह राणा पुत्र स्व. श्री हुकम चन्द और श्रीमति कविता पत्नि श्री सुरेन्द्र सिंह राणा दोनों निवासी मकान नं 343, गांव डॉकखाना मुखमेलपुर, दिल्ली-110036 ने अपने पुत्र सुमित कुमार उर्फ सोनू उसकी पत्नि रेखा एवम पुत्री रूही को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उनसे अपने सभी सम्बन्ध समाप्त कर दिये हैं। भविष्य में उनके किसी कार्य व लेनदेन की जिम्मेदारी मेरे मुवक्किल की नहीं होगी।

दिनेश शुक्ला (अधिवक्ता)
चै.नं. 1410, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली-110085

PUBLIC NOTICE

My clients Sh. Harjeet Singh S/o Balwant Singh and Smt. Ranjeet Kaur W/o Sh. Harjeet Singh R/o LIG Flat No. 116, Sanjay Enclave, Near Jahangirpuri, Delhi-33, have debarred their son Amandeep Singh his wife Harpreet Kaur and their child namely Mehreet Kaur, from their moveable and immovable properties, and have severed all relation from them due to his misconduct, bad behaviour and bad intentions. Any person dealing with them shall be doing so at his/her/their own risk, cost and responsibilities. My Clients Harjeet Singh & Smt. Ranjeet Kaur will not be responsible for the same.

Sd/-
SANJEEV JAIN (Advocate)
Enrl. No. D-226/1991

Classifieds
EXPRESS EDUCATION

LAW AMBITION LAW INSTITUTE
MUKHERJEE NAGAR
JUDICIAL FOUNDATION 15 JULY WEEKEND 14 JULY 880066-0301/2130
CLAT / DU.LLB. 20 JULY 880066-0380
KAROL BAGH / PUSA ROAD
JUDICIAL 9 JULY | IAS (LAW) 15 JULY | CLAT 21 JULY
UPSC LAW (OPTIONAL)
TEST SERIES : 21 JULY, 11 AM
880066-2140 / 011-49841810
B-10, 1st Floor, Above Maharashtra Bank, Mukherjee Ngr. Delhi -9
011-47532639 / 8800660301
www.ambitionlawinstitute.com

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण के लिए तैयारियां जारी : इसरो प्रमुख

श्रीहरिकोटा से कल तड़के 2:51 मिनट पर किया जाएगा प्रक्षेपित

तिरुपति (आंध्र प्रदेश), 13 जुलाई (भाषा)।

देश के प्रतिष्ठित चंद्र अभियान चंद्रयान-2 के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है और 15 जुलाई को इसके प्रक्षेपण के लिए सभी तैयारियां चल रही हैं। एजंसी के अध्यक्ष के सिवन ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह किसी खगोलीय पिंड पर उतरने का इसरो का पहला अभियान है और यह 2008 में प्रक्षेपित चंद्रयान-1 की ही अगली कड़ी है। इसरो के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य चंद्रमा की उत्पत्ति और क्रमिक विकास को समझने के लिए विस्तृत अध्ययन करना है। यहां के निकट तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा के बाद सिवन ने संवाददाताओं को बताया, श्रीहरिकोटा से 15 जुलाई को तड़के दो बजकर 51 मिनट पर चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। इसरो ने पूर्व में कहा था कि चंद्र अभियान के तीनों मॉड्यूल- ऑर्बिटर, लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान)- प्रक्षेपण के लिए तैयार किए जा रहे हैं और लैंडर के सितंबर की शुरुआत में चंद्रमा की सतह को छूने की उम्मीद है। संक्षिप्त बातचीत में सिवन ने कहा कि लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर छह सितंबर को उतरेगा। चंद्रमा के इस क्षेत्र में अब तक कोई नहीं पहुंचा है। उन्होंने बारिश से प्रक्षेपण को किसी तरह के खतरे की आशंका को खारिज किया। यहां बारिश के बीच उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इसका कोई प्रभाव नहीं होगा क्योंकि प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी मैक-3) बारिश में भी सुरक्षित रहता है। चंद्रयान-2 को जीएसएलवी मैक-3 द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा जिसे भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बाहुबली कहा जाता है क्योंकि यह चार टन क्षमता तक के उपग्रह ले जाने की क्षमता रखता है। चंद्रयान-2 मिशन की कुल लागत के बारे में पूछे जाने पर सिवन ने कहा कि यह एक हजार करोड़ रुपए थी।

● इसरो के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य चंद्रमा की उत्पत्ति और क्रमिक विकास को समझने के लिए विस्तृत अध्ययन करना है।

भारत के पहले अंतरिक्षयात्री कार्यक्रम गगनयान परियोजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रगति हो रही है और इसके तहत पहले मानवरहित मिशन को दिसंबर 2020 तक अंजाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा, अभी, डिजाइन का चरण पूरा हुआ है और इसे मूर्त रूप देने का काम चल रहा है। सिवन ने कहा, हम दिसंबर 2021 में मानव को अंतरिक्ष में भेजने की योजना बना रहे हैं।

रामबन में वाहन खाई में गिरा, पांच की मौत

बनिहाल (जम्मू), 13 जुलाई (भाषा)।

जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में शुक्रवार को एक वाहन के खाई में गिर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

अधिकरियों ने बताया कि वाहन लिंक रोड से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया । उन्होंने बताया कि यह वाहन उखरल से अलिनबास की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तमिलनाडु में एनआइए की छापेमारी

चेन्नई, 13 जुलाई (भाषा) ।

राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) ने शनिवार को एक आतंकी गिरोह के भंडाफोड़ की जानकारी दी। एजंसी ने बताया कि इस गिरोह ने देश में इस्लामिक शासन स्थापित करने के इरादे से आतंकवादी हमला करने की कथित रूप से साजिश रची व इसके लिए धन की व्यवस्था और अन्य तैयारी की।

● इस दौरान 15 सिमकार्ड, सात मेमोरी कार्ड, तीन लैपटॉप, पांच हार्डडिस्क, छह पेन ड्राइवर, दो टेबलेट, तीन सीडी/डीवीडी, दस्तावेज, मैगजीन, बैनर, नोटिस, पोस्टर और पुस्तकें बरामद की गईं।

आतंकवाद निरोधक जांच एजंसी ने इस सिलसिले में शनिवार को तीन आरोपियों के चेन्नई और नागपट्टिनम जिले में स्थित परिसरों पर छापेमारी की। एनआइए ने एक विज्ञप्ति में कहा कि ऐसी विश्वसनीय सूचना मिली थी कि भारत और उसके बाहर रहकर आरोपियों ने आतंकवादी गिरोह अंसारूल्ला बनाकर भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रची और उसकी तैयारी की। उसने कहा, यह भी पता चला है कि आरोपियों और उसके साथियों ने भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करने के इरादे से आतंकवादी हमलों की साजिश रची और इसके लिए तैयारी की। उसने कहा कि चेन्नई के निवासी (आरोपी नंबर 1) सैयद बुखारी (तमिलनाडु अंसारूल्ला मामले), नागपट्टिनम के हसन अली युनुसमारिकार (आरोपी नंबर 2) और मोहम्मद युसुफूद्दीन हरीश मोहम्मद (आरोपी नंबर 3) के खिलाफ नौ जुलाई, 2019 को मामला दर्ज किया गया। उन पर आपराधिक साजिश, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने समेत भादंसं की विभिन्न धाराओं तथा अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत आतंकवाद संबंधी धाराएं लगाई गईं।

चेन्नई में एनआइए ने सैयद मोहम्मद बुखारी के मकान और कार्यालय तथा नागपट्टिनम जिले में हसन अली और हरीश मोहम्मद के मकानों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान 15 सिमकार्ड, सात मेमोरी कार्ड, तीन लैपटॉप, पांच हार्डडिस्क, छह पेन ड्राइवर, दो टेबलेट, तीन सीडी/डीवीडी, दस्तावेज, मैगजीन, बैनर, नोटिस, पोस्टर और पुस्तकें बरामद की गईं। तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

त्रिपुरा में भाजपा ने पंचायत चुनाव में 85 फीसद सीटें निर्विरोध जीतीं

अगरतला, 13 जुलाई (भाषा)।

भाजपा द्वारा विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को धमकी देने के आरोपों के बीच भगवा पार्टी ने त्रिपुरा के पंचायत चुनाव में 85 फीसद सीटें निर्विरोध जीत ली हैं। राज्य में पंचायत चुनाव के लिए 27 जुलाई को मतदान है।

राज्य चुनाव आयोग के सचिव प्रसेनजीत भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा, ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों की कुल 6646 सीटों में से भाजपा ने 5,652 सीटें निर्विरोध जीत ली है। उन्होंने कहा कि अब ग्राम पंचायतों की 850 , पंचायत समितियों की 85 और जिला परिषदों की 80 सीटों के लिए मतदान होगा। त्रिपुरा में 591 ग्राम पंचायतों में 6111 सीटें, 35 पंचायत समितियों में 419 और आठ जिला परिषदों में 116 सीटें हैं। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 11 जुलाई है और मतगणना 31 जुलाई को होगी। विपक्षी माकपा और कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उनके उम्मीदवारों को भाजपा समर्थित गुंडों ने धमकी दी है और उनपर हमला किया है। भाजपा ने इन आरोप को खारिज किया है। पार्टीके प्रवक्ता नवेंदु भट्टाचार्य ने कहा कि इन दोनों विपक्षी दलों के उम्मीदवारों ने पर्चा ही नहीं भरा क्योंकि वे अपना जनाधार गंवा बैठे हैं।

देरी के लिए दोषारोपण नहीं : केजरीवाल

मेट्रो के लिए दिल्ली सरकार ने मांगा केंद्र का सहयोग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मेट्रो के चौथे चरण का काम पूरा होने के लिए केंद्र का सहयोग मांगा है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार परियोजना के उन तीन गलियारों को शीघ्र मंजूरी देगी, जिनकी मंजूरी उसने पहले नहीं दी थी।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद ने 'आप' सरकार द्वारा प्रस्तावित छह में से तीन गलियारों को मार्च में मंजूरी दे दी थी। केंद्र ने दिल्ली सरकार की शर्तों को नजरअंदाज करते हुए यह मंजूरी दी थी। इन्हीं मतभेदों के चलते परियोजना पर काम शुरू नहीं हो सका। इस परियोजना में हुई देरी के लिए अब तक दिल्ली व केंद्र सरकार एक दूसरे पर दोषारोपण करते रहे हैं। ज्ञात हो कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में निर्माण कार्य शुरू करने को कहा था। इससे पहले 'आप' सरकार ने कहा था कि उसने परियोजना को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि 'मुझे उम्मीद है कि केंद्र शेष तीन कॉरिडोर को शीघ्र मंजूरी देगा। लोग चाहते हैं कि मेट्रो के चौथे चरण का निर्माण कार्य जल्दी शुरू हो।' उन्होंने लिखा कि 'कई सालों से काम अटका पड़ा है। हमें इस पर नहीं जाना चाहिए कि कब–किसकी गलती थी। बल्कि इसे जल्द से जल्द पूरा करने करने के लिए सभी को साथ आना चाहिए, और यही जनहित में हैं।' केंद्र ने तीन गलियारों में मुकुन्दपुर से मौजपुर, जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम और एअरोसिटी से तुगलकाबाद को मंजूरी दी है।

3 साल तक क्यों लटकाया काम : भाजपा

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यह बताना चाहिए कि मेट्रो विस्तार परियोजना को तीन साल तक लटका कर क्यों रखा गया, जिससे परियोजना की लागत भी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने इसी प्रकार दिल्ली–मेरठ रैपिड कॉरिडोर में भी रोड़े लगाए हैं और न्यायालय के दखल के बाद ही इसकी अनुमति दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार आम जनता के लिए एक भी बस उपलब्ध नहीं कराई है।

बेजिंग और शंघाई के बाद दिल्ली सबसे आगे

केंद्र व दिल्ली सरकार को चौथे चरण पर काम करना है। इस चरण में करीब 103 किलोमीटर 6 नई लाइने, बिछाई जाएंगी। वर्तमान में दिल्ली मेट्रो के पास 350 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क है। इस समय दुनिया में चीन के बेजिंग के पास 599 किलोमीटर और शंघाई के पास 644 किलोमीटर मेट्रो है। चौथा चरण पूरा होने के बाद दिल्ली के पास 450 किमी का नेटवर्क होगा।

वहीं रिठाला से बवाना और नरेला, इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ और लाजपत नगर से साकेत जी–ब्लॉक कॉरिडोर को नामंजूर किया है। 'आप' ने केंद्र के निर्णय पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि केंद्र सरकार ने बिना कोई कारण बताए परियोजना में कुछ एकतरफा बदलाव किए हैं।

दिल्ली पुलिस में भ्रष्ट कर्मियों की तैयार हो रही सूची

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचारियों की अब खैर नहीं है। केंद्र सरकार की पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त ने भी एक आदेश जारी कर कहा है कि भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की सूची तुरंत तैयार की जाए। यह सूची तैयार होने के बाद इन पुलिसकर्मियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बताया जा रहा है कि आयुक्त की तरफ से सर्तकता विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वह भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की सूची तैयार करें। इसके अलावा प्रत्येक जिले के उपायुक्त व अन्य यूनिट के वरिष्ठ अधिकारियों को भी ऐसे पुलिसकर्मियों की सूची बनाने का निर्देश दिए गए हैं। इस सूची में ऐसे पुलिसकर्मी शामिल किए जाएंगे जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर या इससे संबंधित किसी प्रकार का मामला दर्ज हो। साथ ही ऐसे पुलिसकर्मियों के ऊपर भी गाज गिरेगी जिनके खिलाफ गंभीर आरोप के चलते विभागीय जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार में लिप्त पुलिसकर्मियों की सूची तैयार कर उसे पुलिस आयुक्त को सौंपा जाएगा। इस सूची में शामिल लोगों को पुलिस महकमे से तुरंत निकालने का रास्ता भी अख्तियार किया जा सकता है। इस मामले में पुलिसकर्मी की उम्र नहीं देखी जाएगी।

अटल के नाम से जाने जाएंगे एनडीएमसी के विद्यालय

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने लोगों की धारणा में सुधार के लिए नगर पालिका के अपने स्कूलों के नामों में बदलाव करके इन्हें 'अटल आदर्श विद्यालय' नाम दिया है। नगर निकाय ने यह निर्णय इस सप्ताह की शुरुआत में लिया था और इसके बाद एक प्रस्ताव पारित किया गया। परिषद के शिक्षा निदेशक आरपी गुप्ता के मुताबिक, एनडीएमसी के स्कूलों में पंजीकरण संख्या बढ़ाने और लोगों की धारणा में सुधार के लिए हमने शिक्षण सत्र 2019–20 में नगर पालिका के सभी स्कूलों का नाम बदल कर अटल आदर्श विद्यालय करने एक प्रस्ताव पारित किया है। यहां नगर परिषद के कुल 31 स्कूल हैं। प्रधानाचार्यों से उनके स्कूलों का नाम सभी रिकॉर्डों और पत्राचार में बदलने के लिए कहा गया है।

चौथी कटऑफ में दाखिले की गुंजाइश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

डीयू के नए सत्र में अभी दाखिले की गुंजाईश बाकी है। विवि ने शनिवार को चौथी कटऑफ जारी कर दी। इसके तहत 15 से 17 जुलाई के दौरान दाखिले होंगे। डीयू परिसर के बाहर के कॉलेजों में बीए प्रोग्राम, हिंदी ऑनर्स और साइंस के पाठ्यक्रमों में छात्र कटऑफ के तहत दाखिला ले सकते हैं। डीयू की वेबसाइट पर कटऑफ सूची देख सकते हैं। कटऑफ में शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, गार्गी कॉलेज और श्याम लाल कॉलेज जैसे कॉलेजों में दाखिले लिए जा सकेंगे।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! punjab national bank ...the name you can BANK upon!

सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, पंजाब नैशनल बैंक की तरफ से प्राधिकृत अधिकारी ने सिक्युरिटाईजेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एण्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सिक्योरिटी इंटरेस्ट 2002 के साथ 60 दिनों के भीतर नोटिस में निहित रकम की अदायगी हेतु एक डिमांड नोटिस जारी किया था। ऋणी के द्वारा रकम की अदायगी न करने के कारण निम्नलिखित ऋणकर्ता एवं जन साधारण को नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रत्येक खाते के समक्ष अंकित तिथि को उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधोलिखित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा ले लिया है। विशेषतः ऋणी एवं जन साधारण को एतद् द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे संबंधित परिसम्पत्ति की खरीद फरोख्त न करें तथा इन परिसम्पत्ति के किसी भी क्रय विक्रय के लिए यहाँ नीचे प्रत्येक खाते के समक्ष रकम उस पर देय ब्याज के लिए पंजाब नैशनल बैंक के प्रभार अधीन होंगे। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है

क्र. सं.	शाखा एवं ऋणी/गारन्टर का नाम	बंधक सम्पत्तियों का विवरण	मांग नोटिस की तिथि	चिपकाये गये कब्जा नोटिस की तिथि	मांग नोटिस के अनुसार बकाया रकम
1.	**शाखा : क्लॉक टॉवर, देहरादून** **ऋणी: मैसर्स वल्लभ क्रिएशन,** प्रोपराइटर श्री नमन जैन पुत्र स्व0 श्री आशु जैन, दुकान नाम- डव, दुकान नं0 10/11, मेडोए प्लॉजा कॉम्प्लेक्स, राजपुर रोड, देहरादून **प्रोपराइटर/ऋणी: 1. श्री नमन जैन** पुत्र स्व0 श्री आशु जैन, मकान नं0 4737 जैन मन्दिर रोड, निकट सुन्दर नगर पुलिस स्टेशन, सुन्दर नगर तरफ सैदान, लुधियाना पंजाब **2. श्री नमन जैन** पुत्र स्व0 श्री आशु जैन C/o **श्रीमती मनिषा जैन** पत्नी स्व0 श्री आशु जैन, मकान नं0 11, शरमन वाटिका, हमबरान रोड, लुधियाना **गारन्टर्स: 1. श्री नीरज जैन,** 4736 जैन मन्दिर रोड, निकट सुन्दर नगर पुलिस स्टेशन, सुन्दर नगर तरफ सैदान, लुधियाना पंजाब **2. श्री नीरज जैन** C/o श्रीमती मनिषा जैन पत्नी स्व0 श्री आशु जैन, मकान नं0 11, शरमन वाटिका, हमबरान रोड, लुधियाना **3. श्री नीरज जैन** पुत्र श्री चमन लाल जैन, बी-59, ईस्ट ज्योति नगर, निकट शाहदरा नई दिल्ली-110093	बंधक संपत्ति के सभी भाग आवासीय सम्पत्ति एम.सी. नं0 B-XXIV-4736/1, माप 200 वर्ग गज, निहित खसरा नं0 144, खसरा नं0 874/943, जामाबंदी वर्ष 2007-08, स्थित मौजा तरफ सैदान हदबस्त नं0 172, स्थित सुन्दर नगर, तहसील व जिला लुधियाना। सीमायें:-उत्तरः श्री रंजीत की सम्पत्ति, साइड माप 60 फीट, दक्षिणः मनिषा जैन की सम्पत्ति, साइड माप 60 फीट, पूर्वः रोड, साइड माप 30 फीट, पश्चिमः मकान सह प्लॉट नं0 10 साइड माप 30 फीट	25.04.2019	**10.07.2019**	रु0 **2,02,19,681.68** + ब्याज एवं अन्य खर्चे दिनांक 01.04.2019 से

दिनांक: 13.07.2019 स्थान – देहरादून प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

प्रतिवादी को अपील की याचिका की सूचना
(आदेश XIX, एस.सी.आर 2013 का नियम 8(I) और (III))
भारत के सुप्रीम कोर्ट में
सिविल अपीलीय क्षेत्राधिकार
सिविल अपील सं. 2017 की 10468

(आरएसए नं. 2013 का 231 में दिल्ली हाई कोर्ट, नई दिल्ली के दिनांक 23 मई, 2016 के आदेश के अधीन निर्णय से 2016 की एसएलपी(सी) सं. 31983 में इस अदालत के आदेश दिनांक 11 अगस्त, 2017 द्वारा प्रदत्त विशेष अनुमति द्वारा अपील)

मै. डीएलएफ लिमि. पूर्ववर्ती
डीएलएफ यूनिवर्सल लिमि. के नाम से ...याचिका(यें)/अपीलकर्ता

बनाम

भारत का संघ और अन्य ...प्रतिवादी

सेवा में,
पुनर्वास मंत्रालय
एम्पलाईज को–ऑपरेटिव ....प्रतिवादी सं. 3
हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड,
जैसलमेर हाउस, मान सिंह रोड, नई दिल्ली
इसके अध्यक्ष/सचिव के जरिए,
(प्रोसेस आईडी: 183827/2019)
सी.ए. नं.10468 /2017 / XIV

कृपया संज्ञान लें कि ऊपर वर्णित नामक अपीलकर्ता ने ऊपर वर्णित हाई कोर्ट के निर्णय और आदेश तथा मामले में अपील करने के लिये विशेष अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में इस अदालत के आदेश दिनांक 11 अगस्त, 2017 के अनुसरण में 27 अगस्त, 2016 को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में दायर, एसएलपी (सी) सं. 2016 की 31938 का मामला सिविल अपील संख्या 2017 का 10468 के तौर पर पंजीकृत किया गया है.

आपको एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि आप अपील का प्रतिवाद करना चाहते हैं, आप इस सूचना की प्राप्ति के **तीस दिनों** के भीतर इस अदालत में व्यक्तिगत तौर पर अथवा इस बारे में आप द्वारा नियुक्त इस अदालत के रिकॉर्ड में एडवोकेट के जरिए उपस्थित हो सकते हैं और जो भी आपको परामर्श दिया जाता है, इसकी कार्यवाही में भाग ले सकते हैं।

आगे यह नोटिस करें कि निर्धारित समय के भीतर आपके उपस्थित न होने की स्थिति में, अपील पर कार्यवाही शुरू कर दी जायेगी और आपकी अनुपस्थिति में निर्धारण कर दिया जायेगा तथा इसके संबंध में आगे कोई भी सूचना आपको नहीं दी जायेगी।

दिनांक: 28 जून, 2019 सहायक रजिस्ट्रार

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

अपने "प्यारे घर" के सपने को
दुःस्वप्न न बनने दें

- भूमि के मालिक या एजेन्सी (जैसे डीडीए, एल एंड डीओ, हुडा, नोएडा, जीडीए इत्यादि) से प्लॉट के स्वामित्व की जांच करें।
- निर्माण की वास्तविक स्थिति जानने के लिए प्रोजेक्ट साइट/भूमि का स्वयं निरीक्षण करें।
- दस्तावेजों जैसे भवन निर्माता- खरीदार अनुबंध, सेल डीड, जीपीए, एसपीए, वसीयत आदि सावधानी के साथ पढ़ें।
- हस्ताक्षर करने से पूर्व कानूनी विशेषज्ञ से परामर्श कर लें। गैर-पंजीकृत/पूर्व-हस्ताक्षरित दस्तावेजों पर भरोसा न करें।
- लाइसेंस/स्वीकृत लेआउट या साइट प्लान/नक्शा और अन्य मंजूरी की जांच एवं सत्यापन संबंधित सिविक एजेंसियों/ टाउन प्लानर्स से करा लें।
- किसी अधिग्रहण कार्यवाही के संबंध में भूमि की स्थिति भूमि अधिग्रहण कलेक्टर (एलएसी) से, बंधक (Mortgage) हेतु सीईआरएसएआई एक्ट की सेंट्रल रजिस्ट्री से या अन्य सिविल/आपराधिक मुकदमेबाजी की जांच कर लें।
- खरीदारी केवल रजिस्टर्ड सेल डीड के माध्यम से हस्ताक्षर के साथ स्वामी के अँगूठा/अँगुली की छाप के साथ करें।
- भुगतान हमेशा स्वामी के नाम में चेक/डीडी/आरटीजीएस और अन्य बैंकिंग प्रपत्रों के माध्यम से करें।
- मूल दस्तावेजों के साथ, भूस्वामी के हस्ताक्षर एवं अँगुल छाप भुगतान के प्रमाण स्वरूप प्राप्त करें।
- अंतिम भुगतान और दस्तावेजों के निष्पादन के तुरन्त बाद वास्तविक कब्जा प्राप्त करें।

DP/9124/19

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई मेल करें: cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को किसी शिकायत या गोपनीय सूचना के लिये पो. बॉ. सं. 171 जीपीओ, नई दिल्ली पर लिखें।

SIGNATURE GLOBAL
MAKING INDIA AFFORDABLE

शहर एवं ग्राम्य नियोजन विभाग, हरियाणा सरकार की 19.08.2013 दिनांक अधिसूचना स. PF-27/48921 और उसमें संशोधन के अनुसार उल्लिखित नीति के नियमों और शर्तों पर विकसित किए जाने वाले प्रस्तावित अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट (प्रोजेक्ट पूरा होने के अंतिम चरण में है) के तहत आवासीय अपार्टमेंट की बुकिंग के लिए सर्वसाधारण से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। (विवरण विभागीय वेबसाइट tcpharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं)

प्रोजेक्ट के विवरण

1. कॉलोनाइजर/डेवलपर	सर्वप्रिय सेक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
2. प्रोजेक्ट को प्राप्त स्वीकृति	लाइसेंस नं./वर्ष – 45/2019 दिनांक : 01.03.2019, निर्माण योजना स्वीकृति तिथि : 15.05.2019, मेमो नं. ZP-1295/JD(NC)/2019/11967, हरियाणा रेरा प्रमाणित न.: GGM/343/75/2019/37
3. स्थान	सेक्टर 37D, गुरुग्राम, हरियाणा।
4. प्रोजेक्ट के क्षेत्रफल संबंधी प्रावधान	हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत 5.4875 एकड़ में कुल 754 अपार्टमेंट में से 754 अपार्टमेंट आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं। इनमें से पॉलिसी अनुसार 5% फ्लैट मैनेजमेंट कोटे में आरक्षित हैं और 95% अपार्टमेंट सर्वसाधारण के लिए हैं। समुदाय सुविधाएँ : 2000 वर्गफुट का एक समुदाय भवन और 2000 वर्गफुट का एक आँगनवाडी–सह–क्रेश।

5. अपार्टमेंट के विवरण, आवंटन दर और भुगतान के नियम

अपार्टमेंट के विवरण						
कैटेगरी (टाइप)	यूनिट की संख्या	कारपेट एरिया वर्गफुट (लगभग)	बाल्कनी एरिया वर्गफुट (लगभग)	अपार्टमेंट के एलॉटमेंट की दर (सब मिला कर)*	आवेदन के साथ बुकिंग की राशि 5%	एलॉटमेंट पर 20%
2BHK TYPE-1	120	557.586	74.713	2,267,700.32	113,385	453,540
2BHK TYPE-2	120	601.944	74.519	2,445,037.22	122,252	489,007
2BHK TYPE-3	120	571.116	68.265	2,318,597.89	115,930	463,720
2BHK TYPE-4	120	572.43	75.94	2,327,688.09	116,384	465,538
2BHK TYPE-5	59	552.258	72.937	2,245,499.57	112,275	449,100
2BHK TYPE-6	19	553.442	84.239	2,255,886.83	112,794	451,177
1BHK TYPE-7	1	498.007	63.895	2,023,976.45	101,199	404,795
1BHK TYPE-8	1	499.191	75.197	2,034,363.71	101,718	406,873
3BHK TYPE-9	2	645.291	103.119	2,631,164.14	131,558	526,233
3BHK TYPE-9 (MQ)	38	645.291	103.119	2,631,164.14	131,558	526,233
2BHK TYPE-10	2	595.066	86.22	2,423,374.67	121,169	484,675
2BHK TYPE-11	140	603.118	83.313	2,454,127.42	122,706	490,825
1BHK TYPE-12	12	475.134	96.424	1,948,746.85	97,437	389,749

ii) बाकी 75% राशि का तीन वर्षों के दौरान 6 महीने तक बराबर किस्तों में भुगतान। भुगतान की नियत तिथि से पहले कोई ब्याज नहीं लगेगा। भुगतान में किसी चूक के लिए हर्जाना ब्याज देना होगा जैसा कि हरियाणा रीयल एस्टेट नियामक प्राधिकरण, विनियम, 2017 के नियम 15 में प्रावधान है।

6. पार्किंग प्रत्येक अपार्टमेंट के लिए दुपहिया वाहन पार्किंग।

7. अपार्टमेंट के बारे में सामान्य विवरण • फ्लोरिंग : कमरों में विट्रिफाइड टाइल्स, किचन में विट्रिफाइड/सिरामिक टाइल्स, टॉयलेट में एंटी स्किड सिरामिक टाइल्स, बाल्कनी में एंटी स्किड/मैट फिनिश सिरामिक टाइल्स, • खिड़कियाँ: IS कोड के अनुसार M.S. सेक्शन/अल्युमिनियम पाउडर कोटेड/UPVC • दरवाजों के फ्रेम: रेड मरंडी/माइल्ड स्टील/अल्युमिनियम पाउडर कोटेड/UPVC • वॉल टाइल : 4 फुट/7 फुट की ऊँचाई तक सिरामिक टाइल्स एवं ऊपर ऑयल बाउंड डिस्टेम्पर • किचन काउंटर टॉप ग्रीन मार्बल/ग्रेनाइट • दीवारः ऑयल बांड डिस्टेंपर • सेनिटरी फिटिंगः ISI मार्क CP फिटिंग्स, W.C. और वॉश बेसिन • इलेक्ट्रिक फिटिंगः ISI मार्क।

8. आवेदन की समय सीमाएँ i) आवेदन पत्र दिनांक 07.07.2019 से आवेदन शुल्क 1000 रुपये भुगतान कर Sarvpriya Securities Pvt. Ltd. Address : Corp. and Regd. Office: Unit No. 201B, 2nd Floor, Tower A, Signature Tower, South City-1, Gurugram, Haryana - 122001, 0124-4908200 से प्राप्त और इसी पते पर जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कॉल करें : 7053–121–121 ii) आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 22.07.2019. iii) वितरण और संग्रह केंद्रों की सूची www.signatureglobal.in पर उपलब्ध है। iv) आवेदन पत्र प्राप्त करने और ऑनलाइन आवेदन जमा करने की सुविधा www.signatureglobal.in पर भी उपलब्ध है।

योग्यता: 1. आवेदक पर किसी मौजूदा कानून के तहत कानूनी तौर पर बाध्यकारी करार करने पर रोक नहीं हो। 2. आवेदन कोई भी कर सकता है हालाँकि एलॉटमेंट में प्राथमिकता PMAY (पीएमएवाई) लाभार्थियों को दी जाएगी जिनमें आवेदक समेत उनकी पत्नी (या पति) या आश्रित संतान शामिल हैं जिनकी पहचान 'प्रधानमंत्री आवास योजना – सबके लिए आवास' प्रोग्राम के तहत शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा के तहत की गई हो। पहली प्राथमिकता कथित शहर के पहचान किए गए लाभार्थियों को दी जाएगी। इसके बाद हरियाणा राज्य के अन्य पीएमएवाई लाभार्थियों को दी जाएगी। इसके बाद बचे फ्लैट के एलॉटमेंट में ऐसे आवेदक समेत उनकी पत्नी (या पति) या आश्रित संतान को प्राथमिकता दी जाएगी जिनका हुडा की किसी कॉलोनी/सेक्टर या हरियाणा शहरी क्षेत्र या केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की किसी लाइसेंस्ड कॉलोनी में अपना फ्लैट/प्लॉट नहीं हो। 3. एक व्यक्ति एक ही आवेदन कर सकता है। इस नीति के तहत सफल कोई भी आवेदक इस नीति के तहत अन्य किसी कॉलोनी में अन्य फ्लैट के लिए आवेदन योग्य नहीं माना जाएगा। यदि कोई आवेदक एक से अधिक कॉलोनी में आवंटन के लिए सफल होता है तो पसंद का केवल एक फ्लैट चुनना होगा।

आवंटन के मानक: 1. अपार्टमेंट का आवंटन एक समिति के सामने लॉट्री से होगा। समिति में उपायुक्त या उनके प्रतिनिधि (न्यूनतम हरियाणा लोक सेवा स्तर के अधिकारी), वरिष्ठ नगर नियोजक (सर्कल कार्यालय), संबद्ध ज़िले के डीटीपी और संबद्ध कोलोनाइज़र के प्रतिनिधि होंगे। 2. लॉट्री की तिथि निर्धारित करने के बाद डेवलपर उसी समाचार पत्र में विज्ञापन देंगे जिसमें यह मूल विज्ञापन प्रकाशित होगा। विज्ञापन में आवेदकों को लॉट्री की तिथि और स्थान के विवरण दिए जाएँगे। 3. मानकों की पूरी जानकारी और आरंभिक जाँच और आवंटन के लिए निर्धारित समय सीमा के लिए आवेदक अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग पॉलिसी 2013 के विवरण देखें जो 19.08.2013 दिनांकित अधिसूचना स. PF-27/48921 और उसमें संशोधन में उपलब्ध है। (विवरण विभागीय वेबसाइट tcpharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं)।

RERA
THE MILLENNIA II
SECTOR 37D GURUGRAM
HRERA REG. NO.: GGM/343/75/2019/37

PMAY
12 लाख रुपये के आवास ऋण पर PMAY (प्रधानमंत्री आवास योजना) के तहत लगभग 2.67 लाख रुपये ब्याज सबसिडी का लाभ उठाएँ**

HOME LOAN PARTNERS: HDFC, YES BANK
7053-121-121

SARVPRIYA SECURITIES PVT. LTD. | CIN : U74900HR1995PTC032791 | Corp. and Regd. Office: Unit No. 201B, 2nd Floor, Tower A, Signature Tower, South City-1 Gurugram, Haryana - 122001 | www.signatureglobal.in

खबरों में शहर

प्रगति मैदान में आरोग्य शिविर आज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

देश के पहले आरोग्य शिविर का आयोजन दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 जुलाई रविवार को होगा। उद्घाटन केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग राज्यमंत्री मंत्री नितिन गडकरी करेंगे। संयोजक और आरोग्य पीठ के आचार्य रामगोपाल दीक्षित के मुताबिक समारोह में केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपद नायक और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय संघ चालक बजरंग लाल गुप्त, एनजीटी (राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श गोयल भी मौजूद रहेंगे। प्रगति मैदान के हाल नंबर 7 में चलने वाला यह आरोग्य शिविर के लिए कोई टिकट नहीं लेना होगा। शिविर की अध्यक्ष संतोष गुप्ता के मुताबिक यहां शिविर में 2000 लोगों (रोगियों) के पहुंचने की संभावना है। जिनका मौके पर उपचार किया जाना है। इस मौके पर अनलाइन पोर्टल को जारी किया जाएगा। इसमें भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत स्वरोजगार पर बात करने के लिए केंद्रीय कौशल विकास मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय भी मौजूद रहेंगे।

राष्ट्रपति ने छात्रों को सम्मानित किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

अमेरिका में 'एआईएए नील आर्मस्ट्रांग बेस्ट डिजाइन अवार्ड' जीतने वाले पांच भारतीय छात्रों को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पुरस्कृत किया। अमेरिका के अलबामा स्थित अमेरिकी स्पेस एंड रॉकेट सेंटर में आयोजित समारोह में जिन छात्रों ने प्रथम पुरस्कार जीता उसका नेतृत्व केआइईटी संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग की छात्र शताक्षी द्विवेदी ने किया। सम्मानित होने वाले छात्रों में शताक्षी के अलावा अभिमन्यु भगत, उत्कर्ष शर्मा, प्रज्वल सिंह और सुयशा यादव शामिल थे। संयोजक और केआइईटी के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक उनके प्रोजेक्ट 'मून बग्गी' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। इस प्रतिस्पर्धा में जर्मनी, बोलीविया, पेरू, मिश्र और अमेरिका की छात्रों ने भी हिस्सा लिया था।

जयकिशन ने उप राज्यपाल से की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

सुल्तानपुर माजरा से पांच बार विधायक रहे दलित नेता जयकिशन ने उप राज्यपाल अनिल बैजल से मांग की है कि किसी भी धार्मिक स्थल को हटाने से पहले उसे वैकल्पिक स्थान दिया जाए। कांग्रेस के पूर्व सचिव रहे जयकिशन ने इस बारे सभी संबंधित विभागों की बैठक बुलाने की सलाह दी है। एक बयान में उनका कहना है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) वोट की राजनीति के चलते एक खास वर्ग के धार्मिक स्थान की सुरक्षा की बात करते हैं लेकिन वे और उनकी पार्टी हर गरीब की झोपड़ी के साथ-साथ धार्मिक स्थल की सुरक्षा के लिए काम करती है।

हिमाचल भवन में भी मिलेगी डोरमेट्री सुविधा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

नई दिल्ली में उपचार के लिए आने वाले मरीजों व उनके परिवारों के लिए अब हिमाचल भवन में भी डोरमेट्री सुविधा उपलब्ध होगी। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने यह पहल की है। उन्होंने बताया कि यह पूर्णत वातानुकूलित डोरमेट्री में 6-6 बिस्तर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पूर्व मुख्यमंत्री के आदेश पर छात्रों के लिए भी यह सुविधा भी शुरू की गई थी। इस सेवा का लाभ लेने के लिए शिमला के नेता 0177-2880426 व दिल्ली में 011-23716124 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

'दिव्यांग अध्यापकों का परिणाम सरकार ने रोका'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

दिल्ली अधिनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने दिव्यांग अध्यापकों का परीक्षा परिणाम लंबे समय से रोका हुआ है। इस मामले में विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार की शिकायत उपराज्यपाल अनिल बैजल से की। वे दिव्यांग अध्यापकों के साथ राजनिवास पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस वजह से 276 विकलांग अध्यापकों की नियुक्ति में देरी की जा रही है। भाजपा ने मांग की है कि वे इस मामले में मुख्य सचिव को आदेश जारी करे कि जल्द से जल्द इन दिव्यांगों को न्याय दिलाया जाए।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

प्रभाष परंपरा न्यास : प्रभाष प्रसंग में स्मारक व्याख्यान, सत्याग्रह मंडप, गांधी स्मृति व दर्शन समिति, राजघाट, शाम 4 बजे से।

प्रदर्शनी

एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट एंड लिटरेचर : शहर हासमी रजा की कला प्रदर्शनी का आयोजन और चर्चा, 4/6 सिरिफोर्ट इंस्टीट्यूशनल एरिया, पूर्वाह्न 11 बजे से।

खुद से जूझने पर मजबूर दिल्ली कांग्रेस

वरिष्ठ नेताओं ने खोला शीला दीक्षित के खिलाफ मोर्चा

मनोज मिश्र
नई दिल्ली,13 जुलाई।

दिल्ली कांग्रेस की अध्यक्ष और 15 साल मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित के खिलाफ प्रभारी पीसी चाको के साथ-साथ तीनों कार्यकारी अध्यक्षों और अनेक वरिष्ठ नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। 29 वरिष्ठ नेताओं की बैठक में कहा गया कि शीला दीक्षित के बीमार रहने के चलते उनके नाम पर फैसला कोई और ले रहा है। प्रभारी के मना करने के बावजूद कल दीक्षित ने फिर से 280 ब्लॉक और जिलों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए।

चाको ने उनको इस बारे में पत्र लिखा है वहीं तीनों कार्यकारी अध्यक्षों ने दीक्षित को पत्र लिखकर कहा है कि फैसलों में उनकी भागीदारी नहीं कराई जा रही है। वहीं, आज दिल्ली कांग्रेस के करीब तीन दर्जन वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने बैठक कर राहुल गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की अपील की है। दिल्ली की राजनीति में हाशिए पर पहुंच गई कांग्रेस विरोधी दलों से मुकाबला करने के बजाए आपस में लड़कर अपने वजूद को ही खत्म करने में लगे हुए हैं। 80 की उम्र पार करके दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष बनीं शीला दीक्षित और दिल्ली के प्रभारी पीसी चाको लोकसभा चुनाव से ही आमने-सामने हैं। कांग्रेस नेताओं को चिंता इस बात की है कि भाजपा और 'आप' विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है और कांग्रेस के नेता आपसी लड़ाई में। 10 जनवरी को शीला दीक्षित को दिल्ली कांग्रेस का अध्यक्ष और उनके साथ हारून युसूफ, राजेश लिलोठिया और देवेंद्र यादव को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। राहुल को लिखे पत्र में कहा गया है कि दीक्षित के बीमार रहने के चलते कुछ लोग स्वंभू पदाधिकारी बनकर फैसला कर रहे हैं और कार्यकारी अध्यक्षों को विश्वास में नहीं ले रहे हैं। दीक्षित के अध्यक्ष बनने से पहले तब के अध्यक्ष अजय माकन ने प्रभारी चाको की स्वीकृति से सभी 280 वार्डों के और 14 जिलों के अध्यक्ष बनाए, उसे बदला गया तो चाको ने रोक लगा दी लेकिन फिर से 12 जुलाई को नई सूची जारी कर दी गई है। कांग्रेस के इतिहास में पहली बार प्रभारी की मनाही के बावजूद फैसले किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं लोकसभा चुनाव की समीक्षा के लिए बनी कमेटी की भी कोई भूमिका नहीं रही है। तीन पेज की चिट्ठी पर जिन 29 नेताओं के हस्ताक्षर हैं उनमें पूर्व विधायक हरिशंकर गुप्ता, नसीब सिंह, आसिफ मोहम्मद खान, मतीन अहमद, सुरेन्द्र कुमार, दिल्ली महिला कांग्रेस अध्यक्ष शर्मिष्ठा मुखर्जी, वरिष्ठ नेता चतर सिंह, ब्रह्म यादव और कमल कांत शर्मा शामिल हैं। पत्र राहुल गांधी के नाम लिखा गया है और उसकी प्रति कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और पीसी चाको को भेजी गई है। वहीं, पीसी चाको ने दीक्षित को पत्र लिखकर बिना प्रभारी और कार्यकारी अध्यक्ष की जानकारी में फैसला करने पर ऐतराज किया है। उन्होंने इन मुद्दों पर फौरन कमेटी की बैठक बुलाने के निर्देश दिए हैं। दीक्षित को लिखे एक अलग पत्र में दिल्ली के तीनों कार्यकारी अध्यक्षों-हारून युसूफ, राजेश लिलोठिया और देवेन्द्र यादव ने कहा कि ब्लॉक और जिला अध्यक्ष को हटाना, नए ब्लॉक और जिला अध्यक्ष की नियुक्ति और लोकसभा चुनाव की समीक्षा करने वाली समिति के फैसलों में भी उनकी सलाह नहीं ली गई। इन नेताओं का आरोप है कि दीक्षित की बीमारी का फायदा उठाकर कुछ लोग मनमाना फैसला कर रहे हैं।

कहां खो गई कांग्रेस

- पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने पर कई दिन इंतजार करने के बाद महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन किया
- दिल्ली में बिजली के दाम तय करने के लिए दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) की जनसुनवाई में कांग्रेस के नेता पहुंचे ही नहीं 'आप' और भाजपा के नेता ही इस मुद्दे पर जूझते दिखे
- मानसून के पहले नालों की सफाई नहीं हो पाई है और दिल्ली सरकार स्कूलों के नतीजों पर झूठे दावे करती रही, कांग्रेस शांत रही
- हौज काजी तनाव पर कांग्रेस कुछ करते नहीं दिखी
- 'आप' सरकार हो या नगर निगम में शासन कर रही भाजपा के तमाम कमियों के खिलाफ कांग्रेस कोई आंदोलन नहीं कर पाई

ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए सूची तैयार करने के निर्देश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलौठिया के नेतृत्त्व में नव नियुक्त सभी 14 जिला पर्यवेक्षकों सहित 280 ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक में ब्लॉक पर्यवेक्षकों को हिदायत दी कि वे नए ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रकिया में जिम्मेदारी से इसकी सूची तैयार करें। सभी 280 ब्लॉक पर्यवेक्षकों को यह भी कहा गया कि 10 दिनों में अपनी रिपोर्ट जिला पर्यवेक्षकों के द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित को सौंपें। राजीव भवन में आयोजित बैठक में मौजूद सभी पर्यवेक्षकों ने शीला दीक्षित का उन्हें यह महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने पर हार्दिक धन्यवाद किया। बैठक का संचालन पांच सदस्यीय कमेटी के चैयरमेन डॉ एके वालिया ने किया। दीक्षित ने कांग्रेस पार्टी की हार के कारणों की जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई थी।

दंपति का झगड़ा सुलटाने पहुंचे युवक की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

- आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार
- घर का इकलौता कमाने वाला था मृतक

पति-पत्नी के झगड़े के बीच में आए एक शख्स को अपनी जान गंवानी पड़ी। जमरुदपुर में किराए के मकान में रहने वाले पति-पत्नी आपस में लड़ाई कर रहे थे। युवक संजीव बीच-बचाव कराने गया तो दोनों शांत हो गए, लेकिन देर रात आरोपी ने संजीव पर चाकू से वार किया और फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी जतिन बोरा को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रेटर कैलाश थाना क्षेत्र के जमरुदपुर में शुक्रवार देर रात हुई वारदात की सूचना पुलिस को देर रात 2 बजे मिली थी। पुलिस खून से लथपथ हालत में संजीव को एम्स ट्रामा सेंटर लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान बिहार निवासी संजीव पांडेय (20) के रूप में हुई है।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त विजय कुमार ने बताया कि संजीव के रिश्तेदार अजीत ने 100 नंबर पर फोन कर जानकारी दी कि जमरुदपुर के मकान नंबर 130 में एक युवक ने चाकू मारकर घायल कर दिया है। पुलिस ने बताया कि संजीव का काफी खून बह चुका था और चाकू उसके दिल में लगा था। वहीं, मामले की छानबीन कर रही पुलिस टीम को पता चला कि असम निवासी जतिन बोरा अपनी पत्नी रुकमनी देवी के साथ रहता है। वह हाउसकीपिंग का काम करता है। पुलिस ने बताया कि देर रात उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर लड़ाई हो रही थी। पड़ोसी होने के नाते संजीव पांडेय बीच-बचाव करने के लिए चले गए। इसी बीच रात को दो बजे संजीव अपने रिश्तेदार अजीत पांडेय के साथ सो रहा था। आरोपी जतिन ने संजीव पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। संजीव के रिश्तेदार अजीत ने बताया कि संजीव यहां पर अकेले रहते थे। बाकी सदस्य बिहार स्थित गांव में रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह परिवार के एकलौते बेटे थे। उनकी दो साल पहले शादी हुई थी। पत्नी, माता-पिता और एक छोटी बहन है। संजीव के पिता रामनाथ पांडेय अस्वस्थ रहते हैं। बहन की शादी की जिम्मेदारी भी उनके कंधों पर थी।

खत्म हो चुका था फैक्टरी का लाइसेंस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

पूर्वी दिल्ली के झिलमिल क्षेत्र की एक फैक्टरी में शनिवार सुबह लगी आग की जांच पूर्वी दिल्ली नगर निगम का फैक्टरी लाइसेंस विभाग करेगा। जिस फैक्टरी में यह दुर्घटना हुई उसका लाइसेंस खत्म हो चुका था और इसे आगे नहीं बढ़ाया गया था।

उन्होंने कहा कि यह फैक्टरी 110 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में चल रही थी और 250 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली फैक्टरी के लिए फायर से अनापत्ति जरूरी होता है। शुरुआती जांच में पता चला है कि फैक्टरी में अग्निशमन यंत्र लगे हुए थे और यहां बाल श्रम नहीं हो रहा था। निगम के उपायुक्त रनेन कुमार ने कहा कि इस घटना की विस्तृत जांच की जाएगी। आग में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। रनेन कुमार ने कहा कि निगम में लाइसेंस नवीनीकरण की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। पिछले कुछ दिनों में औद्योगिक क्षेत्रों में लाइसेंस नवीनीकरण संबंधी सेवाओं के लिए विशेष शिविर भी आयोजित किए गए थे।

आग से मौत का मामला

लंदन से लौटे बुजुर्ग को घर मिला साफ, लाखों का सामान चोरी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

राजधानी के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश में एक बुजुर्ग कारोबारी के घर लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। बुजुर्ग अपनी पत्नी के साथ लंदन घूमने के लिए गए थे। बीती आठ जुलाई को लौटे तो उनका घर का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो हैरान रह गई। घर का सारा सामान फैला हुआ था और करीब दो लाख 70 हजार रुपए की नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और चांदी के सिक्के गायब थे।

चोरों ने कुछ दिन पहले ई-ब्लॉक में ही रहने वाले एक विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी के घर को भी निशाना बनाया था। चोर उनके घर से करीब तीन लाख रुपए नकदी और लाखों के आभूषण पर हाथ साफ कर फरार हो गए थे। फिलहाल शिकायत मिलने पर सीआर पार्क थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान कर उनकी तलाश कर रही है।

सूत्रों की माने तो दो बदमाश सीसीटीवी फुटेज में आते हुए दिखे हैं। पीड़ित सुभाष चंद ब्रजातिया ने बताया कि उनका बेटे मुंबई और बेटी गुरुग्राम में रहते हैं। पत्नी के साथ गर्मियों में लंदन घूमने के लिए गए थे। वह बीती सात जुलाई को दिल्ली लौटे। उन्होंने बताया कि घर से करीब दो लाख 70 हजार रुपए और लाखों के आभूषण समेत कई चांदी के सिक्के गायब मिले। सुभाष ने बताया कि जिस तहर से घटना को अंजाम दिया गया है।

दंपति ने रेलवे स्टेशन से दो साल की बच्ची को अगवा किया, गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

संतान नहीं होने के कारण रेलवे स्टेशन से दो साल की बच्ची को अगवा करने के आरोप में दंपति को रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अगवा बच्ची गाजियाबाद के विजयनगर से बरामद की गई। गिरफ्तार दंपति की पहचान 28 साल के रतिभावन उर्फ राजू दूबे और सांभवी (नाम बदला हुआ) के रूप में हुई है।

रेलवे पुलिस के उपायुक्त दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि बच्ची दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से शुक्रवार को संदिग्ध हालत में गायब हुई थी। महाराष्ट्र में बाढ़ के कारण एक परिवार के 12 सदस्य दिल्ली में आए हुए थे। इसी परिवार के कुछ सदस्य शुक्रवार को वापस अपने गांव जा रहे थे। इसी परिवार की दो साल की बच्ची के साथ वे लोग प्लेटफार्म नंबर-छह और सात पर ट्रेन के इंतजार में प्लेटफार्म पर सो रहे थे तभी अचानक बच्ची गायब हो गई। काफी खोजने के बाद जब बच्ची नहीं मिली तो पुलिस में इत्तिला की गई। इस मामले को सुलझाने में सीसीटीवी से काफी मदद मिली। सीसीटीवी के जरिए पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली। आरोपी युवक पास की एक दुकान में काम करता था। युवक की पहचान राजू के रूप में हुई। वहीं बच्ची को ले जाती हुई महिला उसी युवक की पत्नी बताई गई। पुलिस ने आरोपी राजू को सरायकाले खां के नंगली इलाके से पकड़ा। पता चला कि बच्ची राजू की पत्नी के पास है और गाजियाबाद के विजयनगर में है।

कानून बनाने वालों पर समाजवादी दबाव बरकरार रखने का संकल्प

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

समाजवादी आंदोलन की स्थापना के 85 साल के उपलक्ष्य में दिल्ली में जुटे समाजवादियों का दो दिवसीय समागम कई संकल्पों के साथ संपन्न हुआ। तय हुआ कि विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को जोड़ने में तेजी लाई जाएगी। इस बाबत शिविर लगाने और शिक्षा, श्रम, पर्यावरण, दलित-आदिवासी-महिलाओं से जुड़े मुद्दे पर आंदोलन तेज किया जाएगा। देश की राजनीतिक स्थिति चाहे जैसी हो, सत्ता चाहे जिसकी भी हो लेकिन कानून बनाने वालों पर समाजवादी दबाव बरकरार रहना चाहिए।

संपत्ति का सामाजिक स्वामित्व, गरीबी और गैरबराबरी को खत्म करना, गरीबों -वंचितों- दलितों-पिछड़ो-आदिवासियों के हितों के लिए लड़ना जारी रहेगा। शनिवार को समापन सत्र में पत्रकार रवीश कुमार, अरविंद मोहन, वेद प्रताप वैदिक, जयशंकर गुप्ता के अलावा मेधा पाटेकर, अशोक बाजपेयी, अरुण कुमार, बिनोदव अग्निहोत्री, वीरेंद्र सेंगर, मनोज झा, मणिमाला, हरभजन सिंह सिधु, डॉ आनंद कुमार, राजकुमार जैन, डॉ अनिल ठाकुर, डॉ अजय अलमस्त आदि ने भी विचार रखे। इसमें देश के 60 जिलों से 50 से ज्यादा संगठनों के 150 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने शिरकत की। समागम ने तय किया कि समाजवादियों को दल, गुट, पार्टी, संगठन से ऊपर उठकर समाजवादी विचारधारा से जुड़े कार्य शुरू करने चाहिए।

हवाई अड्डे पर लावारिस पैकेट से हड़कंप, निकला सोने का बिस्कुट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब यह सूचना मिली की शौचालय में बम रखा है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी मौके पर बम निरोधक दस्ते की टीम के साथ पहुंचे तो वहां एक लावारिस पैकेट मिला। पैकेट में एक किलो सोने का बिस्कुट मिला। सोने पर स्विटजरलैंड लिखा है और इसे काले टेप से चिपका कर रखा गया था। इस पर हुआ है। इसकी कीमत 35 लाख रुपए आंकी गई है।

मांझे से घायल हुई बच्ची ने अस्पताल में तोड़ा दम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

बदरपुर फ्लाईओवर पर शुक्रवार को बुलेट से जा रहे चाचा-भतीजी मांझे की चपेट में आने से घायल हो गए और बुलेट समेत फ्लाईओवर से नीचे गिर गए थे। बच्ची को अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि इस हादसे में घायल बच्ची के चाचा मोहन की जान बच गई है। बच्ची की पहचान दीप्ति (05) के तौर पर हुई है।

जानकारी के मुताबिक इंद्रापुरी में मोहन अपने परिवार के साथ रहते हैं। दीप्ति के पिता और चाचा दोनों वाहन चलाने का काम करते हैं। दो दिन पहले ही वह अपने चाचा के साथ फरीदाबाद से वापस अपने घर जा रही थी। बुलेट से वे बदरपुर फ्लाईओवर के पास पहुंचे। अचानक पतंग का मांझा मोहन के गले में आकर फंस गया। मांझा फंसने के कारण मोहन का बुलेट से संतुलन बिगड़ गया और अपनी भतीजी के साथ फ्लाईओवर से नीचे गिर गए। हादसे में मोहन के दोनों पैर की हड्डी टूट गई है। लेकिन दीप्ति की हालत गंभीर थी। शुक्रवार देर शाम करीब साढ़े छह बजे दीप्ति ने दम तोड़ दिया।

ईंट से वार कर बुजुर्ग सब्जी विक्रेता की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

उत्तम नगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग सब्जी विक्रेता की ईंट से वारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप इलाके के ही कुछ युवकों पर लगा है, जो बाजार में दुकानदारों से वसूली का काम करते हैं। पुलिस ने शनिवार को बक्सी खान (82) का शव पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल उत्तम नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग अपनी पत्नी और 30 साल की बेटी के साथ ई-92, हस्ताल गांव, विकास नगर में रहते थे। वह पास के बाजार में मिर्ची बेचने का काम करते थे। बीती गुरुवार रात को कुछ युवक आए और 50 रुपए की मांग करने लगे। विरोध करने पर युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी थी।

संगीत और मनोरंजन तकनीक की प्रदर्शनी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

म्यूजिक प्रोडक्शन की प्रदर्शनी इंडियन डीजे एक्सपो-2019 के छठे संस्करण का आयोजन 18 जुलाई से प्रगति मैदान में किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 20 जुलाई तक चलेगी। तीन दिन तक चलने वाले इस सलाना एक्सपो प्रदर्शनी में म्यूजिक प्रोडक्शन, एंटरटेनमेंट टेक्नोलोजी एवं इवेंट प्रोडक्शन से संबंधित आधुनिक तकनीकों और रुझानों का प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रदर्शनी में सेमिनार और कार्यशालाओं पर भी विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिनके दौरान कारोबार में निवेश के आकर्षक अवसरों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन बीटरुट्स एक्सपो और पब्लिकेशंस द्वारा किया जा रहा है। इस एक्सपो को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य देश के छोटे और मध्यम उद्यमों को समर्थन देना है। इंडियन डीजे एक्सपो उन सभी पहलुओं पर रोशनी डालेगा, जो एक डीजे (परफॉर्मर, कलाकार) को अच्छे परफॉर्मेंस के लिए चाहिए होती हैं।

इंडियन डीजे एक्सपो के संयोजक मैनुअल डायस का कहना है किए इस साल विशेष रूप से हम म्यूजिक प्रोडक्शन टेक्नोलोजी पर ध्यान केंद्रित करेंगे। खासतौर पर ज्यादातर प्रो डीजे म्यूजिक रिकॉर्डिंग गियर में निवेश कर रहे हैं, जो उनके अपने ट्रैक को बनाने में मदद करता है। लोग डीजे साउंड और शैलियों को ज्यादा गंभीरता से लेते हैं। कोई भी बाजार के रुझानों से हटकर नहीं चलना चाहता, हर कोई रेस में सबसे आगे आने की कोशिश में लगा है।

गांधी को 'स्वास्थ्य दूत' के तौर पर पेश किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आइसीएमआर) ने एक नई पहल के तहत महात्मा गांधी को 'स्वास्थ्य दूत' के तौर पर पेश किया है, जिससे स्कूली छात्रों को ऐसी जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके जो उनकी कुशलता को सुनिश्चित करे। परिषद ने कहा है कि गांधीवादी मूल्य और अच्छे स्वास्थ्य का दर्शन आज के दौर में भी प्रासंगिक हैं।

इस दर्शन को जीवित रखने के लिए आइसीएमआर के वैज्ञानिक और अधिकारी बच्चों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत के लिए विद्यालयों का दौरा कर रहे हैं। 'मिशन शक्ति' पहल (स्कूल आधारित स्वास्थ्य जागरुकता, ज्ञान परीक्षण और प्रशिक्षण पहल) को हाल ही में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के उपलक्ष्य में किया गया है। इसमें राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय और दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सहयोग दिया है। कार्यक्रम में दिल्ली के 36 विद्यालय हिस्सा लेंगे। वैज्ञानिक और आइसीएमआर के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान शोध केंद्र, गोरखपुर के निदेशक रजनी कांत ने कहा कि स्वास्थ्य जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते मामलों के इस दौर में अच्छे स्वास्थ्य के लिए गांधी जी के मंत्रों को स्कूल के समय से ही आत्मसात करना और उनका पालन करना दीर्घकाल में स्वस्थ जीवन का आधार बनेगा। रजनी कांत कार्यक्रम के परियोजना समन्वयक भी हैं।

आइसीएमआर की पहल

स्कूली छात्रों को ऐसी जीवन शैली अपनाने के लिए कहा जाएगा जो उनको स्वस्थ्य रखे

नई दिल्ली

दिल्ली व एनसीआर में बढ़ता जा रहा है बारिश का इंतजार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

राष्ट्रीय राजधानी सहित आसपास के इलाकों में अभी अगले दो–तीन दिन तक बारिश के आसार नहीं हैं, जब तक बारिश नहीं होगी, तब तक गरमी से भी निजात नहीं मिलने वाली। तापमान सामान्य से चार से पांच डिग्री ऊपर चल रहा है। मौसम विभाग ने 16 जुलाई व उसके बाद से हल्की व मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जताई है, जबकि पूर्वोत्तर के पहाड़ों में अगले दो दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। लेकिन जम्मू–कश्मीर व हिमाचल में कुछ इलाकों में व उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर एहतियात बरतने को कहा गया है। इस दौरान पूर्वोत्तर सहित देश के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि राजस्थान के पश्चिमी व पूर्वी दोनों हिस्सों में अगले दो दिनों तक शुष्क मौसम रहने के आसार हैं।

राजधानी दिल्ली में बारिश न होने से गरमी व हवा में नमी का स्तर अधिक होने से उमस बढ़ गई है। लोगों को अभी दो–तीन दिन और राहत मिलने की संभावना नहीं है। मानसून आने के बावजूद अभी केवल बादल ही छाए रहेंगे। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 16 जुलाई की शाम को बारिश होने की संभावना है, जिससे दिल्लीवासियों को गरमी से थोड़ी राहत मिल सकती है। बारिश न होने से दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि

दो–तीन बाद ही बरसात की संभावना, तब तक नहीं मिलेगी गरमी व उमस से राहत

न्यूनतम 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है। पालम में शनिवार को अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री की उछाल के साथ 31.4 दर्ज किया गया।

मौसम वैज्ञानिकों ने दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना जताई है। हवा में नमी का स्तर 58 फीसद दर्ज किया गया। रविवार को न्यूनतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस बीच पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दो दिनों में असम, मेघालय, हिमालय की तराई व सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश व पश्चिम बंगाल में भारी से भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गोवा, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, बिहार व अन्य इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

बारिश से परेशान मुंबई के लिए राहत की बात है कि अगले 48 घंटों तक भारी बारिश से राहत की संभावना है, जबकि असम के अधिकतर जिले बाढ़ की चपेट में हैं, बाढ़ प्रभावितों को ऊंचे स्थानों पर शिविरों में रहने का इंतजाम किया गया है। विभाग ने बताया कि एक मौसमी ट्रफ (गर्त) अभी दिल्ली के उत्तरी हिस्से में है, जो हिमालय की तराई की ओर बढ़ रहा है, इसके प्रभाव से निचले पहाड़ी इलाकों में बारिश हो सकती है, जबकि राजस्थान के कई जिलों में मौसम अगले दो दिनों तक शुष्क रहने के आसार जताए गए हैं।

संसद से गांव–गांव तक पहुंचाएं स्वच्छता अभियान : ओम बिरला

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में संसद परिसर में शनिवार को दो दिवसीय स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई।

इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने सभी जन प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि वे इस अभियान को देश के गांव–गांव तक पहुंचाएं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर समेत कई मंत्री और हेमा मालिनी, हंसराज हंस, सुशील कुमार सिंह सहित कई सांसद शामिल हुए। संसद परिसर में रविवार को भी स्वच्छता अभियान जारी रहेगा।

इंडियन बैंक Indian Bank — आपका अपना बैंक — Your Own Bank

Zonal Office, Upper Ground Floor, World Trade Centre, Babar Road, New Delhi-110001 Fax: 23413680, 23413382

रेफ.डीजेडओ/सरफैसी/ /2019–20 तिथि: 4.7.2019

बिक्री सूचना का प्रकाशन

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम– 6 (2) एवं 8 (6) के अंतर्गत तथा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अभिप्रेत बिक्री की सूचना

1. प्रॉप्राइटर श्री विजय सिंह मै. हाइटेक स्प्रिंग्स एंड इंजीनियर्स पताः शेड नं. 90डी, टाइप बी 1, एचएसआईडीसी इंडस्ट्रियल इस्टेट सेक्टर 31, फरीदाबाद, हरियाणा 121003 **तथा साथ हीं:** श्री विजय सिंह टोंक पताः मकान सं. 101, इन्दिरा गांधी कॉलोनी, एनआईटी, फरीदाबाद, हरियाणा	1. श्री अजय कुमार टोंक पताः मकान सं. 101, इन्दिरा गांधी कॉलोनी, एनआईटी, फरीदाबाद, हरियाणा

विषयः एसडी एन्क्लेव शाखा में आपकी नगदी साख खाता सं. 6390311788 तथा सावधि ऋण खाता सं. 6393634048

श्री विनय सिंह, प्रॉप्राइटर, में हाइटेक स्प्रिंग्स एंड इंजीनियर्स ने इंडियन बैंक, एस.डी. एन्क्लेव शाखा से उपरोक्त साख सुविधाएं प्राप्त की है जिसका पुनर्भुगतान अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति/यों सहित कुछ सम्पत्ति (यों), यहां के बाद ''सम्पत्तियों'' के रूप में वर्णित सहित कुछ विशेष सम्पत्ति(यों) की गिरवी/हाइपोथेकेशन द्वारा प्रतिभूत है। श्री विनय सिंह, प्रॉप्राइटर मै. हाईटेक स्प्रिंग्स एंड इंजीनियर्स बैंक के बकाये का भुगतान करने में विफल रहा अतएव, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम 2002 (संक्षेप में ''अधिनियम'' के नाम से विदित) की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना तिथि 2.4.2018 जारी कर श्री विनय सिंह प्रॉप्राइटर, मै. हाइटेक स्प्रिंग्स एंड इंजीनियर्स तथा बैंक को भुगतान के लिये उत्तरदायी अन्यों को उस पर आगे के ब्याज, लागत, अन्य चार्जेज तथा खर्चे के साथ 13.3.2018 को रु. 8074247.65 की राशि के भुगतान का निर्देश दिया गया।

सूचना तिथि 2.4.2018 के बावजूद श्री विनय सिंह प्रॉप्राइटर, मै. हाइटेक स्प्रिंग्स इंजीनियर्स भुगतान करने में विफल रहा, अतः सभी सांविधिक औपचारिकता को पूरा करने के बाद प्राधिकृत अधिकारी ने अधिनियम के अंतर्गत 28.6.2018 को अनुसूची में वर्णित सम्पत्तियों का कब्जा कर लिया।

उस पर आगे के ब्याज, लागत, अन्य चार्जेज तथा खर्चे के साथ 3.7.2019 को बकाया राशि रु. 8617211/– है। यह बिक्री ई–नीलामी पद्धति से सार्वजनिक निविदा/ नीलामी के द्वारा आयोजित होने के लिये प्रस्तावित है। नियमों एवं शर्तों के साथ निविदा/ बोली प्रपत्र वेबसाईट (https://www.bankeauctions.com) से ऑन लाइन प्राप्त की जा सकती है तथा सिस्टम/ साफ्टवेअर के प्रावधानों का उपयोग कर 'सील बिड ऑप्शन' का प्रयोग कर भी प्राप्त की जा सकती है ताकि क्रियाकलापों को ऑन लाइन सम्पादित किया जा सके। निविदा प्रपत्र तथा नियम एवं शर्तें 1.8.2019 से 16.8.2019 तक 10.00 बजे पूर्वा. से 4.00 बजे अप. तक वेबसाईट में उपलब्ध होगी। निर्धारित प्रक्रिया में ईएमडी के साथ सभी आवश्यक शर्तों का अनुपालन करते हुए निविदा/ बोली जमा करने की अंतिम तिथि 16.8.2019 के 4.00 बजे अप. तक है।

निविदा/ बोली को ई–नीलामी पद्धति में 17.8.2019 को खोला जायेगा।

इच्छुक क्रेता/ बोलीदाता अपने खर्चे पर 6.8.2019 को 10 बजे पूर्वा. से 4.00 बजे अप. तक अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति तथा संबंधित दस्तावेजों/ अद्यतन ईसी आदि का निरीक्षण कर सकते हैं। प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये आरक्षित मूल्य तथा धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी) अनुसूची में वर्णित रूप में निर्धारित है। मुहरबंद निविदा के साथ बिना किसी टाइम बैग के डीडी/ बीपीओ/ आरटीजीएस/ एनईएफटी/ खाता अंतरण एवं/ अथवा धन अंतरण के अन्य किसी स्वीकार्य पद्धति में ईएमडी संलग्न की जायेगी जिसके बिना निविदा अयोग्य माना जायेगा। ऑन लाइन धन अंतरण के लिये नोडल बैंक खाता सं./ आईएफएससी कोड आदि इस प्रकार है:

क्रम सं.	नोडल बैंक खाता सं.	आईएफएससी कोड
1.	इंडियन बैंक खाता नं. 98742002982	IDIB0005002

यह बिक्री उच्चतम प्रस्ताव/ निविदा/ बोली करने वाले व्यक्ति को प्रदान की जायेगी जो प्रतिभूत क्रेडीटर की पुष्टि की अधीन होगी। प्राधिकृत अधिकारी को चाहे जो भी हो बिना कोई कारण बताये बोली/ निविदा को स्वीकार या निरस्त करने का अधिकार है। एक बार नीलामी/ ई–नीलामी पूरा हो जाने तथा उच्चतम प्रस्ताव/ निविदा/ बोली जमा करने वाले व्यक्ति को बिक्री सौंप देने के बाद सफल बोलीदाता को जैसा भी मामला हो व्यक्गित/ ई–मेल द्वारा सूचना दी जायेगी जिन्हें तत्काल डीडी/ बीपीओ/ आरटीजीएस/ एनईएफटी/ खाता अंतरण एवं/ अथवा धन अंतरण के किसी अन्य स्वीकार्य पद्धति में 25% बोली राशि (ईएमडी घटाकर) को प्रेषित करना होगा अन्यथा प्रेषित की गई ईएमडी जब्त कर ली जायेगी।

शेष बिक्री मूल्य का भुगतान बिक्री की पुष्टि के 15 दिनों के भीतर अथवा लिखित में विस्तारित अवधि में किया जायेगा। यदि शेष राशि निर्धारित/ स्वीकृत समय में जमा नहीं की जाती है तो 25% जमा की गई राशि भी जब्त कर ली जायेगी। यह बिक्री प्रतिभूत क्रेडीटर द्वारा पुष्टि के अधीन होगी।

यह बिक्री 'जैसा है जहां है तथा जो भी वहां है'' आधार पर की जायेगी तथा **अधिभारों, सांविधिक देयताओं आदि के संदर्भ में बैंक द्वारा कोई प्रतिनिधित्व तथा वारन्टीज नहीं दी गई है।**

** यदि किसी भी तकनीकी अवरोधों आदि के कारण ई–नीलामी विफल होती है तो वह 7 दिनों की पूर्व सूचना देकर फिर से निर्धारित की जायेगी।

*** यह सूचना प्रतिभूत क्रेडीटर को उपलब्ध अन्य किसी उपचार के प्रति पूर्वाग्रह रहित है।

अनुसूची

बिक्री के लिये लक्षित परिसम्पत्तियों का विशिष्ट विवरण इस प्रकार है:

विवरण	आरक्षित मूल्य	ईएमडी	बिक्री की तिथि, समय एवं स्थान	सम्पत्ति पर देय बैंक की जानकारी में अधिभारों का विवरण
	रु. 132.00 लाख	रु. 13.20 लाख	17.8.2019 को 12.00 बजे से 1.00 बजे अप., ई–नीलामी	निल

गिरवी परिसम्पत्तियांः सम्पत्ति का विवरणः औद्योगिक शेड नं. 90डी/बी/सेक्टर–31 जो इंडस्ट्रियल इस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा में है, माप 184.5 वर्ग यार्ड्स तथा चौहद्दीः उत्तरः शेड नं. 90सी, दक्षिणः शेड नं. 90ई, पूर्वः सड़क, पश्चिमः अन्य सम्पत्ति

** ई नीलामी पद्धति में बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 16.8.2019 के 4.00 बजे अप. तक

** बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि नीलामी बोली प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों एवं शर्तों जो बोली प्रपत्र में संलग्न हैं, के लिये हमारे सेवा प्रदाता मै. सी–1 इंडिया प्रा.लि. की वेबसाईट (https://www.bankeauctions.com) देखें। सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान सहायता प्राप्त करने के लिये ईमेल आईडी support@bankeauctions.com तथा हेल्पलाईन नम्बर 91- 0124-4302020/ 21/ 22/ 23/ 24 है।

स्थानः नई दिल्ली, बी. एस. राणा, प्राधिकृत अधिकारी
तिथिः 4.7.2019 (इंडियन बैंक)

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी–सह–बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई–400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी–सह–बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	23541200000587	मनप्रीत सिंह क्लेर	279
2	23541200000620	मनप्रीत सिंह क्लेर	76
3	23541200000578	मनप्रीत सिंह क्लेर	37
नीलामी की तिथि: 22 एवं 23 जुलाई, 2019			
सम्पर्क व्यक्ति: श्री रजत लाम्बा, टेलीफोन नं. 7027741494/18002095363			
पता: डीसीबी बैंक लिमिटेड,5502, सूर्या टावर, निकोल्सन रोड, अम्बाला कैन्ट, हरियाणा–133001			

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी–सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी कर्ता तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी–कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेट्ल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर–वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत–विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./–
तिथि: 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: अम्बाला डीसीबी बैंक लिमिटेड

हड़ताल पर जाने वाले रेल कर्मचारियों से मांगा जवाब

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

भारतीय रेल के निजीकरण के प्रयासों के विरोध में 15 जुलाई से हड़ताल पर जाने वाले कर्मचारियों से रेल मंत्रालय ने जवाब मांगा है। इस बाबत मंत्रालय की तरफ से सभी रेल जोन को एक पत्र भेजा गया है। पत्र के माध्यम से 15–17 जुलाई को घोषित विरोध प्रदर्शन में जाने वाले कर्मचारियों की जानकारी मांगी गई है। मंत्रालय ने जिला अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि सेवाओं के सामान्य संचालन के लिए ऐसे कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए।

यह सारा विवाद रेल मंत्रालय के 100 दिन के निर्धारित कार्यक्रम में किए गए प्रावधान की वजह से खड़ा हुआ। इसमें प्रावधान किया गया है कि रेल मंत्रालय की सात उत्पादन यूनिट में निजी भागीदारी की मदद से काम किया जाएगा। मामले में विपक्ष भी केंद्र सरकार को घेर रहा है। हालांकि, रेल मंत्री पीयूष गोयल खुद यह आश्वासन दे चुके हैं कि रेल के निजीकरण का कोई सवाल नहीं है। इसके बाद भी कर्मचारियों का विरोध जारी है। कर्मचारियों के विरोध के बाद ही रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आलोक कुमार ने आदेश जारी किए हैं। इनमें कहा गया है कि कर्मचारियों ने देशभर में भूख हड़ताल व चक्का जाम की चेतावनी दी है।

हड़ताल का कारण किलोमीटर दरों में 1980 नियम का प्रयोग, कर्मचारियों की पेंशन, सुरक्षा समिति की सिफारिशों को लागू करना, 100 दिन के रेल मंत्रालय के मसविदे जैसे मसलों को बताया गया है। बोर्ड ने अपने सभी अधिकारियों को कहा है कि इस वजह से रेल सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए और इसका उल्लंघन होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। रेल मंत्रालय ने इस मामले में संबंधित अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि धारा 173, 174 व 175 के तहत मामले में कार्यवाही की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि 15 से 17 जुलाई तक किसी भी प्रकार से नियमों का उल्लंघन न हो।

राजस्थान के तीन मजदूरों की ट्रेन से कट कर मौत

सूरत, 13 जुलाई (भाषा)।

गुजरात में सूरत रेलवे स्टेशन के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई।

रेलवे पुलिस सूत्रों ने बताया कि ये लोग सूरत और उधना स्टेशनों के बीच ट्रेन से उतर कर पटरियां पार कर रहे थे। इस दौरान वे तेज रफ्तार कर्णावती एक्सप्रेस की चपेट में आ गए।

ये लोग राजस्थान के मजदूरों के छह सदस्यीय समूह का हिस्सा थे और काम की तलाश में वलसाड़ जा रहे थे। इनमें से एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई व दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान कुलदीप कुलसिंह, प्रवीण नारायण सिंह और प्रवीण धीर सिंह के रूप में हुई है। मजदूरों का समूह अजमेर पुरी एक्सप्रेस से सूरत पहुंचा था और उसने वलसाड़ जाने के लिए दूसरी ट्रेन पकड़ी।

Bank of India — Relationship beyond banking — बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक शाखा

अनुलग्णक एफ परिशिष्ट–IV [देखें नियम 8(1)]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 1.5.2019 जारी कर ऋणधारक श्री नितिन गुप्ता तथा श्री निखिल गुप्ता, दानों फर्म मै. नेक्स्ट न्यू फ्लैक्स पैक के पार्टनरों को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 2,39,39,309.02 (दो करोड़ उन्तालिस लाख उन्तालिस हजार तीन सौ नौ तथा पैसे दो मात्र) वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आज, दिनांक 8 जुलाई, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 2,39,39,309.02 तथा उस पर ब्याज की राशि के लिये बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक शाखा के चार्ज के अधीन होगा। ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

प्लॉट नं. 1596, सेक्टर–38, एचएसआईआईडीसी, राई औद्योगिक सम्पदा, फेज 1, जिला सोनीपत, हरियाणा–131029 से शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा।

चौहद्दी: उत्तरः प्लॉट नं. 1613, दक्षिणः 15 मी. चौड़ी सड़क
पूर्वः प्लॉट नं. 1597, पश्चिमः प्लॉट नं. 1595

तिथि: 8.7.2019 हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी,
स्थान: राई, सोनीपत, हरियाणा (बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक)

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank — सरफैसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत ई–नीलामी बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री

एतद्द्वारा सर्वसाधारण तथा ऋणधारक/कों तथा गारन्टर/रों को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा किया गया है, की नीचे वर्णित ऋणधारकों तथा गारन्टरों से प्रतिभूत क्रेडीटर के बकाये की वसूली के लिये 31.7.2019 जो ई–नीलामी की तिथि है, को ''जैसा है जहाँ है'', ''जो भी जैसा है'' तथा ''जो कुछ भी वहाँ है'' आधार पर बिक्री की जायेगी। आरक्षित मूल्य तथा धरोहर राशि इस प्रकार होगीः

ऋणधारक तथा गारन्टरों/सह–देनदार का नाम एवं पता तिथि के साथ बकाया राशि	गिरवी रखी गई अचल सम्पत्ति का विवरण तथा स्वामी/मार्टगैजर का नाम	सम्पत्ति का आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी) / निरीक्षण की तिथि एवं समय	ईएमडी जमा करने की खाता सं तथा आईएफएस कोड
1. शाखाः सेक्टर–21 सी, डीएसएस 45–46, डुडा मार्केट, फरीदाबाद, हरियाणा, फोन 0129–2437209, 9140205636, ईमेलः br.8299@syndicatebank.co.in			
ऋणधारकः मै. श्याम जी ऑटोकास्ट प्रॉप. श्री निशांत सिंह, प्लॉट नं. 2361, दुर्गा मंदिर के निकट, जवाहर कॉलोनी, एनआईटी, फरीदाबाद, हरियाणा स्युरिटीजः श्रीमती माया सिंह, पत्नी अनिल कुमार सिंह, मकान सं. ई–15, दुर्गा मंदिर के निकट, डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद, हरियाणा 30.06.2019 को रु. 57,96,429.99 (रुपये सत्तावन लाख छियानवे हजार चार सौ उन्नतीस एवं पैसे निन्यानवे मात्र) तथा ब्याज एवं लागत	श्रीमती माया सिंह, पत्नी श्री अनिल कुमार सिंह के नाम में प्लॉट नं. 2361 (प्लॉट नं. 31–32 का भाग), खसरा नं. 43/1, मौजा सारण, दुर्गा मंदिर के निकट, जवाहर कॉलोनी, एनआईटी फरीदाबाद, हरियाणा, माप 120.00 वर्ग यार्ड्स। चौहद्दीः उत्तरः 15 फीट चौड़ा रास्ता, दक्षिणः अन्य मकान, पूर्वः श्री दिनेश्वर पाण्डेय का मकान, पश्चिमः श्री नाथू सिंह का मकान	रु. 32,22,200/– रु. 3,22,220/– 25.7.2019 11.00 बजे पूर्वा. से 2.00 बजे अप.	खाता नं. 82993020000012 सिंडिकेट बैंक, सेक्टर–21 सी शाखा आईएफएस कोड SYNB0008299
2. शाखाः फरीदाबाद मैन, डी.नं. 48, भू तल, नीलम वाटा रोड, फरीदाबाद–121001, फोनः 0129–2415882, 9527716451, ईमेलः br.8214@syndicatebank.co.in			
ऋणधारकः मै. गोयल सुगर ट्रेडर्स, प्रॉप. श्री शंकर लाल गोयल, शॉप नं. 10, मार्केट नं. 1, एनआईटी, फरीदाबाद गारन्टर्सः श्रीमती अल्का गोयल, श्री वैभव गोयल, ई–803, बीपीटीपी पार्क, ग्रैण्डयौरा, सेक्टर–82, फरीदाबाद 30.06.2019 को रु. 4,56,83,872/– (रुपये चार करोड़ छप्पन लाख तिरासी हजार आठ सौ बहत्तर मात्र) के साथ ब्याज एवं लागत	श्री शंकर लाल, पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण के नाम में मकान सं. एमसीएफ–78, पुराना नं. 84/84, वार्ड नं.–5, ब्राहिमणवारा, बुध प्रकाश विद्या मंदिर वाली गली, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा, माप 119 वर्ग यार्ड्स।	रु. 35,29,710/– (आवासीय) रु. 3,52,971/– (आवासीय) 25.7.2019 11 बजे पूर्वा. से 2.00 बजे अप.	खाता नं. 82143020000011 सिंडिकेट बैंक, 48 भगना भवन, नीलम बाटा रोड, फरीदाबाद आईएफएस कोड SYNB0008214

ई–नीलामी से संबंधित विवरण नीचे वर्णित हैं:
ई–नीलामी की तिथि एवं समय : 31.7.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक
ई–नीलामी वेबसाईट का पता : https://syndicatebank.auctiontiger.net
बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 29.7.2019 के 5.00 बजे अप. तक
न्यूनतम बोली बोली बृद्धि राशि : रु. 50,000/–

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया प्रतिभूत क्रेडीटर की वेबसाईट अर्थात् www.syndicatebank.in में दी गई लिंक देखें।

तिथिः 14.7.2019 स्थानः फरीदाबाद प्राधिकृत अधिकारी, सिंडिकेट बैंक

चौदह बांग्लादेशी नागरिकों को रिहा कर उनके देश भेजा गया

तिरुचिरापल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में केंद्रीय कारागार विशेष शिविर में रह रहे 14 बांग्लादेशियों को रिहा कर–के उनके देश वापस भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन 14 बांग्लादेशियों को दूसरे देशों के 40 अन्य नागरिकों को विभिन्न अपराधों के मामले में दोषी पाए जाने के बाद यहां रखा गया था। उन्होंने कहा कि इन दोषियों ने हाल में ही अपनी रिहाई की मांग को लेकर यहां सांकेतिक अनशन किया।

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई–400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी–सह–बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	22041200002462	अनिल कुमार	43
2	22041200000471	बबलू	6
3	22041200001182	रणजोत सिंह	57
4	22041200001687	अनिल मलिक	212
नीलामी की तिथि: 22 एवं 23 जुलाई, 2019			
सम्पर्क व्यक्ति: सुश्री गगनजीत कौर– टेलीफोन नं. 18002095363			
नीलामी का स्थान: डीसीबी बैंक लि., बी–4–1504/ए, ईस्ट भाटिया नगर, जगाध्रि रोड, यमुना नगर– 135001			

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी–सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी–कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेट्ल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर–वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत–विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./–
तिथि: 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: यमुना नगर डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी–सह–बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई– 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी–सह–बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1	10841200000046	मोह. राशिद	31	22 एवं 23 जुलाई, 2019 अभिशेक मिश्रा टेली फोन नं. 9966317401/8090078251 डीसीबी बैंक लिमिटेड, शालीमार टावर, जीएफ, टीसी–57/वी, विभूति खंड, गोमती नगर–226010
2	10841200001953	प्रवीण चन्द्र भार्गव	73	
3	10841200002196	विकास अरोड़	44	
4	10841200008655	हरेन्द्र वर्मा	93	
5	10841200008662	हरेन्द्र वर्मा	33	
6	10841200004824	ज्ञानेन्द्र कुमार भारद्वाज	20	
7	10841200007184	चन्द्र नाथ सिंह	231	
8	25741200000310	रेहान हुसैन	64	
9	10841200008471	शबाना उस्मानी	14	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी–सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवीकर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी–कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेट्ल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर–वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत–विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./–
तिथि: 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: लखनऊ डीसीबी बैंक लिमिटेड

इन्टीग्रेटेड कैपिटल सर्विसेस लिमिटेड

BTG Global Advisory www.btgga.com

परामर्श तथा सहयोग की पुनर्संरचना
CIN: L74899DL1993PLC051981
पंजी. कार्यालयः 606, नई दिल्ली हाउस, बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001

30 जून, 2019 को समाप्त तिमाही के लिये समेकित अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रु. लाख)

विवरण	अनंकेक्षित	अनंकेक्षित	अंकेक्षित
	समाप्त 3 महीने	पूर्व वर्ष में समाप्त तत्स्थानीय 3 महीने	पूर्व वर्ष की तिथि तक वर्ष के आँकड़े
	30.6.2019	30.6.2018	31.3.2019
1. परिचालनों से कुल आय	40.81	57.18	157.70
2. कर से वर्ष के लिए शुद्ध लाभ	10.14	10.88	(394.63)
3. कर के बाद वर्ष के लिए शुद्ध लाभ	4.63	5.31	(402.99)
4. कुल व्यापक आय (कर के बाद वर्ष के लिये लाभ/हानि तथा अन्य व्यापक आय (कर के बाद) से शामिल]	4.63	5.31	(403.16)
5. प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (सममूल्य रु. 1/– प्रति)	355.84	355.84*	355.84
6 आय प्रति शेयर (सममूल्य रु. 1/– प्रति (वार्षिकीकृत नहीं) – मूल तथा तरल आय प्रति शेयर (रु. में)	0.01	0.01	(1.13)

* 30 जून, 2018 को कम्पनी की इक्विटी शेयरों की संख्या 361.50 लाख थी जो नियत तिथि 01 अक्तूबर, 2016 से कम्पनी के साथ देवरा एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड (अंतरक कम्पनी, अब भंग हो चुकी है) के समामेलन के कारण घटकर 355.84 लाख रह गई। तद्नुसार, 30 जून, 2018 को प्रति शेयर आय की पुनर्गणना इक्विटी शेयरों की घटी हुई संख्या के आधार पर की गई है।

टिप्पणी:

1. उपरोक्त अनंकेक्षित समेकित वित्तीय परिणामों की ऑडिट कमिटी द्वारा समीक्षा की गई तथा 12 जुलाई, 2019 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किए गए।
2. कंपनी के सांविधिक लेखा–परीक्षकों ने सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अनुपालन में अनंकेक्षित समेकित वित्तीय परिणामों की सीमित समीक्षा की है तथा उस पर अपनी सीमित समीक्षा रिपोर्ट जारी किये हैं।
3. कंपनी तथा उसकी सहायकों/ एसोसिएट्स के अनंकेक्षित समेकित वित्तीय परिणामों को कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के प्रावधान के अनुसार कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली, 2015 के अंतर्गत अधिसूचित रूप में भारतीय लेखा मानक 110 (''इंड एएस'') के सिद्धांतों एवं प्रक्रिया के अनुसार तैयार किया गया है।
4. कंपनी (इंड एएस) नियमावली, 2015 के अंतर्गत यथा अधिसूचित तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के प्रावधान के अनुसार इंड एएस–108 'प्रचालन खंडों' के प्रावधानों के अनुरूप समूह का प्रचालन शीर्ष ''कंसल्टैन्सी एवं परामर्श सेवाओं का प्रावधान'' के अंतर्गत आता है जिसे प्रबंधन द्वारा विवरण देने योग्य केवल एक खंड माना गया है। धारक कम्पनी के उद्देश्य उपबंध में परिवर्तन के अनुसार कम्पनी का क्रियाकलाप दिवाला एवं दिवालिया से संबंधित मामलों में परामर्श की प्रकृति की सेवाएं हैं। कुछ पूर्वापेक्षाओं की पूर्णता पर यह कम्पनी दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 तथा उसके अन्तर्गत निर्मित नियमों/ विनियमनों के अनुसार इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल एन्टिटी के रूप में पंजीकरण के लिये भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल के पास आवेदन करेगी।
5. इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने समेकित वित्तीय परिणामों के प्रकाशन का चयन किया है। 30 जून, 2019 को समाप्त तिमाही के लिये कम्पनी के स्टैण्डएलॉन तथा समेकित वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाईट www.raas.co.in तथा बंबई स्टॉक एक्सचेंज वेबसाईट www.bseindia.com पर दिए गए हैं।
6. मुख्य वित्त अधिकारी ने प्रमाणित किया है कि 30 जून, 2019 को समाप्त अवधि के वित्तीय परिणामों में कोई भी गलत या भ्रामक विवरण अथवा आंकड़े शामिल नहीं है तथा ऐसे किसी भौतिक तथ्यों को छिपाया नहीं गया है जो इन विवरणों एवं आंकड़ों को भ्रामक बनाए।
7. उसे चालू अवधि के लिए वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए जहां भी जरूरी हुआ, पूर्व अवधि के आंकड़े पुनर्वर्गीकृत/ पुनर्व्यवस्थित किये गये हैं।

बोर्ड के आदेश से
इन्टीग्रेटेड कैपिटल सर्विसेस लिमिटेड के लिए
हस्ता./–
सजीव देवरा
(निदेशक)
तिथि: 12 जुलाई, 2019
स्थान: नई दिल्ली DIN: 00003305

CITY ACADEMY LAW COLLEGE
Tiwariganj, Chinhat, Lucknow
REQUIRED PRINCIPAL
Qualification, Experience & Percentage as per State Govt. & Lucknow University Norms. Applicants should apply within 15 day to Manager, City Academy Law College, Tiwariganj, Chinhat, Lucknow.
E-mail :info@cgclko.com

"IMPORTANT"
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

HDFC — WITH YOU, RIGHT THROUGH — हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि.

उत्तरी क्षेत्र कार्यालय : द कैपिटल कोर्ट, मुनिरका, आउटर रिंग रोड, ओलोफ पाल्मे मार्ग, नई दिल्ली–110 067
दूरभाष: 011–41115111, कॉर्पोरेट पहचान संख्या: L70100MH1977PLC019916, वेबसाइट: www.hdfc.com

कब्जा सूचना

चूंकि, **हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारियों ने वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के अधीन प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन निम्नलिखित कर्जदारों/कानूनी उत्तराधिकारियों एवं कानूनी प्रतिनिधियों को एक मांग सूचना जारी की जिसमें उनके नामों के सम्मुख दर्शाई गई राशि और कथित सूचना में दर्शाये गए विवरण के अनुसार लागू दर पर ब्याज तथा भुगतान की तिथि और/या वसूली तक प्रासंगिक व्यय, लागत एवं प्रभार आदि के साथ राशि को कथित मांग सूचना(ओं) की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिए कहा गया।

क्र. सं.	कर्जदारों/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों का नाम/ऋण खाता संख्या	बकाया राशि	मांग सूचना की तिथि	कब्जा करने की तिथि	अचल सम्पत्तियों/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण
1.	श्री गौतम अरोरा एवं सुश्री शेली सहाय ऋण खाता सं. 604147923	31–दिसम्बर–18* को बकाया रु. 1,68,00,785/– (केवल एक करोड़ अड़सठ लाख सात सौ पचासी रुपए)	28–मार्च –2019	09–जुलाई –2019 (भौतिक)	हौज खास, नई दिल्ली में स्थित फ्रीहोल्ड सम्पत्ति सं. एच–1/14 का छत अधिकारों के साथ दूसरा तल, परिमाप 1617.3 वर्ग फीट (लगभग) के साथ निचले भू भाग का अविभाजित आनुपातिक हिस्सा।

*भुगतान और/या वसूली की तिथि तक उपार्जित जैसा भी लागू अनुसार आगे ब्याज, प्रासंगिक व्यय, लागतें, प्रभार आदि के साथ।

हालांकि, चूंकि यहाँ उपरोक्त वर्णित कर्जदार बकाया राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं, इसलिए विशेषकर उपरोक्त वर्णित कर्जदारों/कानूनी उत्तराधिकारियों एवं कानूनी प्रतिनिधियों और आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने उपरोक्त वर्णित तिथियों पर कथित नियमों के नियम 8 के साथ पठित कथित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित अचल सम्पत्तियों/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का **भौतिक कब्जा** अपने पास ले लिया है।

विशेषकर यहाँ उपरोक्त वर्णित कर्जदारों/कानूनी उत्तराधिकारियों एव कानूनी प्रतिनिधियों और आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित अचल सम्पत्तियों/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के साथ लेनदेन न करें और कथित अचल सम्पत्तियों/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों पर कोई भी लेनदेन हाउसिंग डेवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि. के बंधक के अधीन होगा।

अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के अनुसरण में, उपरोक्त वर्णित कर्जदारों/कानूनी उत्तराधिकारियों एवं कानूनी प्रतिनिधियों का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विमोचन के लिए उपलब्ध समय के संबंध में आकृष्ट/आमंत्रित किया जाता है/जाते हैं।

लिखित जारी पंचनामा और बनाई गई मालसूची की प्रतियाँ अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और कथित कर्जदारों/कानूनी उत्तराधिकारियों एवं कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है/हैं कि वे किसी भी सामान्य कार्य दिवस पर कार्यालय अवधि के दौरान अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त कर लें।

स्थान: दिल्ली कृते हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि.
दिनांक: 13.07.2019 60/–
प्राधिकृत अधिकारी

पंजीकृत कार्यालय: रेमन हाउस, एच.टी. पारेख मार्ग, 169, बैकबे रीक्लेमेशन, चर्चगेट, मुंबई–400 020

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

सात फीसद वृद्धि के जाल में

इस साल के केंद्रीय बजट की पोल पिछले सभी बजट के मुकाबले जल्द ही खुल गई है। लोगों में इसे या इसके प्रस्तावों को लेकर कोई 'चर्चा' नहीं हुई। बेहद अमीर (6467) तकलीफ में हैं, लेकिन डर के मारे चुप्पी साधे हुए हैं। अमीर इसलिए राहत महसूस कर रहे हैं कि उन्हें बख्श दिया गया है। मध्यवर्ग का मोहभंग इसलिए हो गया है कि उस पर सिर्फ नए बोझ लाद दिए गए हैं। गरीब अपनी किस्मत के हवाले हैं। मझोले कॉरपोरेट (4000) फेंके गए टुकड़ों का हिसाब लगाने में लगे हैं।

बजट पर अगर कोई चर्चा कर रहा है तो वे सिर्फ अर्थशास्त्री और संपादकीय लेखक हैं और इन दोनों की केंद्र सरकार ने बहुत ही तिरस्कार पूर्ण अनदेखी की है। (वित्तमंत्री ने मिलने का समय लिए बिना वित्त मंत्रालय में पत्रकारों के घुसने पर रोक लगा दी है!)

सारे उपाय ठप

सरकार ने 2019-20 में सात या आठ फीसद की वृद्धि दर देने का वादा किया है। यह सिर्फ एक फीसद का अंतर भर नहीं है। यह जारी धीमी वृद्धि और संभावित तेज वृद्धि के बीच का फर्क है। यह इस बात का भी संकेत है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार के अंतर्गत आने वाला आर्थिक प्रभाग वित्त सचिव के तहत आने वाले बजट विभाग से कोई संवाद नहीं करता है। ज्यादातर पर्यवेक्षकों ने इस पर गौर किया है कि बजट भाषण में इस बात का कोई संकेत नहीं था कि सरकार धीमी वृद्धि (सात फीसद) से ही संतुष्ट है या उच्च और तेज वृद्धि (आठ से ज्यादा) का लक्ष्य रख रही है। मुझे लगता है कि यह पहले वाली होगी।

उच्च और तेज वृद्धि के लिए वृद्धि के सभी चारों प्रमुख उपायों को पूरी रफ्तार देने की जरूरत है। सिर्फ 2018-19 में ही कारोबारी निर्यात 315 अरब अमेरिकी डॉलर, जो 2013-14 में था, से ऊपर निकल पाया, फिर भी इसमें पिछले साल के मुकाबले नौ फीसद की धीमी वृद्धि ही थी। राजस्व खाते में सरकारी खर्च (ब्याज भुगतान और अनुदान मिलाकर) 2018-19 में जीडीपी का सिर्फ 7.18 फीसद ही रहा। निजी खपत महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिकी के बेपटरी होने, सुरक्षा आदि की संभावनाओं सहित कई सूक्ष्म कारकों पर निर्भर करती है। लोगों के सामने सबसे बड़ी स्थायी दुविधा तो यही बनी रहती है कि बचत करूं या खर्च करूं। उदाहरण के लिए, यह निजी खपत में गिरावट है जिसने गाड़ियों और दुपहिया की बिक्री को बुरी तरह से प्रभावित किया है।

निवेश में ठहराव

इसके बाद निवेश का नंबर आता है। आर्थिक सर्वे ने निवेश के उपाय पर भरोसा जताया है और इससे थोड़ा कम निजी खपत पर। अर्थव्यवस्था में निवेश का पैमाना सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) होता है। इस सारणी से मोदी-1 सरकार की कहानी बयां होती है-

वर्ष	जीएफसीएफ (जीडीपी का प्रतिशत)
2007-08	32.9
2014-15	30.1
2015-16	28.7
2016-17	28.2
2017-18	28.6
2018-19	29.3

जीएफसीएफ 32.9 के उच्च स्तर से लगभग पांच प्रतिशत अंक तक गिर गया है। तीन साल तक यह लगातार 28 फीसद के स्तर पर ठहरा रहा और 2018-19 में इसमें मामूली-सा 29.3 फीसद तक सुधार आया।

अगर सार्वजनिक निवेश और निजी निवेश में भरपूर वृद्धि होती है तो जीएफसीएफ में बढ़ोत्तरी होगी। सरकारी निवेश कर राजस्व बढ़ाने की सरकार की क्षमता पर निर्भर करता है, लेकिन सरकार की यह क्षमता संदेह के घेरे में आ चुकी है। 2018-19 में सरकार को कुल कर राजस्व के संशोधित अनुमानों में से 167455 करोड़ रुपए का 'घाटा' हुआ। 2019-20 के लिए कर राजस्व की अनुमानित वृद्धि दरें, अगर विनम्रता से कहा जाए, तो इतनी महत्त्वाकांक्षी है कि चौंकती हैं। क्या कोई विश्वास कर सकता है कि आयकर राजस्व 23.25 या जीएसटी राजस्व 44.98 फीसद बढ़ जाएगा?

निजी निवेश कॉरपोरेट बचत और घरेलू बचत पर निर्भर करता है। इसके अलावा, निवेश विश्वास से जुड़ा मामला होता है। अगर कॉरपोरेट पर्याप्त मुनाफा नहीं कमाता है या उसे पर्याप्त मुनाफे की उम्मीद नहीं होती है और वह अपने मुनाफे को फिर से निवेश में नहीं लगाता है या घरेलू बचत स्थिर हो गई हो तो फिर निजी निवेश नहीं बढ़ेगा। कॉरपोरेट मुनाफा ऐसे कई पहलुओं पर निर्भर करता है जो कॉरपोरेट के नियंत्रण में नहीं होते हैं। जहां तक घरेलू बचतों का संबंध है, बजट में मुझे ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, जो लोगों को और ज्यादा बचत करने और उस बचत को निवेश में लगाने के लिए प्रोत्साहित करता हो। अगर कुछ है तो यह कि पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा कर मध्यवर्ग पर और बोझ डाल दिए गए हैं, लंबी अवधि वाला कैपिटल गेन टैक्स जारी रखा गया है, शेयरों की पुनर्खरीद पर कर लगा दिया है और अखबारी कागज, किताबों, स्प्लिट एसी, ऑटोमोबाइल कल-पुर्जों और सोन-चांदी पर भारी सीमा शुल्क थोप दिया गया है। यदि जीएफसीएफ स्थिर बना रहता है और मान लिया जाए कि उत्पादकता या दक्षता में कोई नाटकीय सुधार नहीं आता है तो जीडीपी वृद्धि दर में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हो पाएगा।

सरंचनात्मक सुधार नहीं

बजट भाषण में दो जगहों पर 'सरंचनात्मक सुधारों' वाक्य का उपयोग किया गया है, लेकिन ऐसे किसी भी कदम का उल्लेख नहीं किया गया है जिसे सरंचनात्मक सुधार के रूप में देखा जा सके। यह मेरे इस विचार की पुष्टि करता है कि नरेंद्र मोदी साहसी सुधारवादी नहीं हैं। वे पुराने ढर्रे पर चलने वाले, संरक्षणवादी, मुक्त व्यापार में भरोसा नहीं रखने वाले और कर-और-खर्च नीति के समर्थक हैं। करों के मामले को छोड़ दें, उनकी स्थिति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसी ही है।

करीब सात फीसद की धीमी वृद्धि से सरकार संतुष्ट नजर आती है। पूंजी निर्माण या खुशहाली लाने के लिए सात फीसद की वृद्धि दर संपूर्ण रूप से नाकाफी है। सात फीसद की वृद्धि दर लाखों नौकरियां कैसे पैदा करेगी जो कि जरूरी हैं। सात फीसद की वृद्धि दर आबादी के सबसे निचले तबके (सबसे नीचे आने वाले बीस फीसद लोग) की प्रति व्यक्ति आमद नहीं बढ़ाएगी। सात फीसद की वृद्धि दर से भारत दुनिया की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने का तमगा तो जीत सकता है लेकिन गरीब, बेरोजगारों और उपेक्षित, असुरक्षित और शोषित वर्गों के लोगों के लिए उसका कोई मतलब नहीं होगा।

यादों की बरात

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

यादें बरातों जैसी होती हैं। जब आती हैं तो बड़े धूम-धड़ाके के साथ आती हैं। वे शोर भी करती हैं और रोमांचित भी। हर याद का एक दूल्हा होता है और उसके इर्दगिर्द नागिन डांस करते हुए कुछ हमसाये होते हैं। बरात का माहौल उन्हीं से बनता है। उनका काम दूल्हे को वेदी तक पहुंचाना होता है। फिर वे रात के अंधेरे में गायब हो जाते हैं। दूल्हा वहीं फंस जाता है और वह सुबह का तारा देख कर ही वेदी से उठ पाता है।

यादों की बरात और भी लंबी हो जाती है, जब जिंदगी का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक जीवन की चश्मदीदगी में बीता हो। ऐसे में अक्सर बरात बिन बुलाए मेहमान की तरह ड्योढ़ी पर आकर खड़ी होती है और अगर उसकी खातिर तवज्जो में कोई कमी-बेशी रह जाती है, तो उसमें मौजूद तमाम फूफा और सलहजें मुंह फुला कर फुंकार मारने लगते हैं। वैसे उनका नाराज होना वाजिब भी है। आखिर रिश्तों का मतलब ही क्या, अगर उन्हें एहसान बना कर दूसरे पर लादा न जा सके।

> रिश्तों की राजनीति नायब होती है। उसके दांव-पेच ठीक हसीना की जुल्फ के खमो-पेच की तरह होते हैं, जिनको कभी सुलझाया नहीं जा सकता है। जब भी, जैसे भी वे बिखर जाएं उनको बिखर जाने देना चाहिए। यह रिश्तों की अदा है- इस अदा पर मर मिट कर ही हम रिवाजों से अपनी आशिकी का सबूत दे सकते हैं।

रिश्तों की राजनीति नायब होती है। उसके दांव-पेच ठीक हसीना की जुल्फ के खमो-पेच की तरह होते हैं, जिनको कभी सुलझाया नहीं जा सकता है। जब भी, जैसे भी वे बिखर जाएं उनको बिखर जाने देना चाहिए। यह रिश्तों की अदा है- इस अदा पर मर मिट कर ही हम रिवाजों से अपनी आशिकी का सबूत दे सकते हैं। वैसे भी आशिक का जनाजा धूम से निकलता है। बरात की धूम उससे अलग नहीं होती है।

बरातें कांड भी कर देती हैं। वे माहौल बिगाड़ देती हैं, स्वाद को बेस्वाद कर देती हैं। अच्छे-भले लोगों का वह रूप दिखा जाती हैं, जिस पर वक्त मिट्टी डाल चुका होता है। अभी एकाध दिन पहले ही एक पूर्व प्रधानमंत्री, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के बेहद गरीब इलाके से थे, के बारे में सोशल मीडिया पर फोटो के साथ टिप्पणी थी। उसमें लिखा था कि वे खेतों तक में जाने से नहीं हिचकते थे। बताया गया था कि उनका जीवन समाजवाद के आदर्शों के प्रति समर्पित था। वे पूरी तरह जमीन से जुड़े हुए थे और उन्हें गैर-स्वदेशी जीवन-शैली से बेहद परहेज था।

पर 1984 के चुनाव अभियान के दौरान एक शाम गांव में स्थित उनके घर पर जाने का संयोग हो गया था, जिसकी याद टिप्पणी पढ़ते ही एकाएक दिमाग खाने लगी। नेताजी अपना दिन भर का चुनावी कार्यक्रम खत्म कर के अपने दो सहयोगियों के साथ जाड़े की शाम को बैठे हुए थे। वे एक सहयोगी से बेहद खफा थे। 'तुम क्या चाहते हो?' उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा, 'मैं अपनी कमर तुड़वा लूं? तुम्हारी इस खचड़ा एंबेसडर में बैठ कर क्षेत्र की सड़कों के हर गड्ढे में गोते लगाऊं?'

'नहीं नेताजी', सहयोगी हमारी उपस्थिति की वजह से उनकी डांट पर कुछ हड़बड़ा गए थे। 'तो फिर, क्या करोगे?' नेताजी जारी रहे, 'अभी तक तो कुछ किया नहीं तुमने! तुम्हारी नजर में तो हम सिर्फ एंबेसडर के ही लायक हैं। क्या हुआ उस मर्सिडीज का? जब हम आए थे तभी कहा था कि दिल्ली से मंगवा लो, पर तुम तो बस...' नेताजी ने अपने को थोड़ा संभाला था।

'मैंने आज ही टैक्सी वाले से बात की है। आपकी पसंदवाली मर्सिडीज कल सुबह दिल्ली से निकल लेगी।' नेताजी ने लंबी सांस भरी। 'चलो देखते हैं... वैसे तुम्हारी मंशा ठीक नहीं है।' सहयोगी मुस्करा रहे थे। उन्होंने चुहल की, 'हमने सोचा था कि आपकी छवि के साथ एंबेसडर ठीक चलेगी।' 'तुम ज्यादा मत सोचा करो... और सुन लो, वोट हनक पर पड़ते हैं। हमारी क्षेत्र में हनक है, इसलिए एंबेसडर नहीं चलेगी। ये गरीब गुरबा मर्सिडीज पर टूटते हैं, समझे... अगर तुम ठीक से उगाही किए होते तो हम हेलीकॉप्टर मंगाते... पर चलो, अब मर्सिडीज ही सही... कुछ आराम तो मिलेगा, नहीं तो ये गांव-देहात हमें तोड़ देगा।'

अपनी बात करते-करते उन्होंने अपने भतीजे को पुकार लगाई और अंग्रेजी में कहा, 'हैव यू ड्रान माय बाथ। इज द वाटर वार्म एनफ? ऐंड पुट माय बाथिंग साल्ट्स इन इट... ज्यादा से... ऑयम वेरी टायर्ड।'

हम अवाक सब सुन रहे थे। बेहद गरीब परिवार से उपजा, गरीबों का मसीहा, समाजवादी क्रांति का सतत संघर्षशील सिपाही, अंग्रेजों के महंगे नमक से नहाने की तैयारी कर रहा था। गरीबों की राजनीति ने उसे इतना मोहताज कर दिया था कि हेलीकॉप्टर की जगह उसे मर्सिडीज से काम चलाना पड़ रहा था। हमारे अंदर का वोटर उनकी दशा पर बेहद शर्मिंदा हुआ था।

एक याद अभी अपना नागिन डांस पूरा भी नहीं कर पाई थी कि दूसरी रुदाली की तरह फूट पड़ी। तत्कालीन प्रधानमंत्री के साथ हम जापान के दौरे पर थे। ओसाका होते हुए तोक्यो पहुंचे थे। उस शाम प्रधानमंत्री का कोई निर्धारित कार्यक्रम नहीं था। विदेश मंत्रालय के अफसरों ने पत्रकार दल को सुझाव दिया कि अगर वे तोक्यो की रंगीनियां देखना चाहते हैं, तो रूपानगी इलाके में घूम आएं।

टैक्सी ने हमको वहां के मुख्य चौराहे पर उतार दिया। हम लोग रूपानगी के रूप को निहारने की तैयारी भी नहीं कर पाए थे कि सड़क के पार से किसी ने हमारा नाम पुकारा। दूर एक आदमी जोर से हाथ हिला रहा था और हमें सड़क पार अपने पास बुला रहा था। हमें हैरत हुई। तोक्यो के हम किसी को नहीं जानते थे। पर हमने सड़क पार कर ली।

उस आदमी ने लपक कर प्रणाम किया और खैरियत पूछी। हमने उसका चेहरा गौर से देखा, पर कुछ याद नहीं आया। वह समझ गया। 'मैं आपको दूर से पहचान गया था... मैं कई बार आपके घर आया हूं, मालवीय नगर में।' 'किस वजह से?' हमने कुरेदा। 'सर आपको प्रेस नोट देने आता था। आपको याद नहीं है... मेरा घर आपके घर के पास ही था, इसलिए बजाय आपके ऑफिस जाने के, वहीं दे देता था।'

'किसके प्रेस नोट?' हमने फिर पूछा। 'सर, मैं मुख्यमंत्री का निजी पीआरओ था।' कौन से मुख्यमंत्री?' 'वही चाल चरित चेहरे वाले', उसने हंसते हुए कहा। 'पर, तुम दिल्ली छोड़ कर यहां कैसे? करते क्या हो?'

'वेश्याओं का दल्ला हूं।'

'क्या?' हम चौंक गए।

उसकी बेबाकी ने हमें हतप्रभ कर दिया था। अपनी बात कह कर वह बेहद संजीदा हो गया था।

'सर, एक दिन मैंने फैसला किया कि मैं घटिया दंड फंद नहीं करूंगा। जो करूंगा ईमानदारी का करूंगा... नेताओं की दलाली छोड़ दी, यहां की पकड़ ली। साफ सुथरा धंधा है ये। कम से कम इनका कोई ईमान धर्म तो है। इनके साथ खुश हूं। मैं तो दिल्ली में बर्बाद ही हो जाता... शुक्र है भगवान का, वक्त रहते अक्ल आ गई और नेताओं का साथ छोड़ इनको अपना लिया।'

वही पुरानी लीक

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

दूसरी बार लोकसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले भाषण में वादा किया एक नया भारत बना कर दिखाने का। इसलिए समझना मुश्किल है कि पिछले हफ्ते उस पुराने भारत की सबसे गंदी आदतों की यादें ताजा करने का काम क्यों उनके साथियों ने किया है। एक तरफ गोवा में दलबदलुओं का ऐसा स्वागत किया भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष ने जैसे बहुत बड़े नायक हों। दूसरी तरफ देखने को मिला कर्नाटक में उसी किस्म का घटिया राजनीतिक नाटक, जो पुराने भारत की पहचान हुआ करता था कभी। वही पांच सितारा होटल में कैद विधायक। वही निजी विमानों में उनका आना-जाना। वही राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश।

> बेशक कर्नाटक की शुरू से कमजोर, नाकाम सरकार अगले हफ्ते तक गिर जाएगी और भारतीय जनता पार्टी वहां अपनी सरकार बनाने में सफल हो जाएगी, लेकिन कौन भरोसा कर सकेगा ऐसी सरकार पर, जो दलबदलुओं के बल पर बनी है?

कहने को तो भारतीय जनता पार्टी दूर से देख रही है यह नाटक, लेकिन यथार्थ सबको दिखता है। भाजपा प्रवक्ता चाहे जितना कहते फिर रहे हों कि सोलह विधायकों ने कांग्रेस और जनता दल को छोड़ने का फैसला किया है अपनी मर्जी से, लेकिन यकीन इस बात पर करना इसलिए मुश्किल है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के एक राज्यसभा सांसद के निजी विमान में ये लोग मुंबई आए थे। वापस जब बंगलुरु गए थे तब भी उसी विमान में और फिर विधानसभा में हाजिरी देने के बाद वापस आए उसी निजी विमान में। पांच सितारा होटल में उनके रहने का खर्चा कौन दे रहा है? अगर अपनी मर्जी से यह सब कर रहे थे ये लोग तो उनको होटल में कैद करने की जरूरत क्या थी? कांग्रेस के नेता जब उनसे मिलने आए, तो उनको मिलने क्यों नहीं दिया गया?

इस पूरे नाटक से बू आती है उस पुरानी राजनीति की, जिसकी कोई जगह नहीं होनी चाहिए नए भारत में। उस पुरानी घटिया किस्म की राजनीति ने कांग्रेस पार्टी को अंदर से दीमक की तरह धीरे-धीरे तबाह किया है और अब उसी रास्ते पर चलने की कोशिश अगर भारतीय जनता पार्टी करती है, तो मुमकिन है कि उसका भी देखते-देखते वही हाल हो जाएगा, जो आज कांग्रेस का है। राज्य सरकारों को गिराने की परंपरा शुरू की थी इंदिरा गांधी ने 1959 में केरल की कम्युनिस्ट सरकार गिरा कर। उसके बाद विपक्ष की राज्य सरकारें गिराने की जैसे इंदिराजी ने आदत-सी डाल ली। इस आदत की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान देश को तब हुआ जब उन्होंने 1984 में फारुख अब्दुल्ला की सरकार गिराई थी।

फारुख 1983 में जीते थे, अपने पिता शेख अब्दुल्ला के नाम पर। शेख साहब का देहांत 1982 में हुआ था, सो उनकी कश्मीर के लिए कुर्बानियों को याद करके लोगों ने उनके बेटे को मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन यह बात प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अच्छी नहीं लगी, सो तकरीबन पहले दिन से फारुख अब्दुल्ला को हटाने का प्रयास शुरू किया उन्होंने। पहले प्रचार किया गया कि फारुख अब्दुल्ला अलगाववादी ताकतों का समर्थन कर रहे हैं। कश्मीर में और पंजाब में भी। फारुख पर देशद्रोह तक का आरोप लगाने लगे कांग्रेसी। फिर फारुख के कुछ असंतुष्ट विधायकों को प्रोत्साहित किया नेशनल कॉन्फेंस छोड़ कर फारुख के जीजा के गुट में शामिल होने का। मुख्यमंत्री बन तो गए गुलाम मोहम्मद शाह कांग्रेस के छब्बीस विधायकों के समर्थन से, लेकिन कश्मीर घाटी में अस्थिरता का दौर तबसे शुरू हुआ और आज तक उस समस्या का समाधान पूरी तरह नहीं कोई कर पाया है।

फारुख की सरकार गिराने के कुछ महीने बाद इंदिरा गांधी ने आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की सरकार गिराई, लेकिन एनटी रामाराव ने अपनी सरकार के गिरने को स्वीकार नहीं किया और अपने विधायक लेकर दिल्ली पहुंचे राष्ट्रपति के सामने साबित करने कि विधानसभा में उनकी कितनी ताकत है। नुकसान इस बार इंदिराजी का निजी तौर पर हुआ, क्योंकि पूरा विपक्ष संगठित हुआ और उनको चुनौती देने लगा।

इस तरह की हुआ करती थी राजनीति उस पुराने भारत में, जिसको मोदी बदलने का वादा करते हैं। इस वादे को अगर पूरा करना चाहते हैं प्रधानमंत्री, तो उनको इस राजनीतिक सभ्यता को भी बदलना होगा। बेशक कर्नाटक की शुरू से कमजोर, नाकाम सरकार अगले हफ्ते तक गिर जाएगी और भारतीय जनता पार्टी वहां अपनी सरकार बनाने में सफल हो जाएगी, लेकिन कौन भरोसा कर सकेगा ऐसी सरकार पर, जो दलबदलुओं के बल पर बनी है? जब जनता के प्रतिनिधि दल बदलने का काम करते हैं, तो बेवफाई उन लोगों के साथ करते हैं, जिन्होंने उन्हें चुन कर भेजा है। ऊपर से उनके चरित्र में भी अक्सर कोई खोट होती है।

इंडियन एक्सप्रेस अखबार में पिछले हफ्ते कर्नाटक के उन सोलह विधायकों के बारे में विस्तार से एक लेख छपा, जिसने साबित किया कि इनमें से ज्यादातर वही लोग थे, जो नाराज थे सिर्फ इसलिए कि उनको मंत्री नहीं बनाया गया कुमारस्वामी की सरकारमें में। ऐसे लोग अगर भारतीय जनता पार्टी में आने लगेंगे, तो किस मुंह से नरेंद्र मोदी नैतिकता की बातें कर सकेंगे? किस मुंह से वादा करेंगे नए भारत के निर्माण का?

नए भारत के सुनहरे सपने पर साया पड़ने लगा है गंदी राजनीति का। सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होने लगी हैं कि करोड़ों रुपयों का लालच दिया जा रहा है दोनों तरफ से असंतुष्ट विधायकों को। कांग्रेस पार्टी की छवि पहले से इन चीजों को लेकर खराब है, सो असली नुकसान अगर हुआ है तो भारतीय जनता पार्टी का। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी इस तरह सरकार बना भी लेती है तो उसको नुकसान ज्यादा और लाभ कम होने वाला है, क्योंकि जिस तरह की राजनीति खेली जा रही है उससे दिखने लगा है कि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की सभ्यता में कोई अंतर नहीं है।

गालियां खाके बेमजा न हुआ

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

कर्नाटक का महानाटक। एक से एक कामिक दृश्य हैं, जो कभी मुंबई के पांच सितारा से और कभी गोवा से आते हैं। चैनल ब्रेकिंग लाइनों से भरे रहते हैं : कांग्रेस के दस और जेडीएस के तीन विधायक बागी हुए! कर्नाटक सरकार अब गिरी कि अब गिरी!

एंकर हंसते हुए कांग्रेस के प्रति नकली हमदर्दी जताते हैं कि हाय! कैसी अंतर्कलह है? एक सरकार तक नहीं संभाली जा रही?

कर्नाटक का एक कांग्रेसी नेता आरोप लगाता है कि भाजपा पैसे और पद का लालच देकर तोड़ रही है। शिवकुमार पांच सितारा में घुसना चाहते हैं, लेकिन पुलिस नहीं जाने देती। जब वे जिद करते हैं, तो मुंबई पुलिस मिलिंद देवड़ा सहित उनको हिरासत में ले लेती है।

कि इतने में विघटन गोवा पहुंच जाता है, जहां दस कांग्रेसी विधायक भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नड्डा जी के साथ लाइन लगा कर खड़े हैं। एक चैनल लाइन देता है : कांग्रेस बिखर रही है।

एक भी एंकर उन आरोपों को अपना नहीं बनाता, जो कहते हैं कि पद और पैसे का लालच देकर खरीद-फरोख्त की जा रही है।

ये कैसे दिन आ गए हैं कि कांग्रेस के लिए रोने वाले भी नहीं नजर आते।

राहुल अमेठी विजिट करते हैं और चैनल बताने लगते हैं कि उन्होंने कार्यकताओं को ही हार का जिम्मेदार ठहराया। फिर वही अहंकार! वही नामदार! राहुल ने अपने को भी जिम्मेदार ठहराया, इसे चैनल क्यों भाव दें। कुछ एंकरों के लिए राहुल एक स्थायी 'पंचिंग बैग' हैं, जब चाहे दो-चार जड़ दो!

भाजपा कांग्रेस पर हंसे यह तो समझ में आता है, लेकिन एंकर भी हर मौके पर कांग्रेस पर हंसें और कूटें, यह मीडिया की तमीज से परे नजर आता है। शिकारियों के साथ मिलकर कुछ एंकर स्वयं भी शिकारी बन जाते हैं।

इस बेशर्म खबर को भी तोड़ते हुए खबर आती है कि नामी मानवाधिकारवादी वकील इंदिरा जयसिंह और सहयोगी आनंद ग्रोवर के दिल्ली और मुंबई स्थित ठिकानों पर सीबीआई छापे डाल रही है। 'यह बदलेखोरी है' कह कर इंदिरा जी कार में बैठ कर निकल जाती हैं।

इस बीच नागपुर विश्वविद्यालय, 'राष्ट्र निर्माण में आरएसएस का योगदान' पढ़ाने के लिए बीए के पाठ्यक्रम में एक यूनिट तय कर देता है। इस पर एक परिचित-सी हाय-हाय होने लगती है कि यह पाठ्यक्रमों के भगवाकरण की शुरुआत है, लेकिन इस बार हाय हाय वादी आलोचक हाय हाय करने से पहले ही कहने लगते कि पाठ्यक्रमों में संघ के बारे में भी बताया जाए, इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है, लेकिन उसके आलोच्य बिंदुओं को भी पढ़ाया जाए।

एक अंग्रेजी एंकर को संघ का पाठ्यक्रम में लगना इतना पसंद आता लगा कि मानो कोर्स में अभी दाखिला ले लेंगी।

> साफ हुआ कि आज के आलोचक फिल्म की आलोचना नहीं करते। आलोचना के नाम पर फिल्म का प्रमोशन करते हैं और उसका बाजार बनाते हैं। आलोचना का नया बाजार खुल गया है, जहां आलोचना विज्ञापन की भूमिका अदा करती है।

इन दिनों फिल्म वाले मीडिया पर ही चढ़े हुए हैं। क्यों न चढ़ें? जब आए दिन मीडिया उनकी दो कौड़ी की किसी नई रिलीज के पहले हीरो हीरोइनों की आरती उतारता रहता है तो वे मीडिया को क्यों न ठोकें!

इस बार 'तमिल फिल्म संघ' ने फिल्म आलोचकों को फिल्मों की आलोचना करने से वर्जित कर दिया और कह दिया कि फिल्मों की कठोर आलोचना बर्दाश्त नहीं होगी। एंकर रोते रहे कि ये तो अभिव्यक्ति की आजादी पर ही हमला है, लेकिन बाद में पता नहीं क्यों इसे लेकर एंकर एकाध टिप्पणी के बाद एकदम चुप लगा गए।

इसी बीच एक अंग्रेजी चैनल ने मर्दवाद की आलोचना करते हुए भी प्रेमिका पर मर्दवादी 'थप्पड़लीला' का समारोह करने वाली और 'स्त्री-विद्वेष' बेचने वाली फिल्म 'कबीर सिंह' के ढाई सौ करोड़ कमाने पर दुख मनाने की जगह खुशी जाहिर की।

एक ने तो कहा भी कि इसकी आलोचना के बावजूद इसने ढाई सौ करोड़ की कमाई कर डाली। कितनी बढ़िया बात!

साफ हुआ कि आज के आलोचक फिल्म की आलोचना नहीं करते। आलोचना के नाम पर फिल्म का प्रमोशन करते हैं और उसका बाजार बनाते हैं। आलोचना का नया बाजार खुल गया है, जहां आलोचना विज्ञापन की भूमिका अदा करती है।

यकीन न हो तो कंगना रनौत के उस वीडियो की लंबी खबर और तज्जन्य बहसों को देख लीजिए, जहां आपको आलोचना मीडिया और मार्केटिंग के सारे नए सूत्र काम करते मिल जाएंगे:

कंगना की 'मेंटल है क्या' की जगह नए नाम की फिल्म 'जजमेंटल है क्या' रिलीज होने को है। उसके धांसू प्रोमो के लिए जरूरी है कि कुछ धांसू एक्शन किया जाय। इन दिनों सबसे सुरक्षित एक्शन होता है मीडिया की ठुकाई। सो, कंगना जी बिना किसी तात्कालिक कारण के एक पत्रकार के बहाने सारे मीडिया पर अपने 'देशराग' के साथ बरस पड़ती हैं, लेकिन वाह रे मीडिया, कि उनको 'बैन' करने की धमकी देकर भी वह उनके गाली भरे वीडियो को बार-बार दिखा कर बहस कराने लगता है और इस तरह 'जजमेंटल है क्या' का विवाद प्रेरित 'प्रोमो' होने लगता है।

अपनी 'विक्टिमहुड' को 'सेलीब्रेट' करते हुए वे अपनी क्षुब्ध किंतु मृदु वाणी में पत्रकारों को एक से एक सुंदर गाली सुनाती चली जाती हैं कि पत्रकार दीमक की तरह देश की एकता को, इंटेग्रिटी को 'अटैक' करता रहता है। देशद्रोहिता फैलाता है। ये सूडो जर्नलिस्ट। मीडिया दोगला है। बिकाऊ है। ये चिंदी पत्रकार मुफ्त का खाना खाने घुस जाते हैं। नालायको। देशद्रोहियो। सस्ते बिकाऊ। झूठी अफवाहें फैलाते हैं। पचास साठ रुपए में बिक जाते हैं... तुम्हारा चूल्हा मेरी वजह से क्यों जले?

गालियां खाकर भी एंकर कहते हैं कि कंगना की मीडिया की आलोचना किसी हद तक सही है, लेकिन मीडिया को गंदी गालियां क्यों दे रही हैं? कोई पूछे कि वे गालियां दे रही हैं, तो आप ले क्यों रहे हैं?

इसे कहते हैं : गालियां खाके बेमजा न हुआ!

नई दिल्ली

किताबें मिलीं

चांद गिरा है

यह ज्योति आर्या का दूसरा शेरी-मजमुआ है। पहला मजमुआ 'जुगनुओं के बल्ब' अपनी शान पे दो साल बाद भी खुर्शीद सा चमक रहा है। उर्दू-हिंदी की चाशनी में पगी यह किताब अपने आप में मुकम्मल है। लफ्जों को कामिल करने की चाहत में कोई अतिश्योक्तिपूर्ण वर्णन नहीं है। शाइरी अधूरी खाली जगहों की जियारत है, इक वाकया है, रूह का निचोड़, अपना चेहरा पाने की कोशिश है। यहां पर जाहिरो-बातिन सीढ़ियां हैं आपके इमकां को। जो आपको उस तनव्वो सफर की ओर ले जाती हैं जहां हश्र है वाकेया है, किश्ते-जाफरान है। ये इब्तिदा है, आप बस हाथ की छोटी उंगली इस मुसन्निफ को दें, फिर देखिए आप कैसे बाकमाल सफर करते हैं।

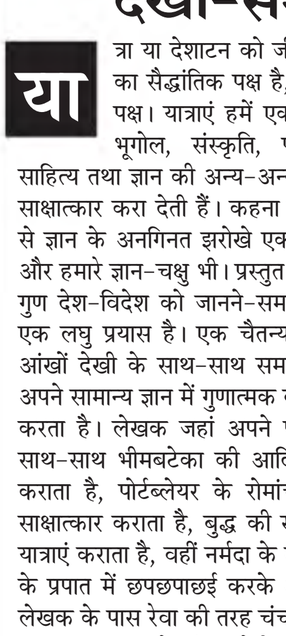

सुखन का कहें तो सन्धिकाल सा चल रहा है, जहां पुरानी लीक से हट कर लिखने की और इंसानी-तर्जुबात को लफ्ज पहनाने की इक होड़ है, वहीं ये मुजमुआ कहीं दोनों इल्हाम और नए तर्जबात का जोड़ कहता है। 'प्रेम', 'अजन्मी', 'आलसी', 'धुआं', 'तुम पूछते हो' आदि कई नज्में इसे पुख्ता करती हैं।

जहां तक बात रचना के शिल्प, भाषा की है। भाषा कोई भी हो मन के एहसास को गर दूसरे के मन पर छाप पाए तो मुकम्मल हुई। जिद्द, कशिश, बजती धुन सी है इनकी शायरी। न हंगामी है न इत्तिफाकी है, वरन इसमें ठहराव है इजहार है, एस्रेशन है। शामिल सभी अशआर के हिसाब से नजाकत, नफासत व लबोलहजा है। दीगर-रंग जायके और बांकपन में तमाम-सफहे एक दूसरे से अधिक रंगीन और जमे लगते हैं। कहीं बेबाक बयानगी, कहीं खुश्क अंदाज तो कहीं मोहब्बत से पके-रसे अल्फाज जैसे कच्ची हांडी में पकती खुशबू। जहन के सवाल आखिरी सफहे तक आते-आते जवाब पा जाते और जब आप सफहा-दर-सफहा बढ़ते हुए जवाब पाते जाएं, भूलते जाएं कि किसकी किताब है तो वहां सुखन कामिल और शायर भर्ती।

नए दरीचे खोलती यह किताब एक दरीचा और खोलती है नग्मों का। उन्हीं के कहे से हर नज्म एक इंसान होती है, जन्म लेती है, जवां होती है और बका में ठौर पाती है। उनके नग्मे भी उसी का जोड़ हैं। एक सौगात है, नर्म-नाजुक एहसास है एक नया दायरा बनाते हुए चलते हैं। एक नग्मा हमारी जुबान पे चढ़ गया है, मिश्री सा है या शयद जल्दी घुलता है।

चांद गिरा है: ज्योति आर्या; आथर्स प्रेस, क्यू-2 ए, हौजखास एनक्लेव, नई दिल्ली; 150 रुपए।

देखा-समझा देस-बिदेस

यात्रा या देशाटन को जीवंत किताब कहा गया है। पुस्तकीय ज्ञान जहां ज्ञान का सैद्धांतिक पक्ष है, वहीं यात्राओं से अर्जित ज्ञान, ज्ञान का व्यावहारिक पक्ष। यात्राएं हमें एक साथ ही इतिहास, भूगोल, संस्कृति, परंपरा, भाषा और साहित्य तथा ज्ञान की अन्य-अन्य सरणियों से जीवंत साक्षात्कार करा देती हैं। कहना न होगा कि देशाटन से ज्ञान के अनगिनत झरोखे एक साथ खुल जाते हैं और हमारे ज्ञान-चक्षु भी। प्रस्तुत कृति यथा नाम तथा गुण देश-विदेश को जानने-समझने का लेखक का एक लघु प्रयास है। एक चैतन्य पाठक लेखक की आंखों देखी के साथ-साथ समांतर यात्रा करते हुए अपने सामान्य ज्ञान में गुणात्मक वृद्धि देखता-अनुभूत करता है। लेखक जहां अपने पाठक को स्वयं के साथ-साथ भीमबटेका की आदिम गुफाओं की सैर कराता है, पोर्टब्लेयर के रोमांच और इतिहास से साक्षात्कार कराता है, बुद्ध की खोज में बोधगया-सारनाथ-कुशीनगर की श्रमसाध्य, यात्राएं कराता है, वहीं नर्मदा के उद्गम अमरकंटक तक जा पहुंचता है और धौलाधार के प्रपात में छपछपाछई करके अपने पाठकों को भी भिंगो कर तरोताजा करता है। लेखक के पास रेवा की तरह चंचल, चपल और प्रवाहशील भाषा है, जिसमें अवगाहन कर पाठक ज्ञान के मूंगा-मोती-माणक सहज ही हस्तगत कर सकता है।

देखा-समझा देस-बिदेस : प्रताप सहगल; राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली; 165 रुपए।

कितने अभिमन्यु?

इस उपन्यास में आपने विभिन्न प्रकार के दंपति दृष्गोचर होंगे। पहले पति-पत्नी जो परस्पर पूरक हैं यानी एक और एक-ग्यारह। ऐसी पत्नियां, पति की आमदनी में ही गुजारा करती हैं। उलाहना नहीं, पति का पग-पग पर उत्साह वर्धन करती हैं। ऐसे पति-पत्नी, रिश्तेदारों में फर्क नहीं करते। यह नहीं कि अपना संबंधी तो ठीक, जीवनसाथी का घुसपैठिया। याद रखिए, एक सफल दांपत्य का एक खास सूत्र है। दूसरे, दंपति जैसे-तैसे 'दांपत्य की गाड़ी' खींच लेते हैं, यानी एक धन एक बराबर दो, होते हैं। जीवन साथी कमजोर पड़ने पर, दूसरे पति या पत्नी को 'डेढ़' का रोल करना पड़ता है। तीसरे प्रकार के दंपति- उनमें से एक या दोनों स्पर्धी हो जाते हैं। एक-दूसरे को नीचा दिखाने का प्रयास करते रहते हैं, अर्थात एक माइनस एक, बराबर-जीरो। यह अपने नर्क स्वंय तैयार करते चलते हैं। भरी थाली में लात मारने के आदी होते हैं।

कहते हैं कि जोड़ियां ऊपर वाला बनाता है। साथ में आदेश भी देता है, 'मेरे बच्चो, समान सौ बरस का पल की खबर नहीं। अस्तु जितना भी जीवन लिख दिया है, प्यार से रहना।' यही आदेश भाई-बहनों के लिए भी है, जो उसका, यह आदेश नहीं मानते जीवन-पर्यंत दुखी रहते हैं। जहां प्यार होता है, तो भाई-बहन भी परस्पर पूरक हो जाते हैं, नहीं तो ईश्वर मालिक...। संयुक्त परिवारों के टूटने-बिखरने की गाथा है, यह उपन्यास। योगेश और सरिता संयुक्त परिवार में रहने की तमन्ना रखते थे, उनका सपना चूर-चूर हो गया। योगेश के भाई-बहनों ने दोनों को ही नकार दिया। दूसरी ओर सुजीत अपने भाई-बहनों और मां पर जान छिड़कता था, जबकि शोभा उसके सारे रिश्तेदारों से चिढ़ती है। सुजीत की दुर्बलता है कि वह शोभा और बच्चों के बिना भी नहीं रह सकता। दो पाटों के बीच पिस रहा है, सुजीत।

कितने अभिमन्यु? : योगेंद्र शर्मा; नमन प्रकाशन, 4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली; 350 रुपए।

जलपाश

प्रस्तुत कथा संकलन की इन कहानियों में कहानीकार जीवन की व्यापकता, जीवन के रंग, प्रतीकों, मिथकों, प्रकृति की सजीवता और रंगों के पल-पल परिवर्तित परिवेश को पूरी संवेदना और लौकिकता के साथ पकड़ती हैं। कहानी 'खिलौने वाला' हो, 'पी के टू की लोरें' हो या 'खिड़कियां बंद क्यों हैं', अपने शिल्प की ताजगी, कथावस्तु, देशकाल, भाषा-शैली, कथोपकथन व पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं के कारण शुरू से अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। 'पुशबैक' संग्रह की महत्त्वपूर्ण कहानियों में से एक है। कहानी के मुख्य पात्र मथैला को फोकस में रखकर कितने ही सवाल कथाकार ने हमारे सामने उछाले हैं। काश दोनों देशों के हुक्मरानों की निगाहों से यह कहानी गुजरे तो किसी दूसरे मथैला को ऐसी अंतहीन पीड़ा से न गुजरना पड़े।

'जलपाश' कहानी व्यवस्था के विद्रूप चेहरे को सामने लाती है और छगनू की मौत अपने पीछे ऐसे सवाल छोड़ जाती है जो आज भी जवाब के मोहताज हैं। हाशिये के आखिरी छोर पर जीने की जद्दोजहद में जुटे मनुष्य की चिंताओं और सपनों को केंद्र में लाकर कहानी का ताना-बाना बुनना आसान काम नहीं है, लेकिन मृदुला श्रीवास्तव ने इसे बखूबी निभाया है। संग्रह में बिंबों और काव्य कला की खूबसूरत आवाजाही महसूस होती है। बिंब अपना स्वरूप लेते दिखते हैं। पाठक इन बिंदुओं की जितनी गहराई में जाता है, समांतर मौजूद कहानीकार अपनी संवेदना, अनुभव और यथार्थ के पंख खोलता है तब कहानियों का मर्म सामने आता है।

जलपाश : मृदुला श्रीवास्तव; अमन प्रकाशन, 104-ए/80 सी, रामबाग, कानपुर; 195 रुपए।

कथा और सिनेमा

साहित्यिक कृतियों पर फिल्में बनाने का चलन पुराना है। अनेक बड़े फिल्मकार कहानियों, उपन्यासों आदि से प्रभावित हुए और उन्होंने अपनी कलात्मकता से उन्हें फिल्म के रूप में ढालने का प्रयास किया। कई रचनाओं ने इस कदर प्रभावित किया कि उन पर कई फिल्मकारों ने अलग-अलग फिल्में बनाईं। उनमें से कुछ निस्संदेह कला की दृष्टि से सराहनीय हैं, पर अनेक पर आरोप लगते रहे कि फिल्मकार ने रचना के साथ न्याय नहीं किया। हालांकि दोनों माध्यमों के अलग मिजाज हैं, फिर भी इनका परस्पर संबंध क्षीण नहीं होता। आखिर वह क्या चीज है, जो किसी रचना पर फिल्म बनाते समय फिल्मकार के रास्ते में बाधा बनती है! इस बार की चर्चा इसी पर। - संपादक

सिनेमा में साहित्य की आवाजाही

सत्यदेव त्रिपाठी

सिनेमा को शुरू हुए अभी सवा सौ साल हो रहे हैं। साहित्य हजारों साल पुराना है। मगर सिनेमा में जितना विपुल साहित्य आ गया है, उसे देख कर विश्वास पूर्वक कहा जा सकता है कि साहित्य के जन्मकाल से ही उसमें मौजूद था सिनेमा। फिल्मेतिहास में कुछ साहित्यिक कृतियां तो फिल्मकारों को इतनी भाईं, उन्हें ऐसी चुनौती दे सकीं कि एक कृति पर आधा दर्जन फिल्में बन चुकी हैं। शरत बाबू के उपन्यास 'परिणीता' पर छह फिल्में सिर्फ हिंदी में बनी हैं।

जाहिर है कि सिनेमा अपने जन्मकाल से ही साहित्य से आकर्षित और उद्वेलित होता रहा है। यह साहित्य की गरिमा और सृजन की शक्ति है कि साहित्य से आकृष्ट होकर सिनेमा समृद्ध हो सकता है, पर सिनेमा से आकृष्ट होकर साहित्य नहीं। उदाहरण अनेक हैं, पर सर्वोपरि हैं फिल्म-जगत के केंद्र में रहते हुए भी अपनी किसी रचना को न लाने वाले राही मासूम रजा- कुछ तो देखा-समझा होगा उन्होंने। फिर फिल्म से मुतास्सिर 'शैलूष', 'कितने पाकिस्तान' आदि रचनाएं साहित्य की श्रीहीनता और उसकी गरिमा की क्षति की सबब बनी हैं।

सिनेमा में साहित्य की शुरुआत 1915 में थॉमस डिक्शन के उपन्यास 'द कैंसमैन' पर बनी डीडब्ल्यू ग्रीफिथ की फिल्म 'द बर्थ ऑफ अ नेशन' से मानी जाती है। साहित्यिक कृति पर हिंदी में बनी पहली फिल्म वी. शांताराम की 'माया मच्छिंद्रनाथ' है, जो मणिशंकर त्रिवेदी के गुजराती नाटक 'सिद्ध संसार' पर बनी थी। हिंदी रचना पर बनी पहली हिंदी फिल्म मोहन भवनानी निर्देशित 'मिल मजदूर' मानी जाती है, जो प्रेमचंद की कहानी 'मिल मालिक' पर बनी है। 'मिल मजदूर' को देख कर स्वयं प्रेमचंद ने इसे 'प्रेमचंद की हत्या' कहा था।

अगर सिनेमा में साहित्य का यह एक सीमांत है, तो दूसरा सीमांत है- कवि शैलेंद्र निर्मित 'तीसरी कसम' को रुपहले पर्दे (सेल्यूलाइड) पर रेणु की कल्पना का मनोरम अवतार कहा जाना। 'गोदान' के सारे सामाजिक सरोकारों की कब्र पर बनी त्रिलोक जेटली की फिल्म प्रेमचंद देख पाते, तो अपने बाल नोच लेते। फिर गुलजार के पांच घंटे वाले दूरदर्शनी 'गोदान' में 1935 के होरी (पंकज कपूर) को चमचमाता जूता पहन के हल जोतते देखते, तो न जाने क्या कर लेते। पर अपनी दो कहानियों पर बनी सत्यजित रे की फिल्में 'सद्गति' और 'शतरंज के खिलाड़ी' देखते, तो निस्संदेह गदगद होते। गरज यह कि इन्हीं दो ध्रुवों के बीच सिमटा-फैला है सिनेमा में साहित्य का संसार, जिसे समझा जा सकता है- बनाने वाले के मकसदों और कला-कौशलों की जानिब से।

दोनों कलामाध्यमों की प्रकृति भिन्न है। फिल्म जनमाध्यम है- लोकप्रिय विधा है। 'सूरज का सातवां घोड़ा' के लिखे जाने के चालीस सालों बाद जब इसी नाम से श्याम बेनेगल की फिल्म आई, तभी सचमुच मिला- रचना (सूरज) को गुणग्राहक (सातवां घोड़ा)। लेकिन इससे बड़ा सच कलागत है। दृश्यता इसका निर्णायक आयाम है, जो अभिनयादि अपने तत्त्वों को मिला कर ऐसी जीवंतता और रोचकता पैदा करता है कि रामायण-महाभारत तक की महाकाव्यात्मकता को भी इसका लोहा मानना पड़ता है। मगर इतनी समृद्धि के बावजूद, हीरामन (तीसरी कसम) की पीठ में होने वाली खुजली के बिना बयां नहीं हो पाती। और दृश्यता का जो आयाम दोनों के बीच सबसे बड़ा निर्णायक है, वही इसे फौरी (नश्वर) भी बनाता है।

जब साहित्य की किसी कृति को फिल्मकार उठाता है, तो उससे उसका गहरे प्रभावित होना निर्विवाद है, पर भिन्न विधा के लिए मूल में किए जाते परिवर्तनों की चर्चा इस संदर्भ का सबसे गरम मुद्दा बनता है। यह सुखद है कि कृतियों पर बनी ऐसी ढेर फिल्में मौजूद हैं, जो कला और सरोकार की शृंगार बनी हैं। कोई तब्दीली न करने की शैलेंद्रीय प्रतिबद्धता और स्वयं रेणु की उपस्थिति न होती, तो बासु दा 'तीसरी कसम' में हीरामन को हीराबाई से अवश्य मिलवा देते- सुखांत की पब्लिक पसंद के चलते, जो दादा की अन्य सभी फिल्मों में है। ऐसा होने पर या तो हीरामन की गाड़ीवानी छूटती या हीराबाई

चर्चा

चित्र: अशोक भौमिक

जब साहित्य की किसी कृति को फिल्मकार उठाता है, तो उससे उसका गहरे प्रभावित होना निर्विवाद है, पर भिन्न विधा के लिए मूल में किए जाते परिवर्तनों की चर्चा इस संदर्भ का सबसे गरम मुद्दा बनता है। यह सुखद है कि कृतियों पर बनी ऐसी ढेर फिल्में मौजूद हैं, जो कला और सरोकार की शृंगार बनी हैं।

का गाना छूटता, जिनके बिना दोनों की पहचान खो जाती। और बिना छूटे दांपत्य न चलता। गाना छूटते ही उस वक्त प्रेम कला को लीलते हुए उभरती व्यावसायीकरण की प्रवृत्ति झुठला उठती। छोटे-छोटे परिवर्तन हुए भी, जिनसे कहानी की मूल संवेदना खुली-खिली ही। मसलन- जमीदार का चरित्र कहानी में नहीं है, पर फिल्म में आकर उसने दोनों के प्रेम को गहराया, हीराबाई के भागने का वाजिब कारण बना तथा प्रेम और कला के प्रति सामंती वृत्ति उभरी, जो कथा के सोने में सुहागा बनी। कुल मिलाकर यह कि एक क्लासिक ने दूसरे क्लासिक को जन्म दिया है।

ऐसे क्लासिक उदाहरण तो कम ही होते हैं, पर भारतीजी के उपन्यास 'सूरज का सातवां घोड़ा' की यथावत प्रस्तुति को लेकर श्याम बेनेगल की प्रतिबद्धता भी कृति की प्रकृति के अनुसार क्लासिक नहीं, बस स्टाइलिश है। 'तिरियाचरित्तर' पूरे गांव की पंचायत के सामने स्त्री के जननांग को दागने जैसे क्रूर-वीभत्स अत्याचार को रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी को शिवमूर्ति ने बड़ी गर्मजोशी से लिखा है और बासुजी ने बिना कोई रद्दोबदल किए बड़े 'कूललली' बनाया है। शायद ये विधान और तेवर भी विधागत प्रकृति के ही अनुकूल वाजिब हैं, वरना 'कूल' होकर कहानी नष्ट भी हो सकती थी और गर्माहट से भर कर फिल्म उस वेदना को सोख भी सकती थी।

असल में यथार्थवादी कहानियों पर बिना किसी रद्दोबदल के फिल्म बनाने का बहुत कुछ श्रेय सत्यजित राय को जाता है, जब उन्होंने 'सद्गति' और 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसी मान्य यथार्थवादी कहानियों को कलात्मक आयाम दिया और दृश्य विधा की वह ताकत यों नुमायां हुई (निहित तो सबमें होती है) कि दलित सुखिया की मरणांतक व्यथा पढ़ते हुए कितनी भी कल्पना-शक्ति के बावजूद उस शिद्दत का अहसास नहीं करा पाती, जो ओमपुरी को लकड़ी चीरते-चीरते मरते और जो जुगुप्सा उस मृत के गले में दूर से फंदा फेंकने और खींच कर ले जाते मोहन अगाशे को देख कर होती है।

बिना तब्दीली के यथावत बनी कुछ दूसरी तरह की फिल्मों में मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पर बनी फिल्म का बस नाम बदला है- रजनीगंधा, जिसमें बेहतर सिनेमाई सौंदर्य तो है ही, नायक के रोज रजनीगंधा लाने से फिल्म महक भी जाती है।

कृति में सार्थक परिवर्तन करने वाली फिल्मों में बासु चटर्जी ने 'पंचवटी' में साध्वी (दीप्ति नवल) के जेठ विक्रम (सुरेश ओबेराय) को जिंदा रखने का वांच्छित परिवर्तन किया, जिसे दुर्घटना में मरवा कर लेखिका कुसुम अंसल सामाजिक समक्षता से पलायन कर गई थी। क्योंकि छोटे भाई की पत्नी से उसके प्यार के बच्चे की मां बनने वाली थी।

लेकिन 'उसने कहा था' जैसी बेजोड़ रचना पर बनी फिल्म देख कर सिर पीट लेना पड़ा। बचपन के अनकहे प्रेम में 'तेरी कुड़माई हो गई?' पर 'धत' कह कर भाग जाने और एक दिन 'हां, हो गई, देखते नहीं हो यह रेशम का शालू' के बाद मौन हो गए नायक लहना का कभी उसके कहे पर जान की कुर्बानी दे देने को न समझ कर मोना गुलाटी ने दोनों को गली-चौबारों में घुमा-घुमा कर पूरी बस्ती में बदनाम करके ही सच का प्रेम साबित किया। कहानी का शरीर ही क्षत-विक्षत नहीं हुआ, उसकी आत्मा (प्रेम) का भी सत्यानाश हो गया।

इस कला के बड़े सौदागर संजय लीला भंसाली ने अभी तो सूफी भक्ति के श्रेष्ठ काव्य 'पद्मावत' तक को न बख्शा। शरत बाबू की अमर कृति 'देवदास' के नाम को भुना कर अकूत धन कमाने की भूख के लिए सब कुछ को 'ग्लैमरस' के नाम पर पहले ही विकृत कर दिया था। जिस पारो-चंद्रमुखी का कभी आमना-सामना नहीं हुआ, सिर्फ एक बार आते-जाते पालकी से नजर पड़ी थी, उन्हें मिलवाया ही नहीं, सहेली बना दिया और दोनों से गाना गवा दिया- 'हॉय मार डाला'।

भंसाली के ये खिलजियाना पैंतरे और हथौड़े तथा गुलजार के होरी के जूते किसी न किसी रूप में हर देशकाल में आते-जाते रहे हैं और रहेंगे। पद्मावत, गोदान, देवदास से ये वही मांगते-पाते हैं- नाम-दाम, जिसके लिए बाबा ने कहा है- का मांगउं कछु थिर न रहाई। पर ये रचनाएं अपने छपित रूप में अपना काम करती रहेंगी।

आकर्षण और विकर्षण के बीच

दिनेश कुमार

कवि कुंभनदास के प्रति' शीर्षक कविता में केदारनाथ सिंह सत्ता और कविता के संबंध पर लिखते हैं- 'कैसी अनबन है/ कविता और सीकरी के बीच/ कि सदियां गुजर गईं/ और दोनों में आज तक पटी ही नहीं।' यह बात हिंदी साहित्य और हिंदी सिनेमा के संबंध पर भी अक्षरशः लागू होती है। फर्क सिर्फ इतना है कि दोनों के संबंधों में अभी सदियां नहीं गुजरी हैं। हालांकि दोनों के सबंधों की दशा और दिशा को देख कर लगता नहीं है कि भविष्य में कभी सकारात्मक परिवर्तन होगा।

हिंदी साहित्य और हिंदी सिनेमा के बीच बहुत प्रारंभ से ही कोई रिश्ता नहीं बन पाया। यह बिडंबनापूर्ण लेकिन तथ्य है कि एक भाषा के दो अभिव्यक्ति-माध्यमों (साहित्य और सिनेमा) में लगभग परस्पर विरोध की स्थिति बनी रही। इस विरोध के कई कारण हो सकते हैं, पर सबसे महत्त्वपूर्ण कारण यह है कि जहां हिंदी सिनेमा ने लोगों की सतही अभिरुचियों को भुनाने पर बल दिया, वहीं हिंदी साहित्य ने जनता की अभिरुचियों को परिष्कृत करने का वृहत्तर दायित्व अपने कंधों पर लिया। उदाहरण के लिए यहां तिलस्मी-ऐय्यारी कथाओं के विरुद्ध प्रेमचंद और पारसी रंगमंच के विरुद्ध जयशंकर प्रसाद के रचनात्मक संघर्ष को याद किया जा सकता है। हम कह सकते हैं कि हिंदी साहित्य ने जहां जनता को संस्कारित किया, वहीं हिंदी सिनेमा ने उसकी क्षुद्र भावनाओं को उभार कर व्यावसायिक इस्तेमाल किया। स्पष्ट है, हिंदी सिनेमा और साहित्य के उद्देश्यों में जमीन-आसमान का अंतर शुरू से ही मौजूद रहा है। यह अकारण नहीं है कि साहित्यिक कृतियों पर हिंदी में सबसे कम सफल फिल्में बनी हैं।

साहित्यिक कृतियों पर हिंदी में बनी अधिकतर फिल्में विफल साबित हुई हैं और फिल्मों में जाने वाले अधिकतर साहित्यकारों को अंततः निराशा ही हाथ लगी। वह चाहे प्रेमचंद हों या लोकप्रिय कवि-गीतकार नीरज हों। अपनी साहित्यिक संवेदना और मूल्यों को मार कर सिनेमा की दुनिया में टिके रहना किसी भी साहित्यकार को रास नहीं आया। उपेंद्रनाथ अश्क, अमृतलाल नागर, भगवतीचरण वर्मा, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' आदि सबको देर-सबेर मुंबई से लौटना ही पड़ा। प्रेमचंद 1933 में मुंबई गए। उनकी कहानी पर मोहन भावनानी के निर्देशन में फिल्म 'मिल मजदूर' बनी। पहले तो उनकी कहानी में काफी बदलाव किया गया, फिर सेंसर ने काफी कुछ बदला। अंत में फिल्म का जो स्वरूप सामने आया उससे प्रेमचंद काफी क्षुब्ध हुए। उनके संवेदनशील रचनाकार को यह सब बहुत नागवार गुजरा कि फिल्म बनने की प्रक्रिया में उनकी कहानी की ही हत्या हो गई। आगे उनकी कृतियों पर 'नवजीवन', 'सेवासदन', 'रंगभूमि' आदि फिल्में बनी, किंतु सभी विफल साबित हुईं।

यहां एक बड़ा प्रश्न यह है कि हिंदी के सर्वाधिक लोकप्रिय लेखक प्रेमचंद की रचनाओं पर बनी फिल्में क्यों विफल हुईं? प्रेमचंद तो हिंदी और उर्दू दोनों के सबसे बड़े रचनाकार थे। ऐसा प्रतीत होता है कि फिल्मों के दर्शक और साहित्य के पाठकों की चेतना में भारी अंतर था। रचनाओं में सिनेमा के मिजाज के अनुकूल अनेकानेक परिवर्तन करने के बावजूद प्रेमचंद की कृतियों पर बनी फिल्में विफल हुईं, तो यही कहा जा सकता है कि हिंदी सिनेमा के दर्शक वर्ग का जो चरित्र था, वह प्रेमचंद के चेतना और सरोकारों से कासों दूर था।

किशोर साहू जब फिल्मों में आए तब वे भी एक साहित्यकार थे। उन्होंने साहित्यकारों को फिल्मों में लिखने का मौका भी दिया, पर उन्होंने भी किसी साहित्यिक कृति पर फिल्म बनाने से परहेज ही किया। इस दौर में भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास 'चित्रलेखा' पर इसी नाम से केदार शर्मा द्वारा बनाई गई फिल्म जरूर सफल रही। इसे एक सुंदर अपवाद के रूप में याद किया जा सकता है। आजादी के बाद भी साहित्यिक कृतियों पर जो फिल्में बनीं, वे प्रायः विफल रहीं। चंद्रधर शर्मा गुलारी की कहानी 'उसने कहा था' और रेणु की कहानी 'मारे गए गुलफाम' (तीसरी कसम) पर बनी फिल्में फ्लाप रहीं। 'तीसरी कसम'

चित्र: अशोक भौमिक

निर्माता जब किसी साहित्यिक कृति पर फिल्म बनाने की ओर अग्रसर होता है, तो वह उसमें तमाम परिवर्तन कर देना चाहता है, जो बाजार के अनुकूल और व्यावसायिक दृष्टि से सफल हो। चाहे इस प्रक्रिया में कृति की आत्मा और मूल संवेदना ही क्यों न खत्म हो जाए।

शैलेंद्र की मृत्यु के बाद हिट हुई। राजेंद्र सिंह बेदी की रचना 'एक चादर मैली सी' पर जब फिल्म बनी तो वह भी विफल साबित हुई।

हिंदी साहित्य और हिंदी सिनेमा के बीच रिश्ता सत्तर के दशक में कुछ बेहतर हुआ। गुलजार ने कमलेश्वर की कृतियों पर 'आंधी' और 'मौसम' जैसी महत्त्वपूर्ण फिल्में बनाई। बासु चटर्जी ने मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पर 'रजनीगंधा' जैसी सफल फिल्म बनाई। लेकिन यह दौर काफी छोटा रहा। यह देखना कम दिलचस्प नहीं है कि हिंदी फिल्मकारों की तुलना में बंगाली फिल्मकारों ने साहित्यिक कृतियों की संवेदना को गहराई से समझा और सफल फिल्में बनाई। सत्यजित राय द्वारा प्रेमचंद की कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' पर इसी नाम से बनाई गई फिल्म सफल रही। बासु चटर्जी का उदाहरण सामने है ही। उन्होंने बांग्ला की साहित्यक कृतियों पर हिंदी में सफल फिल्में बनाई। शरतचंद के उपन्यासों पर अत्यंत सफल फिल्में बनी। 'देवदास', 'परिणीता' आदि को याद किया जा सकता है। इसी तरह विमल मित्र के उपन्यास 'साहब बीवी गुलाम', बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंद मठ' पर इन्हीं नामों से फिल्में बनीं और सफल रहीं।

विचारणीय प्रश्न है कि हिंदी के फिल्मकार हिंदी की साहित्यिक कृतियों को कोई महत्त्व क्यों नहीं देते हैं। वे अंग्रेजी और दूसरी भाषाओं को तरजीह देते हैं, पर हिंदी की कृतियों के प्रति उनमें हिकारत का भाव होता है। दरअसल, शुरू से ही हिंदी के जो फिल्म निमार्ता हैं वे गैर-हिंदी क्षेत्रों से संबद्ध रहे हैं। आरंभिक फिल्मकार मराठी, गुजराती, बंगाली, पारसी आदि थे। इनकी प्राथमिकता में हिंदी की साहित्यिक कृतियां नहीं थीं। यह अपने-आप में कम विडंबनापूर्ण नहीं है कि हिंदी सिनेमा के अधिकतर अभिनेता-अभिनेत्रियां आदतन हिंदी नहीं बोलते हैं। वे रोमन में संवाद रटते हैं। हिंदी फिल्मों के सितारों को हिंदी भाषा नहीं आती। हिंदी क्षेत्रों में भाषायी अस्मिता और चेतना का खतरनाक स्तर तक अभाव है। इस अभाव का ही एक प्रतिबिंब फिल्मों से साहित्यिक कृतियों का बेदखल हो जाना है।

सिनेमा अंततः एक व्यवसाय है। इसमें भारी पूंजी लगी होती है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है फिल्म निर्माण में पूंजी की भूमिका और बढ़ रही है। पूंजी से संचालित किसी भी उपक्रम का पहला और अंतिम उद्देश्य मुनाफा होता है। जो भी व्यक्ति पैसा लगाएगा वह सर्वप्रथम यही देखेगा कि उसका पैसा न सिर्फ लौटे, बल्कि साथ में कुछ मुनाफा भी हो। इसके लिए वह हर तरह के हथकंडे का इस्तमाल करता है। यहीं से फिल्म निर्माता और साहित्कार में टकराव शुरू होता है। निर्माता जब किसी साहित्यिक कृति पर फिल्म बनाने की ओर अग्रसर होता है, तो वह उसमें तमाम परिवर्तन कर देना चाहता है, जो बाजार के अनुकूल और व्यावसायिक दृष्टि से सफल हो। चाहे इस प्रक्रिया में कृति की आत्मा और मूल संवेदना ही क्यों न खत्म हो जाए। साहित्यकार की समस्या यह होती है कि उसका पूरा संस्कार ही व्यावसायिकता और बाजार के विरुद्ध विकसित होता है। बल्कि इस विरोध के कारण ही वह साहित्यकार बनता है। इसलिए उसे अपनी कृति का बाजारोपयोगी बनाना स्वीकार नहीं होता है। एक तो साहित्यिक कृति पर फिल्म बनाने में कोई दिलचस्पी फिल्मकारों में नहीं होती। अगर कोई इस दिशा में प्रयास करता भी है तो उपर्युक्त व्यावहारिक समस्या खड़ी हो जाती है। इस संबंध में एक दूसरी बात भी है, जो साहित्यिक कृति पर फिल्म निर्माण में बाधक है। प्रत्येक श्रेष्ठ साहित्यिक रचना उपयोग होने से इंकार करती है। उसकी महत्ता इस बात में निहित होती है कि वह 'संस्कृति उद्योग' का हिस्सा न बने। संस्कृति उद्योग उच्च कला और निम्न कला में फर्क को मिटा देता है। वह प्रत्येक चीज को पूंजीवाद और बाजार के लिए अनुकूलित कर देता है। कोई भी अच्छी रचना इस तरह के अनुकूलन से इनकार करती है। व्यावसाय को लक्ष्य करके किसी कृति पर फिल्म बनाना उसे बाजार के प्रति अनुकूलन का प्रतिरोध है। शायद इसलिए भी साहित्यिक कृतियों पर जो फिल्में बनीं उसमें प्रायः कृति का मर्म कहीं खो गया।

पाक की हर हिमाकत का मुंह तोड़ जवाब देंगे : सेना प्रमुख

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 13 जुलाई।

● कहा, 'भारतीय सेना मजबूती से खड़ी है और हमारी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हर पल चौकस है।

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान की हर हिमाकत का मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा और किसी भी आतंकवादी गतिविधि को बख्शा नहीं जाएगा।

करगिल विजय दिवस की तैयारियों को लेकर मानेकशॉ सेंटर में एक आयोजन के मौके पर जनरल रावत ने कहा कि पाकिस्तानी सेना बार-बार दुस्साहस करती है, चाहे वह राज्य प्रायोजित आतंकवाद हो या भारत में घुसपैठ करना। लेकिन भारतीय सेना उनके इरादे कभी कामयाब नहीं होने देगी। थल सेना ने करगिल विजय दिवस की 20 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के द्रास में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई है। मुख्य समारोह 25 से 27 जुलाई तक होगा। मीडिया से मुखातिब जनरल रावत ने कहा, 'भारतीय सेना मजबूती से खड़ी है और हमारी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हर पल चौकस है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारी सेना हर दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है।' उन्होंने कहा कि राज्येतर तत्वों का उदय और युद्ध में आतंकवाद का इस्तेमाल और अन्य अनियमित तरीकों का इस्तेमाल नया चलन बन गया है। सेना प्रमुख ने कहा कि साइबर और अंतरिक्ष डोमेन ने युद्ध का परिदृश्य बदल दिया है।

आतंकवादियों को शरण देने वाले पड़ोसी मुल्क को चेतावनी देते हुए जनरल रावत ने कहा कि पाकिस्तान 1999 की करगिल जैसी घुसपैठ दोहराने की हिम्मत नहीं करेगा, क्योंकि वह इसके परिणाम देख चुका है। सीमाई इलाकों पर हमारी सशस्त्र सेनाओं की कड़ी नजर है। ऐसा कोई इलाका नहीं है जिसकी हम निगरानी नहीं कर रहे हैं। हमारे टोही दल कड़ी नजर रखे हुए हैं और हम इलाकों में निरंतर गश्त कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान फिर से करगिल जैसी हरकत करने का दुस्साहस नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत स्पष्ट तौर पर कह सकता हूं कि पाकिस्तान आने वाले कई वर्षों तक उस तरह की घुसपैठ की कोशिश नहीं करेगा।' शुक्रवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में करगिल विजय दिवस के कार्यक्रम में सेना प्रमुख ने एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें करगिल युद्ध के शहीदों को अलग अंदाज में श्रद्धांजलि दी गई है। यह वीडियो करगिल युद्ध के नायकों को समर्पित है। इसमें बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन, ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम, अभिनेता सलमान खान, अनुपम खेर, कंगना रनौत, सुनील शेट्टी और उरी फिल्म के नायक विकी कौशल अपनी बात कहते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के लिए गीत 'तुझे भूलेगा ना तेरा हिंदुस्तान...' बॉलीवुड के जानेमाने गीतकार समीर ने लिखा है। वीडियो जारी करने के दौरान समीर भी उपस्थित थे।

उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिग इन चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने कार्यक्रम में घोषणा की कि यह वीडियो 27 जुलाई को मनाए जाने वाले करगिल विजय दिवस के मुख्य कार्यक्रम से पहले सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों के तहत जल्द ही सिनेमाघरों, टीवी चैनलों और इंटरनेट पर दिखाया जाएगा।

अमेरिका ने फेसबुक पर लगाया पांच अरब डॉलर का जुर्माना

वाशिंगटन, 13 जुलाई (एएफपी)।

अमेरिका के नियामक ने सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर निजता और आंकड़ों की सुरक्षा में खामी की जांच से जुड़े एक मामले के निपटान के लिए पांच अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। वालस्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को यह रिपोर्ट दी है।

खबर के मुताबिक संघीय व्यापार आयोग ने चल रही जांच के निपटान को 3-2 के मत से मंजूरी दे दी। उपभोक्ता संरक्षण एजंसी के दो डेमोक्रेटिक सदस्यों ने इस पर असहमति जताई। आयोग द्वारा निजता जांच मामले में लगाया गया यह अब तक का सबसे अधिक राशि का जुर्माना है। हालांकि, इस जुर्माने पर अंतिम मुहर लगने से पहले न्याय विभाग की मंजूरी मिलना बाकी है। अभी इस मामले से जुड़ी वृहद जानकारियां सामने नहीं आई हैं लेकिन समझौते के तहत फेसबुक पर लोगों की निजी जानकारी का इस्तेमाल कैसे करे, इसे लेकर कुछ प्रतिबंध लग सकते हैं। उपभोक्ता समूह 'पब्लिक नॉलेज' के चैरलोटे सलाइमैन का कहना है कि इस मामले में फेसबुक के व्यवहार को बदलने के लिए यह जुर्माना काफी नहीं है।

असहिष्णुता की बढ़ती घटनाएं विकास में बाधक : गोदरेज

मुंबई, 13 जुलाई (भाषा)।

प्रसिद्ध उद्योगपति आदि गोदरेज ने शनिवार को चेताया कि असहिष्णुता, घृणित अपराध और नैतिकता के नाम पर पहरेदारी वाली घटनाएं राष्ट्र के आर्थिक विकास को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं।

उन्होंने सामाजिक मोर्चे पर उभरी चिंताओं की ओर इशारा करते हुए आर्थिक विकास पर पड़ने वाले उनके दुष्प्रभाव को लेकर चेतावनी दी है। गोदरेज ने सेंट जेवियर कॉलेज की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा- सब कुछ ठीक है, ऐसा नहीं है। हमें बड़े पैमाने पर बढ़ती साधनहीन बनाने की प्रवृत्ति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए जो आगे चलकर हमारी विकास गति को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और हमें अपनी क्षमताओं का पूरा दोहन करने से रोक सकती है।

गोदरेज ने इस बात को लेकर भी आगाह किया कि सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए देश में बढ़ती असहिष्णुता, सामाजिक अस्थिरता, घृणा-अपराध, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, नैतिक पहरेदारी, जाति और धर्म आधारित हिंसा और कई अन्य तरह की असहिष्णुता को दूर नहीं किया गया तो आर्थिक विकास प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी 6.1 फीसद के चार दशक के उच्चतम स्तर पर है। इस समस्या का जल्द निदान ढूंढ़ा जाना चाहिए।

थोराट महाराष्ट्र कांग्रेस के नए अध्यक्ष, पांच कार्यकारी अध्यक्ष भी नियुक्त

नई दिल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को बालासहेब थोराट को राज्य इकाई का नया अध्यक्ष और पांच अन्य वरिष्ठ नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक केसी पडवी को विधायक दल का नेता बनाया गया है।

राज्य विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने राज्य में रणनीति समिति, घोषणा पत्र समिति, समन्वय समिति, चुनाव प्रचार समिति सहित नौ समितियां भी गठित की हैं। इनमें राज्य से ताल्लुक रखने वाले तकरीबन सभी वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। कांग्रेस ने नितिन राउत, बीएम पाटिल, विश्वजीत कदम, यशोमति चंद्रकांत ठाकुर और मुजफ्फर हुसैन को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

पाकिस्तान में गुरुनानक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास

लाहौर, 13 जुलाई (भाषा)।

सिख धर्म के संस्थापक बाबा गुरु नानक देव के नाम पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ननकाना साहिब में बाबा गुरु नानक देव अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया। विश्वविद्यालय के निर्माण का प्रस्ताव एक दशक पहले आया था।

पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। यह विश्वविद्यालय दस एकड़ में बनेगा और इस पर 258 करोड़ रुपए से अधिक का खर्चा आएगा। सरकार ने हालांकि, इसका निर्माण पूरा होने के लिए कोई अनुमानित समय सीमा निर्धारित नहीं किया है।

पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने शनिवार को पीटीआई को बताया, 'इस संबंध में कानूनी औपचारिकताएं पूरी होते ही बाबा गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (बीजीएनयू) का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।'

खालिस्तान समर्थक वार्ताकारों को हटाया

पेज 1 का बाकी

का रास्ता दिखा दिया है। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) के 10 सदस्यों के नामों की घोषणा की। पीएसजीपीसी के सदस्य करतारपुर गलियारे को लेकर बातचीत करने वाली टीम का हिस्सा होंगे। खालिस्तान समर्थक अमीर सिंह को पीएसजीपीसी में रखा गया है, लेकिन वह गलियारा कमेटी का हिस्सा नहीं होगा। उसकी जगह उसके भाई बिशन सिंह को पीएसजीपीसी के सदस्य के तौर पर पाकिस्तान की गलियारा कमेटी में शामिल किया गया है।

पीएसजीपीसी सदस्यों से संबंधित नई अधिसूचना में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चार सदस्य, खैबर पख्तूख्वा के तीन, सिंध के दो और बलूचिस्तान के एक सदस्य का नाम शामिल है। गोपाल सिंह चावला अब तक पीएसजीपीसी का महासचिव हुआ करता था। भारत ने पीएसजीपीसी के प्रतिनिधि के तौर पर उसे करतारपुर गलियारा कमेटी में शामिल किए जाने को लेकर आपत्ति उठाई थी। दरअसल, करतारपुर गलियारे को लेकर दो अप्रैल को दूसरे दौर की बैठक होनी थी, लेकिन भारत ने चावला की मौजूदगी पर आपत्ति उठाई और बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला के ताल्लुकात आतंकी हाफिज सईद और जैश सरगना मसूद अजहर से हैं। पाकिस्तानी फौज और आइएसआइ के अफसरों का वह खास कारिंदा माना जाता है। कुछ महीने पहले गोपाल सिंह चावला की तस्वीरें पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा और प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ सामने आई थीं। दो अप्रैल की वार्ता से पहले जब पाकिस्तान ने करतारपुर गलियारा कमेटी के 10 सदस्यों के नामों का एलान किया तो भारत नाराज हुआ था। क्योंकि इस कमेटी में खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला, मनिंदर सिंह, तारा सिंह, बिशन सिंह और कुलजीत सिंह जैसे नाम थे। तब भारत ने इस मसले पर पाकिस्तान के डिप्टी हाई कमिश्नर को बुलाकर सफाई भी मांगी थी। दरअसल भारत को शक है कि पाकिस्तान करतारपुर कॉरिडोर के बहाने पंजाब में ऐसे तत्त्वों की घुसपैठ करा सकता है जो वहां पर अलगाववादी आंदोलन को हवा दे सकते हैं। इस कारण भारत ने इन नामों पर सख्त विरोध जताते हुए करतारपुर कॉरिडोर पर बात करने से ही इनकार कर दिया था।

पूर्वी दिल्ली में कारखाने में आग, तीन की मौत

पेज 1 का बाकी

बनाने के अलावा उसकी पैकिंग का काम होता है। यह कारखाना चौहान बांगर के निवासी चार भाईयों नईम, वसीम, अदनान और शानू का बताया जा रहा है। बताते हैं कि शनिवार सुबह करीब 9:10 बजे भूतल पर मीटर के पैनल के पास आग लगी। देखते ही देखते आग ने पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते पूरी इमारत धू-धू कर जलने लगी और सभी ओर धुआं भरा गया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस बीच कुछ लोग ऊपर फंस गए। इसी बीच 9:25 बजे सूचना मिलने के बाद पुलिस के अलावा 30 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। तब तक कुछ मजदूरों ने दूसरी मंजिल से बराबर वाले कारखाने में कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ मजदूर छत पर पहुंचे और वहां से बराबर वाले कारखाने में कूदकर सुरक्षित स्थान पर गए। इस बीच करीब 11:15 बजे दमकलकर्मी ऑक्सीजन मॉस्क लगाकर दूसरी मंजिल पर पहुंचे तो वहां दो महिलाएं और एक युवक अचेत अवस्था में मिले।

खरगे के मुख्यमंत्री बनने से बेहद खुशी होगी : भाजपा सांसद

बंगलुरु, 13 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में कांग्रेस और जद (सेकु) के नेताओं द्वारा बागी विधायकों को समझाने-बुझाने एवं गठबंधन सरकार को बचाने के प्रयास के बीच एक भाजपा सांसद ने शनिवार को कहा कि यदि चिर प्रतिद्वंद्वी मल्लिकार्जुन खरगे को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो मुझे सबसे ज्यादा खुशी होगी। भाजपा सांसद उमेश जाधव ने कहा, 'मैं इसका स्वागत करूंगा। यदि एक दलित व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो इससे मुझे सबसे ज्यादा खुशी होगी।'

जाधव ने ही लोकसभा चुनाव में खरगे को हराया था। उनका बयान सत्तारूढ़ गठबंधन के 16 नाराज विधायकों के इस्तीफे के बाद राज्य में उत्पन्न राजनीतिक संकट के बीच आया है। ऐसी अटकलें हैं कि बागी विधायकों में कुछ इस संकट के समाधान के लिए कुमारस्वामी के अलावा किसी अन्य को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। कांग्रेस के दलित नेताओं का एक वर्ग कथित रूप से इस बात पर जोर दे रहा है कि उनमें से किसी एक को मुख्यमंत्री बनाया जाए। वैसे जाधव पहले कांग्रेस में ही थे और बाद में वे भाजपा में शामिल हो गए थे।

पुलिस हिरासत में मौत के मामले में एसपी को हटाया गया

जयपुर, 13 जुलाई (भाषा)।

राजस्थान सरकार ने पुलिस हिरासत में एक युवक की कथित मौत के मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए चुरू के जिला पुलिस अधीक्षक को हटा दिया है। इस मामले में क्षेत्राधिकारी (सीओ) को भी निलंबित किया गया है। कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार चुरू के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेंद्र कुमार को प्रशासनिक कारणों के चलते एपीओ पदस्थापन की प्रतीक्षा में कर दिया गया है। वहीं सरदार शहर के सीओ भंवर लाल को निलंबित किया गया है।

पूर्वोत्तर की पहाड़ियों का आनंद अब रेलवे के साथ

पेज 1 का बाकी

नाम पर जाना जाता है और तेजी से बढ़ते शहरों में शुमार है। इसकी मदद से यहां आर्थिक गतिविधियों को भी तेज करने में मदद मिलेगी। इसी तरह शिलांग को भी दूसरे हिस्सों से जोड़ने की तैयारी है। योजना में बिर्नीहाट से तेतेलिया को जोड़ा जाएगा। इसी तरह, मेघालय में ही बिर्नीहाट से शिलांग के बीच भी एक ट्रैक बनाने की योजना तैयार की गई है। हालांकि इस परियोजना के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि यह खासी पर्वतमाला के क्षेत्र में होगी और इसके लिए पर्यावरणीय मंजूरी अभी रेल मंत्रालय को लेनी है।

मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक अरुणाचल प्रदेश की हर्मुती से नहार्लगुन के बीच की 10 किलोमीटर की लाइन चालू हो चुकी है। त्रिपुरा में भी दो प्रमुख लाइनों का कार्य मंत्रालय ने पूरा कर लिया है। पूर्वोत्तर के राज्यों को जोड़ने के लिए अब तक 15 नई लाइनें तैयार की गई हैं और 6 परियोजनाओं को शुरू किया जा चुका है। इनकी मदद से 1881 किलोमीटर के नेटवर्क का विस्तार हुआ है, जिस पर करीब 70,066 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जा चुकी है। अब तक सबसे बेहतरीन परियोजनाओं में रेल मंत्रालय की बोगीबील पुल परियोजना है। इसकी मदद से 73 किलोमीटर लाइन का विस्तार किया गया है। इस परियोजना की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2018 में की थी।

एससी/एसटी आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर मांगी रिपोर्ट

पेज 1 का बाकी

जारी एक अन्य वीडियो में उसने बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से गुहार की कि उसके पिता और विधायक राजेश मिश्रा, भाई विक्की और पिता के एक सहयोगी से जान का खतरा है और ऐसे में उसे और उसके पति को सुरक्षा दी जाए। साक्षी ने आरोप लगाया कि सभी लोग मिलकर उसकी और उसके पति की हत्या करना चाहते हैं। साक्षी ने बरेली के सांसद, विधायकों और मंत्रियों से अपील भी कि थी वे उसके पिता, भाई और पिता के सहयोगी की मदद न करें।

उन्होंने मुरादाबाद में दलित समाज के बाल काटने पर नाइयों द्वारा इनकार करने की खबर पर कहा कि जिला प्रशासन से मामले की रिपोर्ट तलब की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि यह बात सही पाई गई तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज में विद्वेष पैदा करने वाली किसी भी हरकत को सरकार तथा आयोग बर्दाश्त नहीं करेगा। बृजलाल ने पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि एससी/एसटी वर्गों के उत्पीड़न के मामले में दो महीने के अंदर जांच पूरी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में पीड़ित पक्ष और उसके परिजनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि निर्धारित समयावधि में ही निर्गत की जाए और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डेमचोक घटना घुसपैठ नहीं : सेना प्रमुख

पेज 1 का बाकी

को देखना चाहते हैं। ऐसा हम भी करते हैं। सेना और आइटीबीपी के जवान हमारे भी नागरिकों के साथ होते हैं, जब वे लोग नियंत्रण रेखा या सीमावर्ती क्षेत्रों में जाते हैं।'

जनरल रावत ने कहा कि इस मुद्दे को फ्लैग मीटिंग में उठाया गया था और सब कुछ सुलझा लिया गया है। आपको इस मिथक को दूर करने की आवश्यकता है कि चीनी सेना द्वारा कोई घुसपैठ की गई है, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा के लिए हानिकारक है। जनरल रावत ने कहा, 'भारत के चीन के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समय, कोई भी बात होती है तो हमारे पास स्थानीय कमांडर हैं जो एक-दूसरे से बात करते हैं। मुझे नहीं लगता, इसमें कोई डर है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारी और उनकी अलग-अलग धारणाएं हैं। इसलिए दोनों पक्ष गश्त करते हैं और एक दूसरे के क्षेत्रों में जाते हैं।'

जनरल रावत का यह बयान इन रिपोर्टों के बीच आया है कि चीनी जवानों ने छह जुलाई को दलाई लामा के जन्मदिवस के मौके पर कुछ तिब्बतियों द्वारा तिब्बती झंडे फहराए जाने के बाद पिछले सप्ताह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पार की। खबरें आईं कि छह जुलाई को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जवान एसयूवी पर सवार होकर भारतीय भूभाग के काफी अंदर तक आ गए थे। इन लोगों ने तिब्बती शरणार्थियों द्वारा झंडा फहराए जाने का विरोध किया।

तिब्बती शरणार्थी वहां पर दलाई लामा का 84वां जन्मदिन मना रहे थे। चीनियों ने वहां बैनर लहराया जिसपर लिखा था, 'तिब्बत को विभाजित करने वाली सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाओ।' इस दौरान दोनों ओर से नारेबाजी हो रही थी।

सरकार चीन से सभी स्तरों पर यह मामला उठाए : कांग्रेस

पेज 1 का बाकी

के डेमचोक में चीनी घुसपैठ गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। डोकलाम की असफलता का बोझ लिए हुए मोदी सरकार अब इस घुसपैठ का मुद्दा चीन के साथ सभी स्तरों पर उठाए।' उन्होंने आरोप लगाया, 'भाजपा का लचर रवैया राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौते के लिए जिम्मेदार है।'

भाजपा महासचिव रामलाल वापस संघ में भेजे गए

पेज 1 का बाकी

बड़ी बैठक में देखा जाता था।

2005 में सेक्स सीडी कांड में फंसने के बाद तब के संगठन महामंत्री संजय जोशी को पद मुक्त करके 2006 में आरएसएस के उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक (संघ की योजना में कई राज्यों के प्रभारी) राम लाल को भाजपा का संगठन महामंत्री बनाया गया था। संघ के इतिहास में पहली बार क्षेत्र स्तर के कार्यकर्ता को भाजपा में भेजा गया था।

छियासठ साल के राम लाल ने 30 सितंबर, 2017 को भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को पत्र लिखकर उन्हें संगठन महामंत्री पद से मुक्त करके किसी कम उम्र के ऊर्जावान कार्यकर्ता को यह जिम्मेदारी देने का अनुरोध किया था। यही पत्र उन्होंने फिर सात जुलाई को लिखा। इसमें भी उन्होंने अनुरोध किया कि तब लोकसभा चुनाव की तैयारी के चलते यह संभव नहीं हुआ तो अब उन्हें जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए। तब उन्होंने पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी थी। इस बार उन्होंने पत्र अमित शाह को ही लिखा और इसकी प्रति प्रधानमंत्री और कार्यकारी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को भेजी। माना जा रहा है कि कार्यकारी अध्यक्ष नड्डा को अध्यक्ष बनने पर अपनी टीम बनाने की आजादी के तहत ही बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा आरएसएस में गोपाल आर्य को पर्यावरण गतिविधियों का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया है।

गोवा : कांग्रेस से भाजपा में गए तीन विधायक बने मंत्री

पेज 1 का बाकी

मंत्री विनोद पालेकर, ग्रामीण विकास मंत्री जयेश सालगांवकर (सभी जीएफपी विधायक) और राजस्व मंत्री रोहन खुंटे (निर्दलीय) को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया।

कांग्रेस के 10 विधायक बुधवार को भाजपा में शामिल हुए थे। इसके साथ ही 40 सदस्यीय सदन में भाजपा के विधायकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। उनके समर्थन के बाद सावंत ने जीएफपी के मंत्रियों को हटाने का फैसला किया। क्षेत्रीय पार्टी जीएफपी ने साल 2017 में मनोहर परिकर के नेतृत्व वाली सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाई थी। तीन महीने पहले मुख्यमंत्री बनने के बाद से यह सावंत मंत्रिमंडल में दूसरा फेरबदल है।

इलाहाबाद बैंक ने भी दी 1,775 करोड़ की धोखाधड़ी की सूचना

पेज 1 का बाकी

और सीबीआइ द्वारा दर्ज एफआइआर के आधार पर बैंक ने रिजर्व बैंक को 1,774.82 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के बारे में सूचित किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) ने बैंकिंग प्रणाली से धन का दुरुपयोग किया है। पिछले हफ्ते ही पीएनबी ने दिवालिया इस्पात कंपनी बीपीएसएल द्वारा बैंक कोष और खातों में हेराफेरी करके 3,805.15 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के बारे में सूचना दी है। पीएनबी द्वारा कंपनी को दिए गए 4,399 करोड़ रुपए में से लगभग 85 फीसद धनराशि को बेइमानी से अन्यत्र खर्च कर दिया गया। इलाहाबाद बैंक ने कहा कि यह पाया गया कि कंपनी ने बैंक धन का दुरुपयोग किया और बैंकों के समूह से धन जुटाने के लिए खातों में हेराफेरी की है।

पांच और बागी विधायक पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

पेज 1 का बाकी

उन्होंने विधानसभा में अपने लिए विपक्ष की ओर बैठने की व्यवस्था करने का भी उनसे अनुरोध किया है। कर्नाटक विधानसभा का मॉनसून सत्र शुक्रवार को शुरू हो गया और 26 जुलाई तक चलेगा। बहरहाल, सत्र के पहले दिन दोनों निर्दलीय विधायक सदन से अनुपस्थित रहे। सूत्रों के मुताबिक वे मुंबई के एक होटल में ठहराए गए बताए जा रहे हैं। ये दोनों निर्दलीय विधायक राज्य में मंत्री थे। उन्होंने कुछ दिन पहले राज्यपाल वजुभाई वाला को राजभवन में अपना इस्तीफा सौंप दिया था और सरकार से समर्थन वापस लेने के अपने फैसले की उन्हें जानकारी दी थी। शंकर को कांग्रेस के कोटे से, जबकि नागेश को जद (सेकु) के कोटे से मंत्री बनाया गया था।

इन दोनों निर्दलीय विधायकों के समर्थन से 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास अब 107 विधायक हैं। वहीं, यदि सत्तारूढ़ गठबंधन के 16 बागी विधायकों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है, तो कांग्रेस और जद (सेकु) के कुल विधायकों की संख्या घट कर 100 रह जाएगी। इस बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने इस्तीफा देने वाले असंतुष्ट विधायकों को मनाने के लिए पर्दे के पीछे से बातचीत शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने विधानसभा में सभी को हैरान करते हुए घोषणा की कि वे विश्वास मत कराएंगे जिसके एक दिन बाद असंतुष्ट विधायकों को मनाने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। कांग्रेस के संकटमोचक माने जाने वाले एवं जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार सुबह करीब पांच बजे आवास मंत्री और कांग्रेस विधायक एमटीबी नागराज के आवास पहुंचे और उन्हें मनाने के लिए करीब साढ़े चार घंटे तक वहां रहे।

कल ही विश्वास मत कराने के लिए दबाव डालेगी भाजपा

पेज 1 का बाकी

अवश्यंभावी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सोमवार को विश्वास प्रस्ताव अवश्य लाना चाहिए। उनके लिए यही उचित होगा कि वे त्यागपत्र दें और नई सरकार का गठन होने दें।

खबरों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर भी नागराज को इस्तीफा वापस लेने के लिए मनाने के वास्ते उनके घर गए। नागराज ने बुधवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। इन मुलाकातों के बाद राज्य के आवास मंत्री एमटीबी नागराज ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनसे मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेने को कहा। उन्होंने कहा, 'सिद्धरमैया और दिनेश गुंडु राव ने मुझसे मुलाकात की और मुझसे इस्तीफा वापस लेने तथा पार्टी में बने रहने का अनुरोध किया। इस पर विचार करने के लिए मैंने समय मांगा है। मैंने उनसे कहा कि मैं चिक्कबल्लापुरा विधायक सुधाकर से बात करूंगा और इस्तीफा वापस लेने के लिए उन्हें मनाऊंगा।'

इसी तरह विधायक रामलिंगा रेड्डी, मणिरत्न और आर रोशन बेग को मनाने की कोशिश की गई। इस बीच, अटकलों को तेज करते हुए भाजपा नेताओं के एक समूह ने विधायक एसआर विश्वनाथ और बंगलुरु के पार्षद पद्मानाभ रेड्डी के नेतृत्व में रामलिंगा रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। हालांकि, रामलिंगा ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और उन्होंने कहा कि वे 15 जुलाई तक राजनीति पर नहीं बोलेंगे क्योंकि उन्हें विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पेश होना है।

सहवाग की पत्नी ने जालसाजी का मामला दर्ज कराया

पेज 1 का बाकी

4.5 करोड़ रुपए का कर्ज ले लिया और अब वह चुका नहीं रहा है। आरोपी व्यापार सहयोगी का नाम रोहित कक्कड़ बताया जा रहा है।

आरती के मुताबिक वह रोहित कक्कड़ की फर्म में सहयोगी बनी थीं। मेसर्स लखनपाल प्रोमोटर्स एवं बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म दिल्ली के अशोक विहार में स्थित है। पुलिस ने धारा 420, 468, 471/34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरती सहवाग का आरोप है कि रोहित कक्कड़ समेत छह दूसरे लोगों ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। इस फर्म के लोगों ने बिना उनकी जानकारी के एक दूसरी फर्म (बिल्डर कंपनी) में आरती के पति वीरेंद्र सहवाग के नाम का इस्तेमाल किया और उस फर्म से करीब साढ़े चार करोड़ रुपए का कर्ज ले लिया। इसके लिए आरती सहवाग के फर्जी दस्तखत किए गए। आरती का आरोप है कि जब वो व्यापार सहयोगी बनी थी तो यही बात हुई थी बिना उनकी अनुमति के कोई काम नहीं होगा।

गौरतलब है कि आरती फल के विभिन्न उत्पाद बनाने वाली कंपनी एसएमजीके एग्रो प्रोडक्ट्स में साझेदार हैं। आरोप है कि इस कंपनी ने लखनपाल प्रमोटर्स एंड बिल्डर कंपनी को आर्डर पूरा नहीं करने पर बीते साल ढाई करोड़ रुपए का चेक दिया था, जो बाउंस हो गया।

नई दिल्ली

बैंक ऑफ इंडिया

Bank of India
Relationship beyond banking

चांदनी चौक शाखा

अनुलग्णक एफ परिशिष्ट-IV [देखें नियम 8(1)]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 1.5.2019 जारी कर ऋणधारक श्री नितिन गुप्ता तथा श्री निखिल गुप्ता, दानों कम्पनी मै. एनएन फिलामेन्ट प्रा.लि. के निदेशकों को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 2,11,65,345.75 (दो करोड़ ग्यारह लाख पैंसठ हजार तीन सौ पैंतालिस तथा पैसे पचहत्तर मात्र) वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आज, दिनांक 8 जुलाई, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 2,11,65,345.75 तथा उस पर ब्याज की राशि के लिये बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक शाखा के चार्ज के अधीन होगा। ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

प्लॉट नं. 353, ब्लॉक ए, इंडस्ट्रियल एरिया, एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल ईस्टेट, राई, फेज-V, जिला सोनीपत, हरियाणा-131029 में शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा।

चौहद्दी: उत्तर: 15 मी. चौड़ी सड़क, दक्षिण: प्लॉट नं. 352
पूर्व: प्लॉट नं. 354, पश्चिम: हरित पट्टी

तिथि: 8.7.2019 **हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी,**
स्थान: राई, सोनीपत, हरियाणा **(बैंक ऑफ इंडिया, चांदनी चौक)**

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	12642100000240	मनोज सिंह राजपुरोहित	17.4
2	12642100000277	ओमसिंह	41
3	12642100000833	कन्हैया लाल पुनिया	24
4	12642100000514	गोपाला राम गोदरा	142
5	12642100000967	रेवन्त सिंह	23
6	12642100001045	हदामन	18

नीलामी की तिथि: 22 एवं 23 जुलाई, 2019
सम्पर्क व्यक्ति: श्री कैलाश शर्मा टेलीफोन नं. 08949492688/9214089244
नीलामी का स्थान: डीसीबी बैंक लिमिटेड, राष्ट्रीय राज मार्ग 89, बीकानेर रोड, जिला: बीकानेर, नोखा राजस्थान-334803

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी-कर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं का सेटल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे। **हस्ता./-**

तिथि: 12.7.2019 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान: नोखा **डीसीबी बैंक लिमिटेड**

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1	DGL884001265	महेन्द्र विश्नोई	190.8	22 एवं 23 जुलाई, 2019 श्री कैलाश शर्मा टेलीफोन नं. 08949492688/ 9214089244 डीसीबी बैंक लिमिटेड न्यू कोहिनूर सिनेमा के निकट, चोपासिनी रोड, जोधपुर-342001
2	DGL884001384	महेन्द्र विश्नोई	25.7	
3	DGL884000882	शंकर लाल	7.2	
4	DGL884000815	अशोक कुमार	123.4	
5	DGL884001077	मंजू जी	38.6	
6	DGL884001187	जमीला जी	25.3	
7	DGL884001489	रणजीत चौहान	7.2	
8	DGL884001496	सुदीप सिंह	15.6	
9	DGL884001611	महेन्द्र विश्नोई	27.4	
10	09641200005012	हनुमान सिंह सिसोदिया	70	
11	09641200001281	वेद प्रकाश शर्मा	66	
12	09641200005401	बजरंग सिंह सिसोदिया	38	
13	09641200010007	नाथू सिंह	45	
14	09641200011936	अरुण सिंह सिकरवार	53	
15	09641200012333	अरुण सिंह सिकरवार	26	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी-कर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेटल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे। **हस्ता./-**

तिथि: 12.7.2019 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान: जोधपुर **डीसीबी बैंक लिमिटेड**

FORM A
PUBLIC ANNOUNCEMENT

(Under Regulation 6 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016)

FOR THE ATTENTION OF THE CREDITORS OF PARAMOUNT IMPEX PRIVATE LIMITED

RELEVANT PARTICULARS

1.	Name of corporate debtor	Paramount Impex Private Limited
2.	Date of incorporation of corporate debtor	27.03.1995
3.	Authority under which corporate debtor is incorporated / registered	Registrar of Companies, Delhi
4.	Corporate Identity No. / Limited Liability Identification No. of corporate debtor	U74899DL1995PTC066822
5.	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	**Registered office:** 312, Ansal Bhawan,16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001 **Works:** 84th K.M. Stone, Village Siwah, G.T. Road, Panipat
6.	Insolvency commencement date in respect of corporate debtor	11th July, 2019
7.	Estimated date of closure of insolvency resolution process	6th January, 2020 (180 days from the insolvency commencement date)
8.	Name and registration number of the insolvency professional acting as interim resolution professional	**Vishal Malhotra** IBBI/IPA-001/IP00873/2017-18/11476
9.	Address and e-mail of the interim resolution professional, as registered with the Board	219-R, Model Town, Panipat 132103,e-mail : malhotravishalca@yahoo.co.in
10	Address and e-mail to be used for correspondence with the interim resolution professional	219-R, Model Town, Panipat 132103,e-mail : malhotravishalca@yahoo.co.in
11	Last date for submission of claims	25th July, 2019
12	Classes of creditors, if any, under clause (b) of sub-section (6A) of section 21, ascertained by the interim resolution professional	Name the class(es) - NIL
13	Names of Insolvency Professionals identified to act as Authorised Representative of creditors in a class (Three names for each class)	NOT APPLICABLE
14	(a)Relevant Forms and (b)Details of authorised representatives are available at:	Web Link: https://ibbi.gov.in/home/downloads Physical Address: 219-R, Model Town, Panipat 132103, Haryana Not Applicable

Notice is hereby given that the National Company Law Tribunal has ordered the commencement of a corporate insolvency resolution process of the PARAMOUNT IMPEX PRIVATE LIMITED on 11/07/2019.

The creditors of PARAMOUNT IMPEX PRIVATE LIMITED, are hereby called upon to submit their claims with proof on or before 25.07.2019 to the interim resolution professional at the address mentioned against entry No. 10.

The financial creditors shall submit their claims with proof by electronic means only. All other creditors may submit the claims with proof in person, by post or by electronic means.

A financial creditor belonging to a class, as listed against the entry No. 12, shall indicate its choice of authorised representative from among the three insolvency professionals listed against entry No.13 to act as authorised representative of the class [specify class] in Form CA.

Submission of false or misleading proofs of claim shall attract penalties.

Date : 13.07.2019
Place : Panipat

VISHAL MALHOTRA
INTERIM RESOLUTION PROFESSIONAL
IBBI/IPA-001/IP00873/2017-18/11476

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

ओ.बी.सी

(भारत सरकार का उपक्रम)

Resolution Recovery & Law क्लस्टर (दक्षिण और पूरब) 92/ई1, आर के मार्किट, मुनिरका, नई दिल्ली-110067, फोन : 26108530, 26108531, ई-मेल: rrl_7670@obc.co.in

ई-नीलामी बिक्री सूचना

परिशिष्ट IV-क, (नियम 8(6) का परन्तुक देखें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस, आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर्स को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित हैं, का सांकेतिक/वास्तविक कब्जा(नीचे वर्णित अनुसार) प्रतिभूत लेनदार ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 31.07.2019 को बेचा जाएगा। ई-नीलामी सेवा प्रदाता https://bankauctions.in के माध्यम से की जाएगी। बकाया राशि की वसूली, कर्जदार(रों) और गारंटर(रों), आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि का विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार, **धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 30-07-2019 को सांय 5.00 बजे तक है।**

अचल सम्पत्तियों का विवरण

क्र. सं.	कर्जदार/गारंटर का नाम	सम्पत्ति का विवरण एवं स्वामी का नाम (सांकेतिक / भौतिक कब्जा)	आरक्षित मूल्य धरोहर राशि बोली में वृद्धि हेतु राशि	ई-नीलामी की तारीख/समय	बकाया राशि (जमानती कर्ज)	ई एम डी प्रेषण खाते का विवरण
1	1. मैसर्स अल्मा मैटर्स प्रा. लि. 2. हरि दत्त शर्मा 3. सुप्रिया शर्मा	सम्पत्ति नं. 209, प्रा. फ्लैट नं. 304, तृतीय तल, खसरा नं. 429, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 330 वर्ग फीट (सांकेतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 28.05 लाख ₹ 2.81 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 26,00,591.28 दिनांक 30.06.2019 तक और दिनांक 01.07.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
2	श्री अंकित बब्बर पुत्र श्री सुनील बब्बर	रिहायशी फ्लैट नं. एस.एफ-1, एम.आई.जी द्वितीय तल (छत के अधिकार के) प्लॉट नं. 1/65, रिहायशी कॉलोनी, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन-।।, गाँव ब्रह्मपुर बनाम भोपुरा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, यूपी में स्थित, कवर्ड क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट अर्थात 55.74 वर्ग मी. (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 19.00 लाख ₹ 1.90 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 24,91,750/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
3	1. मैसर्स एवीएम मार्केटिंग 2. संजीव वर्मा 3. शैफाली वर्मा	1) सम्पत्ति नं. डी-140, सम्पूर्ण भूतल, बिना छत के अधिकार के, साथ में आम रास्ता और सीढ़ियां जोकि अजय एनक्लेव, तिलक नगर, दिल्ली में स्थित, यह सम्पत्ति संजीव वर्मा के नाम पर है। प्लॉट क्षेत्रफल 167.20 वर्ग मी. कवर्ड क्षेत्रफल 162 वर्ग. मी. (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 141.30 लाख ₹ 14.13 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 11,90,79,065/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
		2) सम्पत्ति नं. डी-140, दक्षिणी साईड प्रथम तल, बिना छत के अधिकार के, साथ में आम रास्ता और सीढ़ियां जोकि अजय एनक्लेव, तिलक नगर, दिल्ली में स्थित, यह सम्पत्ति शैफाली वर्मा के नाम पर है। प्लॉट क्षेत्रफल 84.5 वर्ग मी. कवर्ड क्षेत्रफल 84.49 वर्ग. मी. (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 71.60 लाख ₹ 7.16 लाख ₹ 0.20 लाख			
		3) सम्पत्ति नं. डी-140, सम्पूर्ण द्वितीय तल, छत के अधिकार के, साथ में आम रास्ता और सीढ़ियां जोकि अजय एनक्लेव, तिलक नगर, दिल्ली में स्थित, यह सम्पत्ति संजीव वर्मा के नाम पर है। प्लॉट क्षेत्रफल 167.20 वर्ग मी. कवर्ड क्षेत्रफल 120 वर्ग. मी. (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 140.00 लाख ₹ 14.00 लाख ₹ 0.50 लाख			
4	1) श्रीमती आरती लोनीयाल 2) श्री अशोक कुमार	सम्पत्ति नं. सी-447, (प्रथम तल बिना छत के अधिकार के) स्वर्ण जंयती पुरम, गाजियाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति श्री अशोक कुमार के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 21.00 लाख ₹ 2.10 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 48,15,197/- दिनांक 30.06.2019 तक और दिनांक 01.07.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
5	मैसर्स इलेक्ट्रॉनिक सिटी श्री गौरव सेहरा	सम्पूर्ण द्वितीय तल, नं. ए-204, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में स्थित, जिसका कवर्ड क्षेत्रफल 1464.33 वर्ग फीट और प्लॉट क्षेत्रफल 181.43 वर्ग मी., यह सम्पत्ति श्री गौरव सेहरा के नाम पर है। (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 322.00 लाख ₹ 32.20 लाख ₹ 1.00 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 4,04,13,302.95 दिनांक 31.01.2019 तक और दिनांक 01.02.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
6	1. घनश्याम दास 2. कंचन देवी	रिहायशी सम्पत्ति नं. आरजेड-जी-519, द्वितीय तल, बिना छत के अधिकार के, सामने की तरफ, लोहिया मार्ग, गली नं. 9, राजनगर-2, पालम कॉलोनी दिल्ली में स्थित, क्षेत्रफल 450 वर्ग फीट (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 15.00 लाख ₹ 1.50 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 19,37,741/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
7	कमलेश मलिक पुत्री जिले सिंह उधारकर्ता	फ्लैट नं. 6, ऊपरी भूतल, (3बीएचके) क्षेत्रफल 1300 वर्ग फीट, खसरा नं. 835, तहसील हौज़ खास, महरौली, नई दिल्ली-110074 में स्थित, (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 35.50 लाख ₹ 3.50 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 62,27,164.00 दिनांक 31.01.2019 तक और दिनांक 01.02.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
8	1. कुश भारद्वाज	फ्लैट नं. जी-2, प्रथम तल, प्लॉट नं. सी1/91, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन-।।, भोपुरा, गाजियाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 60.38 वर्ग मी. यह सम्पत्ति कुश भारद्वाज के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 20.00 लाख ₹ 2.00 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 25,63,711/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
9	1. मैसर्स लिलिपुट किडस्वियर लि. 2. श्री संजीव नरूला, 3. श्री मदन लाल 4. श्री संदीप कुमार 5. श्री कवल जीत सिंह 6. श्रीमती बिंदिया नरूला, 7. मैसर्स आनंद इंटरनेशनल इंडिया	1. साम्यिक बंधक भूमि एवं भवन जोकि प्लॉट नं. डी-95, ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, नई दिल्ली में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 586.44 वर्ग गज, यह सम्पत्ति मैसर्स लिलिपुट किडस्वियर लि. के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 650.00 लाख ₹ 65.00 लाख ₹ 1.00 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 5,50,00,000/- दिनांक 30.06.2019 तक और दिनांक 01.07.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
10	1. मैसर्स मनभवन साड़ी 2. वरुण शर्मा	रिहायशी मकान 2.5 मंजिला नं. 2/468, खसरा नं. 642, गाँव - चन्द्रावली उर्फ शाहदरा, तेलीवाड़ा इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित, क्षेत्रफल 95 वर्ग गज, यह सम्पत्ति वरुण शर्मा के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 87.00 लाख ₹ 8.70 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 68,18,166.40 दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
11	1 मैसर्स मेडिकवॉश 2. निखिल कुमार गोयल 3. मनीष जैन	रिहायशी सम्पत्ति द्वितीय तल का आधा हिस्सा, पीछे के तरफ (बिना छत/टैरेस के अधिकार के) म्युनिसीपल नं. ई-2/3, मॉडल टाउन, दिल्ली में स्थित, क्षेत्रफल 102.18 वर्ग मी., यह सम्पत्ति मनीष जैन के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 102.00 लाख ₹ 10.20 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 1,06,04,136.30 दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
12	1. मैसर्स एन.एस. ट्रेडिंग कंपनी 2. नीतू शर्मा पत्नी श्री धर्मपाल शर्मा	1. सम्पत्ति (दुकान) नं. एल-117 (तृतीय तल) शास्त्री नगर, क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति नीतू शर्मा के नाम पर है (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 15.00 लाख ₹ 1.50 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 21,74,814/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
13	1) नरेंद्र सहदेव 2) श्रीमती साधना सहदेव	रिहायशी फ्लैट नं. जी-1, भूतल, एमआईजी टाईप सी-1/93, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन-2 गाजियाबाद में स्थित, जिसका कवर्ड क्षेत्रफल 650 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति नरेन्द्र सहदेव और श्रीमती साधना सहदेव के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 20.00 लाख ₹ 2.00 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 21,93,302.32 दिनांक 30.06.2019 तक और दिनांक 01.07.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
14	1. नेहा दुबे 2. गौरव राज	फ्लैट नं. जी-1, सम्पत्ति नं. ए-60 (भूतल बिना छत के अधिकार के) डीएलएफ दिलशाद एक्स.-।।, भोपुरा, गाजियाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 700 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति नेहा दुबे और श्री गोरव राज (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 26.00 लाख ₹ 2.60 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 30,23,224/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
15	1. नित्यानंद बरनवाल पुत्र भगवान प्रसाद 2. संगीता बरनवाल पत्नी भगवान प्रसाद	फ्लैट नं 4, द्वितीय तल, खसरा नं. 836, गाँव देरा मण्डी, तहसील हौजखास, महरौली, नई दिल्ली-110074 में स्थित, क्षेत्रफल 1300 वर्ग फीट, (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 35.50 लाख ₹ 3.55 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 62,27,164.00 दिनांक 31.01.2019 तक और दिनांक 01.02.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
16	1. रवि कुमार कश्यप 2. मिथिलेश कश्यप	प्रा. फ्लैट नं. टी-3, सम्पत्ति नं. 113, ब्लॉक-ए, (तृतीय/ऊपरी तल) विष्णु एनक्लेव, खसरा नं. 572, गली नं. 2-सी, आई ओ सी पैट्रोल पम्प, गोविन्दपुरा डासना के विपरीत, गाजियाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 700 वर्ग फीट यह सम्पत्ति रवि कुमार कश्यप और मिथलेश कश्यप के नाम पर है। (सांकेतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 16.00 लाख ₹ 1.60 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 20,02,454.80/- दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
17	1. श्रीमती रजनी रानी चौधरी 2. श्री सतेन्द्र पाल सिंह	रिहायशी मकान नं. 76ए, गली नं. 9 पुराना आर्य नगर, तहसील और जिला गाजियाबाद, यू.पी.-201001 में स्थित, क्षेत्रफल 102 वर्ग गज और कवर्ड क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती रजनी रानी चौधरी और श्री सतेन्द्र पाल सिंह के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 40.00 लाख ₹ 4.00 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 16,70,430.00 दिनांक 31.01.2019 तक और दिनांक 01.02.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
18	1. संजय कुमार 2. रेखा देवी	फ्लैट नं. टी-1, तृतीय तल, (बिना छत के अधिकार के) फ्री होल्ड प्लॉट नं. 113, खसरा नं. 572, ब्लॉक-ए, विष्णु एन्कलेव, गाँव और परगना डासना, गाजियाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 65.03 वर्ग मी., यह सम्पत्ति संजय कुमार और रेखा देवी के नाम पर है। (सांकेतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 16.00 लाख ₹ 1.60 लाख ₹ 0.10 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 18,35,490.97 दिनांक 30.04.2019 तक और दिनांक 01.05.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
19	1. मैसर्स स्कॉलर बुक एजेंसी 2. श्रीमती ज्योति रानाडे 3. रमेश रानाडे	व्यवसायिक सम्पत्ति नं. 50, महिला उद्यमी पार्क-1, सैक्टर-ईकोटेक-।।।, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास क्षेत्र जिला जी.बी. नगर, क्षेत्रफल 1000 वर्ग मी., यह सम्पत्ति ज्योति रानाडे के नाम पर है (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 126.00 लाख ₹ 12.60 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 1,37,56,152.50 दिनांक 30.06.2019 तक और दिनांक 01.07.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
20	1. मैसर्स शर्मा ट्रांसपोर्ट 2. श्री गौरव शर्मा पुत्र श्री प्रेम दत्त शर्मा, पार्टनर/गारंटीकर्ता/बंधककर्ता 3. श्री प्रेम दत्त शर्मा पुत्र श्री पन्ना लाल शर्मा पार्टनर/गारंटीकर्ता	साम्यिक बंधक एक दुकान प्रथम तल पर, जिसका प्रा. नं. 114 (बिना छत / टैरेस के अधिकार के) जिसका क्षेत्रफल 9.3 वर्ग मी. लगभग, सम्पत्ति एम पी एल नं. VII/3963 के भाग पर निर्मित सम्पत्ति, वार्ड नं. VII, बस्ती मुल्लर, अजमेरी गेट, दिल्ली-110006, यह सम्पत्ति श्री गौरव शर्मा पुत्र श्री प्रेम दत्त शर्मा के नाम पर है। (भौतिक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 18.00 लाख ₹ 1.80 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 49,70,580.21/- दिनांक 30.06.2019 तक और दिनांक 01.07.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
21	1. मैसर्स उर्वशी एंटरप्राइजेज लि. 2. श्री सुरेश कुमार गोयल 3. श्री राजीव गोयल 4. श्री प्रेम चंद गोयल 5. श्री मनीष गोयल 6. एस.पी. सारस्वत 7. आधिकारिक परिसमापक, खान मार्केट, नई दिल्ली	लीज़ होल्ड सम्पत्ति नं. ए-596, क्षेत्रफल 5000 वर्ग मी. जोकि रीको औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी, जिला अलवर राजस्थान में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स उर्वशी इंटरप्राईजेज के नाम पर है। (भौतिक कब्जा) भार : 5,80,16,822/-	₹ 230.00 लाख ₹ 23.00 लाख ₹ 1.00 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 4,65,85,811.55 दिनांक 31.01.2019 तक और दिनांक 01.02.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
22	1. मैसर्स विवेक ट्रेडिंग कंपनी, एफ -28, प्रशांत विहार, नई दिल्ली-85 2. रितु अग्रवाल पत्नी शिवांश अग्रवाल (प्रोपराइटर) 3. मुदित बिल्डटेक प्रा. लि. (कॉर्पोरेट गारंटर और बंधककर्ता) 4. श्री शरद गुप्ता पुत्र बंगाली बाबू गुप्ता (गारंटर/बंधककर्ता)	1. फ्री होल्ड रिहायशी प्लॉट नं. 55, जोकि न्याय खंड-1, क्षेत्रफल 180 वर्ग मी., रिहायशी कॉलोनी, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद (यू.पी.) में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स मुदित बिल्डटेक प्रा. लि. के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 153.00 लाख ₹ 15.30 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	वर्तमान बकाया ₹ 8,35,06,469.00 दिनांक 31.01.2019 तक और दिनांक 01.02.2019 से भविष्य का ब्याज और लागत और प्रभार इत्यादि	E-Auction A/C: 01791181000079 IFSC: ORBC0100179 Name of A/c: EMD A/c Circle Office-Delhi (South East)
		2. औद्योगिक सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 90-बी, नया नं. 90-बी/5, जोकि प्रकाश औद्योगिक ईस्टेट, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यू.पी.-201005 में स्थित, भूमि क्षेत्रफल 170.93 वर्ग मी., या 204.44 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री शरद पुत्र श्री बंगाली बाबू गुप्ता के नाम पर है। (रचनात्मक कब्जा) भार : कुछ नहीं	₹ 234.00 लाख ₹ 23.40 लाख ₹ 0.50 लाख			

नियम एवं शर्तें

1. धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 30.07.2019 को सांय 5.00 बजे तक है।
2. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान एवं सूचना के अनुसार सम्पत्ति पर कोई भार नहीं है। इच्छुक बोलीदाता नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति पर किसी भी भार, टाइटल और सम्पत्ति पर किसी भी दावे/अधिकार/बकाए के संबंध में बिड जमा करने से पहले स्वयं जांच कर सकते हैं। सम्पत्ति बैंक को ज्ञात और अज्ञात सभी वर्तमान और भविष्य के ऋण-भार सहित बेची जा रही है। तृतीय पक्ष यदि सम्पत्ति पर किसी बकाए / अधिकार के संबंध में कोई दावा करता है, तो इसके लिए किसी भी तरह से प्राधिकृत अधिकारी/जमानती ऋणदाता जिम्मेदार नहीं होगा।
3. सम्पत्ति(यों) का निरीक्षण दिनांक 20.07.2019 को पूर्वा. 11.00 से अपर्ा. 4.00 बजे के बीच किया जा सकता है।
4. इच्छुक बोलीदाता जिन्होंने धरोहर राशि जमा किया है और लॉगईन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डाटा अपलोडिंग करने, बोली जमा करने, ई-बिडिंग प्रक्रिया पर प्रशिक्षण इत्यादि में अपेक्षित सहायता के लिए **अन्तरेस सिस्टम लि., व्यक्ति का नाम जिसे सम्पर्क किया जा सके श्री कुशल बोस, मो. 7686913157,** ईमेल **kushal.b@antaressystems.com, tousik.g@antaressystems.com, manohar.s@antaressystems.com और सम्पत्ति से संबंधित पूछताछ के लिए सम्पत्ति प्राधिकृत अधिकारी: श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट, मो. नं. 8171626615, 011-26108530/31 ईमेल: rrl_7670@obc.co.in से कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते है।**
5. बोलीदाता अपनी बोली प्रत्येक सम्पत्ति के सामने "बोली वृद्धि राशि" कालम के तहत वर्णित राशि, के गुणजों में बढ़ा सकेंगे। ई-नीलामी के अंतिम 5 मिनट में कोई बोली प्राप्त होने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः 5 मिनट बढ़ जाएगा (असीमित)।
6. सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 25 प्रतिशत राशि, पहले अदा की गई ईएमडी समायोजित करने के बाद, अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकार किए जाने के तुरन्त बाद या ज्यादा से ज्यादा अगले कार्यदिवस तक जमा करना होगा तथा शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री के 15वें दिन को अथवा उससे पहले जमा करनी होगी। सफल बोलीदाता द्वारा भुगतान में चूक की स्थिति में पहले जमा की गई राशि जब्त मान्य होगी और सम्पत्ति की नीलामी नए सिरे से की जाएगी तथा चूककर्ता बोलीदाता का सम्पत्ति/राशि के संबंध में कोई दावा/अधिकार मान्य नहीं होगा।
7. क्रेता को लागू स्टाम्प ड्यूटी/अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी/अंतरण प्रभार, शुल्क इत्यादि और किसी प्राधिकरण को देय सांविधिक/गैर-सांविधिक देयताओं, करों, दरों, आकलनों, प्रभारों, शुल्कों इत्यादि का भी भुगतान वहन करना होगा।
8. उपरोक्त बंधक सम्पत्तियों जो कि ई-नीलामी में लगी है की नीलामी असफल होने की स्थिति में नियमानुसार बैंक प्राईवेट ट्रीटी द्वारा बिक्री करने का अधिकार रखता है।
(विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु कृपया हमारी वेबसाईट: https://www.obcindia.co.in and https://ibapi.in देखें)
9. प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए बिक्री को रद्द कर सकता है।

दिनांक 13.07.2019, स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank ...the name you can BANK upon!
सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, पंजाब नैशनल बैंक की तरफ से प्राधिकृत अधिकारी ने सिक्युरिटाइजेशन एण्ड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एण्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सिक्योरिटी इंटरेस्ट 2002 के साथ 60 दिनों के भीतर नोटिस में निहित रकम की अदायगी हेतु एक डिमांड नोटिस जारी किया था। ऋणी के द्वारा रकम की अदायगी न करने के कारण निम्नलिखित ऋणकर्ता एवं जन साधारण को नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रत्येक खाते के समक्ष अंकित तिथि को उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधोलिखित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा ले लिया है। विशेषतः ऋणी एवं जन साधारण को एतद् द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे संबंधित परिसम्पत्ति की खरीद फरोख्त न करें तथा इन परिसम्पत्तियों के किसी भी क्रय विक्रय के लिए यहां नीचे वर्णित प्रत्येक खाते के समक्ष रकम उस पर देय ब्याज के लिए पंजाब नैशनल बैंक के प्रभार अधीन होंगे। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

क्र. सं.	शाखा एवं ऋणी/गारन्टर का नाम	बंधक सम्पत्तियों का विवरण	मांग नोटिस की तिथि	चिपकाये गये कब्जा नोटिस की तिथि	मांग नोटिस के अनुसार बकाया रकम
1.	**शाखाः क्लॉक टॉवर, देहरादून** **ऋणीः** मैसर्स क्लल्ष क्रिएशन, प्रोपराइटर श्री नमन जैन पुत्र स्व0 श्री आशु जैन, दुकान नाम- दुकान नं0 10/11, मेडीप्लाजा कोर्नेसल, राजपुर रोड, देहरादून **प्रोपराइटर/ऋणीः** 1. श्री नमन जैन पुत्र स्व0 श्री आशु जैन, मकान नं0 4737 जैन मन्दिर रोड, निकट सुन्दर नगर पुलिस स्टेशन, सुन्दर नगर तरफ रेल, लुधियाना पंजाब 2. श्री नमन जैन पुत्र स्व0 श्री आशु जैन C/o श्रीमती मनिषा जैन पत्नी स्व0 श्री आशु जैन, मकान नं0 11, शरमन वाटिका, हम्बरान रोड, लुधियाना **गारन्टरः** 1. श्री नीरज जैन, 4736 जैन मन्दिर रोड, निकट सुन्दर नगर पुलिस स्टेशन, सुन्दर नगर स्टेशन, लुधियाना पंजाब 2. श्री नीरज जैन C/o श्रीमती मनिषा जैन पत्नी स्व0 श्री आशु जैन, मकान नं0 11, शरमन वाटिका, हम्बरान रोड, लुधियाना 3. श्री नीरज जैन पुत्र श्री मनन लाल जैन, बी-59, ईस्ट ज्योति नगर, निकट शाहदरा नई दिल्ली-110093	बंधक संपत्ति के सभी भाग आवासीय सम्पत्ति (स.सी. नं0 B-XXIV-4738/1, माप 200 वर्ग गज, निहित खसरा नं0 144, खसरा नं0 874/943, जमाबंदी वर्ष 2007-08, स्थित मौजा तरफ सैदान हदबस्त नं0 172, स्थित सुन्दर नगर, तहसील व जिला लुधियाना। सीमायें:-उत्तरः श्री रजीत की सम्पत्ति, साइड माप 60 फीट, दक्षिणः मनिषा जैन की सम्पत्ति, साइड माप 60 फीट, पूर्वः रोड, साइड माप 30 फीट, पश्चिमः मकान सह प्लॉट नं0 10 साइड माप 30 फीट	25.04.2019	10.07.2019	रु0 2,02,19,681.68 + ब्याज एवं अन्य खर्चे दिनांक 01.04.2019 से
2.	**शाखाः क्लॉक टॉवर, देहरादून** **ऋणीः** मैसर्स स्वस्तिक इंटरनेशनल प्रोपराइटरः श्री संजय अग्रवाल पुत्र श्री जगदीश लाल अग्रवाल **गारन्टरः** श्री नीरज जैन पुत्र श्री चमन लाल जैन, एवं श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री जगदीश लाल अग्रवाल (बंधककर्ता)	बंधक संपत्ति के सभी भाग सम्पत्ति नं0 1/5248, प्लॉट नं0 12-A का भाग पर निर्माण, भूमि माप क्षेत्रफल 83 1/4 वर्ग गज खसरा नं0 199 मिन से बाहर, निहित दो रूम, एक स्टोर एक किचन, शौचालय, बाथरूम, सीढ़ियां, बरामदा भूतल पर एवं एक कमरा खुला छत प्रथम तल पर, बलबीर नगर के साथ स्थित विजय पार्क, शाहदरा दिल्ली-110032. सीमायें-पूर्वः गली, पश्चिमः अन्य की सम्पत्ति, उत्तरः सम्पत्ति नं0 1/5248 का भाग, दक्षिणः अन्य की सम्पत्ति	25.04.2019	09.07.2019	रु0 1,87,68,316.30 दिनांक 06.04.2019 तक + ब्याज एवं अन्य खर्चे दिनांक 01.04.2019 से
3.	**शाखाः तिलक रोड, देहरादून** **ऋणी/बंधककर्ताः** मैसर्स भूषेश कुमार शिक्षण एवम् विकास संस्थान, अध्यक्ष श्री भूषेश कुमार पुत्र श्री ललित नाथ, **पताः 1:** ट्यूशन इंटरनेशनल स्कूल, मांडुवाला (कोठरी), सुधोवाला, वाया प्रेम नगर, देहरादून-248007, उत्तराखंड, **पता 2:** गुरुकुल टुटोरियल एंड हॉस्टल्स, सेवा कुंज, माजरा चौक, वैस्ट कैनल रोड, देहरादून-248001, **पता 3:** रोड नं0 138, राजेंद्र नगर, पटना-800016, **पता 4:** अग्यासपुर पोस्ट तेहवाड़ा पी.एस. सिंघवाड़ा जिला दरभंगा (बिहार) **गारन्टर्सः** 1. श्री उमेश दुबे पुत्र श्री महावीर दुबे पता : ग्राम मधोपुर पोस्ट जकौली पी.एस. बहेड़ा दरभंगा (बिहार) -800016 2. श्री ललित कुमार पुत्र श्री ठाकुर लाल, पताः ग्राम मधोपुर पोस्ट जकौली पी.एस. बहेड़ा दरभंगा (बिहार)-800016	बंधक संपत्ति मौजा सांदिकपुर स्थित खाता नं0 46, सर्वे नं0 181, थाना नं0 09, तौजी नं0 227, एम.एस. प्लॉट नं0 3037, रकबा 50, वार्ड नं0 15/36(0) परगना आजिमाबाद पी.एस. बहादुरपुर, मौहल्ला राजेंद्र नगर रोड नं0 138 सिटी एवं जिला पटना। सीमायें:-उत्तरः 7 फीट चौड़ा रोड, पूर्वः कितुला, दक्षिणः साधु शरण सिंह एवं श्री एस.एन. सिंह का मकान	25.03.2019	12.07.2019	रु0 6,80,27,699.73 + ब्याज एवं अन्य खर्चे दिनांक 01.02.2019 से

दिनांकः 13.07.2019 स्थान – देहरादून प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

युवाओं को बेबाकी से अपनी राय रखने की जरूरतः नारायण मूर्ति

मुंबई, 13 जुलाई (भाषा)।

इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति का कहना है कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में जो हो रहा है, उस पर युवाओं को बेबाकी से बोलने की जरूरत है क्योंकि यह वह भारत नहीं जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने हमें आजादी दिलाई।

इंफोसिस के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल सिक्का का नाम लिए बगैर उनके साथ अपने मतभेदों का उदाहरण देते हुए मूर्ति ने कहा कि जब उन्होंने देखा कि जिन मूल्यों पर उन्होंने 33 सालों में कंपनी को खड़ा किया है, उन्हें कचरे के डिब्बे में फेंका जा रहा है तो उन्हें उनकी रक्षा के लिए खड़ा होना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यदि आप देखें कि आज देशभर के विभिन्न हिस्सों में क्या हो रहा है तो यह समय है इसके विरोध में खड़े होने का, विशेषकर युवाओं को इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए क्योंकि यह वह देश नहीं जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने आजादी दिलाई। उन्होंने सवाल किया कि हम में से कितने ऐसा कर रहे हैं? दुर्भाग्य से कोई नहीं, यही वजह है कि यह देश इस हालत में हैं, क्योंकि कोई भी किसी को उसकी गलती बताकर नाखुश नहीं करना चाहता।

मूर्ति यहां सेंट जेवियर कॉलेज में एक संगोष्ठी में बोल रहे थे। उनसे उनकी सेवानिवृत्ति के बाद इंफोसिस की घटनाओं पर चिंताएं व्यक्त करने के संबंध में सवाल किया गया था जिस पर उन्होंने कहा, '(सिक्का प्रकरण में) कंपनी की कारोबारी रणनीति और कार्यकारियों की कार्यशैली को लेकर उन्होंने जो बातें कही, उसका एक शब्द भी जनता के बीच नहीं आया।' उन्होंने कहा, 'खैर, जब उन मूल्यों पर सवाल खड़ा हुआ, जिन्हें हमने 33 साल से ज्यादा समय के अपने त्याग के बाद बनाया और आपने देखा कि उन्हें कूड़ेदान में फेंका जा रहा है, तब स्वाभाविक तौर पर हमें खड़े होना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'अन्यथा हम उन गलतियों को होने देते रहते। जैसे 2014 में मुख्य कार्यकारी अधिकारी का वेतन 55 फीसद बढ़ाकर 70 लाख डॉलर कर दिया गया और मुख्य परिचालन अधिकारी को 30 फीसद की वेतन वृद्धि दी गई। जबकि मध्य श्रेणी पर किसी का वेतन नहीं बढ़ाया गया, सुरक्षा गार्ड को बिना वेतन बढ़ाए एक दिन अतिरिक्त काम या ओवरटाइम करने के लिए बोल दिया गया। मेरे हिसाब से यह स्थापित मूल्यों का घोर उल्लंघन है।'

'रेरा के कार्यान्वयन में तेजी से रीयल एस्टेट बाजार में जवाबदेही बढ़ी'

नई दिल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

अचल संपत्ति बाजार के नियमन के लिए बनाए गए रीयल एस्टेट विनियमन अधिनियम (रेरा) के कार्यान्वयन में तेजी आई है। लगभग 90 फीसद राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने रेरा को अधिसूचित किया है जिससे रीयल एस्टेट बाजार में जवाबदेही बढ़ी है। यह जानकारी संपत्ति परामर्श कंपनी जेएलएल के एक अध्ययन में सामने आई है।

अध्ययन के अनुसार इस क्षेत्र में खरीदारों के विश्वास को फिर से बहाल करने के साथ बाजार में 2018 में आवास बिक्री में सुधार देखा गया है। बिक्री में तेजी का दौर 2019 की पहली छमाही में भी जारी रहा। 2018 में इसी अवधि की तुलना में आवासीय इकाइयों की बिक्री में 22 फीसद की वृद्धि हुई। जेएलएल के अध्ययन के अनुसार 30 जून, 2019 तक देशभर में कुल 43,398 रीयल एस्टेट परियोजनाओं और 33,270 रीयल एस्टेट एजंटों ने रेरा के तहत पंजीकरण कराया है, जो इसके क्रियान्वयन में आई तेजी को दिखाता है।

अध्ययन के अनुसार पंजीकृत परियोजनाओं में करीब 69 फीसद ऐसी हैं जिन पर पहले से काम चल रहा है। इससे किसी रीयल एस्टेट परियोजना से जुड़े हितधारकों के लिए अपनी परियोजनाओं तक पहुंच और पंजीकरण कराना आसान हो गया है। हालांकि रपट में विशेषज्ञों ने कहा कि रेरा का वास्तविक प्रभाव अगले कुछ वर्षों में और स्पष्ट होगा, क्योंकि परियोजनाएं रेरा पंजीकरण में उल्लेखित समय सीमा में डिलीवरी करेंगी और खरीदारों व प्रमोटरों के बीच विवाद का प्रभावी समाधान होगा।

जेएलएल के भारतीय परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कंट्री हेड रमेश नायर ने एक बयान में कहा कि रेरा के मुख्य उद्देश्य- पारदर्शिता को बढ़ावा, बाजार में वित्तीय अनुशासन लाना और हितधारकों के बीच जवाबदेही प्रभावी बनाना है। यदि विनियमन प्रभावी रूप से लागू किया जाता है तो यह नया मानदंड बन जाएगा। उन्होंने कहा कि आवास श्रेणी में रेरा ने घर खरीदारों और डेवलपरों के बीच एक समान स्तर कायम किया है। नतीजतन भारत के आवासीय क्षेत्र में प्राथमिक चुनौतीपूर्ण चरण के बाद बड़ा बदलाव आया है।

फ्यूचर एंटरप्राइजेज का सीएफओ गिरफ्तार

कोलकाता, 13 जुलाई (भाषा)।

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआइ) ने फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड के मुख्य वित्ता अधिकारी (सीएफओ) दिनेश माहेश्वरी को 14.58 करोड़ रुपए की सीमा शुल्क चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एजंसी ने शनिवार को बयान में कहा कि कंपनी दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) का लाभ उठाकर बिना सीमा शुल्क का भुगतान किए पेट्रापोल लैंड कस्टम्स स्टेशन (एलसीएस) के जरिए बांग्लादेश से रेडीमेड वस्त्रों (सिलेसिलाए कपड़े) का आयात कर रही थी।

जेएमजी कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पंजी. कार्यालयः देयोर कैम्प्स, 6109, डीएलएफ फेज-IV, गुरुग्राम-122002, हरियाणा
ईमेलः info@jmgcorp.in, वेबसाईटः www.jmgcorp.in,
CIN: L31104HR1989PLC033561,
टेली.: 011-30640080/ 81, फैक्सः 011-30640099

वार्षिक साधारण सभा तथा पुस्तक बंद होने की सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि 'जेएमजी कॉर्पोरेशन लिमिटेड' के सदस्यों की 30वीं वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) शनिवार, 3 अगस्त, 2019 को 11.00 बजे पूर्वा. में के-7/ 5, (क्रिस्टल चिल्ड्रेन्स सेन्टर के निकट), डीएलएफ-II, गुड़गांव-122002, हरियाणा में आयोजित की जायेगी जिसमें एजीएम की सूचना तिथि 18 जून, 2019 में वर्णित व्यवसायों को निष्पादित किया जायेगा।

एजीएम आमंत्रण सूचना सहित वित्त वर्ष 2018-2019 का वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी के सदस्यों को कम्पनी/ डिपॉजिटरी पार्टिसिपैन्ट्स के पास दर्ज ईमेल आईडी'ज पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेज दिया गया है तथा साथ ही स्वीकृत पद्धति में ऐसे सदस्यों को भी प्रेषित कर दिया गया है जिन्होंने अपने ई-मेल आईडी'ज कम्पनी/ डिपॉजिटरी पार्टिसिपैन्ट्स के पास दर्ज नहीं कराये हैं।

यह कम्पनी अपने सदस्यों को नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा दी गई ई-वोटिंग सेवाओं के माध्यम से 'रिमोट ई-वोटिंग' की सुविधा उपलब्ध करा रही है। सूचना में वर्णित व्यवसायों को रिमोट ई-वोटिंग द्वारा निष्पादित किया जा सकता है। जिस व्यक्ति का नाम कट-ऑफ तिथि अर्थात 27 जुलाई, 2019 को सदस्यों के रजिस्टर अथवा डिपॉजिटरीज द्वारा प्रबंधित लाभभोगी स्वामियों के रजिस्टर में दर्ज होगा, वे रिमोट ई-वोटिंग के साथ-साथ एजीएम में मतदान करने की सुविधा प्राप्त करने के लिये अधिकृत होंगे। उसके बाद एनएसडीएल मतदान के लिये ई-वोटिंग पद्धति निष्क्रिय कर दी जायेगी अर्थात 2 अगस्त, 2019 को 5 बजे अप. के बाद मतदान की अनुमति नहीं दी जायेगी।

रिमोट ई-वोटिंग द्वारा मतदान तथा एजीएम में मतदान के लिए सदस्यों की पात्रता सुनिश्चित करने के लिए कट-ऑफ तिथि शनिवार, 27 जुलाई, 2019 है, यदि कोई व्यक्ति सूचना के प्रेषण के बाद कंपनी का सदस्य बनते हैं तथा कट-ऑफ तिथि को शेयर धारित करते हैं, वे evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर लागिन आईडी तथा पासवर्ड प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन, यदि कोई व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग के लिए एनएसडीएल में पंजीकृत हैं तो अपना मतदान करने के लिए वे अपने वर्तमान यूजर आईडी तथा पासवर्ड का प्रयोग कर सकते हैं।

सभा में उपस्थित होने वाले सदस्यों जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना मतदान नहीं किए हों, को एजीएम में मत पत्र द्वारा मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना मतदान कर दिए हों वे सभा में शामिल हो सकते हैं लेकिन फिर से मतदान करने के लिए अधिकृत नहीं होंगे।

एजीएम की सूचना, वार्षिक रिपोर्ट तथा ई-वोटिंग प्रक्रिया सभी सदस्यों को भेज दी गई हैं तथा साथ ही कम्पनी की वेबसाईट www.jmgcorp.in एवं एनएसडीएल की वेबसाईट www.evoting@nsdl.com पर भी उपलब्ध है। कम्पनी की एजीएम की सूचना सहित वार्षिक रिपोर्ट निरीक्षण के लिए कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में भी शनिवार को छोड़कर कार्य दिवसों को कार्यावधि के दौरान उपलब्ध है।

इलेक्ट्रानिक मतदान से संबंधित किसी भी समस्या के लिए सदस्यगण 574, 2रा तल, मैन रोड, चिराग दिल्ली, नई दिल्ली-110017 में सुश्री निशा कुमारी, कम्पनी सचिव से सम्पर्क करें अथवा info@jmgcorp.in पर उन्हें लिखें अथवा 10.00 बजे पूर्वा. से 6.00 बजे अप. के बीच 011-30004981 पर कॉल करें।

एतद्द्वारा पुनः सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 91 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के अनुपालन में सदस्यों के रजिस्टर तथा कम्पनी की शेयर अंतरण पुस्तकें 2 अगस्त, 2019 से 3 अगस्त, 2019 (दोनों दिवस सहित) तक एजीएम के लिए वार्षिक क्लोजिंग के लिए बंद रहेंगे।

जेएमजी कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए
हस्ता./-
निशा कुमारी
कम्पनी सचिव
एम. नं. एसीएस 44218

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 13.7.2019

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	16441200000064	संचित कुमार	82
2	16441200000222	संजय कुमार	14
3	16441200000639	नरेश कुमार	19
4	16441200000666	कुलदीप सिंह	27
5	16442100000064	मोह. इदरिस	16
6	16441200000754	मुकेश देवी	102
7	16442100000143	कुसुम कुसुम	21
8	16442100000161	कुसुम कुसुम	23
9	16441200001274	मूर्ति देवी	149
10	16441200001595	जितेन्दर	54
11	16453300000107	जोगिन्दर सैनी	19

नीलामी की तिथिः 22 एवं 23 जुलाई, 2019
सम्पर्क व्यक्तिः श्री सचिन शर्मा, टेलीफोन नं. 9034001045/48/68
नीलामी का स्थानः डीसीबी बैंक लिमिटेड, ऑरिएण्टल प्लाजा, 76-77, जी.टी. रोड, रेड लाइट क्रॉसिंग के निकट, पानीपत-132103

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी-कर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेटल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./-
तिथिः 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः पानीपत डीसीबी बैंक लिमिटेड

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER SHRI MATA VAISHNO DEVI SHRINE BOARD, KATRA

Addendum

Reference NIT issued vide No. CO/Cat/333/430 dated 09.07.2019, in Clause No. 3(i) & 3 (v), the following line is deemed to be have been added "In case the Audited Financial Documents of the year 2018-19 is not available, the Firm may submit 3 years Financial Documents from the year 2015-16 onward".

The other terms & conditions of the ibid NIT shall remain the same.

No.: CO/Cat/333/451 **Sd/- (Dr. J.C. Mehra), KAS**
Dated: 13.07.2019 **Deputy Chief Executive Officer**

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER SHRI MATA VAISHNO DEVI SHRINE BOARD, KATRA

ABRIDGED TENDER NOTICE

For and on behalf of the Chairman, Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, Katra, sealed tender are invited from Principal firms or their authorized franchisees for providing Catering Services at Bhojanalaya Saraswati Dham, Rail Head Complex, Jammu, of Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, on leave and license basis and **"on as is where is basis".** Sealed technical bid and commercial bid should reach the Office of the Chief Executive Officer, Katra, upto 1500 hrs. on 05th of August 2019. Bidders are advised to visit the premises in advance in order to be well versed with the economic potential of location before submitting their bids. Offers should be complete in all respect and duly signed by the tenderer. Incomplete / conditional tender or tender received after the stipulated date and time shall not be considered.

Tender Performa along with detailed terms and conditions of the tender can be downloaded from our official website (www.maavaishnodevi.org), free of cost.

Sd/-
No.: Co/Cat/338/460 **(Dr. J.C. Mehra) KAS**
Dated: 13.07.2019 **Dy. Chief Executive Officer**

इन्फोसिस देगी 18 हजार लोगों को नौकरी

बंगलुरु, 13 जुलाई (भाषा)।

देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आइ) कंपनी इन्फोसिस ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में वह 18,000 लोगों को नौकरी देगी।इन्फोसिस के मुख्य परिचालन अधिकारी यूबी प्रवीण राव ने कहा कि चालू तिमाही में हम 8,000 लोगों को नौकरी पर रखने के करीब हैं। इसमें से करीब 2,500 फ्रेशर्स हैं। पूरे साल में हम करीब 18,000 लोगों को नौकरियां देंगे।

दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम लिमिटेड

(दिल्ली सरकार का उपक्रम)
18-ए, डीडीए, एससीओ कॉम्प्लेक्स, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

निविदा आमंत्रण सूचना

छावला एवं कागनहेड़ी टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स और जनकपुरी दिल्ली हाट में दो वर्षों की अवधि के लिए हॉर्टिकल्चर मेंटिनेंस एवं लैंडस्केपिंग के एएमसी हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा आईडी (i) 2019_DTTDC_176045_1
निविदा आईडी (ii) 2019_DTTDC_176045_2
एनआईटी https://govtprocurement.delhi.gov.in पर अपलोड कर दी गई है और नियम व शर्तों के साथ उपलब्ध है।

प्रबंधक (जीएडी), डीटीटीडीसी

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना — DCB BANK

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि डीसीबी बैंक लिमिटेड (इसमें आगे "बैंक" कहा गया है), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 में स्थित है, द्वारा बैंक में बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी सह बिक्री "जैसा है जहां है आधार", "जैसा है जो भी है आधार", "जो भी वहां है आधार" तथा "कोई वापसी नहीं आधार" पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के निम्नवर्णित कर्जदारों के ऋण खाते के संबंध में बैंक को प्रदान किए गए थे और बंधक रखे गए थे। निम्नवर्णित स्वर्ण आभूषण बैंक अधोवर्णित ऋण खातों के बकाया राशि की वसूली के लिए बेचे जाएंगे :–

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	शुद्ध भार (ग्राम में)
1	28142100000392	राजदीप सिंह	209
2	28142100000967	संदीप कौर	258
3	28142100001366	मनीन्द्र सिंह	35

नीलामी की तिथि : 22 एवं 23 जुलाई 2019
सम्पर्क व्यक्ति : श्री जितेन्द्र कुमार 9034001426/73/21/1800 209 5363
नीलामी का स्थान : डीसीबी बैंक लि., गुरू टावर्स, डीएवी स्कूल के सामने, एनएच-65 अम्बाला रोड, जिला- कुरूक्षेत्र, डीएवी स्कूल के सामने राज्य-हरियाणा-136128

जबकि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषण बिक्री करने का निर्णय किया है, आज प्रकाशित नीलामी सह बिक्री की इस सूचना के माध्यम से संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री उपरिवर्णित तिथियों एवं स्थानों पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता अतिरिक्त जानकारी के लिए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी की तिथि को या उससे पहले सम्पर्क कर सकते हैं।

संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को उपरोक्त बकाया राशियों का पूर्ण भुगतान तत्संबंधी ब्याज और प्रभारों सहित, नीलामी की तिथि से एक दिन पहले तक करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें असफल रहने पर ये स्वर्ण आभूषण उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार बेचे जाएंगे।

यहां ऊपर विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संबंध मे विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो तथापि उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन, विलोपन, विसंगति अथवा कमी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

तिथि : 12-07-2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : पेहोवा डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना — DCB BANK

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि डीसीबी बैंक लिमिटेड (इसमें आगे "बैंक" कहा गया है), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 में स्थित है, द्वारा बैंक में बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी सह बिक्री "जैसा है जहां है आधार", "जैसा है जो भी है आधार", "जो भी वहां है आधार" तथा "कोई वापसी नहीं आधार" पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के निम्नवर्णित कर्जदारों के ऋण खाते के संबंध में बैंक को प्रदान किए गए थे और बंधक रखे गए थे। निम्नवर्णित स्वर्ण आभूषण बैंक अधोवर्णित ऋण खातों के बकाया राशि की वसूली के लिए बेचे जाएंगे :–

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	शुद्ध भार (ग्राम में)	नीलामी की तिथि सम्पर्क व्यक्ति एवं स्थान
1	14642100011750	नरेन्द्र सिंह	56	22 एवं 23 जुलाई 2019 श्री राजेश कुमार गोयल टेलिफोन नं. (01743) 224811/224812 डीसीबी बैंक लिमिटेड, लक्ष्मी काम्प्लेक्स, ग्राउण्ड फ्लोर गुहला रोड, चीका, जिला कैथल, हरियाणा-136034
2	14642100007597	गुरचरन सिंह	100	
3	14642100010414	कृष्ण	27	
4	14642100007931	राजेश कुमार	26	
5	14642100010308	बघेल सिंह	17	
6	14642100014076	जगप्रीत सिंह	12	
7	14642100013165	सचिन राना	26	

जबकि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषण बिक्री करने का निर्णय किया है, आज प्रकाशित नीलामी सह बिक्री की इस सूचना के माध्यम से संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री उपरिवर्णित तिथियों एवं स्थानों पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता अतिरिक्त जानकारी के लिए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी की तिथि को या उससे पहले सम्पर्क कर सकते हैं।

संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को उपरोक्त बकाया राशियों का पूर्ण भुगतान तत्संबंधी ब्याज और प्रभारों सहित, नीलामी की तिथि से एक दिन पहले तक करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें असफल रहने पर ये स्वर्ण आभूषण उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार बेचे जाएंगे।

यहां ऊपर विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संबंध मे विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो तथापि उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन, विलोपन, विसंगति अथवा कमी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता.
तिथि : 12-07-2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : चीका डीसीबी बैंक लिमिटेड

unitech यूनीटेक लिमिटेड

CIN: L74899DL1971PLC009720
पंजीकृत कार्यालयः बेसमेन्ट, 6, कम्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली-110017
टेली/फैक्सः- 11-26857338,
E-mail: share.dept@unitechgroup.com
Web: www.unitechgroup.com

सूचना
बैठक का स्थगन

6 जुलाई, 2019 को 'द फाइनांसियल एक्सप्रैस' तथा ''जनसत्ता'' में अन्य बातों के अलावे 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष के अंकेक्षित वित्तीय परिणामों की स्वीकृति की सूचना देने के लिए प्रकाशित विज्ञापन की सूचना के अधिक्रम में सूचित किया जाता है किः

1. कम्पनी के लेखा विभाग ने 25 जून, 2019 को आयोजित उनकी बैठक में ऑडिट कमिटी द्वारा मांगी गई विवरण/ सूचना उपलब्ध करने के लिए कुछ और समय की मांग की है। अतएव, अन्य निदेशकों के साथ विचार-विमर्श के बाद कम्पनी के अध्यक्ष ने शुक्रवार, 19 जुलाई, 2019 तक बोर्ड की बैठक को निलम्बित/स्थगित करने का फैसला किया है। तद्नुसार, 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष के अंकेक्षित वित्तीय परिणामों तथा अन्य संबंधित व्यवसायों पर अब शुक्रवार, 19 जुलाई, 2019 को विचार किए जाएंगे।
2. पुनः बोर्ड की बैठक के उपरोक्त स्थगन को देखते हुए एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इन्सायडरों द्वारा ट्रेडिंग के विनियमन, निगरानी तथा रिपोर्ट के लिए कम्पनी की आचार संहिता के अनुसार ट्रेडिंग विण्डो बंद रहने की अवधि जो 4 अप्रैल, 2019 को शुरू हुई थी, अब 19 जुलाई, 2019 को इन परिणामों को सार्वजनिक किए जाने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी।

निवेशकगण www.unitechgroup.com, www.bseindia.com, www.nseindia.com भी देख सकते हैं।

यूनिटेक लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
गुरुग्राम रमेश चन्द्रा
12 जुलाई, 2019 अध्यक्ष

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई-400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण संख्या	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)	क्रम सं.	ऋण संख्या	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	DGL737001297	भूपिन्दर सिंह भसीन	73.17	38	07041200002721	मुकुल पाण्डेय	28
2	DGL737001298	भूपिन्दर सिंह भसीन	68.52	39	07041200002042	मोहित	26
3	DGL737001300	भूपिन्दर सिंह भसीन	69.48	40	18341200000912	शशि प्रभा मलिक	8
4	DGL755000543	अमरदीप कौर	56.5	41	18741200000736	आशीष खुराना	143
5	DGL740001368	अशीमा चक्रवर्ती	41.8	42	18341200001106	सलीम सलीम	18
6	DGL735001672	विवेक कुमार	178.7	43	19141200000718	नसीमा बेगम	50
7	DGL737001200	मनोज कुमार चौहान	321.5	44	18941200000763	तारा देवी	11
8	DGL735001426	शैलेश अभिमन्यू वाघमारे	69.4	45	17941200000611	राहुल शर्मा	31
				46	09241200001366	गीता यादव	53
9	DGL736001629	परदीप एस	42.9	47	18741200001632	दीपा आहूजा	256
10	DGL739001258	श्रीकान्त यादव	67.4	48	04641200000462	अंशु रहेजा	121
11	DGL755001260	दीपक प्रसाद	24.6	49	11941200004367	देवेन्दर	63
12	DGL755001261	दीपक प्रसाद	25.7	50	11941200004404	देवेन्दर	39
13	DGL739001256	विनीत कुमार एम शुक्ला	24	51	17941200001502	विमल वर्मा	7
14	DGL740001719	श्वेता सरीण	13	52	17941200001557	कमला देवी	85
15	DGL756001568	सुरेश चन्द्र अग्रवाल	89.7	53	19141200004428	शिव कुमार	13
16	07041200002318	संजय निशाद	93	54	18341200002998	मनीश जैन	28
17	06941200000523	अरुण कुमार तिवारी	63	55	07041200004619	मुस्तकीम अल्वी	25
18	07041200001922	जगदीश कुमार	36	56	31141200000435	गिरीश कुमार	79
19	09241200000596	मनोज यादव	82	57	31141200000426	गिरीश कुमार	43
20	07041200000499	रविन्दर सिंह	44	58	09141200000709	मुदित सिंह	105
21	07041200001458	तेज सिंह	11	59	07041200005289	जोहेन शेख	106
22	18741200000028	नंद लाल	59	60	18741200003025	एम के भारती	49
23	18441200000718	विनीत कुमार एम शुक्ला	37	61	18741200003094	एमके भारती	12
24	11941200005784	अपर्णा ढाल	36	62	17941200003582	फरीजुद्दीन	134
25	18341200002110	रिजवान सिद्दिकी	20	63	17941200003612	फरीजुद्दीन	105
26	19141200000967	रवि कान्त	27	64	17941200003629	फरीजुद्दीन	53
27	11941200003735	अनुज चौधरी	52	65	17941200003636	फरीजुद्दीन	44
28	11941200006101	अनुज चौधरी	18	66	17941200003766	मोह. नैमुद्दीन सिद्दिकी	100
29	18341200001861	दीप नारायण सिंह	136	67	17941200003247	मोह. नैमुद्दीन सिद्दिकी	51
30	18741200003131	नवनीत कौर	461	68	07041200005555	पवन नैयर	76
31	06241200000879	मनोज कुमार यादव	117	69	11941200008211	राजेश कुमार	19
32	18341200000295	गगन चौहान	192	70	18341200003018	त्रिलोकी प्रसाद कैशरी	41
33	18341200002974	सुबोध सुबोध	79	71	11941200009089	देवेन्द्र कुमार	59
34	18341200001465	सुबोध सुबोध	50	72	17941200004008	संजय शर्मा	30
35	18341200001977	शिवराज सिंह	12				
36	09241200001076	प्रेम प्रकाश	19				
37	07041200002462	मुकुल पाण्डेय	59				

नीलामी तिथिः 22 एवं 23 जुलाई, 2019
सम्पर्क व्यक्तिः श्री अनुज कुमार शर्मा टेलीफोन नं. 9711058550

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज नीलामी-सह बिक्री की सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/ गिरवीकर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेटल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण, बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./-
तिथिः 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी,
स्थानः दिल्ली डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1	DGL750002037	जितेन्द्र ककवानी	17.4	22 एवं 23 जुलाई, 2019 श्री कैलाश शर्मा टेलीफोन नं. 08949492688/ 9214089244
2	19541200005494	जितेन्द्र ककवानी	41	
3	19541200003575	सैयद शारिब हुसैन चिस्त	24	
4	19541200002967	हेमन्त सिंह चौहान	142	
5	19541200005463	सुख राम	23	
6	19541200004077	पंकज कुमार जैन	18	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी-कर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेटल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे। हस्ता./-

तिथिः 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः अजमेर डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई-400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	26741200000125	मोहित कुमार	20
2	26741200000222	विक्रान्त चौधरी	103
3	26741200001304	विक्रान्त चौधरी	99
4	26741200000480	विजय कुमार	21
5	26741200002684	जमशेद कुरेशी	17
6	26741200001861	जमशेद कुरेशी	13
7	267412000002097	अमित कुमार	18
8	26742100000073	मनोज कुमार	35
9	26741200001441	खुरशीद अहमद	25
10	26742100000842	मोह. इमरान	41
11	26741200002073	शबनम शबनम	86
12	26741200002721	दानिश	75
13	26741200002851	मोह. नजीम	78

नीलामी की तिथिः 22 एवं 23 जुलाई, 2019
सम्पर्क व्यक्तिः श्री निखिल खन्ना (7081105511/18002095363, 9719004676)
नीलामी का स्थानः डीसीबी बैंक लिमिटेड, 1/776, चावरा कॉम्प्लैक्स, अम्बाला रोड, सहारणपुर, उत्तर प्रदेश-247001

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को सेट्ल करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./-
तिथिः 12.7.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः सहारणपुर डीसीबी बैंक लिमिटेड

सोमालिया में आतंकी हमले में 26 की मौत

होटल को बनाया निशाना, कई देशों के नागरिक घायल

मोगादिशु, 13 जुलाई (एएफपी)।

दक्षिणी सोमालिया के एक होटल में आतंकवादी संगठन 'अल शबाब' के एक आत्मघाती विस्फोट और बंदूक हमले में विदेशी नागरिकों समेत कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई तथा 56 लोग घायल हो गए।

प्राधिकारियों ने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने किसमायो शहर के लोकप्रिय मदीना होटल में शुक्रवार को विस्फोटकों से भरा वाहन घुसा दिया, जिसके बाद भारी हथियारों से लैस कई बंदूकधारी गोलीबारी करते हुए होटल में घुस गए। यह घेराबंदी करीब 12 घंटे जारी रही और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद शनिवार सुबह समाप्त हुई।

अर्धस्वायत्त जुबालैंड क्षेत्र के शीर्ष नेता अहमद मोहम्मद इस्लाम ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है और 56 अन्य लोग घायल हुए

- मृतकों में केन्या के तीन, कनाडा का एक, ब्रिटेन का एक, अमेरिका के दो और तंजानिया के तीन नागरिक शामिल
- हमले में दो चीनी नागरिक भी घायल

हैं। मृतकों में केन्या के तीन, कनाडा का एक, ब्रिटेन का एक, अमेरिका के दो और तंजानिया के तीन नागरिक शामिल हैं। इस हमले में दो चीनी नागरिक भी घायल हुए हैं।'

सुरक्षा अधिकारी मोहम्मद अब्दीवेली ने कहा, 'अब हालात सुरक्षा बलों के नियंत्रण में हैं और अंतिम आतंकवादी मारा जा चुका है।' उन्होंने कहा, 'हमें लगता है कि हमले में चार बंदूकधारी शामिल थे।' उन्होंने बताया कि एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार बंदूकधारियों ने सोमालिया की पुलिस की वर्दी पहन रखी थी। अलकायदा से जुड़े आतंकवादी समूह अल शबाब ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। वह पहले भी कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दे चुका है।

सोमालिया किसमायो शहर में आत्मघाती हमले के बाद मदीना होटल के बाहर का दृश्य।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मारे गए लोगों में एक जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता, उसका पति और एक स्थानीय पत्रकार भी शामिल है।

इस संबंध में एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी अहमद फरहान ने कहा, 'स्थानीय पत्रकार मोहम्मद सहल के संबंधियों ने उनकी मौत की पुष्टि की है और मुझे पता चला है कि सामाजिक कार्यकर्ता हुदान नालेयेह तथा उनके पति की भी इस विस्फोट में मौत हो गई है।' सोमाली पत्रकार संघ एसजेएस ने पत्रकार की मौत की पुष्टि की है। कई सूत्रों के अनुसार आगामी क्षेत्रीय चुनाव के मद्देनजर होटल में कई नेता और कारोबारी ठहरे हुए थे।

ईरान के तेल टैंकर चालक दल के चार भारतीय सदस्य जमानत पर रिहा

लंदन, 13 जुलाई (भाषा)।

स्पेन के तट से ईरान के तेल सुपर टैंकर पकड़े जाने के मामले में पिछले हफ्ते गिरफ्तार चार भारतीय नगरिकों को बिना किसी मुचलके के जमानत पर रिहा कर दिया गया। रॉयल जिब्राल्टर पुलिस (आरजीपी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिब्राल्टर, स्पेन के तट पर स्थित एक ब्रिटिश क्षेत्र है। जिब्राल्टर के स्थानीय बल ने बताया कि जांच चल रही है और तेल टैंकर 'ग्रेस-1' अभी कब्जे में है।

आरजीपी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'रॉयल जिब्राल्टर पुलिस (आरजीपी) द्वारा गिरफ्तार ग्रेस- 1 के चारों चालक दल के सदस्यों को बिना किसी मुचलके के जमानत दे दी गई है।' प्रवक्ता ने कहा, 'जांच अभी भी चल रही है और ग्रेस-1 प्रतिबंध नियामक 2019 के प्रावधानों के तहत कब्जे में है।'

गौरतलब है कि पोत के मास्टर अथवा कैप्टन और एक चीफ ऑफीसर को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था और दो अफसरों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। ये गिरफ्तारियां सीरिया के खिलाफ यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के उल्लंघन के संदेह में की गई हैं। स्थानीय पुलिस ने कहा था कि चालक दल के सदस्यों को पूरी कानूनी सहायता, परिवार के साथ फोन संपर्क तथा दूतावास के अधिकारियों तक पहुंच मुहैया कराई गई है।

इस बीच, लंदन में भारतीय उच्चायोग ने पुष्टि की है कि वह संपर्क में है और वह यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है कि भारतीय नागरिकों को सभी जरूरी सहायता दी जाए।

अफगानिस्तान के होटल में बम धमाका, तीन की मौत

हेरात (अफगानिस्तान) 13 जुलाई, (एएफपी)।

पश्चिमी अफगानिस्तान के बादगिस प्रांत में स्थित एक होटल में हमलावरों का एक समूह प्रवेश कर गया, जहां गोलीबारी में सुरक्षा बल के तीन जवान मारे गए। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

यह हमला बादगिस प्रांत की राजधानी कला ए नाव में लगभग पौने एक एक बजे शुरू हुआ, जब कुछ हमलावरों का एक समूह होटल में प्रवेश कर गया। उनमें से कुछ ने आत्मघाती जैकेट पहना हुआ था।

बादगिस प्रांतीय परिषद के प्रमुख अजीज बेक ने बताया, 'हमलावर होटल में घुस आए जहां सुरक्षा बलों के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई।' बेक ने बताया, 'अब तक सुरक्षा बल के तीन जवान मारे गए हैं जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं।' उन्होंने बताया कि पास के स्कूलों से बच्चों को निकाल लिया गया है और शहर में विस्फोटों की आवाज सुनी जा सकती है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने कहा कि आत्मघाती हमलावरों का समूह होटल में घुस गया और उन लोगों ने आम लोगों पर गोली बारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इमारत को घेर लिया है। किसी भी समूह ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

नेपाल में बाढ़ से 28 मरे, 16 लापता

काठमांडो, 13 जुलाई (भाषा)।

नेपाल की कई नदियों में आई बाढ़ के कारण मरने वाले वालों की संख्या शनिवार को 28 तक पहुंच गई। 16 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यहां मानसून की भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़, भूस्खलन का खतरा पैदा हो गया है। इससे सभी मुख्य राजमार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। कई नदियों के तटबंधों को नुकसान पहुंचा है। उनके किनारे रहने वाले लोगों के सामने संकट की स्थिति बन गई है।

नेपाल पुलिस के न्यूज बुलेटिन में कहा गया है कि बारिश से आई आपदा की वजह से देश में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई है और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। 16 लोग लापता हैं। इस बीच बारिश से प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री और मदद के लिए लोग भेजे गए हैं।

ओ.बी.सी

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

(भारत सरकार का उपक्रम)

समाधान, वसूली और विधि, क्लस्टर कार्यालय फरीदाबाद, नीलम चौक, एनआईटी, फरीदाबाद-121002 (हरियाणा) फोन: 0129-2415525, ई-मेल: rrl_7622@obc.co.in

ई-नीलामी बिक्री सूचना

परिशिष्ट IV-क, (नियम 8(6) का परन्तुक देखें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस, आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटरों को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का सांकेतिक/वास्तविक कब्जा(नीचे वर्णित अनुसार), प्रतिभूत लेनदार ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक **31.07.2019** को बेचा जाएगा। बकाया राशि की वसूली, कर्जदार(रों) और गारंटर(रों), आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि का विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार, **धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 29.07.2019 को सांय 4.00 बजे तक है।**

अचल सम्पत्तियों का विवरण

क्र. सं.	कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का विवरण एवं स्वामी का नाम	आरक्षित मूल्य धरोहर राशि बोली में वृद्धि हेतु राशि	ई-नीलामी की तारीख/समय	मांग सूचना की तिथि बकाया राशि (जमानती कर्ज)	ई एम डी प्रेषण खाते का विवरण
1	मैसर्स प्लास्को इंजीनियर्स प्रोपराईटर श्री संजय मैन्दीरत्ता	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि साम्यिक बंधक ए-315 और ए-316 डबुआ नवादा रोड कॉलोनी, फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 635.00 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री संजय मैन्दीरत्ता पुत्र श्री अमर चंद मैन्दीरत्ता के नाम सब-रजिस्ट्रार फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण में – अन्य की सम्पत्ति, पूरब में – रोड, पश्चिम में – रोड	₹ 94.50 लाख ₹ 9.45 लाख ₹ 1.00 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	28-07-2017 ₹ 86,99,741.00 दिनांक 01.07.2017 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 09211181000111 A/c Name : E-Auction Plasko Engineers Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100921
2	मैसर्स कुसुम इण्डस्ट्रीज़ प्रोपरॉईटर श्रीमती कुसुम सक्सेना और गारंटर्स : श्री दीपक सक्सेना, श्री प्रमोद सक्सेना और श्री संजय सक्सेना	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति मकान नं. 1001/676, गली नं. 39, ब्लॉक-ए, फ्रेंड्स ईस्टेट एजेंसी वाली गली के विपरीत, डबुआ पाली रोड, एन आई टी, फरीदाबाद, क्षेत्रफल 142 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री दीपक सक्सेना, श्री प्रमोद सक्सेना, श्री संजय सक्सेना सभी पुत्र श्री श्याम मोहन सक्सेना के नाम पर जिला फरीदाबाद में पंजीकृत। चौहदी : उत्तर में – रोड, दक्षिण में – मकान नं. 1015/690, पूरब में – मकान न. 1002/677, पश्चिम में – मकान नं. 1000/675	₹ 23.76 लाख ₹ 2.38 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	31-08-2016 ₹ 8,72,907.00 और ₹ 24,90,777.00 दिनांक 01.07.2016 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 07651181000186 A/c Name : E-Auction Kusum Industries Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100765
3	श्री जसविन्दर सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह और श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र मनमोहन सिंह और श्रीमती परमजीत कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. 2ई/100 प्रथम तल, दक्षिणी हिस्सा, ब्लॉक ई, एन एच – 2, एनआईटी फरीदाबाद – 121001, क्षेत्रफल 116 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती परमजीत कौर और श्री जोगिन्दर सिंह के नाम पर पंजीकृत, जिला फरीदाबाद। चौहदी : उत्तर में – मकान नं. 2ई/100, दक्षिण में – मकान नं. 2ई/101, पूरब में – मकान नं. 2ई/73, पश्चिम में – रोड़	₹ 21.00 लाख ₹ 2.10 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	20-08-2016 ₹ 21,45,803.00 दिनांक 30.07.2016 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 07651181000056 A/c Name : E-Auction Jasvinder Singh Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100765
4	मैसर्स रजनी इलैक्ट्रीकल प्रोप. मंजू देवी	1. सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि साम्यिक बंधक दुकान नं. 3ए और 4 सरन स्कूल रोड जवाहर कॉलोनी एन आई टी फरीदाबाद में स्थित है, क्षेत्रफल 36 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती मंजू देवी के नाम सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – दुकान नं. 5, दक्षिण में – दुकान नं. 2, पूरब में – 22 फीट चौडी रोड पश्चिम में – दुकान नं. 8	₹ 42.00 लाख ₹ 4.20 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	20-03-2017 ₹ 68,92,731.00 और ₹ 36,78,549.00 दिनांक 01.03.2017 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 07651181000254 A/c Name : E-Auction Rajni Electricals Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100765
		2. साम्यिक बंधक मकान नं. 2614/8, सरन पब्लिक स्कूल रोड, जवाहर कॉलोनी एन आई टी फरीदाबाद में स्थित है, कवर्ड एरिया 103 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती मंजू देवी के नाम पर है, चौहदी : उत्तर में – 2614/9, दक्षिण में – 2614/7, पूरब में – दुकान (रजनी इलैक्ट्रीकल्स), पश्चिम में – गली	₹ 32.00 लाख ₹ 3.20 लाख ₹ 0.20 लाख			
5	मैसर्स पी.पी इंडस्ट्रीज इसके प्रोपराईटर श्रीमती सोनिया मेंदीरत्ता पत्नी संजय मेंदीरत्ता	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जो कि : साम्यिक बंधक फैक्ट्री भूमि एवं भवन, प्लॉट नं. 9 (जिसे अब 47/14ए कहते है) डबुआ कॉलोनी नवादा रोड फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 298 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती सोनिया मेंदीरत्ता पत्नी श्री संजय मेंदीरत्ता के नाम पर सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – 20फीट रास्ता, पूरब में – 15फीट रास्ता, दक्षिण में – प्लॉट नं.10, पश्चिम में – अन्य की सम्पत्ति	₹ 46.00 लाख ₹ 4.60 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	01-02-2018 ₹ 51,43,686.00 दिनांक 31.03.2018 से भविष्य का ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 09211181000142 A/c Name : E-Auction P. P. Industries Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100921
6	मैसर्स एस.पी. रबड़ प्रोपराईटर : श्रीमती भगवती देवी	(1) सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. डीसी-551(एफ-6) क्षेत्रफल 105 वर्ग गज, रैक्टैन्गल नं. 47, किला नं. 10/1, मौज़ा डबुआ, डबुआ कॉलोनी, एन आई टी फरीदाबाद में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती भगवंती देवी के नाम पर जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – प्लॉट नं. एफ-4, दक्षिण में – प्लॉट नं. एफ-7, पूरब में – रोड, पश्चिम में – प्लॉट नं. एफ-5	₹ 12.90 लाख ₹ 1.29 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	15-10-2016 ₹ 40,06,199.00 और ₹ 40,81,434.00 दिनांक 30.09.2016 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 07651181000049 A/c Name : E-Auction S.P. Rubber Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100765
		(2) सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. डीसी-551(एफ-7) क्षेत्रफल 155 वर्ग गज, रैक्टैन्गल नं. 47, किला नं. 10/1, मौज़ा डबुआ, डबुआ कॉलोनी, एन आई टी फरीदाबाद में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती भगवंती देवी के नाम पर जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – प्लॉट नं. 6, दक्षिण में – रास्ता, पूरब में – प्लॉट नं. 5, पश्चिम में – आगे का रास्ता	₹ 18.20 लाख ₹ 1.82 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर		
7	मैसर्स जी के बी इंडस्ट्रीज़	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति प्लॉट नं. 68-बी, गली नं. 5ई, मौज़ा गौन्छी सरूरपुर औद्योगिक क्षेत्र, सोहना रोड, बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 320 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री चंदर मोहन पुत्र श्री दिलचंद के नाम पर सब-रजिस्ट्रार फरीदाबाद जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण में – रोड, पूरब में – रोड, पश्चिम में – अन्य की सम्पत्ति	₹ 40.30 लाख ₹ 4.03 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	01-09-2017 ₹ 41,71,764.00 ₹ 34,05,799.00 दिनांक 01.09.2017 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No. 09211181000159 A/c Name : E-Auction M/s GEE KAY BEE INDUSTRIES Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce IFSC Code: ORBC0100921
		सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति मकान नं. ई-781, डबुआ कॉलोनी एन आई टी फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री चंदर मोहन पुत्र श्री दिलचंद के नाम पर सब-रजिस्ट्रार फरीदाबाद जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – प्लॉट का शेष भाग, दक्षिण में – 15फीट रास्ता, पूरब में – अन्य की सम्पत्ति, पश्चिम में – प्लॉट का शेष भाग	₹ 21.00 लाख ₹ 2.10 लाख ₹ 0.20 लाख			
8	मैसर्स खोखर इलेक्ट्रॉनिक्स	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान न. ए-1101, (पुराना प्लॉट नं. 96 और 97) डी स्टोरी, विवेक विहार के पास, डबुआ कॉलोनी एनआईटी फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती सोनिया पत्नी संजीव कुमार के नाम सब-रजिस्ट्रार फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – मकान न. 1100, पूरब में – अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण में – मकान नं. 1102, पश्चिम में – रास्ता	₹ 39.00 लाख ₹ 3.90 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	01-09-2017 ₹ 31,91,838.38 दिनांक 01.09.2017 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No. 07651181000353 A/c Name : E-Auction M/s Khokher Electronics Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce IFSC Code: ORBC0100765
9	मैसर्स जय महाकाल ट्रेडर्स,	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति : उत्तरी पश्चिमी हिस्सा सह पूर्वी हिस्सा/ सब डिविज़न हिस्सा न डी, बंगला प्लॉट नं 3-ई/26 एनआईटी फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती राम रखी पत्नी दिलवान राई शर्मा के नाम पर सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – रोड, पूरब में – बंगला नं ई-3/26 का पूर्वी हिस्सा, दक्षिण में – बंगला प्लॉट /3-26 का अन्य भाग, पश्चिम में – बंगला प्लॉट नं. 3-ई/25	₹ 86.40 लाख ₹ 8.64 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	01-10-2018 ₹ 76,52,805.50 दिनांक 01.12.2018 से भविष्य का ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No. 07651181000414 A/c Name : Jai Mahakal Traders Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce IFSC Code: ORBC0100765
10	मैसर्स शिव दुत्ती उद्योग प्रोपरोईटर: श्री मंयक सक्सेना और गारंटर : श्रीमती सुनीता देवी	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति नं. ए-849 डबुआ कॉलोनी फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 52.50 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती सुनीता देवी के नाम पर जिला फरीदाबाद में पंजीकृत। चौहदी : उत्तर में – रोड, दक्षिण में – श्री विनोद सक्सेना की सम्पत्ति, पूरब में – श्री सत्य देव की सम्पत्ति, पश्चिम में – विवेक हाई स्कूल	₹ 12.00 लाख ₹ 1.20 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	27-10-2016 ₹ 15,86,214.00 दिनांक 01.10.2016 से भविष्य का ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 07651181000124 A/c Name : E-Auction Shiv Dutty Udyog Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100765
11	श्री योगिन्दर राणा और श्रीमती संगीता	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. एम सी एफ नं. 983ए, ब्लॉक आरा मशीन वाली गली डबुआ कॉलोनी एन आई टी फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 100.00 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती संगीता पत्नी श्री योगिन्दर के नाम सब-रजिस्ट्रार फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – प्लॉट नं. 112/श्री शंकर लाल का मकान, दक्षिण में – प्लॉट नं. 110/मकान नं. 984/ए, पूरब में – अन्य की सम्पत्ति, पश्चिम में – 11फीट चौडा रास्ता	₹ 21.09 लाख ₹ 2.11 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	21-07-2017 ₹ 18,69,810.00 दिनांक 01.07.2017 से भविष्य का ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 12681181000062 A/c Name : E-Auction Yoginder Rana S/o Bohoran Singh Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0101268
12	मैसर्स तेजपाल मशीन टूल्स	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट नं 42ए, मौज़ा-ऊँचा गाँव, क्षेत्रफल 165 वर्ग गज, जिसे अब मकान नं. 1142, आर्या नगर, बल्लभगढ़, फरीदाबाद के नाम से जाना जाता है, यह सम्पत्ति श्री धीरज कुमार, श्री तेजपाल सिंह, श्री हरी चन्द और श्री चन्द सभी पुत्र श्री किरोडी मल के नाम पर उप रजिस्ट्रार बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – प्लॉट नं. 42, दक्षिण में – प्लॉट नं. 43, पूरब में – प्लॉट नं. 44, पश्चिम में – रोड	₹ 30.00 लाख ₹ 3.00 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	₹ 43,02,110.50 + ₹ 44,42,573.00 + दिनांक 01.07.2016 से ब्याज, लागत एवं अन्य प्रभार	A/c No. 06391181000014 A/c Name : E auction M/s Tejpal Machine Tools Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce IFSC Code: ORBC0100639
		सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फैक्ट्री भूमि एवं भवन प्लॉट नं 78, मौज़ा-झरसान्तली, क्षेत्रफल 242 वर्ग गज, जिसे अब एम सी एफ 1628, न्यू राजीव कॉलोनी, सैक्टर-58 के पास, बल्लभगढ़, फरीदाबाद में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स तेजपाल टूल्स के नाम पर है। चौहदी : उत्तर में – प्लॉट नं. 77, दक्षिण में – अन्य की सम्पत्ति, पूरब में – रास्ता, पश्चिम में – अन्य की सम्पत्ति	₹ 20.50 लाख ₹ 2.05 लाख ₹ 0.20 लाख			
13	मैसर्स एस आर सी इंडस्ट्रीज़	साम्यिक बंधक सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि एमसीएफ नं. 125, संजय कॉलोनी (शिव कॉलोनी) सैक्टर-22 एनआईटी फरीदाबाद में स्थित है, (रैक्ट नं. 53 किला नं. 11/1/1(0-10) किला नं. 10/2(1-17) रैक्ट नं. 54 किला नं. 15/2/1(-7) क्षेत्रफल 180 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती सैनी और श्री महेन्द्र सिंह सैनी के नाम पर सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – रोड, दक्षिण में – पुराना प्लॉट नं. 11, पूरब में – रोड, पश्चिम में – पुराना प्लॉट नं. 9	₹ 51.30 लाख ₹ 5.13 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	02-07-2018 ₹ 54,59,164.00 दिनांक 01.09.2018 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No. 09211181000160 A/c Name : E-Auction M/s SRC INDUSTRIES Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce IFSC Code: ORBC0100921
14	मैसर्स मैक्स इंटरप्राईजेज़ प्रोप. श्री बिजेन्दर सिंह	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. 1379, एम सी एफ नं. 2015, मोबाईल टॉवर के पास, डबुआ कॉलोनी, एन आई टी फरीदाबाद में स्थित है, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती सुखबीरी देवी पत्नी स्व. श्री ब्रह्म सिंह के नाम पर है। चौहदी : उत्तर में – मकान नं. 1321, दक्षिण में – 15फीट रोड, पूरब में – प्लॉट नं. 1 / मकान नं. 1378, पश्चिम में – प्लॉट नं. 4 / मकान नं. 1380	₹ 27.50 लाख ₹ 2.75 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	01-04-2017 ₹ 10,49,332.00 और ₹ 13,27,246.00 दिनांक 01.03.2017 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 07651181000230 A/C Name : E-Auction Max Enterprises Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100765
15	श्रीमती मुकेश देवी और कुलदीप सिंह	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. 1171-पी, हुडा अरबन ईस्टेट, सैक्टर-64, फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 148.50 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती मुकेश देवी पत्नी श्री कुलदीप सिंह के नाम पर सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद जिला फरीदाबाद में पंजीकृत, चौहदी : उत्तर में – मकान नं. 1172, दक्षिण में – मकान नं. 1170, पूरब में – मकान नं. 1230, पश्चिम में – रोड	₹ 49.95 लाख ₹ 5.00 लाख ₹ 0.50 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	28-11-2017 ₹ 37,47,456.35 और दिनांक 01.11.2017 से होने वाला ब्याज और अन्य प्रभार इत्यादि सहित	A/c No. 07651181000360 A/c Name : E-Auction Mukesh Devi Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce IFSC Code: ORBC0100765
16	श्री अशोक कुमार पुत्र श्री उदय भान शर्मा,	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. डी-536, हनुमान मन्दिर, डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद में स्थित है, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री अशोक कुमार पुत्र श्री उदय भान शर्मा के नाम पर उप रजिस्ट्रार फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में पंजीकृत। चौहदी : उत्तर में अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण में – रास्ता, पूरब में – के.एस. चहल का मकान, पश्चिम में – श्री ध्रुव सिंह का मकान	₹ 18.00 लाख ₹ 1.80 लाख ₹ 0.20 लाख	31-07-2019 दोपहर 12.00 बजे से अपरांह 01.00 बजे तक 5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर	23-02-2017 ₹ 12,45,846.00 दिनांक 01.02.2017 तक प्लस ब्याज और अन्य प्रभार	A/c No: 09361181000021 A/c Name : E-Auction Ashok Kumar Name of the Beneficiary: Oriental Bank of Commerce, IFSC Code: ORBC0100936

नियम व शर्तें

1. ई-नीलामी "जो है जहाँ है", "जैसी है जो कुछ भी है" एवं "दायित्व रहित आधार पर" आयोजित की जा रही है।
2. धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 29.07.2019 को सांय 4.00 बजे तक है।
3. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान एवं सूचना के अनुसार सम्पत्ति पर कोई भार नहीं है। इच्छुक बोलीदाता नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति पर किसी भी भार, टाइटल और सम्पत्ति पर किसी भी दावे/अधिकार/बकाए के संबंध में बिड जमा करने से पहले स्वयं जांच कर सकते हैं। सम्पत्ति बैंक को ज्ञात और अज्ञात सभी वर्तमान और भविष्य के ऋण-भार सहित बेची जा रही है। तृतीय पक्ष यदि सम्पत्ति पर किसी बकाए / अधिकार के संबंध में कोई दावा करता है, तो इसके लिए किसी भी तरह से प्राधिकृत अधिकारी/जमानती ऋणदाता जिम्मेदार नहीं होगा।
4. इच्छुक बोलीदाता जिन्होंने धरोहर राशि जमा किया है और लॉगइन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डाटा अपलोडिंग करने, बोली जमा करने, ई-बिडिंग प्रक्रिया पर प्रशिक्षण इत्यादि में अपेक्षित सहायता के लिए **अन्तरेस सिस्टम लि., व्यक्ति का नाम जिसे सम्पर्क किया जा सके श्री कुशल बोस, मो. 7686913157,** ईमेल **kushal.b@antaressystems.com, tousik.g@antaressystems.com, manohar.s@antaressystems.com और सम्पत्ति से सम्बन्धित पूछताछ एवं निरीक्षण के लिए प्राधिकृत अधिकारी: श्री आई.एस. बोरवाल, मो. नं. 9911676848, ई-मेल: rrl_7622@obc.co.in से कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।**

उपरोक्त बंधक सम्पत्तियों जो कि ई-नीलामी में लगी है की नीलामी असफल होने की स्थिती में नियमानुसार बैंक प्राईवेट ट्रीटी द्वारा बिक्री करने का अधिकार रखता है।

(विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु कृपया हमारी वेबसाईट : www.obcindia.co.in और www.bankeauctionwizard.com देखें)

दिनांक 13.07.2019 स्थान : फरीदाबाद

प्राधिकृत अधिकारी, ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

विश्व कप -2019

जनसत्ता

महासमर

14 जुलाई, 2019 12

दिलचस्प आंकड़े

रन	21923	सबसे ज्यादा रन	रोहित शर्मा
विकेट	656		
छक्के	353	उच्चतम स्कोर	डेविड वार्नर
अर्धशतक	112		

इंग्लैंड-न्यूजीलैंड में भिड़ंत आज

खिताबी मुकाबला

मैच समय : दोपहर तीन बजे से

लंदन, 13 जुलाई (भाषा)।

क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मुकाबले में रविवार को इस खेल के जनक इंग्लैंड और अंडरडॉग मानी जाने वाली न्यूजीलैंड की टीम आमने सामने होगी। इस मुकाबले से क्रिकेट जगत को एक नया विश्व चैंपियन मिलेगा। इंग्लैंड ने 1966 में फीफा विश्व कप तो जीता लेकिन आज तक उसकी झोली में क्रिकेट विश्व कप नहीं आया। 27 साल बाद टीम फाइनल में पहुंची है और वह खिताब जीतने की हर संभव कोशिश करेगी।

इंग्लैंड की टीम का सफर भी उतार चढ़ाव भरा रहा है लेकिन यह जीत के तेवरों वाली टीम बनकर उभरी। वह भी ऐसे समय में जब ब्रिटेन में क्रिकेट का मुफ्त प्रसारण नहीं होता है। रविवार को हालात एकदम अलग होंगे जब सभी रास्ते क्रिकेट के मैदान की तरफ मुड़ेंगे। पहली बार देश में फुटबॉल हाशिए पर होगा और क्रिकेट का चर्चा आम रहेगा। पहली बार इंग्लैंड में किसी वनडे टीम ने अपने जबर्दस्त आक्रामक खेल से क्रिकेटप्रेमियों का दिल जीत लिया है। पिछले विश्व कप में पहले चरण से बाहर होने के अपमान को उसने प्रेरणा की तरह लिया और शिखर पर जा पहुंची।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास केन विलियमसन के रूप में शानदार कप्तान है जो समय समय पर उनके लिए संकटमोचक भी साबित हुआ। सेमी फाइनल में भारत को हराने के बाद उनके हौसले बुलंद होंगे। जॉनी बेयरस्टो, जैसन रॉय, जोए रूट, जोस बटलर और बेन स्टोक्स जैसे सितारों से सजी इंग्लैंड टीम लॉर्ड्स पर प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। इंग्लैंड के 'फेमस फाइव' यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि 1979, 1987 और 1992 के बाद अब वे खिताब से नहीं चूकने पाए।

सबसे पहले 1979 में इंग्लैंड ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ फाइनल खेला। इसके बाद 1987 में ईडन गार्डन पर फाइनल में एलेन बॉर्डर की अगुवाई वाली आस्ट्रेलियाई टीम ने उन्हें हराया। उस मैच में माइक गैटिंग ने बेहद खराब रिवर्स स्वीप खेला था। आखिरी बार 1992 में इमरान खान की पाकिस्तानी टीम ने इंग्लैंड को हराया। इस बार रॉय (426 रन) और बेयरस्टो (496 रन) शानदार फॉर्म में हैं और हर गेंदबाज की धज्जियां उड़ाई हैं। ट्रेंट बोल्ट और मैट हेनरी उनके बल्लों पर किस तरह अंकुश लगाते हैं, यह देखना रोचक होगा।

जोए रूट (549) ने मध्यक्रम को स्थिरता दी है जबकि स्टोक्स टीम को संतुलन देते हैं। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर (19 विकेट), क्रिस वोक्स (13 विकेट) और लियाम प्लंकेट (आठ विकेट) शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पिछली बार विश्व कप फाइनल खेल चुके हैं।

क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मुकाबले से पूर्व शनिवार को अभ्यास सत्र में भाग लेने जाते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। रविवार को इस खेल के जनक इंग्लैंड और अंडरडॉग मानी जाने वाली न्यूजीलैंड की टीम का सामना होगा।

विश्व कप में दोनों टीमें

इंग्लैंड		न्यूजीलैंड
	मैच 9	
04	जीत	05
05	हार	04
00	टाई	00

वनडे में दोनों टीम के आंकड़े

	वनडे	न्यूजीलैंड	इंग्लैंड	टाई
कुल	90	43	41	02
इंग्लैंड में	31	12	17	0
नॉकआउट में	01	00	01	00
लॉर्ड्स में	02	02	00	00
10 वनडे में	10	03	07	00

1979 में इंग्लैंड ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ फाइनल खेला। 1987 में ईडन गार्डन पर आस्ट्रेलियाई टीम ने उन्हें हराया। आखिरी बार 1992 में इमरान खान की पाकिस्तानी टीम ने इंग्लैंड को हराया।

विश्व कप डायरी

कप्तान मोर्गन को हमेशा से मुझ पर भरोसा था : राशिद

बर्मिंघम, 13 जुलाई (भाषा)।

इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद ने कहा कि कप्तान इयोन मोर्गन को विश्व कप के लीग चरण में औसत प्रदर्शन के बावजूद उनकी क्षमता पर हमेशा से भरोसा था। सेमी फाइनल से पहले राशिद ने 54 रन देकर आठ विकेट लिए थे। मोर्गन ने हालांकि सेमी फाइनल में भी उन पर भरोसा किया और उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन विकेट चटकाए।

राशिद ने आइसीसी की वेबसाइट पर कहा कि उन्हें मुझ पर पहले दिन से भरोसा था। उन्होंने कहा कि कई मैचों में आप अच्छा नहीं खेलते हैं लेकिन क्रिकेट में यह होता है। उन्हें यकीन था कि मैं वापसी करूंगा। मैंने जितने कप्तानों के साथ खेला है, उनमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्हें मेरे खेल के बारे में सब कुछ पता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कंधे की चोट के कारण वह लगातार गुगली नहीं डाल पा रहे।

उन्होंने कहा कि मुझे कंधे में दिक्कत थी तो मैंने उतनी गुगली नहीं डाली। मुझे पता है कि वह मेरा सबसे बड़ा हथियार है। मुझे पता है कि मुझे यह गेंद डालनी ही है, भले ही कंधे में दर्द क्यों ना हो। फाइनल के बारे में उन्होंने कहा कि मैं कड़ी मेहनत करके लय कायम रखने की कोशिश करूंगा।

नीशाम की अपील, फाइनल का टिकट आधिकारिक मंच से बेचें

लंदन, 13 जुलाई (भाषा)।

न्यूजीलैंड के हरफनमौला जिम्मी नीशाम ने भारतीय प्रशंसकों से अपील की है कि वे विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मुकाबले के टिकट को आइसीसी के आधिकारिक मंच से बेचें। बड़ी संख्या में भारतीय प्रशंसकों ने विश्व कप का टिकट इस उम्मीद में खरीद लिया था कि विराट कोहली की टीम फाइनल में खेलेगी। सेमी फाइनल में हालांकि न्यूजीलैंड से हार कर टीम खिताबी मुकाबले से बाहर हो गई। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों के पास मैच देखने या फिर टिकट को बेचने का विकल्प है। रविवार को लॉर्ड्स के मैदान पर खेले जाने वाले विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमों के बीच मुकाबला होगा।

नीशाम ने भारतीय प्रशंसकों से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के प्रशंसकों का ख्याल रखने को कहा। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रिय भारतीय प्रशंसक, अगर आप फाइनल मैच को देखने के लिए स्टेडियम में नहीं आना चाहते हैं तो कृपया अपने टिकट को आधिकारिक मंच से बेच दें। मुझे पता है ज्यादा मुनाफे के साथ टिकट बेचना फायदे का सौदा है लेकिन क्रिकेट के असली प्रशंसकों को मौका दीजिए, सिर्फ अमीरों को नहीं।'

कोहली ने एबी को ईमानदार और समर्पित बताया

नई दिल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ी एबी डिविलियर्स का बचाव किया है। डिविलियर्स ने हाल ही में अपने संन्यास पर हुए विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। डिविलियर्स की आलोचना की जा रही है कि पिछले साल क्रिकेट से संन्यास से पहले वह अपनी पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते थे। कोहली ने उन्हें सबसे ईमानदार और समर्पित इंसान बताया है।

कोहली ने कहा कि मेरे भाई तुम सबसे ईमानदार और समर्पित इंसान हो। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपके साथ ऐसा हुआ। हम आपके साथ हैं और हमें आप पर भरोसा है। उन्होंने डिविलियर्स के इंस्टाग्राम पर लिखा,' लोग आपकी निजता का उल्लंघन कर रहे हैं जो दुखद है। आपको और आपके खूबसूरत परिवार को प्यार। मैं और अनुष्का हमेशा आपके साथ हैं।'

विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खराब अभियान के बीच में खबर आई थी कि डिविलियर्स ने टीम चुने जाने से एक दिन पहले संन्यास का फैसला बदलने का प्रस्ताव रखा था। इसे टीम प्रबंधन ने ठुकरा दिया था।

डिविलियर्स ने हाल ही में अपने संन्यास पर हुए विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। डिविलियर्स की आलोचना की जा रही है कि पिछले साल क्रिकेट से संन्यास से पहले वह अपनी पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते थे।

डिविलियर्स ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि उन्होंने ऐन मौके पर ऐसी कोई मांग नहीं रखी थी बल्कि उनसे निजी तौर पर पूछा गया था कि क्या वह खेलेंगे।

युवराज सिंह ने भी डिविलियर्स का समर्थन करते हुए लिखा,'मेरे प्यारे दोस्त और लीजैंड, तुम सबसे अच्छे इंसानों में से हो। दक्षिण अफ्रीका आपके बिना विश्व कप में जीत ही नहीं सकता था। टीम में आपका नहीं होना आपकी टीम का नुकसान था। खिलाड़ी जितना बड़ा, आलोचना उतनी ही ज्यादा। हम सभी को पता है कि आप कितने अच्छे इंसान हैं।'

डर था कि इंग्लैंड बड़े मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा : बॉर्डर

लंदन, 13 जुलाई (भाषा)।

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर ने कहा है कि उन्हें हमेशा से डर था कि इंग्लैंड अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बड़े मैच में करेगा। आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप सेमी फाइनल में वही हुआ। उन्होंने आइसीसी के लिए अपने कॉलम में लिखा,'मेरे दिमाग में हमेशा से डर था कि इंग्लैंड बड़े स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। उन्होंने ऐसा ही किया और आस्ट्रेलिया कुछ नहीं कर सका।'

उन्होंने कहा कि जो तारीफ का हकदार है, उसकी तारीफ की जानी चाहिए। इंग्लैंड का प्रदर्शन शानदार था और मुझे इस तरह के प्रदर्शन की आशंका थी। बॉर्डर ने स्वीकार किया कि इंग्लैंड ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी में टीम की तरह शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वे हर तरह से लाजवाब थे। पहले दस ओवर में उम्दा गेंदबाजी और फिर शानदार बल्लेबाजी। आस्ट्रेलिया दबाव में आ गया और उससे निकल ही नहीं सका। बॉर्डर ने कहा कि लेकिन इंग्लैंड शुरू ही से खिताब का प्रबल दावेदार था। उसने भी उतार चढ़ाव देखे लेकिन जरूरत के समय अच्छा खेले।

आइसीसी बैठक में जिंबाब्वे पर लग सकता है प्रतिबंध

लंदन, 13 जुलाई (भाषा)

आइसीसी की सोमवार से शुरू होने वाली सालाना बैठक में जिंबाब्वे क्रिकेट पर सुशासन के सिद्धांतों का पालन नहीं करने के लिए कड़ा जुर्माना लगाने का निर्णय लिया जा सकता है जबकि इस दौरान निजी टी-20 लीग में भाग लेने के संबंध में गैर अनुबंधित खिलाड़ियों को अनापत्ति पत्र प्रदान करने के मुद्दा भी एजंडे का हिस्सा होगा।

आइसीसी का सालाना सम्मेलन यहां मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक के साथ शुरू होगा जिसमें जिंबाब्वे की सदस्यता पर भी चर्चा होगी क्योंकि देश के क्रिकेट में सरकारी हस्तक्षेप काफी बढ़ गया है।

हाल में सरकार के खेल एवं मनोरंजन आयोग ने जिंबाब्वे क्रिकेट को संवैधानिक नियमों का उल्लघंन करने के लिए निलंबित कर दिया था।

जिंबाब्वे को टैस्ट क्रिकेट के टीयर दो में रेलीगेट कर दिया गया है, इस समय देश आयरलैंड से द्विपक्षीय सीरीज खेल रहा है। उसके अगले साल जनवरी में संक्षिप्त श्रृंखला के लिए भारत की यात्रा करने की उम्मीद है।

देखें जरा किसमें कितना है दम

स्पेन के पंपलोना में सैन फर्मिंग उत्सव के दौरान बुलरिंग में सांड से भिड़ते बुल फाइटर कायटानो।

सेरेना का सपना तोड़ हालेप बनीं चैंपियन

नडाल को हराकर फेडरर 12वीं बार फाइनल में

लंदन, 13 जुलाई (एएफपी)।

रोमानिया की सिमोना हालेप ने 56 मिनट तक चले विंबलडन महिला वर्ग के फाइनल में सात बार की चैंपियन सेरेना विलियम्स पर सीधे सेटों में सनसनीखेज जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी स्टार के 24 ग्रैंडस्लैम खिताब के रेकार्ड की बराबरी करने के सपने को तोड़ दिया। सत्ताईस साल की हालेप ने 6-2, 6-2 की आसान जीत से अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। उन्होंने 2018 रोलां गैरां ट्रॉफी अपने नाम की थी।

सैंतीस साल की सेरेना ने अपना 23वां ग्रैंडस्लैम खिताब 2017 आस्ट्रेलियाई ओपन में जीता था और वह आस्ट्रेलिया की मारग्रेट कोर्ट के सर्वकालिक मेजर खिताब की बराबरी करने की कोशिश में जुटीं थीं।

उधर ग्रासकोर्ट के बादशाह रोजर फेडरर ने चिर प्रतिद्वंद्वी रफेल नडाल को हराकर 12वीं बार विंबलडन फाइनल में प्रवेश कर लिया। यहां उनका सामना गत चैंपियन नोवाक जोकोविच से होगा। आठ बार के चैंपियन 37 बरस के फेडरर ने नडाल के खिलाफ करिअर का 40वां मुकाबला 7-6, 1-6, 6-3, 6-4 से जीत लिया। फेडरर 39 बरस के केन रोसवाल के बाद ग्रैंडस्लैम फाइनल खेलने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। रोसवाल ने 1974 विंबलडन और अमेरिकी ओपन फाइनल खेला था। पंद्रह बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविच का फेडरर के खिलाफ करिअर रेकॉर्ड 25-22 का है। फेडरर ने कहा कि नोवाक पिछले विजेता हैं और उन्होंने इस सप्ताह भी शानदार प्रदर्शन किया है। उनके खेल में काफी दम है।

विंबलडन

महिला फुटबॉल टीम ने रैंकिंग में छह पायदान की छलांग लगाई

नई दिल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने पिछले कुछ महीनों में शानदार प्रदर्शन के बूते ताजा जारी फीफा रैंकिंग में छह पायदान की छलांग लगाई है। इससे वह 57वें स्थान पर पहुंच गई। एशियाई देशों में भारतीय महिला टीम 11वें स्थान पर काबिज है। टीम के 1422 अंक हैं जबकि 29 मार्च को पिछली जारी रैंकिंग सूची में उसके 1392 अंक थे।

जनवरी के बाद से टीम ने 18 मैच खेले हैं जिसमें से उसने 12 जीते, एक ड्रॉ खेला जबकि पांच में उसे हार का मुंह देखना पड़ा। टीम विदेशी अभ्यास दौरों पर हांगकांग, इंडोनेशिया और तुर्की गई। उसने सैफ चैंपियनशिप, एएफसी ओलंपिक क्वालीफायर का दूसरा राउंड खेला। इसके अलावा उसने भुवनेश्वर में शुरुआती हीरो गोल्ड कप अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी भाग लिया। टीम इस महीने के अंत में स्पेन में कोटिफ कप में खेलेगी।

कोचिंग शिविर के लिए 33 खिलाड़ियों का एलान

नई दिल्ली, 13 जुलाई (भाषा)।

महिला हॉकी टीम

हॉकी इंडिया ने बंगलुरु के साई केंद्र में लगने वाले भारतीय महिला टीम के कोचिंग शिविर के लिए शनिवार को 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम का एलान कर दिया। खिलाड़ियों को चार सप्ताह के शिविर के लिए कोच शोर्ड मारिन को रिपोर्ट करने को कहा गया है। शिविर 11 अगस्त तक चलेगा।

इसके बाद टीम तोक्यो ओलंपिक 2020 का टैस्ट टूर्नामेंट खेलने जापान जाएगी जिसमें भारत और जापान के अलावा आस्ट्रेलिया और चीन भी भाग लेंगे। कोच मारिन ने कहा कि हम एफआइएच महिला सीरीज फाइनल हिरोशिमा 2019 में अपने प्रदर्शन की समीक्षा इस शिविर में करेंगे। इसके अलावा यह पता किया जाएगा कि कहां सुधार की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आप जीतते हैं तो सब कुछ अच्छा लगता है लेकिन प्रदर्शन की लगातार समीक्षा करते रहना जरूरी है। हमें कुछ पहलुओं पर मेहनत करने की जरूरत है। कोच ने कहा कि हमारा लक्ष्य आस्ट्रेलिया, चीन और जापान जैसी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना है। मैं देखना चाहता हूं कि हम आस्ट्रेलिया के खिलाफ कैसे खेलते हैं। इसके लिए फिटनेस का स्तर भी बेहतरीन बनाए रखना जरूरी है।

संभावित खिलाड़ी : गोलकीपर : सविता, रजनी ई, बिच्चू देवी के, डिफेंडर : दीप ग्रेस इक्का ,रीना खोखार, सुमन देवी, सुनीता लाकड़ा, सलीमा टेटे, मनप्रीत कौर, गुरजीत कौर, रश्मिता मिंज, महिमा चौधरी और निशा, मिडफील्डर : निक्की प्रधान,मोनिका, नेहा गोयल, लिलिमा मिंज, सुशीला चानू, चेतना, रीत, अनुजा सिंह, करिश्मा यादव और सोनिका। फॉरवर्ड : रानी, लालरेम्सियामी, वंदना कटारिया, नवजोत कौर, नवनीत कौर, राजविंदर कौर, ज्योति, शर्मिला देवी, अमनदीप कौर और प्रियंका वानखेड़े।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 238, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।

दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

नई दिल्ली

जनसत्ता रविवारी

• 14 जुलाई, 2019 •

दाखिले का दंगल

इन दिनों देश भर के विश्वविद्यालयों में दाखिले की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि कुछ पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता परीक्षा ली गई है, पर ज्यादातर विश्वविद्यालयों में अंकों के प्रतिशत के आधार पर दाखिले हो रहे हैं। इस साल केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में बहुत सारे विद्यार्थियों ने नब्बे फीसद से ऊपर अंक अर्जित किए हैं। ऐसे में दिल्ली विश्वविद्यालय ने दाखिले के लिए अंक प्रतिशत भी ऊंचे रखे हैं, जिसके चलते ज्यादातर बच्चे दाखिले से वंचित रह जाएंगे। दूसरे शिक्षा बोर्डों से पढ़े विद्यार्थियों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें निजी विश्वविद्यालयों या फिर दूरस्थ शिक्षा का रुख करना पड़ेगा। उच्च शिक्षा में दाखिले को लेकर भागदौड़ का विश्लेषण कर रहे हैं सुशील राघव।

देश में इस समय लगभग सभी विश्वविद्यालयों और विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले की प्रक्रिया चल रही है। विश्वविद्यालयों की ओर से जारी की जा रही ऊंची कटऑफ और प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों ने दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को तनाव में डाल रखा है। हर विद्यार्थी और उसके अभिभावक सिर्फ एक सीट की चाहत रखते हैं। लेकिन 851 विश्वविद्यालयों (47 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 383 राज्य के सरकारी विश्वविद्यालय, 295 राज्य के निजी विश्वविद्यालय, 123 डीम्ड विश्वविद्यालय और राज्य कानून से बने तीन संस्थान) और इकतालीस हजार से अधिक महाविद्यालयों के बावजूद पढ़ने की चाह रखने वाले देश के हर युवा को वह एक 'सीट' नहीं मिल पाती है। अपने बच्चे को सीट दिलाने के लिए अभिभावक हर तरह की कोशिश करते हैं। कई बार वे अपने राज्य को छोड़ कर दूसरे राज्य तक में जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। इतना ही नहीं, कई बार ऐसा भी देखा गया है कि अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए नौकरी बदल कर सपरिवार पलायन तक कर जाते हैं। हर साल बारहवीं पास होने वाले एक-तिहाई से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दाखिला नहीं मिल पाता है। आधे जो दाखिला पाते भी हैं, तो उनमें से बड़ी संख्या दूरस्थ या मुक्त शिक्षा प्रणाली में चले जाते हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों का एक बड़ा हिस्सा निजी विश्वविद्यालयों का रुख कर लेता है।

परेशानी की वजहें

मांग और आपूर्ति में अंतर

भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मांग और पूर्ति में बड़ा अंतर है। यानी जितने बच्चे हर साल बारहवीं पास करते हैं, उसके मुकाबले स्नातक स्तर की सीटें बहुत कम हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2018 में उच्च शिक्षा में 3.66 करोड़ से अधिक विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इनमें से 2.90 करोड़ विद्यार्थी स्नातक स्तर पर पढ़ रहे हैं। वहीं, 2018 में 1.54 करोड़ विद्यार्थी बारहवीं में पंजीकृत थे। ऐसे में साफ है कि स्नातक स्तर पर नब्बे लाख से कुछ अधिक सीटें हैं, जबकि इच्छुक विद्यार्थियों की संख्या डेढ़ करोड़ के आसपास है। मांग और पूर्ति में इस बड़े अंतर की वजह से काफी विद्यार्थियों को दाखिला नहीं मिल पाता है और वे उच्च शिक्षा से हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं।

बोर्ड की मूल्यांकन पद्धति अलग-अलग

भारत में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआइएससीई) और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) सहित उनतीस बोर्ड कार्यरत हैं। सभी परीक्षा बोर्ड अलग-अलग मूल्यांकन पद्धति का उपयोग करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे बोर्ड हैं जो अपने विद्यार्थियों को बढ़ा-चढ़ा कर अंक देते हैं और कुछ वास्तविक अंक प्रदान करते हैं। सीबीएसई और सीआइएससीई पर हमेशा से आरोप लगता रहा है कि वह अपने विद्यार्थियों को बढ़ा-चढ़ा कर अंक देता है। इस बार सीबीएसई की बारहवीं कक्षा में अव्वल आने वाली दोनों छात्राओं हंसिका शुक्ला और करिश्मा आरोड़ा के 500 में से 499 अंक आए। इसी तरह सीआइएससीई की बारहवीं कक्षा में शीर्ष पर रहने वाले देवांग कुमार अग्रवाल और विभा स्वामिनाथन ने 400 में से 400 अंक हासिल कर इतिहास रचा। वहीं, बिहार बोर्ड की बारहवीं कक्षा में अव्वल आने वाली रोहिणी प्रकाश और पवन कुमार के 500 में से 473 अंक आए।

अलग-अलग मूल्यांकन पद्धति की वजह से कुछ बोर्डों के बच्चे हमेशा पीछे रह जाते हैं, जबकि अन्य कुछ बोर्डों के विद्यार्थी स्नातक स्तर पर दाखिला लेने में सफल हो जाते हैं। सभी को एक समान मौका देने के उद्देश्य से पूरे देश में एक तरह की मूल्यांकन पद्धति को लागू किया जाना चाहिए। नहीं तो कुछ बोर्डों के विद्यार्थियों के साथ हमेशा अन्याय होता रहेगा और कुछ बोर्डों के विद्यार्थी लगातार आगे बढ़ते रहेंगे।

पाठ्यक्रम में अंतर

देश के परीक्षा बोर्डों के बीच सिर्फ मूल्यांकन पद्धति का अंतर नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को पढ़ाए जाने वाले पाठ्यचर्या में भी भारी अंतर है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वालीं प्रवेश परीक्षाएं सीबीएसई के पाठ्यक्रम पर आधारित होती हैं। फिर चाहे वह इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन हो या मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) हो। यही वजह है कि सीबीएसई के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अधिक बच्चे इन परीक्षाओं में सफल होते हैं, जबकि अन्य राज्य बोर्डों के बच्चे ज्यादातर पीछे ही रह जाते हैं। इस समस्या के निदान के लिए जरूरी है कि देश के सभी बोर्ड एक जैसा पाठ्यक्रम रखें। कम से कम कक्षा दस और उसके बाद तो ऐसा कर ही सकते हैं। इससे सभी राज्यों के विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा और वे भी इंजीनियरिंग, मेडिकल, वास्तुकला, विधि सहित विभिन्न पेशेवर संस्थानों में दाखिला लेने में सक्षम हो सकेंगे।

प्रवेश परीक्षाओं का खराब स्तर

हमारे देश में प्रवेश परीक्षाओं का स्तर अभी उतना सही नहीं है। राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) के आने के बाद स्थिति में कुछ सुधार की उम्मीद जगी है, लेकिन अभी इसमें समय लगेगा। प्रवेश परीक्षाओं के दौरान कई तरह की समस्याओं का विद्यार्थियों को सामना करना होता है। इनमें सबसे अधिक परेशानी कंप्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाओं में आ रही है। एक सवाल के एक से अधिक सही उत्तर होना, सवालों का पाठ्यक्रम के बाहर से आना, प्रश्नों का गलत होना, परीक्षा में कंप्यूटर का सही काम नहीं करना आदि समस्याओं से विद्यार्थियों को दो-चार होना पड़ता है। नीट-2019 को लेकर भी विद्यार्थियों ने ऐसे ही आरोप लगाए हैं। इनमें से कुछ विद्यार्थी अदालत की शरण में भी पहुंचे थे।

प्रवेश परीक्षाओं के खराब स्तर की वजह से सही उम्मीदवार दाखिले के दरवाजे तक पहुंच ही नहीं पाता है। हालांकि एनटीए ने प्रवेश परीक्षाओं में धीरे-धीरे कुछ सुधार करने की कोशिश शुरू की है। इसमें अभी कुछ साल लग सकते हैं।

नहीं मिलता पसंद का पाठ्यक्रम

शिक्षा ग्रहण करने के दौरान विद्यार्थियों की रुचि किस विषय या गतिविधि में है, इसका बहुत महत्त्व होता है। भारत में विद्यालय स्तर पर कुछ हद तक इस पर ध्यान भी दिया जाता है। लेकिन विश्वविद्यालय स्तर पर हमारे देश में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जहां रुचि के आधार पर पढ़ाई को आगे बढ़ाने की सहूलियत विद्यार्थियों को मिलती हो। ऐसे में कला या साहित्य विषयों में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को कॉमर्स और नाटक पसंद करने वाले विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग में प्रवेश लेना पड़ता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले अधिकतर विद्यार्थी असमंजस में रहते हैं। उन्हें समझ ही नहीं आता है कि वे कॉलेज को प्राथमिकता दें या फिर पाठ्यक्रम को। देखा गया है कि इस असमंजस में विद्यार्थी कॉलेज को प्राथमिकता देते हैं, जिससे उन्हें रुचि का पाठ्यक्रम नहीं मिल पाता है। दाखिला मिलने के कुछ समय बाद उन्हें अहसास होता है कि उन्होंने गलत फैसला ले लिया। हालांकि तब तक काफी देर हो जाती है। ■

दिल्ली विश्वविद्यालय

निन्यानबे फीसद बाहर

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध हिंदू कॉलेज ने बीए ऑनर्स राजनीति विज्ञान की पहली कटऑफ निन्यानबे फीसद जारी की। यह विश्वविद्यालय में इस साल की सबसे ऊंची कटऑफ रही। निन्यानबे फीसद कटऑफ पर भी हिंदू कॉलेज में निर्धारित सीटों की संख्या से ज्यादा दाखिले हो गए। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ हिंदू कॉलेज या केवल एक पाठ्यक्रम में हुआ। डीयू के अधिकतर कॉलेजों के कई पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीटों से ज्यादा दाखिले हो गए। सीटों की संख्या से अधिक दाखिले होने के बाद भी आवेदन करने वाले सिर्फ पच्चीस फीसद विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला मिल पाएगा। इनमें दिल्ली के सरकारी स्कूलों से पास होने वाले विद्यार्थियों की संख्या नगण्य ही रहेगी। डीयू में स्नातक पाठ्यक्रमों की बासठ हजार पांच सौ सीटें हैं, जिनके लिए विश्वविद्यालय को करीब दो लाख साठ हजार आवेदन प्राप्त हुए थे।

अधिक कटऑफ होने की वजह से आवेदन करने वाले पचहत्तर फीसद विद्यार्थियों को डीयू के नियमित कॉलेजों में दाखिला नहीं मिल पाएगा। ऐसा नहीं है कि जिन विद्यार्थियों को दाखिला नहीं मिला, उनके बाहरवीं में बहुत कम अंक थे। इनमें अस्सी फीसद या कई इससे भी अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थी शामिल रहे, लेकिन ऊंची कटऑफ में नंबर नहीं आने की वजह से इन्हें किसी भी कॉलेज के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिला। ऐसे में दाखिला प्रक्रिया के दौरान मारामारी होना स्वभाविक है।

ऐसा नहीं है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में ही विद्यार्थियों को दाखिलों को लेकर परेशानी हो रही है। मुंबई विश्वविद्यालय से लेकर राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों और पेशेवर पाठ्यक्रमों को चलाने वाले संस्थानों तक में विद्यार्थियों को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली ने पिछले साल के मुकाबले इस बार अपनी कटऑफ को साढ़े दस फीसद तक बढ़ाया है। विश्वविद्यालय ने सबसे ऊंची कटऑफ बीए ऑनर्स मनोविज्ञान की 97.75 फीसद जारी की है। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की कटऑफ भी काफी ऊंची हैं। ■

तकनीक के जरिए पढ़ाने पर जोर

सभी युवाओं को सीट दे पाने में विफल केंद्र सरकार तकनीक के इस्तेमाल से लोगों को पढ़ाने पर जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय की ओर से 'स्वयं' प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यार्थियों को इंटरनेट माध्यम से घर बैठे ही पढ़ाने की व्यवस्था की जा रही है। यह प्लेटफॉर्म 'मूक्स' यानी मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस पर आधारित है। इस प्लेटफॉर्म पर अब तक 2750 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हो चुके हैं जबकि एक करोड़ से अधिक विद्यार्थी यहां पढ़ाई कर रहे हैं। विद्यार्थियों को इंटरनेट के अलावा टीवी के माध्यम से भी पढ़ाया जा रहा है। 'स्वयं प्रभा' नाम के बत्तीस डीटीएच चैनल अलग-अलग विषयों की पढ़ाई चौबीस घंटे कराते हैं। विद्यार्थी अपनी सुविधा और समय के अनुसार इंटरनेट या टीवी के माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं। 'स्वयं' प्लेटफॉर्म पर चल रहे पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं ऑनलाइन ही आयोजित होती हैं। इसके माध्यम से कक्षा नौ से लेकर स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, यूजीसी की ओर से भी विश्वविद्यालयों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम चलाने की इजाजत दी जा रही है। जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालय ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू कर देंगे। इससे दूरदराज इलाके में बैठा कोई विद्यार्थी दिल्ली के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर सकेगा और उसे दिल्ली आने की आवश्यकता भी नहीं रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की जनसंख्या को देखते हुए सैकड़ों की संख्या में नए विश्वविद्यालय और महाविद्यालय चाहिए। लेकिन अगर हम तकनीक का इस्तेमाल करें तो एक समय में बहुत सारे विद्यार्थियों को एक साथ पढ़ाया जा सकेगा। वर्तमान युग सूचना क्रांति का है और इसका उपयोग हमें शिक्षा के प्रसार में भी करना चाहिए। ■

छात्रावास की समस्या

जैसे-तैसे विद्यार्थी का दाखिला हो भी जाए तो उसे छात्रावास नहीं मिलता है। देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में छात्रावासों की कमी है। ऐसे में कुछ विद्यार्थियों को ही विश्वविद्यालय या महाविद्यालय की ओर से छात्रावास उपलब्ध कराया जाता है। बाकी बचे विद्यार्थियों को आवास ढूंढ़ने के लंबे संघर्ष के लिए तैयार रहना पड़ता है। महानगरों में पहले तो घरों के किराए आसमान को छू रहे हैं। दूसरा, बाहर के विद्यार्थियों को कोई जल्दी से अपना घर किराए पर नहीं देता है। ऐसे में उन्हें पीजी की ओर रुख करना पड़ता है जो मुंहमांगा किराया लेता है। गरीब परिवार के विद्यार्थियों के लिए दाखिले के बाद एक अदद छत का इंतजाम करना बहुत भारी पड़ता है। कई बार दाखिला होने के बाद भी विद्यार्थी रहने और खाने के खर्च को देखते हुए दाखिला रद्द करा देता है। यह छोटी समस्या नहीं है। इसके लिए लगभग सभी शहरों में विद्यार्थी लगातार संघर्षरत रहते हैं। हालांकि अभी तक उन्हें इसमें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। ■

निजी बनाम सरकारी विश्वविद्यालय

दाखिलों की बात हो और निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों की बात न हो, ऐसा कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय किसी भी रैंकिंग की बात करें तो निजी विश्वविद्यालयों से सरकारी विश्वविद्यालय काफी आगे हैं। इसीलिए सरकारी विश्वविद्यालयों में दाखिलों की मारामारी रहती है। ऐसे संपन्न लोग जिनके बच्चे किसी कारण से सरकारी विश्वविद्यालयों में दाखिला नहीं ले पाते हैं, वे अपने बच्चों को इन निजी और आलीशान विश्वविद्यालयों में दाखिला दिला देते हैं। सरकारी विश्वविद्यालयों में जहां शुल्क कुछ हजारों में होता है, वहीं निजी विश्वविद्यालयों में शुल्क कुछ लाख से शुरू होकर बीस-पच्चीस लाख रुपए तक भी पहुंच जाता है। साल 2017 में कुल 1147 महाविद्यालय शुरू हुए, जिनमें से बयासी फीसद यानी 941 महाविद्यालय निजी थे, जबकि सिर्फ अठारह फीसद यानी 206 महाविद्यालय सरकारी थे। ■

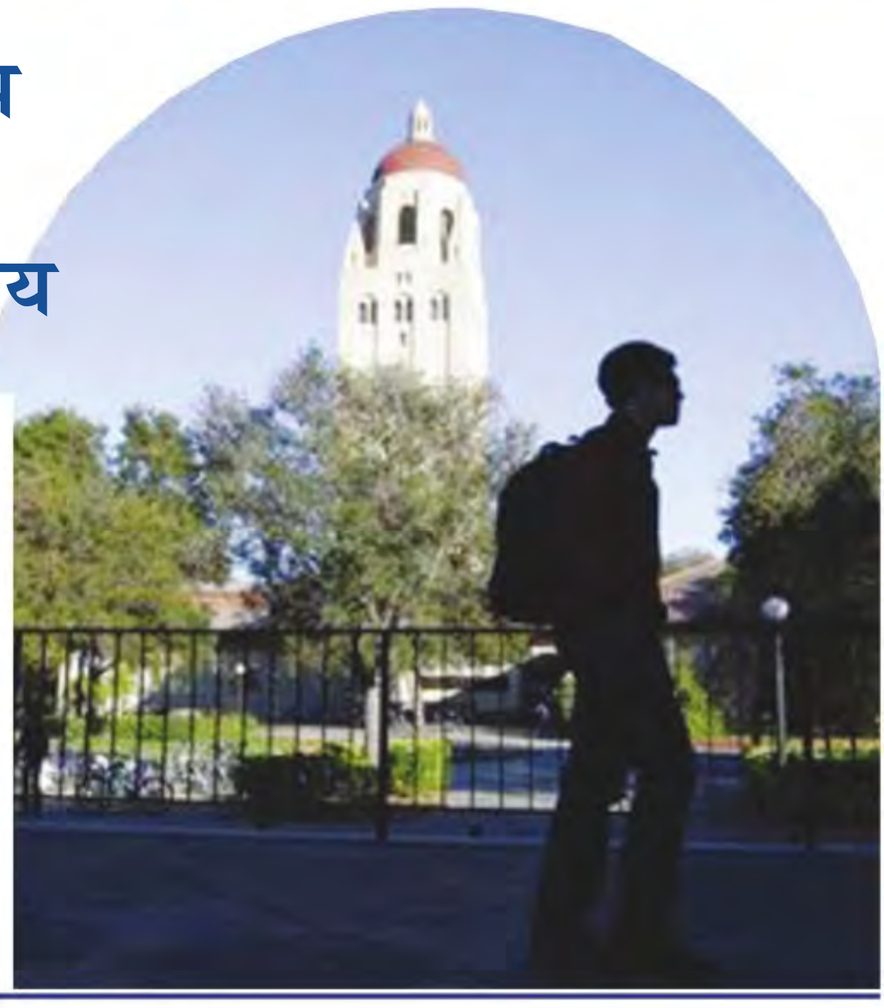

कशमकश

कहानी

जहीर कुरेशी

चित्र: नरेंद्रपाल सिंह

सरंडी निवासी उमा बाई ध्रुवे के इकलौते बेटे मुरमू की नक्सलियों ने इसलिए हत्या कर दी थी, क्योंकि उन्हें उस पर मुखबिरी का शक था। जब नक्सली कमांडर पलाश सोनसाय को पक्का विश्वास हो गया कि मुरमू की मुखबिरी के कारण ही गट्टाकाल कांड हुआ है, तो पलाश के नक्सली गिरोह ने तय किया कि मुरमू को उसके कर्मों की सजा सरंडी हाट में अदालत लगा कर दी जाए।

उस समय तक मुरमू की पत्नी कुंती और मां उमा बाई को पता भी नहीं था कि मुरमू पुलिस के लिए मुखबिरी करता है। वे दोनों केवल इतना जानती थीं कि मुरमू किसी निजी कंपनी में गाइड है और जंगल के चप्पे-चप्पे तक लोगों को ले जाता है। उसके एवज हर महीने कंपनी उसे पांच-पांच सौ के चालीस नोट देती है। पैसों वाली बात भी केवल कुंती जानती थी। उमा बाई जब भी बीमार पति की दवाइयों के लिए बेटे से पैसे मांगती थी, थोड़ी हील-हुज्जत के बाद उसे मिल जाते थे।

उस दिन, सरंडी गांव की साप्ताहिक हाट थी। मुनादी पिटने लगी कि दोपहर ठीक चार बजे पलाश समूह की नक्सल अदालत लगेगी, जिसमें नक्सलियों की मुखबिरी करने वालों को सबके सामने कठोर सजा दी जाएगी। मुनादी पिटने तक भी कुंती और उमा बाई को कल्पना नहीं थी कि आज उनके परिवार पर बिजली गिरने वाली है।

लगभग पांच बजे हलालु दौड़ता हुआ आया और उसने भौजी कुंती को नक्सली समूह द्वारा मुरमू को फांसी पर टांग कर पुलिस मुखबिरी की सजा देने की बुरी खबर सुनाई। कुंती और उमा बाई को हलालु की बात पर विश्वास नहीं हुआ। दोनों दौड़ती हुईं हाट में खड़े नीम के उस वृक्ष तक पहुंचीं- सबके सामने जिस पर टांग कर नक्सलियों ने आधा घंटे पहले मुरमू को फांसी की सजा दी थी। सजा देने के बाद नक्सली अथाह जंगल में गायब हो गए।

हाट में ही रोती-बिलखती उमा बाई और अन्य दो बुजुर्ग औरतों ने कुंती की चूड़ियां तोड़ कर परोक्ष रूप से उसे विधवा घोषित कर दिया। कुंती समझ नहीं पा रही थी कि नक्सलियों द्वारा मनमाना फैसला लेकर एक क्षण में कैसे उसका संसार नष्ट कर दिया गया। यह कैसी अदालत थी, जिसमें न कोई बहस, न वकील! केवल संदेह के आधार पर मुरमू जैसे गबरू जवान की सार्वजनिक हत्या कर दी गई थी।

नक्सलियों द्वारा दंड दिए जाने के कारण, हलालु और उसके दो-तीन दोस्तों के अलावा सरंडी गांव में किसी ने ध्रुवे परिवार का साथ नहीं दिया। बीमार पिता स्वयं उमा बाई के भरोसे था। पूरा परिवार ही मुरमू की कमाई पर पल रहा था। नक्सल समूह के भय के बीच कुंती और उमा बाई को समझ नहीं आ रहा था कि अब आगे का जीवन कैसे चलेगा?

छत्तीसगढ़ के समाचार पत्रों में खबर छपने के बाद, सबसे पहले मुख्य विपक्षी दल के तीन-चार नेता सरंडी आए, जो ध्रुवे परिवार को शब्दों द्वारा सहानुभूति और आश्वासन के अलावा नकद पांच हजार रुपए भी देकर गए। उसके एक दिन बाद पुलिस के आला अफसरों के साथ सत्ता पक्ष के एक मंत्री मरकाम और उनके समर्थकों ने कुंती और उमा बाई से आकर भेंट की। सहायता के रूप में, मंत्री ने कुंती को एक लाख रुपए का चैक सौंपा। उमा बाई के यह कहने पर कि नक्सलियों द्वारा हमारी जान को खतरा है, मंत्री ने तुरंत आदेश दिया कि ध्रुवे परिवार को कोयलीबेड़ा गांव में बसाया जाए। कुंती के यह बताने पर कि वह बारहवीं बोर्ड की परीक्षा पास है, मंत्री ने मौखिक रूप से अधीनस्थों को उसकी अनुकंपा नियुक्ति के आदेश भी दिए।

आनन-फानन ध्रुवे परिवार सरंडी छोड़ कर कोयलीबेड़ा गांव जा बसा। जहां उसे शासन ने सरकारी जमीन पर झोंपड़ी बनाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। कोयलीबेड़ा की उसी सरकारी जमीन पर ध्रुवे परिवार की तरह आठ-दस झोंपडियां और बनी थीं- जिनके परिवार के किसी न किसी सदस्य की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उन दस झोंपड़ियों की सुरक्षा के लिए यों तो तीन आरक्षकों को तैनात किया गया था, लेकिन, बारी-बारी से आता कोई एक आरक्षक ही था, जो प्रायः थोड़े-बहुत प्रश्न, थोड़ी-बहुत जानकारियां जुटा कर एक-दो दिन के लिए गायब हो जाता था।

आजीविका चलाने के लिए कुंती ही थोड़े हाथ-पैर मारती थी। लेकिन, रस के लोभी भंवरे आजीविका के नाम पर उसका दूसरी तरह से उपयोग करना चाहते थे। यह बात उमा बाई भी जानती थी। अपनी कड़क छवि के कारण, अभी तक कुंती अपनी इज्जत बचाए हुई थी। लेकिन, उसे दैनिक मजदूरी का काम कभी-कभार ही मिल पाता था।

उधर रायपुर जाकर, कुंती ने अपनी हायर सेकंडरी की अंक सूची लगाते हुए पुलिस विभाग में आरक्षक के पद की अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन कर दिया। वहां भी उसे जल्द ही नियुक्ति का आश्वासन मिला। लेकिन, जमीन पर कुछ भी नहीं उतरा। दिन गुजरते रहे और इस प्रकार दो वर्ष बीत गए।

कोयलीबेड़ा में एक दिन अपनी सहेली की झोंपड़ी में कुंती ने दैनिक अखबार में छत्तीसगढ़ के ग्यारह नक्सलियों के समर्पण की खबर पढ़ी। खबर के ग्यारह नक्सलियों में एक नाम कमांडर पलाश सोनसाय का भी था, जिसने ढाई वर्ष पहले उसका सुहाग उससे छीन लिया था। उस रात झोंपड़ी में कुंती सास के सामने मुरमू को याद करके खूब रोई। पहली बार बहू के खुल कर रोने पर बीमार ससुर और उमा बाई की भी आंखें भीग गईं।

इधर अनुकंपा नियुक्ति की प्रतीक्षा में कुंती ध्रुवे के सब्र का बांध टूट रहा था। लगभग एक महीने बाद, उसने सहेली के घर आए दैनिक अखबार में ही पढ़ा- छत्तीसगढ़ शासन ने समर्पण करने वाले चार नक्सलियों को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरियां दीं। पलाश सोनसाय को सब इंस्पेक्टर पुलिस, कांकेर बनाया गया। समाचार पढ़ कर, कुंती के सीने पर सांप लोट गया।

अगले दिन, उसने अपनी सास उमा बाई सहित रायपुर जाने का निश्चय किया। रायपुर पहुंच कर सास-बहू ने सीधे मंत्रालय में डेरा डाला- जहां कुंती ने मंत्री मरकाम से मिलना तय किया। लिखत-पढ़त की सारी कार्यवाही करने के बाद, आगंतुक कक्ष में कुंती और उमा बुलावे की प्रतीक्षा करने लगीं। बड़ी मुश्किल से कुंती और उमा को दस मिनट मंत्री के सामने अपनी बात रखने का अवसर मिला। चैंबर में घुसते ही मंत्री को तीन वर्ष पहले सरंडी ग्राम में हुए हत्याकांड और ध्रुवे परिवार को मरकाम द्वारा दिए गए आश्वासनों की याद दिलाई गई। कुंती बोली, 'सर, छत्तीसगढ़ पुलिस के मुखबिर के रूप में जिस नक्सल समूह द्वारा मेरे पति की हत्या की गई, उसको छत्तीसगढ़ शासन इनाम-इकराम बांट रहा है!' तल्ख लहजे में मरकाम ने पूछा, 'क्या मतलब?' आग सीने में दबाए कुंती बोली, 'दो महीने पहले मेरे पति के हत्यारे नक्सली पलाश सोनसाय ने आपकी सरकार के सामने समर्पण किया और उसे आप लोगों ने सब इंस्पेक्टर पुलिस बना दिया! मेरे पति की जान क्या इतनी सस्ती थी? ढाई-तीन वर्ष बाद भी उसकी विधवा को अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिली। क्या यही है आपकी सरकार का इंसाफ!'

चुनाव सिर पर आते देख मुकुंद मरकाम तल्ख नहीं हुआ। उसने पूछा, 'रिमाइंडर लाई हो?' कुंती ने चुपचाप आवेदनन दे दिया। मरकाम बोला, 'एक महीने के अंदर तुम्हारे अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण पर फैसला हो जाएगा। अब तुम्हें रायपुर आना नहीं पड़ेगा। तुम्हारा नियुक्ति पत्र तुम्हारे घर कोयलीबेड़ा पहुंच जाएगा।'

मंत्री की ओर से पूरी तरह आश्वस्त होकर सास-बहू मरकाम के चैंबर से बाहर निकल आए। उस समय शाम के साढ़े पांच बजे थे। बहू द्वारा कोयलीबेड़ा लौटने के प्रश्न पर उमा बाई ने कहा, 'मोहल्ला रावतपारा में मेरी बहिन की बेटी रहती है। चल कर देख लेते हैं। अगर मिल गई तो कल लौटेंगे, वरना रात में ही चलना पड़ेगा।'

संयोग की बात, जब कुंती और उमा बाई सरस्वती के घर पहुंचे, तो वह ऑफिस से लौटी ही थी। बरसों बाद, अपने द्वारे मौसी और उसकी बहू को देख कर प्रसन्न हो गई। सरस्वती, उसके बेटे और बेटी ने जिस श्रद्धा-भाव से दोनों का स्वागत किया, एक प्रकार से उनका रायपुर रात रुकना तय हो गया। उमा बाई ने सरस्वती के पति के विषय में पूछा तो पता चला- आज ही भोपाल गए हैं।

रात के भोजन के बाद, सोने से पहले बातों के पुलिंदे खुले। कुंती ने बताया कि वह मंत्री मरकाम से मिलने क्यों आई थी। सोने से पहले, सरस्वती ने कुंती को सलाह दी, 'लौटने से पहले, कल आप लोग नेता विपक्ष भूदेव सिंह से और मिल लो। उनके दल का ऑफिस मेरे ऑफिस के सामने ही है। आप लोग मेरे साथ चलना। भूदेव समय के पाबंद हैं- ठीक ग्यारह बजे आ जाते हैं। एक बजे तक लोगों से मिलते हैं। जनता की समस्याएं सुनते हैं, सुलझाते हैं। अगर भूदेव ने फोन कर दिया, तो आपका अनुकंपा नियुक्ति वाला काम तुरंत हो जाएगा।'

अपना सामान लेकर कुंती और उमा दस बजे सरस्वती के साथ ही घर से बाहर निकले। सरस्वती अपने ऑफिस चली गई, ये लोग भूदेव सिंह के प्रादेशिक कार्यलय में प्रवेश कर गए।

लगभग साढ़े ग्यारह बजे कुंती का नाम पुकारा गया। कुंती ने प्रभावशाली तरीके से संपेक्ष में भूदेव जी को अपनी करुण गाथा सुनाई। भूदेव ने कुंती से आवेदन मांगा तो उसने तुरंत दे दी। भूदेव ने कहा, 'मैं नियुक्ति के विषय में बोल दूंगा।'

कुंती और उमा बाई उठने लगीं तो भूदेव बोले, 'आप हायर सेकेंड्री पास हैं न?' कुंती ने कहा, 'जी हां।' भूदेव बोले, 'विधानसभा चुनाव आने वाले हैं, मेरे पास एक समन्वयक का पद खाली है। आपकी परिस्थिति को देखते हुए मैं समन्वयक का वह अंतिम पद आपको दे सकता हूं।' कुंती ने संदेह करते हुए पूछा, 'तो क्या वह पद चुनाव बाद समाप्त हो जाएगा?'

भूदेव- 'नहीं-नहीं। पार्टी ऑफिस में पक्की नौकरी है। रायपुर से कहीं तबादला भी नहीं होगा।'

कुंती ने हिम्मत करके पूछ लिया, 'तनखा कितनी मिलेगी?'

भूदेव- 'बीस हजार मासिक। रहने के लिए वन बीएचके फ्लैट। रायपुर से बाहर जाने पर नियमानुसार टीए-डीए।... आप सोच लीजिए। पंद्रह-बीस दिन में मेरे ऑफिस के लैंड लाइन नंबर पर मुझे बता भी दीजिए, ताकि मैं अग्रिम कार्यवाही कर सकूं।... और हां, मैं आपके विषय में मंत्रालय में बोल दूंगा।'

भूदेव सिंह के चैंबर से निकलते हुए कुंती अपने आप को बहुत आश्वस्त महसूस कर रही थी। लेकिन, उमा बाई सरकारी नौकरी के ही पक्ष में थी।

कोयलीबेड़ा पहुंच कर कुंती ने नए सिरे से समन्वयक और आरक्षक की नौकरियों की तुलना की, फिर एक क्षण को उसके मन में इस प्रश्न ने भी सिर उठाया, 'भूदेव सिंह मुझ पर इतना मेहरबान क्यों हो रहा है?'

रायपुर से लौट कर एक सप्ताह और बीत गया। कुंती ध्रुवे के नाम से सोमवार को मंत्रालय की ओर से एक स्पीड पोस्ट लिफाफा प्राप्त हुआ। उमा बाई की उपस्थिति में धड़कते दिल से कुंती ने वह लिफाफा खोला, जो उसके नाम का नियुक्ति पत्र था। लेकिन, यह क्या- कुंती ध्रुवे को आरक्षक के स्थान पर भृत्य पद के लिए नियुक्ति दी गई थी, थाना कोयलीबेड़ा में। नियुक्ति पत्र से कुंती बहुत आहत हुई। सास बोली, 'कोयलाबेड़ा में ही नौकरी से हमें कहीं और नहीं जाना पड़ेगा, बहू!' बीमार ससुर ने भी सासू के सुर में सुर मिलाया। निर्णय कुंती को करना था।

कुंती ने हिसाब लगाया- आज की तारीख में भृत्य को भी पंद्रह हजार मासिक मिलेंगे। कोयलीबेड़ा में बैठ कर पंद्रह हजार रुपए कमाना भी कोई कम नहीं!

तय हुआ- मंगलवार को ही थाने जाकर ड्यूटी ज्वाइन कर ली जाए।

मंगलवार को नियुक्ति पत्र और ज्वाइनिंग एप्लीकेशन बैग में रख कर कुंती दस बजे कोयलीबेड़ा थाने पहुंची। थाने में सिर्फ एक-दो सिपाही दिखाई दे रहे थे। कुंती थानेदार साहब के चैंबर तक पहुंची। लेकिन, यह क्या- सब इंस्पेक्टर पुलिस पदनाम के ऊपर नाम लिखा था पलाश सोनसाय का। नाम पढ़ कर कुंती का सिर घूम गया- मेरे मरद का हत्यारा!

कुंती ने सामने खड़े सिपाही से पूछा, 'पलाश सोनसाय ने कब ज्वाइन किया?'

सिपाही बोला, 'एक हफ्ते पहले कांकेर से ट्रान्सफर होकर आए हैं।'

उत्तर सुन कर कुंती थाने में एक क्षण भी नहीं रुक पाई, लौट कर घर आ गई।

इतनी जल्दी घर लौट आने पर उमा बाई ने पूछा, 'जौन कर आईं?'

कुंती ने दृढ़ता के साथ कहा, 'नहीं! और ज्वाइन करूंगी भी नहीं! मेरे धनी के हत्यारे के अधीन मैं काम नहीं कर सकती!'

ससुर बोले, 'तो क्या पक्की सरकारी नौकरी छोड़ दोगी?'

'छोड़ूंगी क्यों, आरक्षक की योग्यता है, आरक्षक की पदस्थापना के लिए लड़ती रहूंगी।... तब तक, मैं रायपुर में पार्टी के प्रादेशिक कार्यालय में समन्वयक की नौकरी कर लेती हूं।'

उमा बाई ने पूछा- 'तो क्या हमें कोयलीबेड़ा छोड़ना पड़ेगा?'

कुंती ने शांत स्वर में कहा, 'अगर हम सरंडी गांव छोड़ कर कोयलीबेड़ा बस सकते हैं, तो कोयलीबेड़ा छोड़ कर राजधानी रायपुर बसने में क्या बुराई है? रायपुर में रह कर मैं अपनी आरक्षक पद की लड़ाई आसानी से लड़ सकती हूं। रायपुर में ससुर जी का भी माकूल इलाज हो सकेगा।'

माकूल इलाज की बात सुन कर ससुर जी ने रायपुर के लिए हामी भर दी। सासू ने भी सोचा, दुश्मन के साथ रोज आठ घंटे काम करना कुंती के प्रति अन्याय होता!

मंगलवार को ही हिम्मत करके सुबह ठीक साढ़े ग्यारह बजे कुंती ने लैंड लाइन नंबर पर नेता प्रतिपक्ष भूदेव सिंह को फोन लगा दिया। अपना परिचय देते हुए बोली, 'सर, कल मैं आपके कार्यालय में समन्वयक के पद पर ज्वाइन करने रायपुर आ रही हूं।'

भूदेव सिंह हंस कर बोले, 'आ जाओ बेटी! पद आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।' ❑

कुंती और उमा बाई उठने लगीं तो भूदेव बोले, 'आप हायर सेकेंड्री पास हैं न?' कुंती ने कहा, 'जी हां।' भूदेव बोले, 'विधानसभा चुनाव आने वाले हैं, मेरे पास एक समन्वयक का पद खाली है। आपकी परिस्थिति को देखते हुए मैं समन्वयक का वह अंतिम पद आपको दे सकता हूं।' कुंती ने संदेह करते हुए पूछा, 'तो क्या वह पद चुनाव बाद समाप्त हो जाएगा?'

बहुमत पर अल्पमत की भाषा

भाषा प्रसंग

ओम निश्चल

संविधान में राजभाषा के संबंध में व्यवस्थाएं दी गई हैं। ये अनुच्छेद संघ की भाषा, प्रादेशिक भाषाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों आदि की भाषा, हिंदी के संबंध में विशेष निर्देश, संसद और विधान मंडलों की भाषाओं से संबंधित हैं। संसद द्वारा 1968 में पारित राजभाषा संकल्प में हिंदी के विकास हेतु भारत सरकार द्वारा व्यापक कार्यक्रम तैयार किए जाने, आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं के विकास, त्रिभाषा सूत्र के कार्यान्वयन, संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं तथा अंग्रेजी को वैकल्पिक माध्यम के रूप में रखे जाने आदि के संबंध में संकल्प लिया गया है। इसके बावजूद राजभाषा नीति के मूल स्वर में अंग्रेजी की यथास्थिति का वर्चस्व बनाए रखा गया है। संविधान की मान्य आठवीं अनुसूची में अंग्रेजी कहीं नहीं नहीं है, फिर भी उसे संविधान में सिर माथे बिठाया गया है।

हिंदी को संघ की राजभाषा स्वीकार करते हुए अनुच्छेद 343 में कहा गया था कि संविधान के प्रारंभ से पंद्रह वर्षों की अवधि तक संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा। यह भी व्यवस्था दी गई कि संसद उक्त 15 वर्ष की अवधि के बाद भी विधि द्वारा अंग्रेजी भाषा का ऐसे प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगी, जो ऐसी विधि में विनिर्दिष्ट किए जाएं। यानी 1965 के बाद अंग्रेजी का प्रयोग केवल कुछ निश्चित कार्यों के लिए हो सकता था, पर अपरिहार्य दबाव के कारण संसद में राजभाषा विधेयक 1963 लाया गया और उसमें अनुच्छेद 343(3) के प्रावधानों की अनदेखी करते हुए अंग्रेजी के प्रयोग को 1965 के बाद उन सभी सरकारी कामों एवं संसद के कार्य व्यवहार के लिए हिंदी के अतिरिक्त जारी रखने का प्रावधान किया गया, जो अंततः हिंदी के विकास के लिए काफी घातक सिद्ध हुआ है। अलबत्ता इस प्रावधान से नौकरशाही को अंग्रेजी के प्रयोग का जैसे लाइसेंस मिल गया।

हिंदी को अंग्रेजी के साथ चलने के लिए एक और बैसाखी पकड़ा दी गई। इस बैसाखी को अधिनियम की भाषा में धारा 3(3) कहते हैं। इस धारा के तहत सामान्य आदेशों, संकल्पों, नियमों, अधिसूचना, प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदनों, प्रेस विज्ञप्ति, संसद के सदनों में रखे जाने वाले प्रशासनिक तथा अन्य प्रतिवेदनों व कागजात के लिए संविदाओं, करारों, अनुज्ञप्ति, अनुज्ञा पत्र, निविदा प्रारूपों के लिए हिंदी-अंग्रेजी दोनों का एक साथ प्रयोग अनिवार्य कर दिया गया। हिंदी, हिंदीभाषी प्रदेशों में भी इस कानूनी असंगति की नियति स्वीकार करने के लिए बाध्य है। हिंदीभाषी प्रदेशों के कार्यालयों द्वारा कई बार इस युक्तिसंगत सवाल को उठाया गया कि हिंदी क्षेत्रों में उक्त कार्यों के लिए अंग्रेजी की अनिवार्यता नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहां के कर्मचारी, अधिकारी और निवासी सभी भली-भांति हिंदी समझते और व्यवहार करते हैं। पर हर बार इस सवाल को यह मान कर अनदेखा किया जाता रहा है कि यह संविधान-सम्मत प्रावधानों की अवहेलना होगी।

मौजूदा स्थिति में अंग्रेजी की प्रेत छाया से हिंदी को शायद ही छुटकारा मिले, क्योंकि धारा 3(5) में यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि यह उपबंध तब तक लागू रहेगा, जब तक उन सभी राज्यों की विधानसभाएं, जिनकी सरकारी भाषा हिंदी नहीं है, अंग्रेजी को हटाने के लिए प्रस्ताव पारित नहीं कर देतीं और इन प्रस्तावों पर विचार करने के उपरांत संसद भी अंग्रेजी के निषेध के लिए किसी प्रकार का प्रस्ताव पास नहीं करती। स्पष्ट है कि वह दिन कभी नहीं आएगा, जब सभी राज्य सरकारें अंग्रेजी को हटाने का प्रस्ताव करेंगी।

निचली अदालतों को छोड़कर उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में अंग्रेजी का बोलबाला है। यहां तक कि हिंदी माध्यम से पढ़े विधि स्नातक को बार काउंसिल की सदस्यता तक नहीं मिलती। न्यायालयों में अंग्रेजी को बने रहने का अधिकार संविधान ने ही दिया है। 348वें अनुच्छेद में यह प्रावधान किया गया है कि जब तक संसद दूसरा कानून नहीं बनाती, तब तक उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों की सभी कार्यवाहियों में अंग्रेजी का ही प्रयोग होगा। संसद और राज्य विधानमंडलों के कानूनों तथा संविधान के तहत संसद या किसी भी राज्य के विधान मंडलों द्वारा बनाए गए सभी आदेशों, नियमों और विधियों के प्राधिकृत पाठ अंग्रेजी में होंगे।

इस बारे में संसदीय समिति की सिफारिश भी गौरतलब है। समिति यह तो मानती है कि उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही अंततः हिंदी में की जाए तथा निर्णयों, डिक्रियों और आदेशों की भाषा सब प्रदेशों में हिंदी में होनी चाहिए। परंतु उसका कहना है कि ऐसा 'इस परिवर्तन के लिए उपयुक्त समय आने पर ही' किया जाए। समिति को सिफारिश दिए हुए भी काफी समय हो चुका है। इस अवधि में संसदीय राजभाषा समिति 1959 से जून 2011 तक राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट के नौ खंड पेश कर चुकी है, जिसकी बहुत-सी सिफारिशें राष्ट्रपति मान चुके हैं तथा उन पर आदेश भी जारी कर चुके हैं। संसदीय समिति ने सीबीएसई से जुड़े सभी स्कूलों और केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा दस तक हिंदी को अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाने का प्रस्ताव भी दिया था, जहां अभी इन स्कूलों में कक्षा आठ तक ही हिंदी पढ़ना अनिवार्य है। वहीं गैर-हिंदीभाषी राज्यों के विश्वविद्यालयों को कहा गया है कि परीक्षाओं और साक्षात्कार में हिंदी में उत्तर देने का विकल्प दें। यह सिफारिश भी स्वीकार की गई है कि सरकार सरकारी संवाद में कठिन हिंदी शब्दों के उपयोग से बचे और हिंदी शब्दों के अंग्रेजी लिप्यंतरण का एक शब्दकोश तैयार करे। पर सरकारी नौकरी के लिए हिंदी के न्यूनतम ज्ञान की अनिवार्यता की सिफारिश को अभी स्वीकार नहीं किया गया है, जो कि हिंदी के प्रयोग की आधारभित्ति है। ऐसे हालात में हम अनुवाद के जरिए संवैधानिक आवश्यकताओं की पूर्ति तो कर सकते हैं पर हिंदी का स्वाभाविक कामकाजी माहौल नहीं तैयार कर सकते।

फिर, हमारे यहां आज भी कमोबेश मैकाले की शिक्षा पद्धति लागू है। राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा नीति में समानता नहीं है। 1968 के राजभाषा संकल्प में समूचे भारत में त्रिभाषा सूत्र लागू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया था, पर यह सूत्र न जाने कहां विलीन हो गया। इसमें हिंदीभाषी क्षेत्रों में हिंदी अंग्रेजी के अलावा दक्षिण भारत की भाषाओं में से किसी एक और हिंदीभाषी क्षेत्रों में प्रादेशिक भाषाओं और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी के अध्ययन का प्रावधान रखे जाने का संकल्प लिया गया था, पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस बिंदु पर भी विफल रही है। आज न तो सर्वत्र माध्यम के रूप में और न त्रिभाषा सूत्र की एक भाषा के रूप में हिंदी और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं का अस्तित्व शिक्षा नीति के मसौदे में कायम है।

क्या विडंबना है कि कानून कहता है, हिंदी किसी पर थोपी नहीं जाएगी, अधिनियम कहता है, हिंदी के साथ फलां-फलां चीजों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग अनिवार्य होगा। राजभाषा नियम कहता है, कोई भी कर्मचारी किसी भी फाइल पर टिप्पणी या नोटिंग हिंदी या अंग्रेजी में लिख सकता है; उससे अनुवाद की अपेक्षा नहीं की जाएगी। नियम कहता है हिंदी भाषा-भाषी क्षेत्रों के कार्यालयों और अर्ध हिंदीभाषी क्षेत्रों के कार्यालय के साथ पत्राचार हिंदी या अंग्रेजी में किया जा सकता है। पर अहिंदीभाषी इलाके के कार्यालयों को हिंदी में पत्र भेजने पर उसका अंग्रेजी अनुवाद भी भेजना होगा। जब अंग्रेजी के प्रयोग को जारी रखने के लिए राजभाषा नीति ही आश्रय देती हो, तो वहां हिंदी प्रयोग के लिए हिंदी जनों की कोशिश या सरकार की कोशिशें सफल नहीं हो सकतीं। आज के संदर्भ में क्या यह जरूरी नहीं हो गया है संविधान के अनुच्छेदों पर राजभाषा अधिनियम और नियमों पर फिर से गौर किया जाए तथा हिंदी को उसका खोया हुआ आत्मसम्मान वापस किया जाए! कम से कम हिंदी क्षेत्रों में द्विभाषिकता की अनिवार्यता को खत्म कर हिंदी को अंग्रेजी की छाया से मुक्ति दिलाई जाए। बहुमत पर अल्पमत की भाषा थोपने का प्रयत्न अब तो कम से कम खत्म होना चाहिए। ❑

चित्र: श्रीपाल व्यास

जब अंग्रेजी के प्रयोग को जारी रखने के लिए राजभाषा नीति ही आश्रय देती हो, तो वहां हिंदी प्रयोग के लिए हिंदी जनों या सरकार की कोशिशें सफल नहीं हो सकतीं।

योग से मधुमेह का उपचार

योग दर्शन

डॉ. वरुण वीर

भारत में मधुमेह का रोग सामान्य है। पैंतीस से लेकर सत्तर वर्ष की आयु के व्यक्ति में यह रोग अधिक पाया जाता है। शरीर के अंदर अंतःस्रावी ग्रंथि पैन्क्रियास में इंसुलिन नामक हार्मोन नहीं बनना इस रोग का मुख्य कारण है। मगर अधिक मात्रा में चीनी का प्रयोग, मोटापा, असंतुलित जीवन, अनियमित भोजन, तनाव, अधिक मानसिक काम करना तथा वंशानुगत भी इस रोग के कारण हो सकते हैं।

रोग के लक्षण : हमेशा शरीर थका-सा रहना, काम करने का मन न होना, अधिक भूख और प्यास लगना, खून और मूत्र में शर्करा की अधिक मात्रा, त्वचा का रूखा-सूखा होना, सिर दर्द, घबराहट, उत्तेजना की कमी तथा नपुंसकता आदि देखने को मिलते हैं। सामान्य रूप से रक्त की शर्करा का स्तर 80 से 120 मिलीग्राम के बीच होता है और भोजन करने के बाद यह 120 से 140 मिलीग्राम हो जाता है। यह रोग गरीब मेहनतकश लोगों में कम तथा अमीरों में अधिक पाया जाता है।

उपचार : योग से शत प्रतिशत मधुमेह का उपचार संभव है। योगासन, योगिक आहार-विहार इस रोग से मुक्ति दिलाने में सहायक है। आज मधुमेह की बीमारी सामान्य हो चुकी है और यह विदेशों में कम, भारत में अधिक संख्या में पाई जाती है। विदेशों में प्रवास के दौरान मैंने बहुत कम लोगों को इस बीमारी से बचने का मार्ग बताया है, क्योंकि यह रोग वहां न के बराबर ही दिखाई देता है, जिसके कई कारण हैं। जैसे मीठे का सेवन वहां पर कम तथा आलस्य पूर्ण जीवन भी नहीं है। मेरे चाचा जी शुद्ध रूप से किसान थे और शारीरिक रूप से अत्यधिक मेहनत भी करते थे और शरीर पर चर्बी न के बराबर थी, लेकिन फिर भी वे चालीस वर्ष की आयु में आते-आते मधुमेह के रोगी हो गए थे। मेरे गहन अध्ययन करने से पता चला है कि मेरे दादाजी यानी चाचाजी के पिताजी को भी मधुमेह की शिकायत थी और वे दोनों ही मीठे का सेवन कुछ अधिक करते थे। यही रोग मेरे पिताजी को भी हो गया था, लेकिन नियमित योगासन तथा यौगिक आहार-विहार के कारण उन्होंने सौ फीसद मधुमेह से छुटकारा पा लिया था। आज मैं दावे के साथ वंशानुगत मधुमेह के रोगी को भी ठीक करने में सक्षम हूं। जो व्यक्ति इस रोग के कारण प्रतिदिन इंसुलिन लेता हो, तो कुछ ही महीनों में वह इंसुलिन के इंजेक्शन लेना छोड़ देगा और इस रोग से मुक्त हो जाएगा।

भोजन द्वारा उपचार : इंसुलिन बनने में क्रोमियम पीकॉलिनाते की कमी से रुकावट आती है। इसको लेने के लिए चोकर सहित खड़े अनाज, सूखे मेवे, मशरूम, खमीर तथा फूलगोभी का सेवन अधिक मात्रा में करना चाहिए। सब्जियों में मेथी, सहजन, पालक, टमाटर, शलगम, परवल, तोरई, लौकी, मूली का साग, करेले का सेवन तथा फलों में जामुन, आंवला, मौसमी तथा संतरे का सेवन करें। मधुमेह में आई शरीर की कमजोरी को दूर करने के लिए हरा कच्चा नारियल, अखरोट, सोयाबीन, काजू, मूंगफली, दही, छाछ तथा गेहूं और जौ के आटे को बराबर मात्रा में मिलाकर उसकी रोटी का सेवन करें।

जड़ी बूटियों में नीम निंबोली, हल्दी, सोंठ, अदरक, लहसुन, धनिया, दालचीनी का सेवन लाभकारी है।

क्या न खाएं- भोजन जल्दी पचने वाला हो, कब्ज कारक न हो, मांस, मछली, चावल, मैदा से बनी चीजें, आलू, उड़द की दाल, पूरी, पराठे, चीनी, मिठाइयां, जैम, जैली, चॉकलेट, शकरकंद, आम, केला, चीकू, पपीता, शरबत, अंगूर, कोल्ड ड्रिंक, अधिक ठंडा पानी तथा आवश्यकता से अधिक भोजन न करें।

योगासन द्वारा उपचार

अर्धमत्स्येंद्रासन : सुबह खाली पेट स्वच्छ शांत वातावरण में दोनों पैर सीधा रखते हुए बाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए बाईं एड़ी को दाएं नितंब से सटा कर रखें तथा दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए बाएं घुटने और जंघा के निकट रख के दाएं पैर के तलवे एड़ी को जमीन पर रख दें तथा यहां से बाएं हाथ को दाएं पैर के घुटने क्रॉस करते हुए दाएं पैर के पंजे को पकड़ लें तथा दायां हाथ कमर पर पीछे की ओर लपेटे हुए सिर को पीछे की दिशा में ले जाएं। जिस प्रकार से कपड़े धोने के बाद निचोड़े जाते हैं उसी प्रकार से इस आसन में पेट की स्थिति हो जाती है। इसका सीधा असर पैन्क्रियास पर पड़ता है। इस आसन को विपरीत दिशा में करते हुए दोहराएं। आरंभ में दोनों स्थितियों में दो-दो मिनट रुकने का प्रयास करें तथा अभ्यास करते हुए पांच मिनट तक ले जाएं।

मंडूकासन : दोनों पिंडलियों के ऊपर बैठते हुए बाएं पैर के अंगूठे पर दाएं पैर का अंगूठा रखें। इसे वज्रासन कहते हैं। यहां से दोनों हाथ के अंगूठे अंदर की ओर रखते हुए मुठ्ठियां बंद कर लें तथा नाभि के दाएं बाएं रख दें। यहां से गहरी लंबी सांस भरें और धीरे-धीरे श्वास छोड़ते हुए आगे झुकते जाएं। दोनों मुठ्ठियां पेट और जांघों के बीच आ जाएंगी और सिर उठा कर आगे की दिशा में देखें तथा श्वास सामान्य कर लें। ध्यान को नाभि पर केंद्रित करें और अनुभव करें, जिस प्रकार हमारा हृदय धड़कता है उसी प्रकार नाभि भी धड़कती है। दो से तीन मिनट इस आसन को करें।

अर्ध बद्धपद्मासन : दोनों पैरों को सीधा एक साथ मिला कर रखें, बाएं पैर को घुटने से मोड़ कर दाएं पैर की जांघ पर रखें तथा दाएं पैर को घुटने से मोड़ कर बाएं पैर की जांघ पर रखें। यहां से बाएं हाथ को कमर के पीछे से ले जाते हुए बाएं पैर के अंगूठे को पकड़ें तथा दाएं हाथ को बाएं घुटने पर रख कर शरीर के ऊपरी भाग कमर, कंधे, गर्दन तथा सिर को बाएं और पीछे की तरफ यथाशक्ति मोड़ें। यही स्थिति दूसरी दिशा में दोहराएं। पद्मासन बना रहे, दाएं हाथ को कमर के पीछे से लपेटते हुए दाएं अंगूठे को पकड़ें तथा शरीर के ऊपरी भाग को इस बार दाएं दिशा में यथाशक्ति मोड़ते हुए पीछे की ओर देखें। दोनों स्थितियों में दो से तीन मिनट तक रुकें।

सेतुबंध आसन : जमीन पर सीधा कमर के बल लेट कर दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ लें तथा एड़ी और पंजे जमीन पर नितंब से सटे रहें। श्वांस भरते हुए कमर, पेट और छाती को यथाशक्ति ऊपर उठाएं। इस स्थिति में अधिक देर तक रोकने के लिए दोनों हाथों का सहारा भी लिया जा सकता है। अन्यथा हाथ पीछे जमीन पर ही रहें। दो से तीन मिनट रुकने के बाद धीरे से सामान्य स्थिति में आ जाएं।

सर्वांगासन : जमीन पर सीधे कमर के बल लेट जाएं। दोनों हाथों को जांघों के साथ रखें तथा श्वास लेते हुए दोनों पैर, नितंब, कमर, छाती को हाथों का सहारा देते हुए ऊपर उठा दें, जिससे कि थोढ़ी गर्दन से छू जाए। इस स्थिति में शरीर का सारा भार कंधों और गर्दन पर आ जाएगा और हाथों को कोहनियों का सहारा मिलता रहे। शक्ति का संचार मस्तिष्क की ओर महसूस करें ।

हलासन : सर्वांगासन की स्थिति में आकर धीरे-धीरे दोनों पैरों को सिर के पीछे लाने का प्रयास करें और दोनों पैरों के पंजों को जमीन पर रखें। इस स्थिति में सबसे अधिक खिंचाव गर्दन तथा रीढ़ की हड्डी पर आएगा।

प्राणायाम

कपालभाति : श्वास को झटके के साथ तीव्र गति से बार-बार बाहर निकालना। श्वास लेते समय आवाज न आए और श्वास छोड़ते समय छींकने जैसी आवाज आए। दो से तीन मिनट तक करने से मधुमेह के रोग को दूर करने में लाभकारी है।

भस्त्रिका : श्वास बहुत छोटी रखते हुए तीव्र गति से लेना और छोड़ना करें। लगभग दो-तीन मिनट तक इस प्राणायाम को करें।

ये सभी आसन, प्राणायाम तथा भोजन में परिवर्तन अपनाकर मधुमेह के रोग को शत-प्रतिशत दूर किया जा सकता है। इंसुलिन के इंजेक्शन तथा दवाई पर जीवन अधिक समय तक सुख नहीं दे सकता है। प्राकृतिक भोजन, सादा जीवन, शांत मन, परोपकार की भावना, और प्रतिदिन नियमित रूप से योगासनों का अभ्यास करना इस रोग से छुटकारा पाने का सरल और उत्तम उपाय है। ■

अरुणा आसफ अली

जन्म : 16 जुलाई, 1909
निधन : 29 जुलाई, 1996

शख्सियत

अरुणा आसफ अली भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थीं। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए याद किया जाता है। वे आजादी के बाद भी बेहद सक्रिय राजनेता रहीं।

प्रारंभिक जीवन

अरुणा आसफ अली का जन्म पंजाब के 'कालका' में बंगाली परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम अरुणा गांगुली था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा लाहौर और फिर नैनीताल के आल सेंट्स कॉलेज में हुई। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कलकत्ता में गोखले मेमोरियल स्कूल में बतौर शिक्षिका काम किया।

● इलाहाबाद में वे कांग्रेस पार्टी के नेता आसफ अली से मिलीं। उनसे बहुत प्रभावित हुईं और उनसे शादी करने का तय कर लिया। आसफ मुसलिम थे और अरुणा से उम्र में बीस साल बड़े भी, इसलिए घरवालों ने उनकी शादी का खूब विरोध किया।

स्वतंत्रता सेनानी

शादी के बाद अरुणा कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं। वे नमक सत्याग्रह के दौरान सार्वजनिक जुलूसों में भाग लेती थीं। वे कई बार जेल भी गईं। 1931 में गांधी-इरविन समझौते के तहत जब सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया, तब भी उन्हें जेल में रहना पड़ा था। फिर महात्मा गांधी के हस्तक्षेप के बाद उन्हें रिहा किया गया। 1932 में वे फिर जेल गईं। इस बार उन्होंने जेल में कैदियों के प्रति उदासीन व्यवहार को देखते हुए भूख हड़ताल की। बाद में उनके ही प्रयासों से तिहाड़ जेल की स्थितियों में सुधार हुआ।

● आल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने 8 अगस्त, 1942 को बॉम्बे सत्र में भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया। सरकार ने प्रमुख नेताओं और कांग्रेस कार्य समिति के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। बावजूद इसके अरुणा आसफ अली ने 9 अगस्त को शेष सत्र की अध्यक्षता की और गोवालिया टैंक मैदान में कांग्रेस का झंडा फहराया। उनकी बहादुरी को देखते हुए उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन की 'ग्रैंड ओल्ड लेडी' कहा गया। 1942 में उन्होंने भूमिगत आंदोलन शुरू किया। उनकी संपत्ति जब्त कर बेच दी गई। इस बीच, उन्होंने राममनोहर लोहिया के साथ एक मासिक पत्रिका 'इंकलाब' का संपादन किया। सरकार ने उन्हें पकड़ने के लिए पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा की।

आजादी और राजनीतिक सक्रियता

आजादी के बाद वे कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की सदस्य बनीं। 1958 में वे दिल्ली की पहली मेयर चुनी गईं और दिल्ली में समाज कल्याण और विकास के लिए काम करती रहीं।

● उन्होंने लिंक पब्लिशिंग हाउस शुरू किया और दैनिक समाचार पत्र 'पैट्रियट' और एक साप्ताहिक प्रकाशित किया। 1964 में वे कांग्रेस पार्टी में फिर शामिल हुईं, लेकिन इसके बाद सक्रिय राजनीति में भाग लेना बंद कर दिया। आपातकाल के दौरान वे इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के करीब रहीं। सतासी वर्ष की उम्र में नई दिल्ली में उनका निधन हो गया।

उपलब्धियां

अरुणा आसफ अली को वर्ष 1964 के लिए अंतरराष्ट्रीय लेनिन शांति पुरस्कार और 1991 में अंतरराष्ट्रीय समझ के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1992 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। 1997 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न दिया गया। 1998 में, उसकी स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया गया था। नई दिल्ली में उनके नाम पर अरुणा आसफ अली मार्ग नामित किया गया। अखिल भारतीय अल्पसंख्यक मोर्चा प्रतिवर्ष डॉ. अरुणा आसफ अली सद्भावना पुस्कार प्रदान करता है। ■

बरसात में कुछ चटपटा

बरसात के मौसम में पकौड़े, समोसे जैसे चटपटे नाश्ते का आनंद ही अलग होता है। छुट्टी का दिन हो और रिमझिम बारिश हो रही हो तो शाम की चाय के साथ अगर चटपटी पकौड़ियां या समोसे मिल जाएं तो बरसात का मजा कई गुना बढ़ जाता है। इस बार ऐसे ही कुछ अलग तरह की पकौड़ियां और समोसे बनाने के बारे में बात करेंगे।

प्याज के समोसे

दाना-पानी

मानस मनोहर

समोसे का मतलब आमतौर पर आलू भर कर बना समोसा माना जाता है। अमूमन देश भर में यही समोसा प्रचलन में है। पर प्याज के समोसे का मजा ही अलग होता है। जिसने एक बार प्याज का समोसा खा लिया, उसे आलू के बजाय प्याज के समोसे ही पसंद आएंगे। पर प्याज के समोसे हर जगह नहीं बनते। हैदराबाद, बंगलुरु जैसे कुछ शहरों में प्याज का समोसा खूब बनता है। राजस्थान में प्याज की कचौड़ियां बनती हैं।

प्याज के समोसे बनाना आसान है। बस इसका भरावन तैयार करने में आलू की जगह प्याज का उपयोग किया जाता है। ये समोसे बनाने के लिए पहले इसका आटा तैयार कर लेना चाहिए। इसमें सिर्फ मैदे का उपयोग किया जाता है।

दो कप मैदा लें और उसमें आधा चम्मच नमक, आधा चम्मच अजवाइन और तीन चम्मच तेल या घी डालें और मैदे को दोनों हथेलियों के बीच रख कर मसलते हुए सारी सामग्री को एकसार कर लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटे को कड़ा गूंथ लें। एक कपड़े से ढंक कर आधे घंटे के लिए रख दें।

तब तक इसका भरावन तैयार कर लें। इसके लिए करीब दो कप बारीक कटे हुए प्याज लें। उसमें दो हरी मिर्चें भी बारीक काट कर डाल लें। अब एक कड़ाही में एक से डेढ़ चम्मच तेल गरम करें। उसमें आधा चम्मच जीरा और आधा चम्मच साबुत धनिए का तड़का तैयार करें। तड़का तैयार हो जाए, तो कटे प्याज और हरी मिर्चें छौंक दें। मध्यम आंच पर चलाते हुए पकने दें। प्याज जले नहीं इसके लिए पहले ही जरूरत भर का नमक डाल देना चाहिए। फिर जब प्याज का रंग गाढ़ा भूरा होने लगे, तो उसमें एक चम्मच धनिया पाउडर, चौथाई चम्मच हल्दी, आधा चम्मच गरम मसाला और आधा चम्मच चाट मसाला डाल कर ठीक से मिला लें। प्याज बिखरे नहीं, उससे बचने के लिए आधा कप चिड़वा यानी पोहे को मिक्सर में पीस कर पाउडर बना लें और उसे भी इसमें डाल कर ठीक से मिला लें। अब आपका भरावन गाढ़ा हो गया, जैसे आलू का होता है। आंच बंद कर दें और इस भरावन को ठंडा होने के लिए रख दें।

तब तक गुंथे हुए मैदे को एक बार फिर मसल कर छोटी-छोटी लोइयों में बांट लें। चकले पर बिल्कुल पतली रोटी बेलें। रोटी मोटी होगी, तो समोसे खस्ते और स्वादिष्ट नहीं बनेंगे। इसलिए रोटी की मोटाई बस इतनी हो कि भरावन को फटने से रोक सके और खस्ता सिंक जाए। रोटी को बीच से काट कर दो हिस्से कर लें। कटे हुए हिस्से की तरफ पानी लगाकर तिकोन बना लें। उसमें प्याज का भरावन डाल कर पानी लगाकर रोटी का सिरा ठीक से चिपका लें। ध्यान रखें कि भरावन अधिक न डालें, नहीं तो समोसे के फटने का डर रहता है। इसी तरह अगर समोसे का कोई हिस्सा खुला रह जाएगा या ठीक से नहीं चिपका होगा, तो भी समोसे के फटने का डर रहेगा।

अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। तेल ठीक से गरम हो जाए तो आंच को कम कर दें। उसमें समोसे डालें और सुनहरा होने तक तलें। समोसों को बीच में पलट कर देख लें कि वे सभी तरफ से बराबर सिंक जाएं। जब उनका रंग बदलने लगे, तो आंच धीमी करके सेंकें। प्याज के समोसे तैयार हैं। इन्हें हरी या लाल चटनी, जिससे खाना पसंद करते हों खाएं। समोसे गरम ही अच्छे लगते हैं।

कमल ककड़ी की पकौड़ियां

कमल ककड़ी की सब्जी, कटलेट, कोफ्ते वगैरह तो आमतौर पर खाए जाते हैं, पर इसकी पकौड़ियां लाजवाब बनती हैं। कई लोग कमल ककड़ी की पकौड़ियां भी आम पकौड़ियों की तरह बेसन के घोल में डुबा कर तल लेते हैं, पर उनमें कुरकुरापन नहीं आ पाता। कश्मीरी लोग इसे चावल के आटे के घोल में बनाते हैं। पर आप घर में थोड़े भिन्न तरीके से बनाएं, तो बहुत ही स्वादिष्ट और कुरकुकी कमल ककड़ी की पकौड़ियां बन जाएंगी।

इसके लिए पहले कमल ककड़ी की ऊपरी परत को बारीकी से उतार लें। फिर इन्हें पतली-पतली गोलाकार या लंबाई में काट लें। कमल ककड़ी के टुकड़े ज्यादा मोटे न रखें। इन्हें नमक मिले गरम पानी में थोड़ी देर रखें और फिर निकाल कर ठीक से सुखा लें। जब ये सूख जाएं, तो ऊपर से हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और हल्का आमचूर पाउडर डाल कर सब कुछ अच्छी तरह मिला लें और थोड़ी देर के लिए ढंक कर अलग रख दें।

अब एक कप मैदा में आधा कप सूजी मिलाएं। उसी में नमक, लाल मिर्च पाउडर, थोड़ा गरम मसाला और थोड़ा-सा लहसुन-अदरक का पेस्ट मिलाएं और थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए एक तरफ को फेंटते हुए गाढ़ा घोल तैयार करें। इस घोल को आधे घंटे के लिए रख दें, ताकि सूजी ठीक से नरम हो जाए। अब इसी में कमल ककड़ी के कटे हुए टुकड़े डालें और ठीक से मिला लें, ताकि सभी टुकड़ें पर घोल ठीक से चढ़ जाए। फिर कड़ाही में तेल गरम करें और पकौड़ियों को सुनहरा होने तक तल लें। चाहें, तो पहले आधा पकने तक तलें और फिर बाद में खाने के लिए परोसते समय तल कर कुरकुरा कर लें। ऊपर से चाट मसाला और हरे धनिए की पत्तियां डाल कर परोसें।

इसे हरी या लाल चटनी, जो पसंद हो, उसके साथ खाएं। ■

बच्चों को सिखाएं दांतों की सफाई

सेहत

अक्सर माता-पिता अपने बड़े होते बच्चे के स्वास्थ्य, खासकर उनके दांतों की सफाई को लेकर चिंतित रहते हैं। बच्चों को ज्यादा मीठा- चॉकलेट, आइसक्रीम जैसी चीजें खाना बहुत पसंद होता है। चाहे जितना भी पेट भरा हो, बच्चे इन चीजों के लिए कभी ना नहीं कहते, बस खाते हैं, खेलते हैं और सो जाते हैं। शिशु अवस्था में ब्रश की आदत नहीं पड़ी होने के कारण बड़े होते बच्चे दांतों की सफाई को ज्यादा महत्त्व नहीं देते। नतीजतन दांतों में संक्रमण, दर्द, सड़न, मसूड़ों में कीड़े लगने और गड्ढे बनने की समस्या हो जाती है।

स्वस्थ दांत बच्चे के संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। मगर बच्चों में 'ओरल हेल्थ' यानी दांत और मुंह की सफाई की आदत विकसित करना थोड़ा मुश्किल काम है। 'ओरल हेल्थ' का संबंध सिर्फ दांतों की सफाई से नहीं होता है। दांतों के अलावा जीभ, गाल और मसूड़ों में ढेरों बैक्टीरिया पैदा होते रहते हैं। इन हिस्सों की भी दांतों की ही तरह देखभाल की जरूरत होती है तभी मुंह की संपूर्ण देखभाल होती है। बच्चे के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए उनके दांतों की देखभाल कैसे करें, आइए जानते हैं।

दांत मांजना

दांतों की स्वच्छता की जरूरत तभी शुरू हो जाती है, जब बच्चे के दांत निकलने शुरू होते हैं। हालांकि जन्म के साथ ही बच्चों के मसूढ़े मजबूत होने और दांत निकलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। लेकिन दांत निकलने में आठ से नौ महीने लग जाते हैं। साल दो साल में बच्चों के पूरे दांत निकल आते हैं। फिर तब शुरू होती है बच्चों के दांतों की सफाई।

जब बच्चे एक से दो साल के हों, तब दिन में कम से कम दो बार उनके दांतों को पानी से धोएं। थोड़ा टूथपेस्ट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ध्यान रहे, टूथपेस्ट फ्लोराइड युक्त न हो। इस प्रकार का टूथपेस्ट आपके बच्चे को निगलने के लिए सुरक्षित नहीं होता है। एक बार जब आपका बच्चा टूथपेस्ट बाहर थूकना जान जाए, तो आप उसे फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट दे सकते हैं। वह भी बहुत थोड़ी मात्रा में।

बच्चे को सात या आठ साल की उम्र तक अपने दांतों को ब्रश करने में आपकी मदद की आवश्यकता होती है। इस समय के आसपास, वे बड़े आकार के टूथब्रश का उपयोग भी शुरू कर सकते हैं। बच्चों के टूथब्रश को हर तीन से छह महीने में बदलना जरूरी है।

कैसा हो ब्रश

शुरुआत में बच्चों को ब्रश करना नहीं आता है, इसलिए पहले उन्हें सिखाएं, फिर उनके हाथ में ब्रश दें। बच्चों के दांतों की सफाई के लिए मुलायम रेशे वाले टूथब्रश का ही इस्तेमाल करें। दांत की सफाई के लिए ब्रश को गोलाई में, फिर दाएं से बाएं ब्रश कराएं। दांत के साथ मसूड़ों और जीभ को भी साफ करना सिखाएं।

ब्रश के बारे में रोज पूछें

अक्सर बच्चे ब्रश करना भूल जाते हैं। ऐसे में जब तक बच्चे दांतों की सफाई के महत्व को नहीं समझते, तब तक उनसे रोजाना ब्रश करने के बारे में पूछें। अगर आप ऐसा नहीं कर पाते हैं तो बच्चे को नहलाते समय अपने हाथों से उसके दांत और मुंह की सफाई करें।

दिन में दो बार ब्रश की आदत

बच्चे के दांत निकलने पर उन्हें दिन में दो बार ब्रश कराएं। एक बार सुबह कुछ खाने से पहले और दूसरी बार रात में सोने से पहले।

सोते समय दूध की बोतल न दें

कुछ बच्चों को चार-पांच वर्ष की उम्र तक बोतल में ही दूध पीने की आदत होती है। अगर आपके बच्चे के साथ भी ऐसा ही है, तो धीरे-धीरे उसकी आदत में बदलाव लाएं। कारण कि सोते समय दूध पीने से बच्चे के दांत अधिक समय तक शक्कर के संपर्क में रहेंगे, जिससे उनमें गड्ढे बनने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए ब्रश के बाद बच्चे को कुछ भी पीने-खाने को न दें।

कुछ नुस्खे आजमाएं, जिससे बच्चे बड़े मजे से दांत की सफाई करेंगे-

- बच्चों को अपना टूथब्रश चुनने में मदद करें।
- बच्चों को उनके पसंद के स्वाद का टूथपेस्ट लेने दें।
- उन्हें ऐसी कहानी और वीडियो दिखाएं जो दंत स्वच्छता के बारे में हो।
- बच्चों को मुंह की सफाई अच्छे से करने के लिए कभी-कभी पुरस्कृत भी करें। पुरस्कार के तौर पर उन्हें चॉकलेट या टॉफी न दें, बल्कि फल या फिर स्वस्थ आहार भेंट करें। ■

बरसात में गाड़ी का रखें खयाल

बरसात में गाड़ियों को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। यह मौसम गाड़ियों के लिए कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। बहुत सारे लोग सोचते हैं कि जब बारिश हो रही हो, तभी गाड़ी को पानी और कीचड़ वगैरह से बचाने की जरूरत होती है, जबकि ऐसा नहीं है। बरसात के मौसम में लगातार उमस बनी रहती है, जो गाड़ी के पुर्जों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसी तरह कई हिस्सों में जंग लगने, पहियों, ब्रेक वगैरह में गड़बड़ी पैदा होने की आशंका रहती है। इसलिए बरसात में गाड़ियों की देखभाल के बारे में पेश हैं रवि डे के सुझाव।

बरसात में हर समय उमस बनी रहती है। बारिश हो जाए, तो सड़कें गीली हो जाती हैं। कई जगह जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण जल-जमाव भी हो जाता है। लगातार बारिश होने के कारण सड़कें टूट भी जाती हैं। उन पर से लगातार वाहनों के गुजरते रहने की वजह से कई जगह गहरे गड्ढे बन जाते हैं। फिर जब उन सड़कों पर पानी भर जाता है, तो वे गड्ढे दिखते ही नहीं और जब उनमें गाड़ियों के पहिए पड़ते हैं, तो उन्हें नुकसान पहुंचता है। इसलिए बरसात में संभल कर गाड़ी चलाने की जरूरत तो होती ही है, गाड़ी की देखभाल पर भी विशेष ध्यान देना होता है।

बरसात में अगर गाड़ी की साज-संभाल पर समुचित ध्यान न दिया जाए, तो उसके इंजन से लेकर दूसरे पुर्जों तक में खराबी आ सकती है। आजकल गाड़ियां कंप्यूटरीकृत आने लगी हैं, बरसात में ऐसी गाड़ियों में गड़बड़ी आने की आशंका अधिक रहती है। ऐसे में गाड़ी चलाते समय कोई दुर्घटना हो जाने या बीच रास्ते में फंस जाने का खतरा रहता है। इसलिए बरसात शुरू होने से पहले ही गाड़ी को बरसात के लिए तैयार कर लेना चाहिए। इस पूरे मौसम में लगातार गाड़ी पर ध्यान देने की जरूरत होती है।

गाड़ी का निचला हिस्सा

बरसात में गीली सड़कों पर चलते हुए सबसे अधिक गाड़ी का निचला हिस्सा प्रभावित होता है। जबकि कई लोग गाड़ी की साफ-सफाई करते समय ऊपरी हिस्से पर तो विशेष ध्यान देते हैं, पर निचला हिस्सा दिखाई नहीं देता, इसलिए उस पर ध्यान नहीं दे पाते। लगातार गीली सड़क पर चलते हुए गाड़ी के निचले हिस्से में कीचड़-मिट्टी चिपकती रहती है। इस तरह उस हिस्से में जंग लगने का खतरा अधिक रहता है। बरसात में गाड़ी के निचले हिस्से में जंगरोधी लेप लगाना जरूरी होता है। यों गाड़ी खरीदते समय कंपनी वाले टेफलान कोटिंग करके देते हैं, कई बार इसके लिए कहना पड़ता है, तभी करते हैं। टेफलान कोटिंग की अवधि तीन साल की होती है। फिर इसे कराते रहना पड़ता है। इसलिए बरसात में टेफलान कोटिंग, जो कि एक प्रकार का जंगरोधी लेप होता है, कराना बहुत जरूरी होता है।

कई बार ऊ ची-नीची, गड्ढे वाली सड़कों पर सावधानी से गाड़ी न चलाने की वजह से गाड़ी के निचले हिस्से में रगड़ लगती रहती है। इस तरह कई जगह पेंट उतर जाता है। उन जगहों पर नमी की वजह से जंग लगने की संभावना अधिक रहती है। एक बार जंग लगने का अर्थ है कि गाड़ी का वह हिस्सा या पुर्जा धीरे-धीरे नष्ट हो जाता है। इसलिए टेफलान कोटिंग जरूरी है।

अक्सर साइलेंसर पर पानी लगते रहने की वजह से वह गलना शुरू हो जाता है। उसका जोड़ खुलने लगता है। बरसात में साइलेंसर में किसी प्रकार की टूट-फूट खतरनाक हो सकती है। बारिश के वक्त चलते या जलजमाव वाली सड़कों से गुजरते हुए साइलेंसर में पानी जा सकता है। इससे इंजन पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए साइलेंसर की अवश्य जांच करा लेनी चाहिए।

इसी तरह गाड़ी के निचले हिस्से में इंजन और पहियों की तरफ प्लास्टिक या रबड़ के कुछ कवर लगे होते हैं, जो घिसने या इसके पेंचों में जंग लगने की वजह से वे गिर जाते हैं। उन हिस्सों में कीचड़ अधिक जमता है। अगर उन हिस्सों का ढक्कन हट गया है, जैसे मडफ्लैप वगैरह, तो उसे लगवा लेना चाहिए, नहीं तो वहां जमने वाली मिट्टी जंग को जन्म देती है।

पहियों की देखभाल

बरसात के मौसम में गाड़ी के पहिए बिल्कुल दुरुस्त होने चाहिए। अगर टायर घिस गए हैं, तो उन्हें बदल लें, नहीं तो गीली सड़क पर चलते हुए गाड़ी के फिसलने का डर रहता है। पहियों की बैलेंसिंग जरूर कराएं, इससे कभी तेज रफ्तार से चलते हुए ब्रेक वगैरह लगाने पर खतरा टल जाता है। गाड़ी चलाने से पहले गाड़ी के टायरों को जांच लें। कई बार उनमें छोटी-छोटी बजरियां फंस जाती हैं। उन्हें निकाल देना चाहिए।

ब्रेक और क्लच

बरसात में ब्रेक की रबड़ दुरुस्त होनी चाहिए। अगर वह घिस गई है, तो ब्रेक ठीक से नहीं लग पाएगा। बरसात में पानी पड़ने की वजह से ब्रेक की रबड़ की पकड़ कमजोर हो जाती है, इसलिए ब्रेक के रबड़ जरूर बदल लें। इसी तरह क्लच पैड का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, नहीं तो ब्रेक भी ठीक से काम नहीं करेगा। क्लच सही न होने से गाड़ी की रफ्तार पर भी असर पड़ता है।

वाइपर और बैट्री

बरसात में गाड़ी चलाते समय जरूरी उपकरण है वाइपर यानी कांच पर से पानी हटाने वाला। हमारे यहां अतिशय गरमी और अतिशय ठंड की वजह से वाइपर की रबड़ का लचीलापन खत्म हो जाता है, जिसकी वजह से जब हम उसे चलाते हैं, तो वाइपर से आवाज आने लगती है और वह पानी भी ठीक से साफ नहीं करता। फिर कांच पर निशान छोड़ना शुरू कर देता है। इसलिए हर बरसात में वाइपर की रबड़ जरूर बदल देनी चाहिए।

इसी तरह उमस और नमी की वजह से बैट्री के ऊपर जहां तार जुड़े होते हैं, सफेद फंफूद-सी जमने लगती है। उसे साफ कर लेना चाहिए, नहीं तो गाड़ी को चालू करते समय और दूसरे उपकरणों के संचालन में असुविधा पैदा हो सकती है। बल्कि उस हिस्से में अगर ग्रीज लगा दें, तो कार्बन जमने का खतरा टल जाता है।

अंदर की सफाई

उमस और नमी के चलते गाड़ी के अंदरूनी हिस्से में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं, जिससे गाड़ी में बदबू पैदा हो जाती है। इसलिए इस मौसम में गाड़ी के भीतरी हिस्से की धुलाई-सफाई जरूरी हो जाती है। सीटों और फुटमैट वगैरह की ड्राइ क्लीनिंग के अलावा गाड़ी को अंदर से पूरी तरह साफ करा लेना चाहिए। एसी की खिड़कियों पर परफ्यूम लगा कर रखें, तो इससे भीतर की बदबू नहीं आने पाती।

कुछ और सावधानियां

- कभी जलजमाव वाली सड़कों पर गाड़ी चलाने का जोखिम न उठाएं। बरसात में सड़कें अक्सर टूट जाती हैं और पानी भरा होने की वजह से पता नहीं चलता कि कहां सड़क कैसी है। ऐसे में शॉकर, यहां तक कि साइलेंसर और चेसिस में टूट-फूट हो सकती है। अगर गड्ढा गहरा हुआ, तो गाड़ी उसमें फंस भी सकती है।
- अगर गलती से किसी ऐसी जगह फंस गए हैं, जहां पानी अधिक है, और गाड़ी बंद हो गई है, तो
उसे दुबारा स्टार्ट बिल्कुल न करें, नहीं तो पानी इंजन में चला जाएगा और फिर भारी खर्च भुगतना पड़ेगा। - गीली सड़क पर पहियों को मिट्टी वाली जगह पर न उतरने दें। गाड़ी के फिसलने की आशंका रहती है।
- जब भी गाड़ी कहीं खड़ी करें तो कांच पूरी तरह बंद न करें। हल्का-सा खुला रखें, ताकि गाड़ी के भीतर बनने वाली भाप बाहर निकल सके। गाड़ी धूप में खड़ी करने पर भीतर भाप-सी बनती है, जो दबाव डाल कर गाड़ी की पैकिंग को ढीला कर देती है। इस तरह एसी पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- जब पानी बरस रहा हो, तो चलते समय एसी जरूर चलाए रखें, इससे गाड़ी की कांच पर धुंध नहीं जमने पाती। आजकल गाड़ियों में धुंध साफ करने के लिए एसी में अलग से प्रावधान होता है, उसे चला कर रखना चाहिए।
- बरसात में हमेशा गाड़ी की बत्ती जला कर चलना चाहिए, जिससे आगे-पीछे चलने वालों को आपकी गाड़ी दिखती रहे। रफ्तार हमेशा कम रखें। ❑

इत्ते सारे नोट!

कहानी

सिराज अहमद

ईद की नमाज के लिए असगर नई पतलून और कमीज पहन कर अब्बा के साथ खुशी से उछलता हुआ घर से निकला।

वह सुबह जल्दी उठ कर फटाफट तैयार हो गया था। पर अब्बा ने उठने में थोड़ी-सी देरी कर दी थी। अब वे तेज कदमों के साथ मस्जिद की तरफ भागे जा रहे हैं।

ठंड ने दस्तक दे दी थी। सर्द हवाएं दबंगई कर रही थीं। असगर ने दोनों हाथ पतलून की जेबों में डाल रखे हैं। अब्बा लंबे-लंबे कदमों से चल रहे हैं। असगर दौड़ते हुए उनका पीछा कर रहा है।

पतलून की दाईं जेब में उसकी उंगलियों ने कुछ चिकने कागजों को छूकर उसके कदम रोक दिए। उसने झटके के साथ हाथ बाहर खींचा तो सौ सौ के रंगीन और कड़क नोट देख कर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। सौ सौ के दस-बारह नोट देख कर उसकी आंखें बड़ी हो गईं और वह बुदबुदा उठा- 'इत्ते सारे नोट!' तभी हड़बड़ाहट में नोट उसके हाथों से छूट कर सड़क पर जा बिखरे। वह उन्हें उठाने दौड़ा तो अब्बा की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने उसे प्यार से टोका- 'बेटा सड़क पर से पैसे उठाना अच्छी बात नहीं, पता नहीं किसके हों?'

'अब्बा ये पैसे मेरी जेब में थे।' असगर ने जल्दबाजी में सफाई देते हुए कहा।

असगर अभी छोटा है। अब्बा को लगा शायद वह लालच में ऐसा बोल रहा है। उन्होंने प्यार से उसे समझाया- 'बेटा सड़क पर पड़े पैसे अपने कैसे हो सकते है?'

असगर ने अब्बा को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। अब्बा अगर उसे सड़क से पैसे उठाते न देखते तो उसकी बातों पर विश्वास भी कर लेते। उन्होंने सड़क पर खड़े होकर आसपास निहारा। दूर-दूर तक उन्हें कोई नहीं दिखा। फिर उनकी नजर रोशन चाचा की चाय की दुकान पर पड़ी। रोशन चाचा की ईमानदारी की चर्चा पूरे मोहल्ले में होती है। अब्बा असगर से पैसे लेकर उनके पास जा पहुंचे। उन्होंने सारी बातें बताई और पैसे उन्हें देते हुए कहा- 'चाचा अगर कोई अपने पैसों की पूछताछ करता हुआ आपके पास आता है, तो ये उसके हवाले कर दीजिएगा।' चूंकि रोशन चाचा की चाय की दूकान बिल्कुल सड़क के किनारे ही थी, इसलिए उन्होंने खुशी खुशी जिम्मेदारी ले ली। उन्हें दूसरों की मदद करने में बहुत खुशी मिलती है।

पैसे रोशन चाचा के पास रख कर अब्बा को तो तसल्ली मिल गई, लेकिन असगर बेचैन था। उसे एक ही सवाल परेशान कर रहा था कि उसकी जेब में पैसे आए कहां से?

खैर, ईद की नमाज पढ़ कर अब्बा-बेटे घर वापस आ गए। अम्मी दौड़ कर सेवई ले आईं। असगर को सेवई बहुत पसंद है, लेकिन आज उसने कम ली। उसके चेहरे पर थोड़ी उदासी भी दिखी। अम्मी ने अब्बा से पूछा- 'इसे क्या हुआ? डांटा है क्या आपने?'

अब्बा ने सारी बात उन्हें बताई। फिर वह असगर को समझाने लगीं- 'बेटा ये सोचो जिसके पैसे गिरे होंगे उसके दिल पर क्या गुजर रही होगी।'

'लेकिन अम्मी, पैसे मेरी ही जेब में थे।' असगर ने फिर सफाई पेश की। अम्मी ने प्यार से असगर के बालों पर हाथ फेरा फिर बोलीं- 'अच्छा बाबा मान लिया पैसे तुम्हारी जेब में थे, लेकिन तुम्हारे पास इतने पैसे आए कहां से?' अम्मी के सवाल का असगर के पास कोई जवाब न था।

थोड़ा समय बीता। दोपहर हो गई। मोहल्ले के बच्चे जब घर में इटकट्ठा हुए तो असगर सब कुछ भूल कर उनके साथ खेलने में मशगूल हो गया। थोड़ी देर बाद असगर अब्बा से आकर बोला- 'अब्बा हमें ईदी दीजिए, हम सब घूमने बाहर जा रहे हैं।'

'हां हां क्यों नहीं?' कहते हुए अब्बा पैसे निकालने अलमारी की तरफ बढ़े। अलमारी में से हैंगर पर टंगी पतलून उतारी और जेब में हाथ डाला तो दंग रह गए। पैसे तो उसमें थे ही नहीं। जल्दी-जल्दी अलमारी उलट डाली, लेकिन फिर भी पैसे कहीं नहीं मिले।

अम्मी और असगर को बुला कर पूछा, लेकिन उनसे भी कोई जानकारी नहीं मिली। अब्बा थोड़ा परेशान हो गए। अम्मी फिर से अलमारी में पैसे तलाशने लगीं।

'कहीं वे पैसे आपके तो नहीं थे जो मेरी जेब में थे?' कहते-कहते असगर के चेहरे पर चमक आ गई। अब्बा-अम्मी एक-दूसरे का चेहरा ताकने लगे।

अब्बा चारपाई पर बैठ गए और सोच में पड़ गए। तभी उन्हें कुछ याद आया तो मुस्कुरा पड़े तो अम्मी ने टोका- 'आपके पैसे गायब हो गए और आप मुस्कुरा रहे हैं!'

फिर अब्बा बोले- 'असगर सही कह रहा था, पैसे उसकी जेब में ही थे।'

दरअसल, कल रात में अब्बा ने गलती से पैसे अपनी पतलून के बजाय असगर की पतलून में रख दिए थे। चूंकि पतलून का रंग काला ही था, तो वह असगर की पतलून को अपनी पतलून समझ बैठे थे।

'आपको अपनी और असगर की पतलून में फर्क नहीं लगा।' अम्मी बोली।

'अरे, अगर पता चल जाता तो रखता ही क्यों?' अब्बा कह कर हंसे तो उनके साथ-साथ असगर भी मुस्कुरा दिया।

फिर असगर और अब्बा दोनों रोशन चाचा की दुकान की तरफ चल दिए। ❑

कविता

कुमार गौरव अजीतेंदु

चालाक चूहा

घर में एक चूहा है आया
कुतर-कुतर सब उसने खाया

देख-देख सबकी परेशानी
पापा लाए चूहेदानी

मां ने झट से ब्रेड मंगाया
टुकड़ा उसका एक फंसाया

चूहेदानी वहीं लगा कर
सोए हम कमरे में जाकर

खुश थे, भाग नहीं पाएगा
चूहा अब पकड़ा जाएगा

हाय! सुबह को जब मैं जागा
देखा, चूहा ब्रेड ले भागा

चूहे ने की कारस्तानी
धरी रह गई चूहेदानी ❑

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

प्रवाह / परवाह

जल के बहाव, नदी के बहते हुए पानी में डाल कर किसी चीज को बहा देने की क्रिया को **प्रवाह** कहते हैं। चलते हुए क्रम यानी सिलसिले को भी प्रवाह कहते हैं। जबकि **परवाह** का अर्थ है ध्यान रखना, खयाल रखना, फिक्र करना।

बंधन / वंदन

किसी चीज को दूसरी चीज के साथ रस्सी वगैरह से बांधते हैं, तो उस बांधने वाली चीज को **बंधन** कहते हैं। किसी काम के लिए लगाई गई कड़ी शर्त को भी बंधन कहते हैं। जबकि **वंदन** का अर्थ है प्रार्थना। जैसे देवताओं का वंदन किया जाता है।